वार्षिक विवरण 2017-18

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सततपहल

भारत डायनामिक्स लिमिटेड

(भारत सरकार साहयोग्से))

प्रस्तुत

इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद

झलक सीएसआर की

अभिस्वीकृति

वर्ष 2017-18 के लिए सी एस आर और एस डी वार्षिक विवरण प्रचारकरने के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद की परामर्श सेवाएंलेने के लिए हम भारत डायना मिक्स लिमिटेड के अधिकारियों को बहुत बहुत धन्यवाद प्रकट् करते हैं.

अध्ययन के अवसर प्रदान करने के लिए हम कमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त) सी.एम.डी और श्री पीरामानयगम - निदेशक (वित्त), भारत डायनामिक्स लिमिटेड का अभिनंदन देते हैं। रिपोर्ट की तैयारी में निगमित जरूरतों (कॉर्पोरेट) और मूल्यवान अंतर्दृष्टि सहयोग के लिए श्री एस नारायणन,पूर्व महाप्रबंधक (एचआर),हम श्री पी। मोतीराम, पूर्व में डी जी एम (सी- एच आर/ सी एस आर), श्री डी एस एन मूर्ति, प्रबंधक (पी एंड ए), करते हैं।

इस रिपोर्ट को तैयारी के लिये मेजबान संगठन भारत डायनामिक्स लिमिटेड के पेशेवरों के सक्रिय जैसे श्री कृष्णवर्धन, प्रबंधक (पी एंड ए) / (सी एस आर), श्री सुरजीत दास, उप प्रबंधक (पी एंड ए) / (सी एस आर), सहयोग से समाचार एकत्रित करने और समय पर अपना काम पूरा करने में सहयोग्प्रदान के लिये सभी को प्रतिदिल से आभार व्यक्त करते हैं।

हम बीडीएल के अन्य सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना धन्यवाद देते हैं जो इस रिपोर्ट को तैयार करने में आवश्यक सहायता और सहायता प्रदान करने में शामिल थे।

डॉ शुलगणा सरकार सहेयक प्रोफेसर, आई.पी.ई

अनुक्रमणिका

क्र. सं	**अध्यायसंख्या**	**विवरण**	**पृ.संख्या**
1	अध्याय-1	परिचय	5-15
2	अध्याय-2	अनुसंधान *कार्यप्रणाली*	16-26
3	अध्याय-3	विवरण,विश्लेषण	27-227
4	अध्याय-4	प्रभावमूल्यांकन	228-232
5	अध्याय-5	निष्कर्ष	233-234
		अनुलग्नक	235 – 249

अध्याय 1

प्रस्तावना

भारत डायनामिक्स लिमिटेड

भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का उद्‌यम है। इसकी स्थापना हैदराबाद में वर्ष 1970 में इस उद्‌देश्य से की गई थी कि निर्देशित मिसाइलों और संबद्‌ध रक्षा उपकरणों के विनिर्माण का एक आधार-स्तम्भ बनाया जाए। बीडीएल, एक मिनीरत्न श्रेणी-I सार्वजनिक क्षेत्र का उद्‌यम है। यह दुनिया के कुछेक चुनिंदा उद्‌योगों में से एक है जिनके पास अत्याधुनिक निर्देशित हथियार प्रणालियों का उत्पादन करने की क्षमता है। कंपनी विनिर्माण के नए क्षेत्रों में कदम रखने के लिए प्रतिबद्‌ध है, जिसमें जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों,वायु रक्षा प्रणालियों, भारी-भरकम टॉरपीडो, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों आदि जैसे अस्त्र-प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इस प्रकार यह उद्‌यम रक्षा उपकरणों का विश्वस्तरीय विनिर्माता बन गया है। बीडीएल में इस समय विभिन्न श्रेणियों में 3095 (31.3.2018 को) कर्मचारी कार्यरत हैं। इसकी तीन विनिर्माण इकाइयाँ हैं: पहलीकंचनबाग, हैदराबाद में, दूसरी तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के भानूर,पाटनचेरु मंडल में, तथा तीसरी इकाई आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्थित है। कार्यस्थलों के विस्तार की योजना के अंतर्गत बीडीएल दो और इकाइयों की स्थापना कर रहा है - एक महाराष्ट्र के अमरावती जिले में और दूसरी तेलंगाना राज्य के इब्राहिमपट्‌टणम में।

कंपनी का ध्येय और अभियान इस प्रकार है:

ध्येय: रक्षा उद्‌योग के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक के गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का उत्पादन करके एकविश्व स्तरीय उद्‌यम बनना।

अभियान: स्वयं कोवान्तरिक्ष और अन्तर्जल शस्त्र उद्‌योग में अग्रणी विनिर्माता के रूप में स्थापित करना तथा देश की सुरक्षा प्रणालियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले परिष्कृत, उत्कृष्ट और वैश्विक उद्‌यम के रूप में उभरना।

बीडीएल सीएसआर मिशन:

बीडीएल अपनी सीएसआर और स्थिरता पहल के माध्यम से निम्नलिखित योगदान देगा:

- हमारे समाज में वंचित लोगों को आवश्यक अवसंरचना प्रदान करके उनकेजीवन स्तर को ऊपर उठाने में योगदान देना।
- गरीबी उन्मूलन की दिशा में योगदान देना

- ऐसी किसी भी गतिविधि में सहयोग देना,जो पारिस्थितिकी संतुलन और स्थिरताके सुधार में सहायक हो।

सीएसआर के मिशन को ध्यान में रखते निम्नलिखित उद्देश्यों का पालन किया जाता है।

- शिक्षा कीप्राथमिकता केरूप में पहचान करना और उस पर ध्यान देना तथा ग्रामीण स्तर पर शैक्षिक सुविधाओं कोबेहतर बनाने के लिए उपयुक्त कार्यकलाप करना।
- ग्रामीण जीवन को स्वच्छ और साफ-सुथराबनाने के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण उन्नयन पर ध्यान देना।
- युवाओं को आजीविका बनाने के लिए स्वरोजगार करनेऔर उद्यम लगाने के लिए शिक्षित और प्रोत्साहित करना।
- उपेक्षित वर्गों के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास में सहायता करना और सरकारी प्रयासों में भाग लेना।

सीएसआर संगठन ढांचा

नीचे दर्शाया गया दो स्तरीय संगठन ढांचाकंपनी में सीएसआर पहल को लागू करने में मार्गदर्शन करेगा। बोर्ड स्तरीय सीएसआर और एसडी समिति: बोर्ड स्तरीय सीएसआर और एसडी समिति में तीन या अधिक निदेशक शामिल होंगे, जिसमें से एक निदेशक स्वतंत्र निदेशक होगा

स्वतंत्र निदेशक: अध्यक्ष

स्वतंत्र निदेशक: सदस्य

निदेशक (वित्त): सदस्य

निदेशक (उत्पादन): सदस्य

अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन): सदस्य सचिव

31 मार्च, 2018 तक सीएसआर समिति की संरचना

1	श्री अजयनाथ, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष
2	श्रीमती सुषमा वी. डबक, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
3	श्री एस. पीरामनयागम, निदेशक (वित्त) एवंसीएफओ	सदस्य
4	श्री वी. गुरुदत्त प्रसाद, निदेशक (उत्पादन)	सदस्य
5	श्री के.एस. संपत, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
6	प्रो.अजय पाण्डे, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
7	श्रीमती के. लता नरसिम्हा मूर्ति, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य

बोर्ड स्तर से नीचे की सीएसआर और एसडी समिति:

कार्यकारी निदेशक (पीएंडए)	: अध्यक्ष
अधिशासी निदेशक (बीयू)	: सदस्य
महाप्रबंधक (वी एंड ईआर)	: सदस्य
महाप्रबंधक (वीयू)	: सदस्य
सहायक महाप्रबंधक (सिविल एवं अवसंरचना)	: सदस्य
सहायक महाप्रबंधक (सीपी) बीयू	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (का. एवं प्रशा.- सीएसआर)	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (सिस्टम ऑडिट)	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (वित्त एसजी-I)	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (वित्त) कॉर्प	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (वित्त) वीयू	: सदस्य
उप महाप्रबंधक (वित्त) भानुर	: सदस्य
प्रबंधक (वित्त) वीयू	: सदस्य
प्रबंधक (पी एंड ए) बीयू	: सदस्य
प्रबंधक (पी एंड ए - सीएसआर)	: सदस्य सचिव

सीएसआर परियोजना प्रस्तावोंकी पहचान, चयन और बीडीएल में अनुमोदन प्रक्रिया

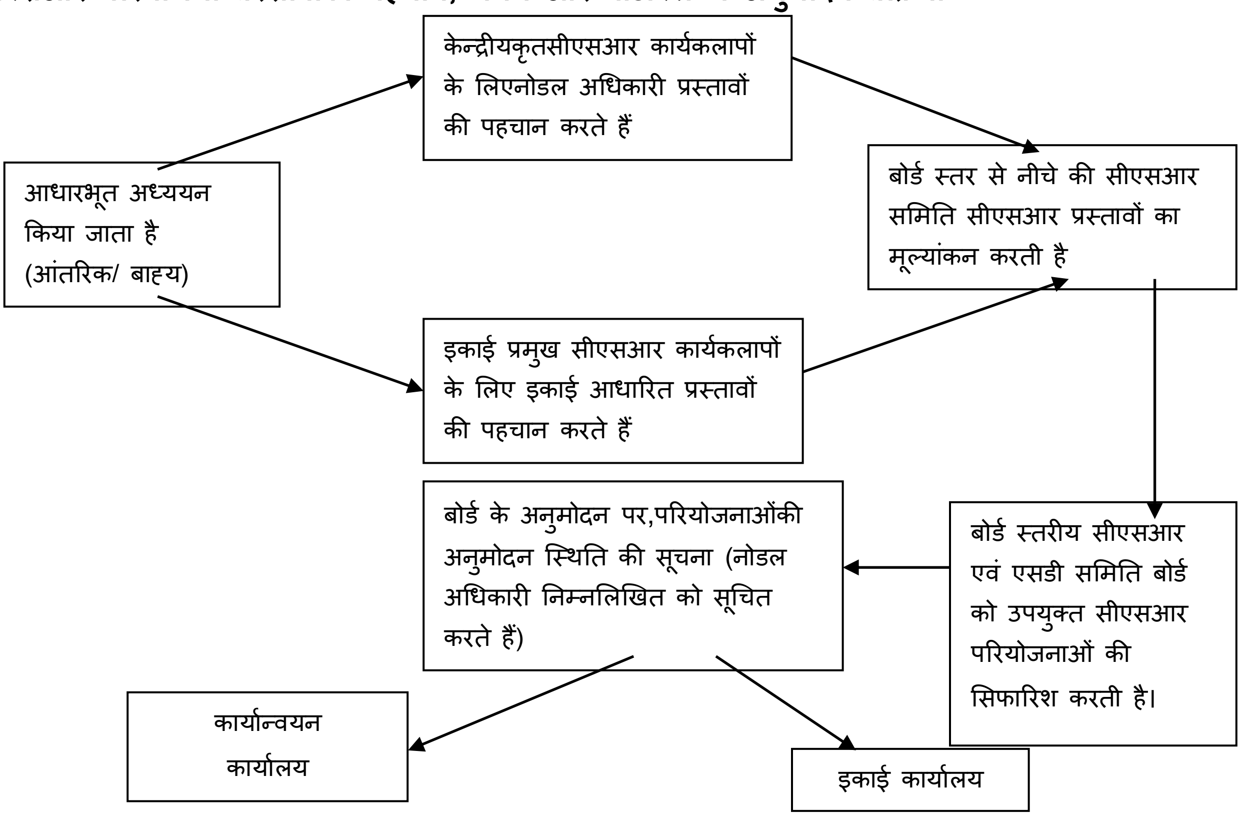

बीडीएल के सीएसआर और एसडी प्रमुखक्षेत्र:

- पर्यावरण संरक्षण
- बुनियादी ढांचे का विकास
- पेयजल/ स्वच्छता
- स्वास्थ्य देखभाल/ चिकित्सासुविधा
- सामुदायिकविकास
- शिक्षा
- कौशल विकास/ सशक्तीकरण
- आपदा प्रबंधन
- कला, संस्कृति और खेल
- अपशिष्ट ऊर्जा प्रबंधन
- ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देना
- अपशिष्ट पदार्थों के दोबारा इस्तेमाल और पुनर्चक्रण के लिए परियोजना
- वर्षा जल का संग्रहण
- भूजल आपूर्ति की सम्पूर्ति
- पारिस्थितिकी प्रणाली की रक्षा,संरक्षण और बहाली
- ऊर्जा की कम खपत करने वाली और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन घटाना।

बीडीएल पर्यावरण से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के 3 वैश्विक समझौतासिद्धांतों का समर्थन करता है जो निम्न प्रकार हैं:

- पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के लिएएहतियाती दृष्टिकोण अपनानेका समर्थन करना;
- व्यापकपर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए पहल प्रारंभ करना;
- पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार को प्रोत्साहित करना।

बीडीएल सीएसआर परियोजना आधारित दृष्टिकोण:

दीर्घकालिक स्थिरता पर बल देने के लिए बीडीएल परियोजना आधारित जवाबदेही नीति का पालन करेगा, जहांइसकी कार्य-योजना को अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घावधि के रूप में बांटा जाएगा:

अल्पावधि - एकवर्ष से कम

मध्यावधि - 1 से 3 वर्ष

दीर्घावधि - 3 वर्ष से अधिक

दीर्घावधि कार्यक्रम की पहचान करते समय, निम्नलिखित को परिभाषित करने के लिए यथासंभव सभी प्रयास किए जाने चाहिए:

- कार्यक्रम के उद्देश्य
- आधारभूत सर्वेक्षण -यह एक आधार प्रदान करेगा जिस पर परिणाम को आंका जाएगा।

- कार्यान्वयन की समय-सरणियां - निर्धारित समयावधि
- उत्तरदायित्व और प्राधिकार
- संभावितप्रमुख परिणाम और मापने योग्य परिणाम

बीडीएल का वित्त वर्ष 2013 से 2017 तक का कार्य-निष्पादन(करोड़ रुपए में)

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
कारोबार	1075	1780	2800	4160	4887	4588
कर पूर्व लाभ	419	509	614	847	803	774
कर पश्चात्लाभ	288	346	419	565	524	528

सीएसआर व्यय 2016 से 2018 तक (करोड़ों रुपये में)

	साल	**कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार सीएसआर लक्ष्य (करोड़ों रुपए में)**	**व्यय (करोड़ों रुपये में)**
1	**2015 – 16**	**10.28**	**11.27**
2	**2016 – 17**	**13.15**	**13.18**
3	**2017-18**	**15.10**	**18.39**

2012 से 2018 तक सीएसआर व्यय (करोड़ों में)

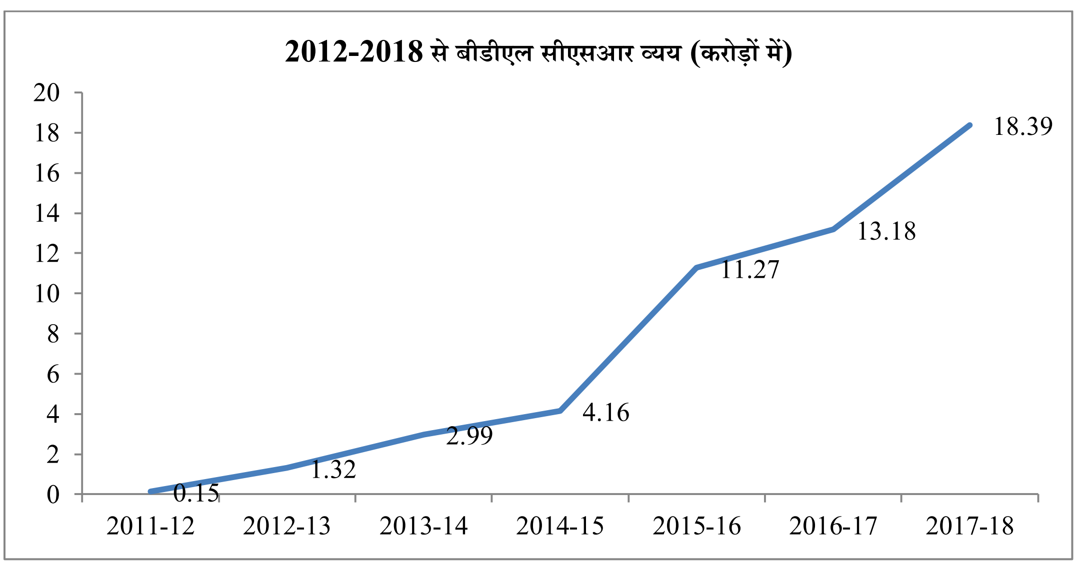

रेखा-चित्रस्पष्ट रूप से इंगित करता है कि कंपनियों के सीएसआर व्ययमेंलगातारवृद्धिहुईहै।

वित्त वर्ष 2017-18 में बीडीएल सीएसआर एरिया वाइज खर्च किया (प्रतिशत)

क्र.स.	**क्षेत्रकानाम**	**कुलयोजनासंख्या**	**कुलखर्च (लाख रुपयेमें)**	**प्रतिशत**
1	शिक्षा	06	342.64	18.63
2	स्वास्थ्य	05	220.20	11.97
3	पीने का पानी	01	5.42	0.29
4	कौशल विकास	05	302.50	16.45
5	स्वच्छता	06	606.88	32.99
6	ग्रामीण विकास	02	176.25	9.58
7	पर्यावरणीय स्थिरता	01	63.00	3.43
8	सशस्त्र बलोंके लाभ के लिए उपाय	01	50.00	2.72
9	अन्य	02	72.52	3.94
	कुल	**29**	**1839.41**	**100**

वित्त वर्ष 2017-18 में बीडीएल सीएसआर क्षेत्र-वार किए गए खर्च का प्रतिशत

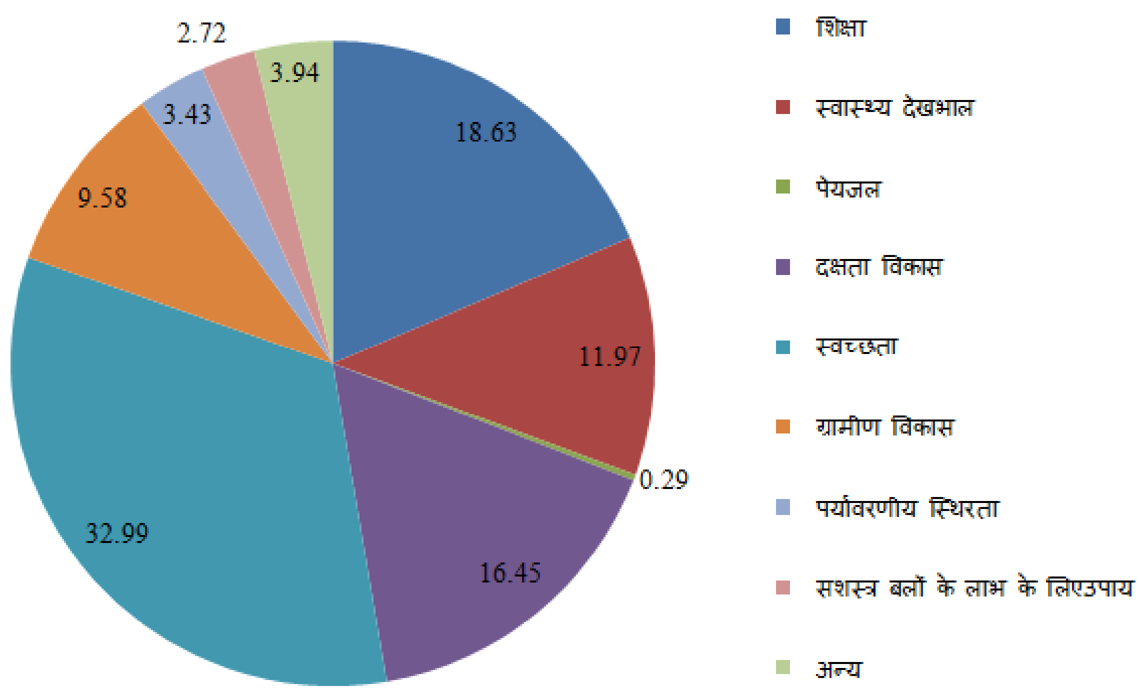

वित्त वर्ष 2017-18 के उपर्युक्त आंकड़ोंमें दर्शाया गया है कि बीडीएल ने स्वच्छता, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अधिकतम सीएसआर निधियां खर्च की है।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड-वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान सीएसआर परियोजना-वार खर्च की गई राशि (लाख रुपए में)की एक झलक

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना का नाम	सीएसआर क्षेत्र	परियोजनाएँ या कार्यक्रम		परियोजना या कार्यक्रम-वारराशिपरिव्यय (बजट)	ऊपरि शीर्ष सहित परियोजनाओं या कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	रिपोर्टिंगअवधि तक संचयी व्यय	कार्यान्वयन एजेंसी काब्योरा
			स्थानीय क्षेत्र या अन्य	स्थान				
1	मध्याहन भोजन योजना	शिक्षा	स्थानीय	संगारेड्डी जिला, तेलंगाना राज्य	107.00	84.77	84.77	अक्षयपात्र फाउंडेशन
2	मध्याहन भोजन योजना	शिक्षा	स्थानीय	विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य	53.50	42.89	42.89	अक्षयपात्र फाउंडेशन
3	ब्लाइंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया के लिए स्टेशनरी	शिक्षा	स्थानीय	मुंबई, महाराष्ट्र	0.21	0.21	0.21	प्रत्यक्ष
4	नलगोंडा में सरकारीस्कूल के लिए फर्नीचर	शिक्षा	स्थानीय	नलगोंडा, तेलंगाना	10.25	13.25	13.25	प्रत्यक्ष
5	भानुर गाँव में स्कूल भवन का निर्माण और आरओ जल	शिक्षा	स्थानीय	संगारेड्डी, तेलंगाना	268.00	3.02	3.02	प्रत्यक्ष

	उपचार संयंत्र की स्थापना							
6	चंचलगुडा और चेरलापल्ली जेलों के माध्यम से तेलंगाना केसरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर	शिक्षा	स्थानीय	तेलंगाना	200.00	198.50	198.50	केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा और चेरलापल्ली, हैदराबाद
7	नलगोंडा में स्वास्थ्य देखभाल	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	नलगोंडा जिला, तेलंगाना राज्य	29.06	18.43	18.43	हेल्पएज इंडिया
8	विशाखापत्तनम में स्वास्थ्य देखभाल	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य	22.49	14.75	14.75	हेल्पएज इंडिया
9	कृत्रिम अंग का वितरण	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	सिद्दीपेट, तेलंगाना	20.00	13.23	13.23	भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम(एएलएमसीओ)
10	स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी कोष	स्वास्थ्य देखभाल	अन्य	-	100.00	100.00	100.00	प्रत्यक्ष
11	श्रवण विकलांगता वाले लोगों के लिए कोचलीयर इंप्लांट परियोजना	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	तेलंगाना	73.79	73.79	73.79	भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम
12	सुरक्षित पेयजल	पेयजल आपूर्ति	स्थानीय	नलगोंडा, तेलंगाना	5.42	5.42	5.42	नांदीफाउंडेशन

13	इंडो- जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी) के माध्यम से कौशल विकास	कौशल विकास	स्थानीय	विशाखापत्तन, आंध्र प्रदेश	50.00	29.99	29.99	इंडो-जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी)
14	सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण	कौशल विकास	स्थानीय	हैदराबाद, तेलंगाना	50.00	39.65	39.65	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट), हैदराबाद
15	आईटीआई (सरकारी आईटीआई, पुराना शहर और सरकारी आईटीआई, अलवाल) को अपनाना	कौशल विकास	स्थानीय	हैदराबाद, तेलंगाना	158.77	33.72	33.72	प्रत्यक्ष
16	आईजीआईएटी में बीडीएल डिजिटल लैब्स की स्थापना	कौशल विकास	स्थानीय	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	15.06	15.06	15.06	इंडो जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी
17	सिपेट(520 प्रतिभागियों) के माध्यम से बेरोजगार	कौशल विकास	स्थानीय	तेलंगाना	184.08	184.08	184.08	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक

	युवाओं का कौशल विकास							इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट), हैदराबाद
18	तेलंगाना राज्य के सरकारीस्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।	स्वच्छता	स्थानीय	संगारेड्डी, नलगोंडा, रंगारेड्डी, तेलंगाना राज्य	37.08	30.90	30.90	तेलंगाना सर्वशिक्षा अभियान
19	आंध्र प्रदेश राज्य के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।	स्वच्छता	स्थानीय	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	9.00	5.94	5.94	आंध्र प्रदेश सर्वशिक्षा अभियान
20	केबीसी सड़क विकास, चरागाहपौधरोपण में आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाएं	स्वच्छता	स्थानीय	हैदराबाद, तेलंगाना	29.06	25.12	25.12	प्रत्यक्ष
21	स्वच्छ भारत कोष	स्वच्छता	अन्य	-	450.00	450.00	450.00	प्रत्यक्ष
22	हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के माध्यम से स्कूल शौचालयों का निर्माण	स्वच्छता	स्थानीय	संगारेड्डी, नलगोंडा, रंगारेड्डी, तेलंगाना	19.92	19.92	19.92	हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड
23	जीएचएमसीभूमिगत कूड़ादान	स्वच्छता	स्थानीय	हैदराबाद, तेलंगाना	75.00	75.00	75.00	ग्रेटर हैदराबाद

								नगरपालिकानिगम
24	सैन्य माधवरामगांव गोद लेना	ग्रामीण विकास	स्थानीय	पश्चिम गोदावरी, आंध्र प्रदेश	658.90	153.00	153.00	प्रत्यक्ष
25	गोंड्डुपालेम गांव को गोद लेना	ग्रामीण विकास	स्थानीय	विशाखापत्तन, आंध्र प्रदेश	20.00	23.25	23.25	प्रत्यक्ष
26	राजन्ना सरसिला जिला में वृक्षों की सुरक्षा	पर्यावरणीय स्थिरता	स्थानीय	सरसिला, तेलंगाना	70.00	63.00	63.00	जिला प्रशासन, राजन्ना सरसिला जिला
27	सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष	सशस्त्र बलों के लाभ के लिए उपाय	अन्य	-	50.00	50.00	50.00	प्रत्यक्ष
28	कंचनबाग पीएस सीमापर सीसीटीवी लगाना	अन्य	स्थानीय	हैदराबाद, तेलंगाना	5.00	4.93	4.93	हैदराबाद पुलिस विभाग
29	सीएसआर प्रशासनिक और उपरि शीर्ष	अन्य		हैदराबाद, तेलंगाना	-	67.59	67.59	प्रत्यक्ष
	कुल				**2771.59**	**1839.41**	**1839.41**	

अध्याय-॥

अनुसंधान कार्यप्रणाली

संकल्पनात्मक रूपरेखा

साहित्य में नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सबसे प्रमुख संकल्पनाओं में से एक है। संक्षेप में, यह हितधारकों पर व्यवसायके पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावको दर्शाता है। इस संकल्पना पर साहित्य के बढ़ते प्रभावके बावजूद, सीएसआर को मापना अभी भी समस्या बना हुआ है। यद्यपि साहित्य नैगमिक सामाजिक गतिविधियों को मापने के लिए कई तरीके प्रदान करता है, लेकिन लगभग सभी की कुछ सीमाएँ हैं। इस प्रस्ताव का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को व्यवसाय की जिम्मेदारियों को दर्शाते हुए सीएसआर का एक विश्वसनीय पैमाना उपलब्ध कराना है।

भारत में कंपनियां सीएसआर पहल करने और उन्हें अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं से जोड़ने में काफी सक्रिय रही हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 ने अपने दायरे में आने वाली कंपनियों के लिए इसे आवश्यक बना दिया है ताकि वे अधिनियम में निर्धारित अनुसार राशि खर्च करें। बीडीएल ऐसी ही कंपनियों में से एक है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के मानदंडों का अनुपालन करती है।

प्रभाव का मूल्यांकन/ सीएसआर की लेखा-परीक्षा

प्रभाव का मूल्यांकन करनाएक सतत प्रक्रिया है और यह संभावित और वास्तविक कार्यक्रमों के परिणामों को प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह सीएसआर कार्यकलाप के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर प्रासंगिक साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

सीएसआर मूल्यांकन कार्यक्रम सर्वोत्तम प्रथाओं, ग्राहकों पर ध्यान देने और अन्य बाहरी, मूल्य वर्धित दृष्टिकोणोंके प्रयोग से संगठनात्मक परिवर्तन और कार्य-निष्पादन में उल्लेखनीयसुधार करनेमें अहमभूमिका निभाता है।

बीडीएल द्वारा वर्ष 2016-17 में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सीएसआर परियोजनाएं के प्रभाव का मूल्यांकन शुरू किया गया था, जो आधारभूत सर्वेक्षण रिपोर्टों और स्थानीय समुदाय तथा सरकारी निकायों द्वाराप्रस्तुत प्रस्तावों में दर्शाए गए मुद्दों पर आधारित है।

अध्ययनकी कार्यप्रणाली और सीएसआर प्रभाव के मूल्यांकन के लिए उठाए जाने वाले कदम:

यह कार्यक्षेत्र कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 में उल्लिखित व्यापक कार्यों के अधीन है।

- कम से कम 10% लाभार्थियों के प्रतिनिधि आकार का सर्वेक्षण किया गया है।
- गुणात्मक आंकड़े जुटाए गए हैं। इसमें परियोजना के विभिन्न हितधारकों को शामिलकरके संकेन्द्रित समूह चर्चा और भागीदारीपूर्ण पद्धति का प्रयोग किया गया।

- इसमें अर्ध संरचनात्मकप्रश्नावली का प्रयोग करके लाभार्थियों से आंकड़ेभी जुटाएगए हैं। ये प्रश्न पृष्ठभूमि, विकास, वर्तमान परिस्थितियों और परियोजना के समग्र कार्यान्वयन पर आधारित हैं।
- परियोजना से जुड़ेप्रमुख अधिकारियों के साथ कई बार दूरभाष पर चर्चा भी की गई।

आंकड़ा संग्रहण:

हितधारकों और कंपनी के अधिकारियों के साथ बातचीत:

संगठन का नाम	अधिकारी जिनसे बातचीत की गई	तारीख	कारण
बीडीएल	श्री कृष्ण वर्धन, बी.डी.एल.	20.5.2019	आरंभिक बातचीत
बीडीएल	श्री सुरजीत दास	20.5.2019	आरंभिक बातचीत
बीडीएल	श्री डी.एस.एन.मूर्ति, बीडीएल, विशाखापत्तनम	20.6.2019	बीडीएल विशाखापत्तनम केसीएसआरकार्यकलापोंके बारे में
नांदीफाउंडेशन	सुश्री शिवानी बी सुश्री अनुषा	24.5.2019	नांदीफाउंडेशन के संचालन को समझना
हेल्पएज इंडिया	श्री स्टेनली	24.5.2019	हेल्पएज इंडिया के संचालन को समझना
भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम(एलिम्को)	श्री के.वी.राजेश, प्रबंधक और प्रभारी, क्षेत्रीय विपणन केंद्र, एलिम्को श्रीमती परमिता बैनर्जी, प्रबंधक (पी एंड ओ), एलिम्को	31.5.2019	जांचके बाद पीडब्ल्यूडी के पात्र लाभार्थियों को विकलांगता शिविर के विवरण तथाउपस्करऔर उपकरणों के वितरण के बारे में।
मंडल परिषद कार्यालय, चेरियाल	श्रीमती जरीना बेगम, जिला कल्याण अधिकारी, सिद्दीपेट श्री रामप्रसाद, एमपीडीओ, चेरियाल श्रीमती संतोषी बाई, सीडीपीओ, चेरियाल	31.5.2019	विकलांगता शिविर के आयोजन के बारे में विवरण
चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली	श्री आर भास्कर, अधीक्षक,केन्द्रीय कारागार	4.6.2019	चेरलापल्ली केन्द्रीय कारागार में कैदियों के कौशल विकास के प्रयासों को समझना

	श्रीनिवास, प्रशासनिक अधिकारी श्री वेंकटरमण, वरिष्ठ सहायक		
आईटीआई कॉलेज, अलवाल	श्री वेंकटरमण, प्राचार्य, आईटीआई कॉलेज, अलवाल	4.6.2019	आईटीआई कॉलेज, अलवाल में 5 किलोवाट सोलर पावर प्लांट यूनिट की स्थापना के बारे में जानना
सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्डटेक्नोलोजी (सिपेट)	श्री ए.वी.आर. कृष्णा, निदेशक और प्रमुख, सिपेट: सेंटर फॉर स्किलिंग एंड टेक्निकल स्पोर्ट (सीएसटीएस), हैदराबाद	7.6.2019	बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास पाठ्यक्रमों को समझना, जोसिपेटद्वारा आयोजित किए जाते हैं
इंडो जर्मन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी), विशाखापत्तनम	श्री बी.विनोद कुमार निदेशक, आईजीआईएटी	10.6.2019	बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास पाठ्यक्रमों को समझना
ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, हैदराबाद	श्री कोटेश्वरराव, एसई श्री श्रीनिवास रेड्डी, ईई	11.6.2019	हैदराबाद में भूमिगत कूड़ादान के कार्यकलाप को समझना।
आईटीआई कॉलेज, पुराना शहर, बहादुरपुरा	श्रीमती रेणुका, प्रचार्य, आईटीआई कॉलेज	13.6.2019	विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जाननाजैसे आईटीआई प्रयोगशालाका नवीनीकरण, क्लास रूम का निर्माण, प्लम्बर कार्यशाला, उपकरणों और उपस्करोंकी खरीद और छात्रों के लिए कच्चे माल की खरीद।
चंचलगुडा केन्द्रीयकारागार, चेरलापल्ली	श्री के.अर्जुन राव, जेल अधीक्षक श्री वीरा स्वामी, प्रशासनिक अधिकारी श्रीश्रीनिवास, वरिष्ठ सहायक	13.6.2019	चंचलगुडा केंद्रीय कारागार में कैदियों के कौशल विकास की पहल को समझना

बालापुर, कंचनबाग	श्री भगत, डीएम (सिविल), बीडीएल, कंचनबाग	14.6.2019	बागवानीगतिविधि के बारे में जानना, जिसे बीडीएल ने शुरू किया था
हैदराबाद	सुश्री रजनी सिन्हा	14.6.2019	अक्षयपात्रके संचालन को समझना
हैदराबाद	श्री नागेश्वर राव, प्रबंधक (एचआर), बीडीएल, भानुर	14.6.2019	भानुर गाँव की विकासात्मक गतिविधियों (स्कूल भवन और आरओ वाटर संयंत्र) के बारे में जानना।
बिल भुगतान श्रेणी के तहत परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष की गई बातचीत			
सीसीटीवी लगाना	श्री शंकर, सी.आई, कंचनबाग श्री महेश, एस.आई, कंचनबाग	7 अप्रैल, 2018	सीसीटीवी कैमरों के संचालन को समझना।
स्कूल फर्नीचर	श्री के. अर्जुन राव, कारागार अधीक्षक और श्री वीरा स्वामी, प्रशासनिक अधिकारी	10 अप्रैल, 2018	चंचलगुडा केंद्रीय कारागार में कैदियों के कौशल विकास की पहल को समझना
स्कूल शौचालय	श्री राजा रत्नम, उप कार्यकारी अभियंता,राज्य परियोजना निदेशक का कार्यालय, एसएसए, तेलंगाना, हैदराबाद	2 अप्रैल, 2018	स्कूल शौचालयों के संचालन को समझना - तेलंगाना राज्य
स्कूल शौचालय	श्री के. नागभूषणम, एम.ई.ओ.	28 अप्रैल, 2018	स्कूल शौचालयों के संचालन को समझना - विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
गांव गोद लेना कार्यक्रम	श्री वी.श्रीनिवास, सरपंच, गोदुपालेम गाँव, के. कोटपड्डू, मंडल, आंध्र प्रदेश	27 मार्च, 2018	इसकी पहल और इसके प्रभाव को समझना।
आईटीआई पुराना शहर, हैदराबादको गोद लेना	श्रीमती एस. रेणुका, प्रचार्य	21 अप्रैल, 2018	कॉलेज अवसंरचना विकास गतिविधियों की कार्य स्थिति को जानना।

गांव का नाम और दौरेकी तारीख सहितसीएसआर सर्वेक्षण कार्य विवरण

1.कृत्रिम अंगों का वितरण

क्र.सं.	गाँव का नाम	दौरे की तारीख़
1	मंडल परिषद, चेरियाल मंडल	31.5.2019

2. श्रवण विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण परियोजना

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	कृत्रिम अंग निर्माण निगमलिमिटेड, हैदराबाद	31.5.2019

3. चंचलगुडा और चेरलापल्लीकारागारोंके माध्यम से तेलंगाना में सरकारीस्कूलों के लिए स्कूलफर्नीचर

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	चेरलापल्ली	4.6.2019
2	चंचलगुडा	13.6.2019

4. आईटीआई (सरकारी आईटीआई, पुराने शहर और सरकारी आईटीआई, अलवाल, हैदराबाद) को अपनाना

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	पुराना शहर, हैदराबाद	13.6.2019
2	अलवाल, हैदराबाद	4.6.2019

5. सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण,और

6. सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास(520 छात्र)

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	चेरलापल्ली, हैदराबाद	7.6.2019

7. नलगोंडा में स्वास्थ्य देखभाल

क्र.सं.	शहर/ गाँव का नाम	दौरे की तारीख़
1	एमएचयू, चौटुप्पल	10.6.2019
2	संस्थान नारायणपुर	10.6.2019
3	जनागम	10.6.2019

8. सुरक्षित पेयजल

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	पीपल पहाद	10.6.2019
2	जनागम	10.6.2019
3	संस्थान नारायणपुर	10.6.2019

9. जीएचएमसी भूमिगत कूड़ादान

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	हैदराबाद	11.6.2019

10. केबीसी सड़क विकास, चरागाहपौधरोपणमें आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाएं

क्र.सं.	शहर का नाम	दौरे की तारीख़
1	बालापुर, हैदरबाद	14.6.2019

11. मध्याहन भोजन योजना

क्र.सं.	स्कूल का नाम और शहर/ गाँव	दौरे की तारीख़
1	प्राथमिक विद्यालय, सुल्तानपुर	15.6.2019
2	जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल, सुल्तानपुर	15.6.2019
3	यूपीएस स्कूल, गांधीगुडम	15.6.2019
4	प्राथमिक विद्यालय, जनकमपेट	15.6.2019
5	प्राथमिक विद्यालय, वाडकपल्ले	15.6.2019

6	प्राथमिक विद्यालय, किस्तेरेड्डीपेट	15.6.2019
7	जेड.पी.एच.एस. स्कूल, किस्तेरेड्डीपेट	15.6.2019
8	प्राथमिक विद्यालय, शांतिनगर-पाटनचेरु	15.6.2019
9	प्राथमिक विद्यालय, गौतमनगर	15.6.2019
10	प्राथमिक विद्यालय (बालिका), पाटनचेरु	15.6.2019

12. तेलंगाना राज्य के सरकारी स्कूलों में स्कूल शौचालयों का रखरखाव

क्र.सं.	स्कूल - नाम, गाँव/ शहर	दौरे की तारीख़
1	जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल, सुल्तानपुर	15.6.2019
2	यूपीएस स्कूल, गांधीगुडम	15.6.2019
3	प्राथमिक विद्यालय, जनकमपेट	15.6.2019
4	प्राथमिक विद्यालय, वाडकपल्ले	15.6.2019
5	प्राथमिक विद्यालय, शांतिनगर-पाटनचेरु	15.6.2019
6	प्राथमिक विद्यालय, गौतमनगर	15.6.2019
7	प्राथमिक विद्यालय (बालिका), पाटनचेरु	15.6.2019

13. सैन्य माधवराम गांव गोद लेना

क्र.सं.	गाँव का नाम	दौरे की तारीख़
1	सैन्य माधवराम	19.6.2019

14. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम - विशाखापत्तनम

क्र.सं.	स्कूल का नाम, क्षेत्र	दौरे की तारीख़
1	जीवीएमसी हाई स्कूल, बर्मा कॉलोनी	20.6.2019
2	जीवीएमसी प्राथमिकस्कूल, बर्मा कॉलोनी	20.6.2019
3	पोर्ट हाई स्कूल, गोदावरी	20.6.2019
4	जीवीएमसी हाई स्कूल, माधवधारा	20.6.2019

15. इंडो-जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी) के माध्यम से कौशल विकास

16. आईजीआईएटी में बीडीएल डिजिटल प्रयोगशालाकी स्थापना

क्र.सं.	**स्कूल का नाम, क्षेत्र**	**दौरे की तारीख़**
1	इंडो-जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी), विशाखापत्तनम	20.6.2019

17. विशाखापत्तनम में स्वास्थ्य देखभाल

क्र.सं.	**शहर/ गाँव का नाम**	**दौरे की तारीख़**
1	एमएचयू, नरसीपट्टनम	21.6.2019
2	सम्मागिरी	21.6.2019
3	लाम्मासिंगी	21.6.2019
3	येतिगैरामपेट	21.6.2019

कार्यप्रणाली

- डेटा क्लिनिंग
- डेटा प्रविष्टि और प्रोसेसिंग
- डेटा तालिका, सूचक गणना और स्तरीकरण/ डेटा अलग-अलग करना

रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया

- रिपोर्ट तैयार करना
- निष्कर्षों की प्रस्तुति

प्रयुक्त उपकरण:

अधिक से अधिक हितधारकों तक पहुंच बनाने के लिए एफजीडी को समय-समय पर आयोजित किया गया। प्राथमिक डेटा एकत्र करने के लिए प्रश्नावली के विभिन्न सेटों का उपयोग किया गया। विविधलाभार्थियों के लिए प्रश्नावली के विभिन्न सेट का उपयोग किया गया था।

प्रत्येक परियोजना को 5 प्वाइंटरेटिंग पैमाने का उपयोग करके निम्नलिखित मानदंडों में मूल्यांकित किया गया।

आईपीई में टीम

- डॉ. शुलगना सरकार, सहायक प्रोफेसर, आईपीई
- श्री वामन रेड्डी, अनुसंधान सहायक

डेटा संग्रह - समूह और व्यक्तिगत साक्षात्कार

क्र.सं.	सीएसआर कार्यकलाप	दौरा किया गया स्थान	सकेंद्रित समूह चर्चाओं की संख्या	व्यक्तिगत साक्षात्कार की संख्या
1	कृत्रिम अंगों का वितरण	मंडल परिषद कार्यालय, चेरियाल	04	25
2	चंचलगुडा और चेरलापल्ली कारागारोंके माध्यम से तेलंगाना में सरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर	चेरलापल्ली	02	08
3	आईटीआई को अपनाना (सरकारी आईटीआई, पुराना शहर और सरकारी आईटीआई, अलवाल, हैदराबाद)	अलवाल और पुराना शहर	06	15
4 एवं5	क) सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण,और ख) सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास(520 छात्र)	चेरलापल्ली	04	20
6	नलगोंडा में स्वास्थ्य देखभाल	चौटुप्पल मंडल, संस्थान नारायणपुर और जंगम	10	40
7	सुरक्षित पेयजल	पीपलपहाद, संस्थान नारायणपुर और जंगम	15	50

8	केबीसी सड़क विकास, चरागाहपौधरोपण में आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशाला	बालापुर, हैदराबाद	01	06
9	मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	पाटनचेरू	30	100
10	तेलंगाना राज्य के स्कूल शौचालयों का रखरखाव	पाटनचेरू	14	35
11	गाँव को अपनाना	सैन्य माधवराम	10	40
12	मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	विशाखापत्तनम	20	100

अध्याय III

आंकड़ों का विश्लेषण

परियोजना क्षेत्र: शिक्षा

1. *मध्याह्न भोजन योजना -पटानचेरु, हैदराबाद, तेलंगाना*
2. *मध्याह्न भोजन योजना - विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश*
3. *ब्लाइंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडियाके लिए स्टेशनरी - मुंबई, महाराष्ट्र*
4. *नलगोंडा में सरकारी स्कूल के लिए स्कूल फर्नीचर।*
5. *भानुर गाँव में स्कूल भवन का निर्माण और आरओ जल उपचार संयंत्रों की स्थापना - संगा रेड्डी*
6. *चंचलगुडा और चेरलापल्ली कारागारोंके माध्यम से तेलंगाना में सरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर*

परियोजना 1: मध्याह्न भोजन योजना-संगारेड्डी, तेलंगाना
बजट आवंटन: 107.00 लाख, बजट व्यय: 84.77 लाख
दौरे की तारीख: 15.6.2019, दौरा किए गए स्कूलों की संख्या: 10

परियोजना 2: मध्याह्न भोजन योजना-विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
बजट आवंटन: 53.50 लाख, बजट व्यय: 42.89 लाख
दौरे की तारीख: 20.6.2019, दौरा किए गए स्कूलों की संख्या: 4

मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के बारे में:

मध्याह्न भोजन योजना लोकप्रिय और कार्यनीतिक कार्यक्रमों में से एक है जिसका उद्‌देश्य छात्रों का दाखिला बढ़ाने और प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देनाहै। इसके अंतर्गत कार्य दिवसों पर स्कूलों में मुफ्त भोजन प्रदान करने का प्रावधान शामिल है। इस कार्यक्रम को देशभर में स्कूली बच्चों के पोषण संबंधी जरूरतको बेहतर बनाने के लिए बनाया गया है।

भारत में स्कूलों में **मध्याह्न भोजन** का एक लंबा इतिहास रहा है। 1925 में मद्रास नगर निगम नेवंचित बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम शुरू किया था। 1980 के मध्य तक तीन राज्यों नामत: गुजरात, केरल और तमिलनाडु,तथापांडिचेरीकेंद्र शासित प्रदेश ने प्राथमिक स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों के लिए अपने स्वयं के संसाधनों सेपका हुआ मध्याह्न भोजन कार्यक्रम बनाया था। 1990-91 तक सार्वभौमिक या बड़े पैमाने पर मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को लागू करने वाले राज्यों की संख्या बारह राज्यों तक बढ़ गई थी। 2001 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्‌वारा "भोजन काअधिकार" पर महत्वपूर्ण निर्णय देने और योजना के सुव्यवस्थित कार्यानवयनके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

वर्तमान स्थिति:

देश में लगभग तीन करोड़ बच्चे भूखे रहते हैं, क्योंकि वे मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं और इस योजना में पूराधन खर्च नहीं हो पाता है। केंद्र सरकार द्‌वारा वर्ष 2018-19 के लिए किए गए 10,500 करोड़ रुपए के आवंटन में से 9518.08 करोड़ रुपएखर्च किए गए हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय को राज्य सरकारों द्‌वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल 12 करोड़ बच्चों को मध्याह्न भोजन योजना के तहत लाभ मिल रहा है।

अक्षयपात्र के साथ बीडीएल समझौता-ज्ञापन:

बीडीएल ने राज्य सरकार की मध्याह्न भोजन योजना के साथ साझेदारी करने के लिए मैसर्सअक्षय पात्र फाउंडेशन (टीएपीएफ) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। पाटनचेरु मंडल, मेडक जिला, तेलंगाना राज्य में 63 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 10,000 स्कूली बच्चों और आंध्रप्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम जिले में जीएचएमसी स्कूलों में पढ़ने वाले 5000 स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

बीडीएल-अक्षयपात्र खाद्य वितरण वैन

अक्षयपात्र फाउंडेशन के बारे में:

अक्षय पात्र फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसका मुख्यालय बेंगलुरु, भारत में है। हमारा संगठन सरकारी स्कूलों और सरकारी सहायता-प्राप्त स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना लागू करके कक्षा में छात्रों की भूख की समस्या को खत्म करने का प्रयास करता है। साथ ही, अक्षय पात्र का उद्देश्य कुपोषण से निपटना और सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित बच्चों की शिक्षा के अधिकार का समर्थन करना भी है।

2000 के बाद से, अक्षय पात्र हर एक स्कूली दिवस को बच्चों को ताजा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में अपना हर संभव प्रयास कर रहा है। हम अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए लगातार तकनीकका लाभ उठा रहे हैं। अत्याधुनिक रसोईघर अध्ययन का विषय बन गए हैं जिसनेदुनिया भर के उत्सुक आगंतुकों को आकर्षित किया है।

अक्षय पात्र दुनिया का सबसे बड़ा (अलाभकारी संस्था) मध्याह्न भोजन कार्यक्रम है, जो भारत के 12 राज्यों के 15,024 स्कूलों के 1.76 मिलियन से अधिक बच्चों को प्रति दिन पौष्टिक भोजन परोसता है।

विशाखापत्तनम में अक्षयपात्र रसोई

मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता

गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा प्रत्येकअक्षय पात्र रसोई कीप्राथमिक सामग्री है। अतीत से सीखते हुए, उन्होंने संचालन और सेवा वितरण के प्रत्येक क्षेत्र में विभिन्न मैट्रिक्स मानदंडलागू किए हैं। उन्होंने अक्षयपात्र द्वारा तैयार मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की समीक्षा करने और बच्चों की सेवा करने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ भागीदारी की है। भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, सभी स्थानों पर व्यंजनों का मानकीकरण किया गया है। गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए, काइज़ेन और 5एस जैसी अग्रिम परियोजनाएँ विभिन्न स्थानों पर शुरू की गई हैं। स्वच्छता मानकों को और बढ़ाने तथासुरक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कर्मचारी स्वास्थ्य और सुरक्षा गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

केंद्रीय मध्याह्न भोजन योजना के अनुसार आवश्यक आहार मानदंड:

घटक	**मुख्य**	**उच्च प्राथमिक**
कैलोरी	450 कैलोरी	700 कैलोरी
प्रोटीन	12 ग्राम	20 ग्राम
सूक्ष्म पोषक-तत्व	सूक्ष्म पोषक-तत्वों जैसे आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन-ए आदि की पर्याप्तमात्रा	सूक्ष्म पोषक-तत्वों जैसे आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन-ए आदि की पर्याप्तमात्रा

केंद्रीय मध्याह्न भोजन योजना द्वारा उल्लिखित अनुसार मद-वार आहार संबंधी नियम:

क्र.सं.	**मदें**	**प्राथमिक**			**उच्च प्राथमिक**		
		एमडीएम के तहत आवश्यकता (ग्राम में)	**ऊर्जा सामग्री (ग्राम में)**	**प्रोटीन सामग्री (ग्राम में)**	**एमडीएम के तहत आवश्यकता (ग्राम में)**	**ऊर्जा सामग्री (ग्राम में)**	**प्रोटीन सामग्री (ग्राम में)**

1	खाद्यान्न (चावल/ गेहूं)	100	340	8	150	510	14
2	दलहन	20	70	5	30	105	6.6
3	सब्जियां	50	25	-	75	37	-
4	तेल और वसा	5	45	-	7.5	68	-
5	नमक और मसाले	आवश्यकता अनुसार	-	-	आवश्यकता अनुसार	-	-
			480	13		720	20.6

बीडीएल - अक्षयपात्र मध्याह्न भोजन कार्यक्रम - विद्यालय-वार व्यय
बजट विवरण

i) वर्ष 2017-18 के लिए बीडीएल आवंटन

विवरण	**प्रति बच्चा**	**कुल बच्चे**	**कुल आवंटन लागत (232 कार्य दिवस)**	**पाटनचेरु के लिए 180 दिन और विशाखापत्तनम के लिए 186 दिनों का वास्तविक व्यय (1.6.2019 से 28.2.2019 तक)**
बच्चों को भोजन और नाश्ते की प्रायोजकता - पट्टाचेरु	1070/-	1000	1,07,00,000.00	8476890.52
बच्चों को भोजन और नाश्ते कीप्रायोजकता -विशाखापत्तनम	1070/-	500	53,50,000.00	42,89,224.00

ii) बजट व्यय स्कूल-वार:
क) पाटनचेरु
ख) विशाखापत्तनम

क्र. **स.**	स्कूलकानाम	कुलबच्चे **2016-17**	**जून 2017 सेफरवरी 2018 तकव्ययव्ययवार (रु। 1070 प्रतिएकबच्चेऔरकुल 180 कार्यदिवस)**
1	एम.पी.पी.एस -घनपुर	118	97960.34
2	एम.पी.पी.एस-करदनूर	150	124525.86

3	एम.पी.पी.एस -ऑलविन कॉलोनी	57	47319.83
4	एम.पी.पी.एस - गौतमनगर	65	53961.21
5	एम.पी.पी.एस पाटनचेरू	356	295541.38
6	एम.पी.पी.एस -पाटनचेरू (G)	128	106262.07
7	एम.पी.पी.एस -भानुर	123	102111.21
8	एम.पी.पी.एस - कंजरलगुडा	39	32376.72
9	एम.पी.पी.एस - चैतन्यनगर	80	66413.79
10	एम.पी.पी.एस - शान्तिनगर	69	57281.90
11	एम.पी.यू.पी.एस-नंदीगाम	200	166034.48
12	ज़िला परिषद हाइस्कूल-भाँउर	249	206712.93
13	ज़िलापरिषदहाइस्कूल-घनपुर	120	99620.69
14	ज़िला परिषद हाइस्कूल-पाटनचेरू (B)	701	581950.86
15	ज़िला परिषद हाइस्कूल-पाटनचेरू (G)	271	224976.72
16	एम.पी.पी.एस -रुद्रारम् w/c	172	142789.66
17	एम.पी.पी.एस-लदाराम	195	161883.62
18	एम.पी.पी.एस-वाडकपल्ली	65	53961.21
19	एम.पी.पी.एस-जनकमपेट	35	29056.03
20	एम.पी.पी.एस-बोमनकुंटा	36	29886.21
21	एम.पी.पी.एस-सुलतानपुर	80	66413.79
22	एम.पी.पी.एस-रामेश्वरमबांदा w / c	49	40678.45
23	एम.पी.पी.एस-ऐनोले	51	42338.79
24	एम.पी.पी.एस-चितकुल W/C	367	304673.28
25	एम.पी.पी.एस-चितकुल	162	134487.93

26	एम.पी.पी.एस-इस्नापुर	256	212524.14
27	एम.पी.पी.एस-मुथांगी	153	127016.38
28	एम.पी.पी.एस-मुथांगीP/L	105	87168.10
29	एम.पी.पी.एस-पटेलगुडा	30	24905.17
30	एम.पी.पी.एस-टांडा (Tanda)	80	66413.79
31	एम.पी.पी.एस-उस्काबीवी	150	124525.86
32	एम.पी.पी.एस-अमीनपुर	200	166034.48
33	एम.पी.पी.एस-अमीनपुरW/C	200	166034.48
34	एम.पी.पी.एस-.एस.एस. कॉलोनी	50	41508.62
35	एम.पी.पी.एस-नरेगुडा	47	39018.10
36	एम.पी.पी.एस-बीरमुगुड़ा	370	307163.79
37	एम.पी.पी.एस-किष्टरेड्डीपेट	122	101281.03
38	एम.पी.पी.एस-पसमलाराम	170	141129.31
39	एम.पी.पी.एस-कसाराम	98	81356.90
40	एम.पी.पी.एस-हरिजनचेरी	170	141129.31
41	एम.पी.पी.एस-इलापुर	73	60602.59
42	एम.पी.पी.एस-रामेश्वरमबंदा w/c	80	66413.79
43	एम.पी.पी.एस-पेद्दकंजरला	83	68904.31
44	एम.पी.पी.एस-गणपतिगुडेम	60	49810.34
45	एम.पी.यू.पी.एस-चिननकंजरला	145	120375.00
46	एम.पी.यू.पी.एस-इंद्रेशम	230	190939.66
47	एम.पी.यू.पी.एस-पोचाराम	80	66413.79
48	एम.पी.यू.पी.एस-बन्धमकोमू	155	128676.72
49, 50	एम.पी.यू.पी.एस-गंडीगुड़ा + एम.पी.पी.एस-दयारा	165	136978.45
51	एम.पी.पी.एस-रुद्रारम्	150	124525.86
52	एम.पी.यू.पी.एस-पटी	145	120375.00
53	एम.पी.यू.पी.एस-बाचुगुडा	62	51470.69
54	ज़िला परिषद हाइस्कूल-रुद्रारम्	308	255693.10
55	ज़िला परिषद हाइस्कूल-लखदाराम	242	200901.72
56	ज़िला परिषद हाइस्कूल-पेद्दकंजरला	140	116224.14
57	ज़िला परिषद हाइस्कूल-सुलतानपुर	110	91318.97

58	ज़िला परिषद हाइस्कूल-चितुकुल	330	273956.90
59	ज़िला परिषद हाइस्कूल-इस्नापुर	517	429199.14
60	ज़िला परिषद हाइस्कूल-मुथांगी	170	141129.31
61	ज़िला परिषद हाइस्कूल-बीरमगुड़ा	500	415086.21
62	ज़िला परिषद हाइस्कूल- अमीनपुर	205	170185.34
63	ज़िला परिषद हाइस्कूल- किष्टरेड्डीपेट	122	101281.03
कुल		**10,211**	**84,76,890.52**

ख) विशाखापत्तनम

क्र.**स.**	स्कूलकानाम	कुल बच्चे	जून 2017 से फरवरी 2018 तक व्यय व्यय विद्यालयवार (रु। 1070 प्रति एक बच्चा और कुल 186 कार्य दिवस)
1	गोदावरी हाईस्कूल	470	403187.1
2	के कॉलोनी हाईस्कूल	319	273652.5
3	के एन एम जी हाईस्कूल	364	312255.5
4	माधवधारा हाईस्कूल	766	657109.1
5	मलकपुरम हाईस्कूल	708	607354.1
6	एन जीओ एस कॉलोनी हाईस्कूल	304	260784.8
7	पी एंड टी कॉलोनी एन एम सी एच स्कूल	680	583334.5
8	पोर्टकृष्णाहाईस्कूल	107	91789.39

9	प्रेमा हाईस्कूल	410	351716.4
10	रेलवे कॉलोनी हाईस्कूल	281	241054.4
11	रेलवे न्यू कॉलोनी हाईस्कूल	197	168995.4
12	एस ई रेल्वे एडेड हाईस्कूल	394	337990.9
कुल		**5,000**	**42,89,224.00**

बीडीएल के लिए स्कूल के दाखिलेमें जबरदस्त सुधार, कक्षाओं में उपस्थिति, स्कूल में प्रवेश में वृद्धि, स्कूल छोड़ने की दर में गिरावट, तथाअक्षयपात्र के माध्यम से वंचित बच्चों कीशिक्षा को बढ़ावा देनाएक उल्लेखनीय उपलब्धि रहीहै।

बीडीएल -पाटनचेरुऔर विशाखापत्तनम दोनों केअक्षयपात्र मेन्यूके चार्ट

मध्याहन भोजन मेन्यूचार्ट

क्र.सं.	दिन	मेन्यू-पाटनचेरु	मेन्यू-विशाखापत्तनम
1	सोमवार	चावल, पत्ता पप्पू (दाल) और विशेष खाद्य पदार्थ	चावल, सांभर, विशेष वस्तु (सानगा चेक्किलु)
2	मंगलवार	चावल, सांभर (कृष्णा) और विशेष खाद्य पदार्थ	चावल, दाल (पप्पू), सब्जी करी, अचार

3	बुधवार	चावल, सब्जी पप्पू (दाल) और विशेष खाद्य पदार्थ	बिरयानी, कचेम्बर, दही चावल
4	गुरूवार	चावल, सांभर (राधा) और विशेष खाद्य पदार्थ	चावल, सब्जी, रसम
5	शुक्रवार	चावल, टमाटर पप्पू (दाल) और विशेष खाद्य पदार्थ	चावल, दाल, पत्ता करी, मीठा चावल
6	शनिवार	सब्जीबिरयानी, दही अचार(पेरुगु पचड़ी), दालचा और विशेष खाद्य पदार्थ	चावल, सांभर, पुलिहोरा

नोट: विशेष खाद्य पदार्थ का अर्थहै कि पाटनचेरु मध्याह्नभोजन कार्यक्रम के लिए कुरकुरे, बिस्कुट, मुरुकुलु, चेगोडिलु आदि जैसे स्नैक्स।

हितधारकों के साथ संवाद:

संगारेड्डी जिले के 63 में से 10 स्कूलों और विशाखापत्तनम के12 स्कूलों में से 5 स्कूलों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (एमडीएम) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण किया गया।इस संबंध में आईपीई की टीम ने छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, स्कूल मध्याह्न भोजन समिति के सदस्यों, अक्षयपात्र कार्यान्वयनएजेंसी के अधिकारियों केसाथ बातचीत की,सकेंद्रित समूह चर्चा की तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार लिए। टीम ने विभिन्न हितधारकों जैसे स्कूल प्रधानाचार्य, माता-पिता और स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार कीसंरचित प्रश्नावली का भी उपयोग किया। पाटनचेरु में10 क्षेत्रीय दौरों के दौरान 211 छात्रों, 43 माता-पिता, 10 प्रधानाचार्यों, 22 शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया। इसी प्रकार, विशाखापत्तनम में 4 क्षेत्रीय दौरों के दौरान 167 छात्रों, 37 अभिभावकों, 4 प्रधानाचार्यों, 17 शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया।

अधिकांश स्कूल रसोई से 6 से 10 कि.मी.की दूरी पर स्थित हैं, जिनकी औसत दूरी 7 कि.मी. है। भोजन की गुणवत्ता और ताजगी बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाते हैं। भोजन को विशेष कंटेनरों में पैक किया जाता है जो आपूर्ति मार्ग के आधार पर अलग-अलग वाहनों में ले जाया जाता है। भोजन, वाहन प्रस्थान और वापसी समय के अपलोड समय के साथ वाहन की आवाजाही के संबंध में अद्यतनरिकॉर्ड बनाए रखा जाता है। भोजन वितरण के समय की नियमित रूप से निगरानी की जाती है और स्कूल प्राधिकारियों से इसकी पुष्टि भी की जाती है। स्कूल प्राधिकारियों के अनुसार भोजन समय से पहले पहुंच जाता है और इसके परोसे जाने तक यह गर्म और ताजा रहता है।

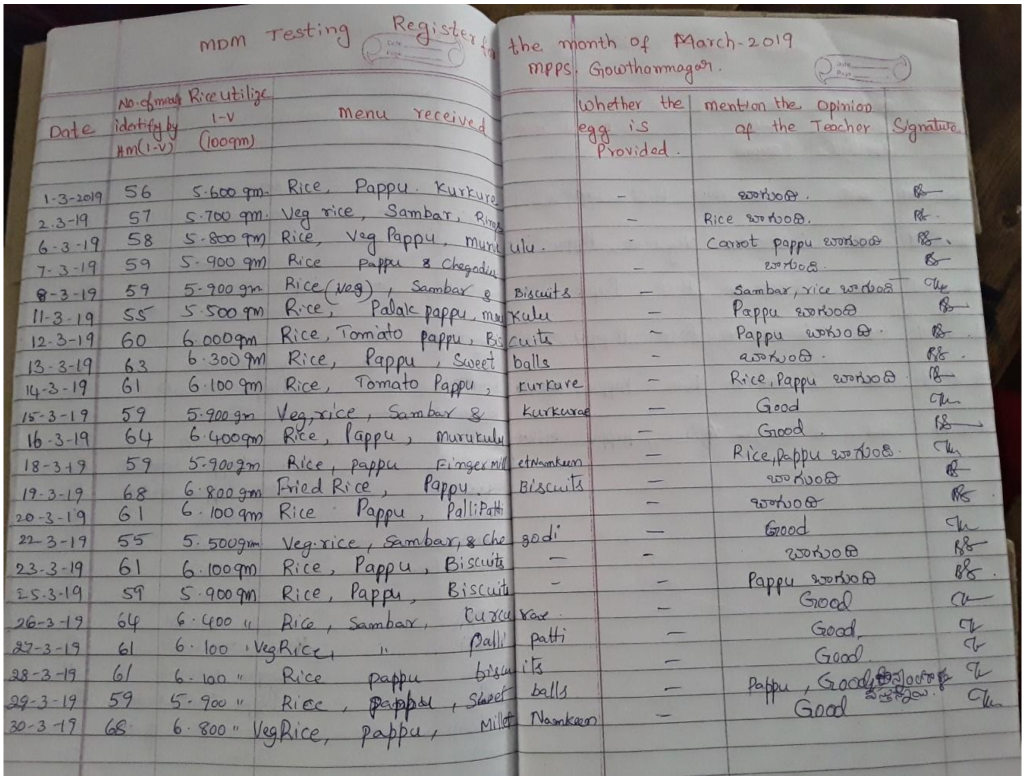

MDM Testing Register for the month of March-2019
MPPS. Gowthamnagar.

Date	No. of meals identify by HM (I-V)	Rice utilize I-V (100gm)	Menu received	Whether the egg is Provided.	mention the Opinion of the Teacher	Signature
1-3-2019	56	5.600 gm.	Rice, Pappu. Kurkure	-	బాగుంది.	
2.3-19	57	5.700 gm.	Veg rice, Sambar, Rings	-	Rice బాగుంది.	
6-3-19	58	5.800 gm	Rice, Veg Pappu, murukulu.	-	Carrot pappu బాగుంది	
7-3-19	59	5.900 gm	Rice pappu & Chegodilu	-	బాగుంది.	
8-3-19	59	5.900 gm	Rice (veg), Sambar & Biscuits.	-	Sambar, rice బాగుంది	
11-3-19	55	5.500 gm	Rice, Palak pappu, murukulu	-	Pappu బాగుంది	
12-3-19	60	6.000 gm	Rice, Tomato pappu, Biscuits	-	Pappu బాగుంది.	
13-3-19	63	6.300 gm	Rice, Pappu, Sweet balls	-	బాగుంది.	
14-3-19	61	6.100 gm	Rice, Tomato Pappu, kurkure	-	Rice, Pappu బాగుంది.	
15-3-19	59	5.900 gm	Veg rice, Sambar & kurkurae	-	Good	
16-3-19	64	6.400 gm	Rice, Pappu, murukulu	-	Good.	
18-3-19	59	5.900 gm	Rice, pappu Finger millet Namkeen	-	Rice, Pappu బాగుంది.	
19-3-19	68	6.800 gm	Fried Rice, Pappu. Biscuits	-	బాగుంది	
20-3-19	61	6.100 gm	Rice Pappu, PalliPatti	-	బాగుంది	
22-3-19	55	5.500 gm	Veg rice, Sambar, & Chegodi	-	Good	
23-3-19	61	6.100 gm	Rice, Pappu, Biscuits	-	బాగుంది	
25-3-19	59	5.900 gm	Rice, Pappu, Biscuits	-	Pappu బాగుంది	
26-3-19	64	6.400 "	Rice, Sambar, Curcurae.	-	Good	
27-3-19	61	6.100 "	VegRice, " Palli patti	-	Good,	
28-3-19	61	6.100 "	Rice pappu biscuits	-	Good.	
29-3-19	59	5.900 "	Rice, pappu, Sweet balls	-	Pappu, Good	
30-3-19	68	6.800 "	VegRice, pappu, Millet Namkeen	-	Good	

प्राइमरी स्कूल, गौतमीनगर, पाटनचेरु में मध्याह्न भोजन के स्वाद के बारे में एक रजिस्टर रखा गया है, जिसमें प्रभारी शिक्षक रोज़ानाप्राप्त खाद्य पदार्थों को दर्ज करता है, तथा साथ ही भोजन की गुणवत्ता और स्वाद भी दर्ज किया जाता है और स्कूलीबच्चों को भोजन परोसनेसे पहले रजिस्टर में भोजन की गुणवत्ता और स्वाद के बारे में अपनी राय दर्ज करता है।

टीम ने इन स्थानों पर प्रधानाचार्य, शिक्षण स्टाफ, स्कूल मध्याह्न भोजन समितियों, स्कूली बच्चों और कुछ अभिभावकों से आंकड़ेएकत्र किए। परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जाँच करने के लिए दोपहर के भोजन के समय कुछ स्कूलों का दौरा किया गया। भोजन परोसने से पहले, भोजन को मध्याह्न भोजन समिति प्रभारी शिक्षक द्वारा चखा जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भोजन की गुणवत्ता खाने की दृष्टि से उपयुक्त है। यह भी देखा गया कि स्कूल में सभी बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा था और उपलब्धता और मांग के आधार पर; छात्रों को अपव्यय को रोकने के लिए और सभी संभावित तरीकों से परिवारों को और अधिक मदद देने के लिए अपने घरों में अतिरिक्त भोजन ले जाने की अनुमति दी गई थी।

बीडीएल -पाटनचेरू केस्कूलों में अक्षयपात्र मध्याह्न भोजन

सर्वेक्षण निष्कर्ष:

I) मध्याह्न भोजन कार्यक्रम - पाटनचेरु स्कूल:

1) प्रधानाचार्य सर्वेक्षण परिणाम- कुल 63 स्कूलों में से 10 प्रधानाचार्यों के साथ बातचीत हुई

क्र.सं.	**पैमाना**	**सर्वेक्षण के परिणाम**
1	बीडीएल से पहले मध्याह्न भोजन योजना की उपलब्धता - अक्षय पात्र मध्याह्न भोजन	कुल 10 सर्वेक्षण किए गए स्कूलों में ऐसी योजना थी, लेकिन उनमें से कोई भी गुणवत्ता औरप्रक्रिया से संतुष्ट नहीं था।
2	क्या भोजन खानेके बाद बच्चों के बीमार पड़ने काकोई मामला सामने आया है	ऐसे किसी भी मामले की सूचना नहीं है
3	वर्तमान भोजन के साथ छात्रों की संतुष्टि	89.57%
4	बीडीएल-अक्षयपात्र पहल के बारे में जागरूकता	100%

2) छात्र सर्वेक्षण के परिणाम - सर्वेक्षण किए गए 10 स्कूलों के लगभग 211 छात्रों के साथ बातचीतकी गई

क्र.सं.	**पैमाना**	**सर्वेक्षण के नतीजे**
1	घर के खाने से बेहतर है	84.83% छात्रों ने कहा कि दोपहर का भोजन घर के भोजन से बेहतर है
2	भोजन परोसनेकी नियमितता	100% नियमित
3	स्वच्छता का रखरखाव	96.21% छात्र स्वच्छता केस्तर से संतुष्ट थे
4	समग्रसंतुष्टि प्रतिशत	मध्याह्न भोजन से 95.26% छात्र संतुष्ट थे

5	बीडीएल-अक्षयपात्र के बारे में जागरूकता	90.52% छात्र बीडीएल-अक्षयपात्र के बारे में जानते थे

3) माता-पिता सर्वेक्षण परिणाम- सर्वेक्षण किए गए 10 स्कूलों में से लगभग 43 माता-पिता के साथ बातचीत हुई

क्र.सं.	पैमाना	**सर्वेक्षण के नतीजे**
1	क्या आपके बच्चे भोजन की गुणवत्ता से खुश हैं?	72.09% माता-पिता ने कहा कि उनके बच्चे भोजन की गुणवत्ता से खुश हैं।
2	क्या स्वास्थ्य में कोई सुधार हुआहै	76.74% माता-पिता ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुअ है
3	बीडीएल के बारे में जागरूकता	44.19% माता-पिता बीडीएल के बारे में जानते हैं
4	समग्रसंतुष्टि स्तर	74.42% माता-पिता मध्याहन भोजन कार्यक्रम से संतुष्ट हैं।

मध्याहन भोजन योजना का प्रभाव:

क्र.सं.	**पैमाना**	**प्रभाव**
1	नामांकन दर	सर्वेक्षण के परिणाम से पता चलता है कि 5 स्कूलों में दाखिलादर 5-12% तक बढ़ गई है, 4 स्कूलों में दाखिला3-15% तक कम हो गया है और 1 स्कूल में दाखिलासमान बना हुआ है। कुल मिलाकर दाखिलादर में 2-3% कीवृद्धि हुई है।
2	छात्रों की उपस्थिति	चूंकि मध्याहन भोजन छात्र की उपस्थिति के आधार पर परोसा जाता है, जिसका अनुमान लगभग 89% है। अधिकांश प्रधानाचार्यों ने बताया कि बीडीएल - अक्षयपात्र के सहयोग से मध्याहन भोजन योजना लागू करने के बाद सेउपस्थिति में सुधार हुआ है।
3	छात्रों का पोषण स्तर	सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने स्वास्थ्य रिपोर्ट के आधार पर छात्रों के पोषण स्तर में वृद्धि का उल्लेख किया है।

II) मध्याहन भोजन कार्यक्रम - विशाखापत्तनम स्कूल:

1) प्रधानाचार्यसर्वेक्षण परिणाम- कुल 12 स्कूलों के04 प्रधानाचार्योंके साथ बातचीत हुई

क्र.सं.	**पैमाना**	**सर्वेक्षण के नतीजे**
1	बीडीएल से पहले मध्याहन भोजन योजना की उपलब्धता - अक्षय पात्र मध्याहन	सर्वेक्षण किए गए कुल 4 स्कूलों में ऐसीयोजना थी, लेकिन उनमें से कोई भी गुणवत्ता के साथ-साथ नांदी

	भोजन	फाउंडेशन द्वारा समर्थित प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं था
2	क्या भोजन खानेके बाद बच्चों के बीमार पड़ने काकोई मामला सामने आया है	ऐसे किसी भी मामले की सूचना नहीं है
3	वर्तमान भोजन के साथ छात्रों की संतुष्टि	78.44%
4	बीडीएल-अक्षयपात्र पहल के बारे में जागरूकता	100%

2) छात्र सर्वेक्षण के परिणाम - सर्वेक्षण किए गए 4 स्कूलों के लगभग 167 छात्रों के साथ बातचीतकी गई

क्र.सं.	**पैमाना**	**सर्वेक्षण के परिणाम**
1	घर के खाने से बेहतर है	73.65% छात्रों ने कहा कि दोपहर का भोजन घर के भोजन से बेहतर है
2	भोजन परोसनेकी नियमितता	100% नियमित
3	स्वच्छता का रखरखाव	85.63% छात्र स्वच्छता स्तर से संतुष्ट थे
4	समग्रसंतुष्टि प्रतिशत	83.23% छात्र मध्याह्न भोजन से संतुष्ट हैं
5	बीडीएल-अक्षयपात्र के बारे में जागरूकता	88.62% छात्रों को बीडीएल-अक्षयपात्र के बारे में पता था

3) अभिभावक सर्वेक्षण के परिणाम - 4 सर्वेक्षण किए गए स्कूलों में से लगभग 37 अभिभावकों के साथ परीक्षा आयोजित की गई थी

क्र.सं.	**पैमाना**	**सर्वेक्षण के परिणाम**
1	क्या आपके बच्चे भोजन की गुणवत्ता से खुश हैं?	72.09% माता-पिता ने कहा कि उनके बच्चे भोजन की गुणवत्ता से खुश हैं।
2	क्या स्वास्थ्य में कोई सुधार हुआहै	76.74% माता-पिता ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआहै
3	बीडीएल के बारे में जागरूकता	38.30% माता-पिता बीडीएल के बारे में जानते हैं
4	समग्रसंतुष्टि स्तर	मध्याह्नकार्यक्रम से 72.09% माता-पिता संतुष्ट हैं।

विशाखापत्तनम में पोर्ट स्कूल में बीडीएल-अक्षयपात्र मध्याहन भोजन

निष्कर्ष/ टिप्पणियां:

- अध्ययन से स्पष्ट है कि हितधारक संतुष्टि, बच्चों के पोषण स्तर में सुधार, उपस्थिति में सुधार और दाखिलेमे सुधार के रूप में इस परियोजना का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
- अधिकांश स्कूलों ने मध्याहन भोजन योजना के कारण दोपहर की स्कूल उपस्थिति में महत्वपूर्ण सुधार की सूचना दी है, जिसमें स्नैक्स भी शामिल हैं।
- अक्षयपात्र फाउंडेशन अच्छी तरह से सुसज्जित है, पेशेवर है और बच्चों के लिए समय पर भोजन तैयार करने, उसकापरिवहन और वितरणकरने में सभी पोषण और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करता है।
- बच्चों के पास अलग से बैठने की जगह नहीं है जहां वे बैठकरभोजन कर सकें।
- अक्षय पात्र मध्याहन भोजन कार्यक्रम से पहले, प्रधानाचार्य, शिक्षक और अन्य कर्मचारी खाद्य पदार्थों की खरीद की पूरी प्रक्रिया, भोजन पकानेऔर परोसनेपर ध्यान देते हैं। शिक्षक मध्याहन भोजन कार्यक्रम के दैनिक, साप्ताहिक और मासिक बिल तैयार करने में भी व्यस्त थे। इस स्थिति ने स्कूल के कार्यों और गुणवत्ता शिक्षा को प्रभावितकिया। अक्षय पात्र मध्याहन भोजन कार्यक्रम के बाद, शिक्षकों को कक्षा में पढ़ाने और अन्य विकासात्मक गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है।
- अधिकांश प्रधानाचार्यों ने कहा कि मध्याहन भोजन वैन हर दिन समय पर स्कूल पहुंचती है और बच्चों को दोपहर 1 से 2.00 बजे के बीच भोजन दिया जाता है।

- अक्षयपात्र केक्षेत्रीयअधिकारी स्कूलों में नियमित रूप से विभिन्न हितधारकों जैसे स्कूल के शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों से मध्याहन भोजन कार्यक्रम के बारे में फीडबैक लेते हैं और विभिन्न हितधारकों के सुझावों के आधार पर कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए उचित उपाय करते हैं।
- जेड.पी.एच.एस.उच्च विद्यालयों में, मध्याहन भोजन कार्यक्रम समिति मध्याहन भोजन कार्यक्रम की निगरानी करती है। वे स्कूली बच्चों के लिए व्यवस्थित भोजन सुनिश्चित करते हैं और साथ ही भोजन की बर्बादी को कम करने की कोशिश करते हैं। इस समिति में 2-3 शिक्षक और IX और X कक्षा के 3-4 छात्र शामिल होते हैं, जबकि प्राथमिक स्कूलों मेंआया (कार्यवाहक) और स्कूल के शिक्षक मध्याहन भोजन कार्यक्रम की निगरानी करते हैं। बच्चों को भोजन परोसने से पहले, स्कूल मध्याहन भोजन प्रभारी शिक्षक प्रतिदिन रजिस्टर में वर्णितखाद्य पदार्थ के विवरण को दर्जकरते हैं, आपूर्ति किए गए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को चखते हैं और रजिस्टर में खाद्य पदार्थों की रेटिंग दर्ज करते हैं।
- अधिकांश स्कूलों में मध्याहन भोजन के लिए प्लेटें और आरओ पानी उपलब्ध कराया जाता है।
- विशाखापट्टनम में स्कूली बच्चों के लिए पुलीहोरा, दही चावल और मीठे चावल सबसे पसंदीदा खाद्य पदार्थ हैं। सब्जीबिरयानी, पाटनचेरू के अधिकांश स्कूली बच्चों का पसंदीदा भोजन है।
- अधिकांश स्कूलों में स्कूली बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार हुआ है।
- विशाखापत्तनम के स्कूलों के अधिकांश स्कूली बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने चावल की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए बीडीएल-अक्षयपात्र से अनुरोध किया।
- अधिकांश छात्र, अभिभावक और शिक्षक प्रदान किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और मात्रा से संतुष्ट हैं।

सुझाव:

- अधिकांश शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों ने यह सुझाव दिया कि कुरकुरे, बिस्कुट, चीगोडी, मुरुकुलु कीबजाय स्नैक मेन्यू में फल, चना (चिकपीस) (ब्राउन), पल्ली पट्टी, नुवुला पट्टी को शामिल किया जा सकता है।
- पटनचेरू केस्कूलों में मौजूदामेन्यूमेंअंडे को जोड़ा जा सकता है।
- विभिन्न सब्जी करी और अचार जोड़नेपर विचार किया जा सकता है।
- बच्चों द्वारा भोजन को स्वाद से खाने के लिए स्थानीय व्यंजनों के अनुसार करी बनाई जा सकती हैं।

मध्याहन भोजन कार्यक्रम - हितधारकों के साथ बातचीत :

1) श्रीमती डी.शांति कुमारी, प्रधानाचार्य
जीवीएमसी हाई स्कूल, बर्मा कॉलोनी

विशाखापत्तनम, दौरे की तारीख: 21.6.2019

जीवीएमसी हाई स्कूल, बर्मा कॉलोनी की प्रधानाचार्यश्रीमती डी.शांति कुमारी ने कहा कि बीडीएल-अक्षयपात्र 500 स्कूली बच्चों को छठी से दसवीं कक्षा तक मध्याह्न भोजन प्रदान कर रहा है। पका हुआ भोजन विद्यालय में प्रतिदिन सुबह 10.00 बजे से 10.30 बजे के बीच उपलब्ध कराया जाता है जो विशेषकर गर्मी और धूल से बचने के लिएविशेष प्रयोजन वाहनों में वितरित किया जाता है,और भोजन प्रतिदिन दोपहर 1.00 बजे परोसा जाता है। स्कूल में छात्रभोजन समिति, जिसमें 4-5 शिक्षक और IX और X कक्षाओं के चुनिंदाछात्र शामिलहोते हैं और मध्याह्न भोजन बांटने वाले सहायक बच्चों को भोजन लेनेके लिए कतार में व्यवस्थित ढंग से खड़ा करने की व्यवस्था करते हैं। भोजन करने के बाद छात्र अपने हाथों और प्लेटों को साफ करने के लिएकतार में खड़े होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूली बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन परोसा जाता है और भोजन की बर्बादी बहुत कम होती है। अक्षयपात्र राष्ट्रीय पोषण संस्थान द्वारा सुझाए गए आहार संबंधी दिशानिर्देशों का पूर्व निर्धारित मेन्यू के अनुसार सख्ती से पालन करता है। चावल, दाल(पप्पू) के साथ सब्जियां, सांबर, बिरयानी, रायता, सब्जीकरी, मीठा पोंगल, पुलिहोरा, रसम दही चावल, अचार और मूंगफली चिक्की अक्षयपात्र मध्याह्न भोजन में प्रमुख खाद्य पदार्थ हैं। सरकार शनिवार को छोड़कर प्रतिदिनस्कूली बच्चों को अंडे भी उपलब्ध कराती है।

उन्होंनेआगे कहाकि पहले स्कूल छोड़ने वाले बच्चों में अधिकांश प्रवासी, जो कई उद्योगों में मजदूरों के रूप में काम करते थे, के परिवारों के बच्चे होतेथे। अपने निम्न आय स्तर के कारण परिवारों के सभी सदस्यों को दिन में एक बारभोजन जुटानेके लिए काम करना पड़ता था। अब अधिकांश प्रवासी परिवारअपने बच्चों को स्कूलभेज रहे हैं ताकि कम से कम बच्चे तोपूर्ण भोजन का लाभ उठा सकें और बाद में, बच्चों ने पढ़ाई में रुचि दिखानी शुरू कर दी।

अक्षयपात्र और बीडीएल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम नेस्कूली बच्चों के प्रदर्शन और दाखिलेको काफी प्रभावित किया है। छात्र पिछले 3 वर्षों से अपनी बोर्ड परीक्षा में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए छात्रोंका दाखिलादर भी बहुत बढ़ गया है। मध्याह्न भोजन कार्यक्रम स्कूल के विकास के महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।

क) स्कूल में दाखिला:

क्र.सं.	**स्कूलमें दाखिला**				**2016-17 से 2019-20 तक**
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**दाखिलाप्रतिशत में वृद्धि**
1	353	405	431	500	41.64%

ख) एसएससी परिणाम:

वर्ष	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
2016-17	39	34	87%
2017-18	53	53	100%
2018-19	71	70	98.5%

2) Xवीं कक्षा के छात्रों के साथ बातचीत i) मंगेश्वरी, ii) ऊषा रानी, iii) जयंती, iv) साई कुमार, v) साईचंद, vi) अनुराधा, vii) श्रीदेवी और अन्य

जीवीएमसी हाई स्कूल, माधवदरा, विशाखापत्तनम।

दौरे की तारीख: 21.6.2019

10वीं कक्षा के छात्रों - i) मंगेश्वरी, ii) ऊषा रानी, iii) जयंती, iv) साई कुमार, v) साईचंद, vi) अनुराधा, vii) श्रीदेवी और अन्यके साथ बातचीत करने पर यह पायागया कि अधिकांश बच्चों के माता-पिता दिहाड़ी मजदूर, स्वयं कर्मचारी, सेल्समैन, राजमिस्त्री, रसोइएआदि हैं। ये परिवार गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं; वे अपनी कम आय और अन्य कारणों से अपने बच्चों को उचित भोजन नहीं दे सकते हैं। पहले खाली पेट होने के कारण छात्र पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम नहीं थे और परिणामस्वरूप बच्चों का प्रदर्शन प्रभावित होता था। नांदीफाउंडेशन और अन्य एजेंसियों ने स्कूल में भोजन की आपूर्ति की, लेकिन स्कूल के अधिकांश बच्चे और शिक्षक भोजन की गुणवत्ता और स्वाद को लेकर संतुष्ट नहीं थे। इसलिए अधिकांश स्कूली बच्चे स्कूल के मध्याहन भोजन को पसंद नहीं करते थे और उन्हें अपने घरों से टिफिन बॉक्स लाना पड़ता था। कुछ बच्चों ने मध्याहन भोजन खाने से मना कर दिया। ये सभी मुद्दे बच्चों के स्वास्थ्य, विकास और शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर डालते हैं। अक्षयपात्र और बीडीएल ने मध्याहन भोजन कार्यक्रम में इन समस्याओं का समाधान किया और बच्चों को स्वच्छ,गुणवत्तापूर्ण, और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करके संतुष्ट किया। भोजन राष्ट्रीय पोषण मानकों और अन्य मानक संचालन प्रक्रियाओं के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता है। यही कारण है कि अधिकांश गरीब बच्चे पढ़ाई और मध्याहन भोजन दोनों के लिए अन्यस्कूलों की तुलना में इन स्कूलों में आते हैं।

प्रभाव का विश्लेषण:

क्र.सं.	पैमाना	छात्र	माता-पिता	प्रधानाचार्यऔर शिक्षक	ग्रामीण
1	मध्याहन भोजन योजना शुरू होने	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

	के बाद दाखिलेकी संख्या में वृद्धि				
2	मध्याह्न भोजन योजना शुरू होने के बाद छात्र की उपस्थिति में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	स्कूल छोड़नेकी दर में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन परोसा गया	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य स्थितियों में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	बच्चों के प्रदर्शन में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
7	भोजन का स्वाद और गुणवत्ता	अच्छा	अच्छा	अच्छा	अच्छा
	संपूर्णसंतुष्टि का स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 3: ब्लाइंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडियाके लिए स्टेशनरी,
स्थान: मुंबई, महाराष्ट्र
बजट आवंटन: 0.21 लाख, बजट व्यय: 0.21 लाख

ब्लाइंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया की स्थापना वर्ष 2002 में हुई थी, जिसका उद्देश्य दृष्टिहीनोंकी जरूरतों को सम्मानपूर्वकपूरा करनाऔर उन्हेंरोजी-रोटी उपलब्ध कराना था। देश भर के दृष्टिहीनोंकी मदद करने के दिव्य मिशन के साथ, संगठन के सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में उनके लिए काम करना शुरू कियाजैसे अंधे बच्चों की शिक्षा, दृष्टिहीन व्यक्तियों को चिकित्सा राहत, दृष्टिहीनोंके लिए नौकरी के अवसर, दृष्टिहीनोंको दैनिक जीवन की बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराने के लिए कई कार्यों की व्यवस्था, प्रशिक्षण केंद्रों आदि में कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता देनेके साथ दृष्टिहीन महिलाओं को सशक्त बनाना।

इसके अलावा, उनकासंगठन शिक्षा कईदृष्टिहीन बच्चों और दृष्टिहीनोंके बच्चों को सहायता देता है जिनके पास अपने आगे पढ़नेके लिए कोई मदद नहीं होती। ट्रस्ट इन बच्चों को उनकी आगे की पढ़ाई के बारे में मार्गदर्शन देता है तथा व्यक्तियों, कंपनियों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, फर्मों और ट्रस्ट को दान देने वाले लोगों की मदद से वित्तीय सहायता देकरउनकी सहायता करता है।

ट्रस्ट इन गरीब बच्चों को उचित शिक्षा प्राप्त करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम वस्तुएं प्रदान करता है। ट्रस्ट द्वारा लेखन सामग्री, बैग, ज्योमेट्री बॉक्स, कम्पास बॉक्स, ब्रेल किट जैसी चीजें प्रदान की जा

रही हैऔर दृष्टिहीन छात्रों और दृष्टिहीनोंके बच्चों को आगे पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसलिए, शुरुआत से ही, "ब्लाइंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया" दानदाताओं की मदद से दृष्टिहीनोंको सहारा दे रहा है। दानदाता अपना मुख्य योगदान देकर इन दृष्टिहीन व्यक्तियों के साथ संबंध बनाते हैं और संगठन की यथासंभव मदद करते हैं। देश भर के दृष्टिहीन सदस्य ट्रस्ट के लाभार्थी हैं।

दृष्टिहीन व्यक्ति ग्रामीण और झुग्गियों में रह रहे हैं। उनमें से कुछ छोटे-मोटे काम करते हैं, जिससे प्राप्त आमदनी से वे अपने बच्चों के स्कूलों/ कॉलेजों का खर्च नहीं उठा सकते हैं। इसलिएपिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी ब्लाइंड ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया आप जैसे दानदाताओं से प्राप्त धनराशि की सहायता से स्कूलों के फिर से खुलने से पहले 488 छात्रों को स्कूलों/ कॉलेजों के पाठ्यक्रम की मदें प्रदान करना चाहता है। इस धर्मार्थके लिए, संगठन को 3,65,550/- की कुल राशि की आवश्यकता थी। प्री-प्राइमरी के छात्रों के लिए 75, प्राइमरी के लिए 125, सेकेंडरी के लिए 150, एसएससी के लिए 70, कॉलेज के छात्रों के लिए 68 पाठ्यक्रम मदों की आवश्यकता थी:

क्र.सं.	**विवरण**	**दर प्रति नग**	**मात्रा**	**राशि रुपए में**
1	152 पेज की सिंगल लाइन नोट बुक	13.50	155 दर्जन	25,110.0
2	152 पेज की स्क्वेयर नोट बुक	13.50	35 दर्जन	5,670.00
3	152 पेज कीरेड एंड ब्लू लाइन नोटबुक	13.50	35 दर्जन	5670.00
4	152 पेज सिंगल लाइन लांगबुक	17.00	127 दर्जन	25,908.00
5	प्लास्टिक कम्पास बॉक्स	35.00	200 नग	7,000.00
6	स्टील लंच बॉक्स	50.00	420 नग	21,000.00
7	पानी की बोतल	60.00	200 नग	12,000.00
8	ज्यामिति बॉक्स	65.00	220 नग	14,300.00
9	प्री-प्राइमरी बैग	250.00	75 नग	18,750.00
10	प्राइमरी बैग	350.00	125 नग	43,750.00
11	माध्यमिक और एसएससी बैग	425.00	220 नग	93,500.00
12	कॉलेज बैग	400.00	68 नग	27,200.00
13	प्री-प्राइमरी और प्राइमरी छात्रों के लिए रेन कोट	225.00	200 नग	45,000.00
	कुल			3,44,858.00
	वैट			20,692.00
	कुल योग			**3,65,550.0**

ब्लाइंड ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया ट्रस्ट द्वारा इस परियोजना के लिए150000 रुपएकी व्यवस्था की गई है। शेष 2,15,550/- रुपए की राशि बीडीएल द्वारा दृष्टिहीन बच्चों को उनके लिए स्टेशनरी मदेंउपलब्ध कराने के लिए दी गई है।

परियोजना 4: नलगोंडा में सरकारीस्कूल के लिए स्कूल फर्नीचर।
स्थान: नरकटपल्ली, नलगोंडा, चिलुकुरु, थिप्पर्थी, चितयाल
वर्ष 2016-17
बजट आवंटन: 20 लाख
बजट व्यय: 9.75 लाख
वर्ष 2017-18
बजट आवंटन: 10.25 लाख
व्यय: 13.25 लाख
कार्यान्वयन भागीदार: केन्द्रीय कारागार, चंचलगुडा, हैदराबाद

टिप्पण: यद्यपिकार्यादेश (नलगोंडा के सरकारी स्कूलों को650 ड्यूल डेस्क की आपूर्ति) वर्ष 2017 में पूराहो गया था, लेकिन बीडीएल द्वारा 13.25 लाख रुपएका शेष भुगतान कार्यान्वयनएजेंसी “चेंचलगुडा केन्द्रीय कारागार” को वित्तीय वर्ष 2017-18 में दिया गया था।

देश के सबसे नए राज्य तेलंगाना नेकैदियों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिएउपाय शुरूकिए हैं। कारागार में उत्पादित वस्तुओं की जोर-शोर से बिक्री करने से लेकर पेट्रोल भरने वाले स्टेशनों कोचलाने तक, कैदी अपनी पसंद के क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं और जेल विभाग के लिए राजस्व जुटारहे हैं। स्टील की कुर्सियों, लकड़ी के फर्नीचर, साबुन, पूजा सामग्री, कालीन, चादर और तौलिया से लेकर बेकरी आइटम तक, कैदियों को बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियां चलानेके लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हिरासत में रहने के दौरान और बाद में कैदियों के जीवन को अधिक सार्थक और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से, कैदियों को उनकी रिहाई के बाद समाज में पुन: स्थापित करने में मदद करने के लिए विभिन्न कौशल प्रदान किए जाते हैं। लंबी अवधि तक जेल में रहने वाले कैदियों को विभिन्न गतिविधियों में कौशल प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं, जबकिअल्पावधि कैदियों को चिनाई, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिक वायरिंग, हाउस वायरिंग आदि कार्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है। नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन (एनएसी),जोभारत सरकार का एकउपक्रम है,इन ट्रेडों में कैदियों को कौशलप्रदानकर रही है।

दोषियों को सुधारने और समाज में उनके पुनर्वास के उद्देश्य से आधुनिक सुधारक अवधारणा कार्यक्रम व्यक्तिगत या समूह चिकित्सा सत्र, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, रखरखाव कार्य और अन्य अनेकमनोरंजक कार्यकलापप्रदान करता है। इसने कैदियों को नया पेशा सीखने तथागरिमा और आत्म-सम्मान सेजीवन जीने में सक्षम बनाया है। बीडीएल ने 2016-17 के दौरान नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों के 5 मंडलों के लिए 1300 दोहरीडेस्क (स्कूल बेंच) के निर्माण के लिए केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा, हैदराबाद को सीएसआर कार्यादेश दिया था।

श्री वीरा स्वामी, प्रशासनिक अधिकारी, चंचलगुडा कारागारसे साक्षात्कार:

केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा केप्रशासनिक अधिकारी श्री वीरा स्वामी ने कहा कि बीडीएल ने केंद्रीय कारागार,चंचलगुडा को नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों के 5 मंडलों के लिए 1300 दोहरीडेस्क के निर्माण के लिए कैदियों के पुनर्वास और सुधार के रूप में सीएसआर कार्यादेशदिया था। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय कारागारके कैदियों को विभिन्न कौशल प्रदान करना है ताकि उन्हें समाज में फिर से जोड़ाजा सके। यह कौशल विकास कार्यक्रम कैदियों को कमाने और उनके परिवारों की मदद करने में मदद करता है और उन्हें कुछ कौशल सिखाता है जो उनके अंतिम पुनर्वास में सहायक होगा।

उन्होंने आगे कहाकि कुल 45 कैदी 650 दोहरेडेस्क (स्कूल बेंच) कार्यकलापके निर्माण में शामिल हुए। यह परियोजना 6 महीने में पूरी की गई और शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान 1300 दोहरीडेस्क (बेंच) नरकटपल्ली, चैत्यल, नलगोंडा, थिप्पर्थी, चिलुकुरु मंडल जेड.पी.एच.एस.स्कूलों को सफलतापूर्वक सौंप दी गई थीं। परियोजना के दौरान, केंद्रीय कारागार ने प्रति दिन मजदूरी के रूप मेंकुशल कैदी श्रमिक को 50/- रुपए औरअकुशल कैदी श्रमिक को 30/- रुपएदिए। सभी 45 कैदियों ने लगन से काम किया और परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। अधिकांश कैदियों ने अपनी कमाई अपने परिवारों को भेज दी।

उन्होंने अंततः में कहा कि "खाली दिमाग शैतान का घर होता है", अत:कैदियों को इससे बचाने के लिए, केंद्रीय कारागारउन्हें विभिन्न कौशल विकास, मनोरंजक और शैक्षिक गतिविधियां प्रदान करता है। इस तरह की पहल से दोषियों के व्यवहार में बदलाव आ सकता है और उनमेंचरित्र निर्माण और अनुशासन पनपसकता है। ये सभी पहलें दोषियों की रिहाई के बाद उनकीबहुत मददगार होंगी।

नलगोंडा और सूर्यपेट जिले में सरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर

बीडीएल नेसरकारी स्कूलों कोस्कूल फर्नीचर प्रदान किए:

- जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, चितयाल: 130 दोहरी डेस्क
- जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, नरकेट पल्ली -98 दोहरी डेस्क + जेड.पी.एच.एस.अम्मानाबोलू- 32
- जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, नलगोंडा: 130 दोहरी डेस्क
- जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, चिलुकुरू: 130 दोहरी डेस्क
- जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, थिप्पर्थी: 130 दोहरी डेस्क

बीडीएल ने जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, चीतल और नरकेटपल्लीको दोहरे डेस्क (बेंच) दान किए

संवाद

श्री रविंदर, एमईओ, चित्तल मंडलके साथ साक्षात्कार।
श्री आर.सुधाकर राव, प्रधानाचार्य, जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, चीतल
नलगोंडा जिला
दौरे की तारीख: 9.4.2018
VI सेX तक की कक्षाएं
स्कूली बच्चों की संख्या: 240 सदस्य

श्री रवींद्र, एमईओ, चित्तल मंडल ने कहा कि बीडीएल ने 8 महीने पहले जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, चित्तल के लिए 130 दोहरे डेस्क (बेंच) प्रदान किए। कक्षाके कमरों में बैठने के लिए स्कूली बच्चों के लिए ये दोहरे डेस्क सुविधाजनक हैं। इसमेंस्कूली बच्चों को किताबों को डेस्क पर रखने के साथ-साथ पीठ को टेक लगाने का भी प्रावधान है। अब इन दोहरेडेस्क को व्यवस्थित ढंग से लगाने के बाद स्कूली बच्चों को ब्लैक बोर्ड भी अधिक साफ दिखाई देता है और वे अब कक्षा के कमरे में सीखने-सीखाने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। पहले बच्चे कक्षा के कमरे में सामान्य बेंचों पर बैठते थे, जो बहुत असुविधाजनक थे और उनमें लिखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती थी।

उन्होंने यह भी कहा कि चिटयालाजेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल,चिटयालामंडल में एसएससीपब्लिक परीक्षा केंद्रों में से एक है, जहांहर वर्ष लगभग 300 एस.एस.सी.स्कूली बच्चे इस केंद्र में अपनी पब्लिक परीक्षा देतेहैं और स्कूल प्रधानाचार्यको छात्रों के लिए परीक्षा लिखने के लिए बाहर से कुर्सियाँ और बेंच किराए पर लेनी पड़ती थीं। बीडीएल के इस उदारतापूर्ण प्रयास से, स्कूल के बुनियादी ढांचे की समस्या हल हो गई है। यह बुनियादी ढांचा स्कूल की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने स्कूल कोफर्नीचर - स्कूल के लिए दोहरे डेस्क (बेंच)प्रदान करने के लिए बीडीएल की इससराहनीय पहल की सराहना की।

संवाद

श्री के. नरसिम्हा, एमईओ, नार्केटपल्ली मंडल के साथ साक्षात्कार।

श्री श्रीनिवास रेड्डी, प्रधानाचार्य, जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, नरकेटपल्ली

चिटयालमंडल, नलगोंडा जिला:

दौरे की तारीख: 9.4.2018

VI सेX तक की कक्षाएं

स्कूली बच्चों की संख्या: 339 छात्र

श्री के. नरसिम्हा, एमईओ, नरकेटपल्ली मंडल ने कहा कि बीडीएल ने जेड.पी.एच.एस. हाईस्कूल, नरकेटपल्ली को 98 दोहरे डेस्क और जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल, अम्मनबरोलु, नरकेटपल्लीमंडल को 32 दोहरे डेस्क प्रदान किए हैं। इससे पहले जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, नरकेटपल्लीने VIII सेX कक्षा के छात्रों को सामान्य सिंगल बेंच (जिसमें पीठ को टेक लगाने और लिखने की व्यवस्था नहीं थी) प्रदान किए थे और VI और VII कक्षा के छात्र फर्श पर बैठते थे। स्कूल के बुनियादी ढांचे, विशेषकरस्कूल की बेंच और कुर्सियों की कमी के कारण, स्कूल को शैक्षिक कार्यक्रमों, सार्वजनिक परीक्षाओं, बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन करते समय अनेकसमस्याओं का सामना करना पड़ता था। इससेछात्रों कीएकाग्रता भी भंग होती थी और वेकक्षा में उत्साह से उत्तर नहीं देते थे। बीडीएल की सुधारात्मक पहल के बाद अबइन सभी शैक्षिक अवसंरचनात्मक समस्याओं को हल कर लिया गया है।

जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल-चिटयाल के VIIIवींकक्षा के छात्रों नामत:सोनू कुमार, पीवाईएलएन स्वामी, दिनेश, भार्गवी, नव्या तेजा श्री, नदीम से बातचीत करने परयह पायागया कि छात्र दोहरे डेस्क (बेंच) पर बैठे थे और वे आराम से अपनी अंतिम परीक्षा लिख रहे थे। उन्होंने यह भी बतायाकि पहले छात्र अपनी परीक्षा लिखने के लिए फर्श पर बैठते थे। उनके लिए फर्श पर बैठकर परीक्षा लिखना असुविधाजनक होता था जिससे परीक्षा में उनके प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ता था। अब स्कूल को बीडीएल से पर्याप्त बुनियादी सुविधा मिल गई है और छात्र बहुत खुश हैं। वे अबकक्षा में बड़ी उत्सुकता से भाग लेते हैं। छात्रों ने उन्हें अच्छी गुणवत्ता वालेदोहरे डेस्क प्रदान करने के लिए बीडीएल की बहुत सराहना की।

सिंगल बेंच - पहले छात्र क्लास रूम में सिंगल बेंच पर बैठते थे
नरकेटपल्लीमेंजेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल

निष्कर्ष/ टिप्पणियां:

- यह बीडीएल द्वारा एक अद्भुत पहल थी। इस पहल केदो महत्वपूर्ण पहलू हैं। 1) सामाजिक जिम्मेदारी की भावना और मनोबल ऊंचा होने से दोषियों में सुधार और उनका पुनर्वास,2) नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों के 5 मंडल जेड.पी.एच.एस.स्कूलों को प्रदान किया जाने वाला पर्याप्त शिक्षा बुनियादी ढाँचा (दोहरे डेस्क)।
- इस बुनियादी ढांचे की सुविधा से लगभग 1500 स्कूली बच्चों को लाभ मिला था और जेल वार्ड के 45 कैदियों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान किया गया था।

संतुष्टि

क्र.सं.	**पैमाना**	**छात्र**	**माता-पिता**	**प्रधानाचार्यऔर शिक्षक**	**कैदी**
1	बैठने में आरामदायक	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	कक्षा में बेहतर एकाग्रता	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	भविष्य में कैदियों के लिए बेहतर आजीविका के अवसर	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	कैदियों का पुनर्वास	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	संपूर्णसंतुष्टि का स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 5: भानुर में स्कूल भवनका निर्माण औरआरओ जल उपचार संयंत्र की स्थापना
स्थान: संगारेड्डी, तेलंगाना
बजट आवंटन: 268 लाख, बजट व्यय: 3.02 लाख

टिप्पण: *स्कूल भवनों का निर्माण और आरओ वाटर प्लांट लगाने का कार्य प्रारंभिक अवस्था में हैं। निविदाप्रक्रियाओं को अभी अंतिम रूप दिया जानाहै। अनुमानित स्कूल भवनों की लागत लगभग 2.50 लाख है।*

परियोजना 6: चंचलगुडा और चेरलापल्ली कारागारके माध्यम से तेलंगाना केसरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर
स्थान: तेलंगाना जिला
बजट आवंटन: 200.00
व्यय: 198.50
कार्यान्वयन एजेंसियां: केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा और चेरलापल्ली, हैदराबाद

चेरलापल्ली केन्द्रीय कारागार के बारे में

वर्ष 1999-2000 के दौरान कैदी कृषि कॉलोनी, मौला अली की भूमि में जिला कारागार, सिकंदराबाद कीपुनस्थापनाके द्वारा केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली की स्थापना की गई है। कारागारकेसभी ढांचोंका निर्माण लगभग 18 महीनों की रिकॉर्ड अवधि में पूराकिया गया था। कारागार की चारदीवारी का भीतरी क्षेत्रफल 43.40 एकड़ है। बाहरी परिसर सहित कुल क्षेत्रफल 117.13 एकड़ है। केंद्रीय कारागार चेरलापल्ली का काम वर्ष 2000 में पूरा हुआ और इसकाउद्घाटन 05.05.2000 को किया गया था। यह तेलंगाना और पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्यकासबसे बड़ा कारागार है जिसमें एक साथ 2000 से अधिक कैदीरखे जाते हैं। इस कारागारमें जनशक्ति उन्मुख कई उद्योग हैं। इस कारागार विनिर्माण विंग में निर्मितस्टील कासामान अपनेटिकाऊपन और सस्तेके लिए जानाजाता है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कैदियों को शैक्षिक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एक अर्द्धखुलाकारागारभी केंद्रीय कारागार से जुड़ा है जहाँ सब्जियाँ उगाई जाती हैं।

तेलंगाना कारागारोंमें उद्योगों का पिछला परिदृश्य

- उद्योग रुग्ण अवस्था में थे
- केवल 5% कैदियों को काम मिल रहा थाहै, यदिइसमें विचाराधीन कैदी शामिल थे
- केवल दो केंद्रीय कारागार अर्थात् सीपी चेरलापल्ली और सीपी वारंगल मेंउद्योग लगेथे
- कोई बिक्री, कोई दुकान, कोई गुणवत्ता नियंत्रण नहीं था और न ही कच्चे माल के लिए कोई पैसा था।

- कौशल बहुत खराब थाया कैदी पूरी तरह से अकुशल थे।

उद्योग

वर्ष	**कारोबार करोड़ रुपए में**	**लाभ करोड़ रुपए में**
2014	149	3.04
2015	165	5.01
2016	297	7.14
2017	399	12.85
2018	495.85	16.72

नियोजित - कैदी विवरण (2018):

क्र.सं.	**कैदियोंकी कुल संख्या**	**नियोजित दोषीकैदियों की संख्या**	**विचाराधीन कैदियों की कुल संख्या**	**नियोजितविचाराधीन कैदियों की संख्या**
1	1952	1428 (73%)	3015	399 (13%)

दिन के दौरान खाली रहना अब संभव नहीं है: कैदी या तो स्कूल, पुस्तकालय, कारखाने या अस्पताल में होते हैं। कारागार की चारदीवारी के भीतर कैदियों की आवाजाही पर अनावश्यक प्रतिबंध हटा दिए जाते हैं।

देश के सबसे नए राज्य तेलंगाना नेकैदियों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिएउपाय शुरूकिए हैं। कारागार में उत्पादित वस्तुओं की जोर-शोर से बिक्री करने से लेकर पेट्रोल भरने वाले स्टेशनों कोचलाने तक, कैदी अपनी पसंद के क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं और जेल विभाग के लिए राजस्व जुटारहे हैं। स्टील की कुर्सियों, लकड़ी के फर्नीचर, साबुन, पूजा सामग्री, कालीन, चादर और तौलिया से लेकर बेकरी बनानेतक, कैदियों को बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियां चलानेके लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हिरासत में रहने के दौरान और बाद में कैदियों के जीवन को अधिक सार्थक और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से, कैदियों को उनकी रिहाई के बाद समाज में पुन: स्थापित करने में मदद करने के लिए विभिन्न कौशल प्रदान किए जाते हैं। लंबी अवधि तक जेल में रहने वाले कैदियों को विभिन्न गतिविधियों में कौशल प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं, जबकिअल्पावधि कैदियों को चिनाई, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिक वायरिंग, हाउस वायरिंग आदि कार्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है। नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन (एनएसी),जोभारत सरकार का एकउपक्रम है,इन ट्रेडों में कैदियों को कौशलप्रदानकर रही है।

दोषियों को सुधारने और समाज में उनके पुनर्वास के उद्देश्य से आधुनिक सुधारक अवधारणा कार्यक्रम व्यक्तिगत या समूह चिकित्सा सत्र, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, रखरखाव कार्य और अन्य अनेकमनोरंजक कार्यकलापप्रदान करता है। इसने कैदियों को नया पेशा सीखने तथागरिमा और आत्म-सम्मान सेजीवन जीने में सक्षम बनाया है। बीडीएल ने 69 जेड.पी.एच.एस./ सरकारी उच्च स्कूलों के लिए 3500 दोहरे डेस्क (स्कूल बेंच) कानिर्माण करनेके लिए केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली, हैदराबाद को सूर्यनपेट, महबूबनगर, नलगोंडा, मेडक, सिद्दीपेट, संगारेड्डी, रंगारेड्डी और तेलंगाना राज्य के महबूबबाद जिलों में कैदियों के पुनर्वास और सुधार कार्यकलापोंके भाग के रूप में 2017-18 में सीएसआर कार्यादेशदिया था।

परियोजना विवरण

आवंटन: रु. 13895000

व्यय:रु. 13895000

परियोजना प्रारंभ तिथि: मार्च 2108 और अंतिम तिथि: नवंबर 2019

परियोजना अवधि: 7 महीने, 1 महीने का उत्पादन: 500 दोहरे डेस्क

दोहरे डेस्क की इस निर्माण गतिविधि में शामिल कैदियों की संख्या: 70-80

जिलों की संख्या और लाभान्वित स्कूलों की संख्या: 9 जिले और 69 स्कूल

सीधे तौर पर लाभान्वित स्कूली बच्चों की संख्या: 7000

1 दोहरे डेस्क-चेरलापल्ली की निर्माण लागत

क्र.सं.	**मद**	**लागत**
1	कच्चा माल	2773.89
2	मशीन मूल्यह्रास लागत	138.69
3	मजदूरी (कुशल: रु.200 + अकुशल: रु.150)	350.00
4	लाभ	357.41
5	परिवहन	350.00
	कुल लागत	**3970.00**

3500 दोहरे डेस्क के उत्पादन के लिए मानव-घंटों की कुल संख्या:

कैदियों की कुल संख्या: 70-80

परियोजना की अवधि: 7 महीने

कार्य दिवसों की संख्या: 175 दिन (महीने में 25 कार्य दिवस)

कार्य घंटे: सुबह 8.00 बजे से 11.00 बजे, दोपहर 1.00 बजे से शाम 4.00 बजे और शाम 6 बजे से 9 बजे तक

1 यूनिट दोहरे डेस्क के निर्माण के लिए आवश्यक मानव शक्ति:
4 कुशल कैदी + 5 अर्ध कुशल कैदी
मजदूरी: कुशल कैदी: रु. 50, अर्ध कुशल कैदी: रु. 30

क्र.सं.	**जिला का नाम**	**दोहरेडेस्क के वितरण के लिए जिले-वार चयनित राजकीय उच्च स्कूल/ जेड.पी.एच.एस.उच्चस्कूल**	**वितरित किए गए दोहरे डेस्कों की संख्या**	**जिले के लिए आपूर्ति किए गए दोहरे डेस्कों का कुल मूल्य (रुपएमें)**	**समायोजित कुल बच्चों की संख्या**
1	सूर्यापेट	47	1980	7860600	3960
2	महबूबनगर	5	400	1588000	800
3	नलगोंडा	1	80	317600	160
4	मेडचेल-मल्काजगिरि	1	100	397000	200
5	मेडक	3	200	794000	400
6	सिद्दीपेट	8	500	1985000	1000
7	संगारेड्डी	1	140	555800	280
8	रंगारेड्डी	1	80	317600	160
9	महबूबाबाद	2	20	79400	40
	कुल	**69**	**3500**	**13895000**	**7000**

स्रोत: आंकड़ेकेंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली द्वारा प्रदान किए गए हैं।

केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा के बारे में:
केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा, हैदराबाद देश की सबसे पुरानी जेलों में से एक है जिसका निर्माण हैदराबादप्रांत के निज़ाम शासक निज़ाम-उल-मुल्क द्वारा वर्ष 1876 में किया गया था। 2 वर्ष तक की सजा पानेवाले कैदियों को इस कारागारमें कैद किया जाता था। आंध्र प्रदेश राज्य के गठन के बाद, श्री गुरु प्रताप इस कारागारके पहले अधीक्षक थे। केंद्रीय कारागार हैदराबाद देश की पहली जेल है जिसमें ए.पी. ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन केंद्र है। 1989-1980 के दौरान केंद्रीय कारागार हैदराबाद ने वयस्क शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत के साथ 100% साक्षरता दर हासिल की। इस कारागार मेंएक पेट्रोल स्टेशन भी है, जो हैदराबाद का सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाला पेट्रोल पंप है।

स्थापनाकी तारीख	1876
भूमि का कुल क्षेत्रफल	49.32 एकड़
कुल क्षमता	1000 कैदी

बैरकों की संख्या	23
विनिर्माण कर्मशाला	01

बीडीएल ने कैदियों के पुनर्वास और सुधार कार्यकलापों के भाग के रूप में तेलंगाना राज्य के यादाद्री जिले में स्थित 7 मंडलों -जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूलों के लिए 1500 दोहरे डेस्क (स्कूल बेंच) के निर्माण के लिए केंद्रीय कारागार, चंचलगुडा, हैदराबाद को 2017-18 के दौरान सीएसआर कार्यादेशदिया था।

परियोजना विवरण

आवंटन: रु. 59,55,000/-

व्यय: रु. 59,55,000/-

परियोजना की प्रारंभ तिथि: मार्च 2018और अंतिम तिथि: नवंबर 2018

परियोजना अवधि: 3 महीने, 1 महीने का उत्पादन: 500 दोहरे डेस्क

दोहरे डेस्क की इस विनिर्माण गतिविधि में शामिल कैदियों की संख्या: 60-70

जिलों की संख्या और लाभान्वित स्कूलों की संख्या: 7 मंडल जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल यादाद्री जिले (अलेरु, मोटाकांडुर, मोठकुर, वालिगोंडा, थरकापल्ली और राजापेट) में

सीधे तौर पर लाभान्वित स्कूली बच्चों की संख्या: 3000

बजट विवरण:

क्र.सं.	**विवरण**	**मात्रा संख्या में**	**दर रुपए में**	**राशि रुपए में**
1	स्टील दोहरेडेस्क: 48"X 36" X30"(3 सीटर) लेखन पैड: 14” बैठने कापैड: 6” सीआर शीट सहित- 20 गेज और स्क्वायर पाइप - 16 गेज	1500	3600.00	54,00,000.00
2	परिवहनभुगतान	1500	350.00	5,25,000.00
3	लोगो की लागत	1500	20.00	30,000.00
	कुल			**59,55,000.00**

जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल मंडल-वार व्यय (यादाद्री जिला)

क्र.सं.	मंडल का नाम	दोहरे डेस्क की संख्या	मंडल-वारआपूर्ति किए गए दोहरे डेस्क का कुल मूल्य (रुपएमें)	बैठने वाले कुल बच्चों की संख्या (3 बच्चे प्रति 1 दोहरा डेस्क)
1	अलेरू	300	1191000	900
2	मोटाकोंडुर	274	1087780	822
3	मोठकुर	70	277900	210
4	रमन्नापेट	110	436700	330
5	वालीगोंडा	275	1091750	825
6	ठुरकापल्ली	220	873400	660
7	राजापेट	251	996470	753
	कुल	**1500**	**59,55,000/-**	**4500**

1 दोहरे डेस्क-चेरलापल्ली की निर्माण लागत

क्र.सं.	मद	लागत
1	कच्चा माल	2621.00
2	मशीन मूल्यह्रास लागत	131.00
3	मजदूरी (कुशल: रु.150 + अर्ध-कुशल: रु.120)	270.00
4	लाभ	578.00
5	परिवहन	350.00
6	बीडीएल लोगो	20.00
	कुल लागत	**3970.00**

संवाद:

बातचीत 1:

श्री आर.भास्कर, अधीक्षक,केन्द्रीय कारागार, चेरलापल्ली के साथ बातचीत

दौरे की तारीख: 4.6.2019

चेरलापल्ली स्थित केंद्रीय कारागार के अधीक्षक श्री आर.भास्कर ने कहा कि कैदियों के पुनर्वास और सुधार कार्यकलाप के एक भाग के रूप में, बीडीएल ने केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली को तेलंगाना के जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूलों/ सरकारीस्कूलों को 2017-18 के दौरान 3500 दोहरे डेस्कोंके निर्माण के लिए सीएसआर कार्यादेशदिया था। परियोजना की लागत लगभग 1.39 करोड़ रुपएऔर परियोजना की अवधि 7 महीने थी।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय कारागारके कैदियों को विभिन्न कौशल प्रदान करना है ताकि उन्हें समाज में फिर से जोड़ाजा सके। यह कौशल विकास कार्यक्रम कैदियों को आजीविकाकमाने और उनके परिवारों की मदद करता है तथाउन्हें कुछ कौशल सिखाता है जो उनके अंतिम पुनर्वास में सहायक सिद्धहोगा।

अंत में उन्होंने कहाकि कैदियों में कार्य संस्कृति का विकास करनाइस परियोजना कामुख्य ध्येयहै। केंद्रीय कारागारउन्हें विभिन्न कौशल विकास, मनोरंजक और शैक्षिक गतिविधियाँ प्रदान करता है। इस तरह की पहल से दोषियों का रवैया बदल सकता है और उनमेचरित्र निर्माण और अनुशासन विकसित हो सकता है। ये सभी पहलें उनकी रिहाई के बाद दोषियों के लिए बहुत मददगार साबित होती हैं।

बातचीत 2:
श्री श्रीनिवास, प्रशासनिक अधिकारी, श्री वेंकटरमण, वरिष्ठ सहायक, चेरपल्ली केंद्रीय कारागार से बातचीत

चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार के प्रशासनिक अधिकारी और वरिष्ठ सहायक के साथ बातचीत करने पर, उन्होंने परियोजना की जानकारी के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की जैसे कि दोहरेडेस्क की निर्माण लागत, कैदी की मजदूरी, काम के घंटे, प्रशिक्षक का विवरण, परियोजना में लगे कैदियों की संख्या, लाभार्थी स्कूलोंका विवरण और अनुसूची के अनुसार जिले के प्रत्येक स्कूल को आपूर्ति की गई विस्तृतइकाइयों की संख्या।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कुल 70-80 कैदी 3500 दोहरे डेस्क (स्कूल बेंच) कार्यकलापके निर्माण में शामिल हुए थे। यह परियोजना 7 महीने में पूरीहो गई थी और शैक्षणिक वर्ष 2018-19के दौरान सूर्यपेट, महबूबनगर, नलगोंडा, मेडचेल-मलकजगिरी, मेडक, सिद्दीपेट, संगारेड्डी, रंगारेड्डी जिलों में चयनित जेड.पी.एच.एस./ राजकीय उच्च स्कूलों को 3500 दोहरे डेस्क (बेंच) सौंपे गए थे। परियोजना के दौरान, केंद्रीय कारागार ने प्रति दिन मजदूरी के रूप मेंकुशल कैदी श्रमिक को 50/- रुपए, और अर्द्ध-कुशल कैदी श्रमिक को 30/- रुपए का भुगतान किया था। इस कार्य में शामिल कैदियों ने बड़ी लगन से कार्य किया और परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। अधिकांश कैदियों ने अपनी कमाई अपने परिवारों को भेज दी।

अंत में उन्होंने कहाकि औसतन एक अर्ध कुशल श्रमिक ने प्रतिमाह रु. 2000/- और कुशल कर्मचारी ने प्रतिमाह 3500/- कमाए।

बीडीएल ने तेलंगाना राज्य के विभिन्न जिला सरकारी स्कूलों को चारलापल्ली और चेंचलागुडा केंद्रीय कारागार कैदियों के पुनर्वास और सुधार कार्यकलापोंके माध्यम से स्कूल फर्नीचर (दोहरे डेस्क) प्रदान किए:

क्र.सं.	जिले का नाम	जेड.पी.एच.एस./ राजकीय उच्च विद्यालय के लिए जिले को आपूर्ति किए गए दोहरे डेस्कों की संख्या
	चेंचलागुडा कारागार	

1	यादाद्री	1500
	चेरलापल्ली कारागार	
1	सूर्यापेट	1980
2	महबूबनगर	400
3	नलगोंडा	80
4	मेडचेल-मल्काजगिरि	100
5	मेडक	200
6	सिद्दीपेट	500
7	संगारेड्डी	140
8	रंगारेड्डी	80
9	महबूबाबाद	20

हुसैनाबाद, सिद्दीपेट मेंजेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल के छात्र

स्कूल के प्रधानाचार्य/ प्रचार्य, शिक्षकोंऔर स्कूली बच्चों से प्राप्तप्रतिक्रिया

क्र.सं.	**विद्यालय का नाम**	**स्कूल में छात्रों और शिक्षकों**	**पिछली स्थिति**	**स्कूल को आपूर्ति किए गए**	**समायोजित छात्रों की संख्या**	**प्रतिक्रिया**

		की संख्या		दोहरे डेस्क की संख्या		
1	जेड.पी.एच.एस., हुसनाबाद, सिद्दीपेट जिला	210 और 17 (कुल 10 अनुभाग)	बच्चे सिंगल बैंच पर बैठते थे, इसमें पीठ टेकने की व्यवस्था नहीं थी और यह असुविधाजनक था	70	210	स्कूली बच्चों ने बतायाकि कक्षामें बैठने के लिए दोहरेडेस्क सुविधाजनक हैं।
2	राजकीय उच्च विद्यालय, महबूबनगर	550 और 35 (कुल 18 अनुभाग)	निम्न वर्ग अनुभागके बच्चे फर्श पर बैठते थे।	80	240	प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्तमान में कोई भी स्कूली बच्चा फर्श पर नहीं बैठता है। स्कूली बच्चे दोहरे डेस्क के साथ बहुत सुविधाजनक महसूस करते हैं और वे कक्षाओं मेंसबक को पहले की तुलना में अधिक एकाग्रता से सुनते हैं।
3	जेड.पी.एच.एस., बोयापल्ली, महबूबनगर	430 और 16	अधिकांश कक्षा के बच्चे फर्श पर बैठते हैं और केवल IXवींऔर Xवींके बच्चे सिंगलबेंच पर बैठते थे।	130	390	प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने कहा कि वर्तमान में सभी छात्रों के लिए पर्याप्त स्कूल बेंच उपलब्ध हैं और बच्चे भी कक्षा में पढ़ाई के दौरान अधिक सक्रिय रूप से शामिल होते हैं
4	जेड.पी.एच.एस., अक्कनापेट, सिद्दीपेट जिला	81 और 10	स्कूली बच्चे सिंगल बेंच पर बैठते थे और	36	100	प्रधानाचार्य ने बतायाकि स्कूली बच्चे डेस्क पर

			स्कूल के कई बेंच उपयोग किए जाने की हालत में नहीं थे।			अपनी किताबें रख सकते हैं। अब बच्चे बहुत सहज महसूस करते हैं और वे शिक्षक के साथ सक्रिय रूप से संवादकर रहे हैं और उनकेसीखने के माहौल में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।
5	जेड.पी.एच.एस.दथाईपल्ली, थरकापल्ली मंडल, यादाद्री जिला	190 और 12	स्कूली बच्चे सिंगलबेंचों पर बैठते थे और सिंगलबेंचों की बार-बार मरम्मत करनास्कूल के लिए एकबोझ थी	40	120	स्कूली बच्चों ने महसूस किया कि वे कक्षा मेंसीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होतेहैं और अब उन्हें ब्लैक बोर्ड पहले की तुलना में अधिक साफदिखाई देता है।
6	जेड.पी.एच.एस. बंधुगुला, राजापेट मंडल, यादाद्री जिला	170 और 11 (5 नियमित + 6 वीवी शिक्षक)	सभी वर्गों के लिए पर्याप्त स्कूल बेंच उपलब्ध नहीं थे	40	120	स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि वर्तमान में बीडीएल दोहरे डेस्क कक्षाVIII, IX और X के लिए पर्याप्त हैं। कक्षा VI और VII के बच्चे सिंगलबेंचों पर बैठते हैं, जो पहले कक्षाIX & X छात्रों द्वारा उपयोग किए जाते थे। अब छात्र कक्षा में पढ़ाई पर अधिक

						ध्यान देरहे हैं।
7	जेड.पी.एच.एस. माधापुरम थर्कापल्ली मंडल, यादाद्री जिला	405 और 18	कक्षा VI और VII के स्कूली बच्चे फर्श पर बैठते थे। कक्षा VIII, IX, X के स्कूली बच्चे सिंगलबेंच पर बैठते थे, छात्रोंकेलिए कक्षाओं में सुनना असुविधाजनक था, और किताबें रखने के लिए डेस्क की व्यवस्था नहीं थी।	60	180	स्कूल के शिक्षकों ने बतायाकि छात्रअब बीडीएल दोहरे डेस्क पर बैठने परआराम महसूस करते हैं। वे अब कक्षामें महत्वपूर्ण बिंदुओं को अपनी नोट बुक में अधिक आसानी से लिख सकते हैं। दोहरे डेस्क पर बैठने से बच्चों को अबब्लैक बोर्ड अधिक साफ दिखाई देता है।
8	जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, वालिगोंडा (वीएंडएम), यादाद्री जिला	400 और 20	बच्चे सिंगल बेंच पर बैठते थे। यह कक्षाX का बोर्ड परीक्षा केंद्र है। स्कूल प्रधानाचार्यको बोर्ड परीक्षा के लिए बाहर से कुर्सियाँ और बेंच किराए पर लेनी पड़ती थीं।	60	180	स्कूली बच्चों ने महसूस किया कि वर्तमान में वे नियमित परीक्षा लिखने में सहज महसूस करते हैं, वे कक्षाओं में पाठ को ठीक से सुनते हैं और लेखनपैड परउन्हें कक्षा में पढ़ाए गए बिंदुओं को उचित प्रकार से नोट करने में मदद मिलती है।
9	जेड.पी.एच.एस.पहिलवानपुर, वैलीगोंडा मंडल, यादाद्री	60 और 9	पहले बच्चे कक्षामें सामान्य	20	60	एमईओ ने बतायाकि छात्र बीडीएल दोहरे

	जिला		बेंचों पर बैठते थे, जो असुविधाजनक थे और उनमें लिखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी।			डेस्क पर बैठकर कक्षा मेंपढ़ाई को बहुत ध्यान लगाकर सुनतेहैं।
10	जेड.पी.एच.एस.गोकवारम, वालिगोंडा मंडल, यादाद्री जिला	106 और 8	बच्चे सिंगल बेंच पर बैठते थे	30	90	प्रधानाचार्य ने कहा कि बीडीएल द्वाराप्रदान किए गए दोहरे डेस्क स्कूल की जरूरतों के लिए पर्याप्त हैं। अब छात्र कक्षा में पढ़ाई में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। दोहरेडेस्क के लेखन पैड परलिखने सेछात्रोंके लेखन कौशल में भी सुधार हुआहै।
11	जेड.पी.एच.एस. चल्लापुर, राजापेट मंडल, यादाद्री जिला	120 और 10	बच्चे सिंगल बेंच पर बैठते थे। VI औरVII कक्षा के बच्चे फर्श पर बैठते थे	20	60	स्कूली बच्चों ने बतायाकि "दोहरेडेस्क की उचित बैठने की व्यवस्था के कारण ब्लैक बोर्ड पहले की तुलना में बेहतर दिखाई देता है।
12	जेड.पी.एच.एस., रघुनाथपुरम, राजापेट मंडल, यादाद्री जिला	400 और 20	बच्चे सिंगल बेंच पर बैठते थे। कक्षाVI और VII केछात्र फर्श पर बैठते थे।	60	180	प्रधानाचार्य ने बतायाकि सभी छात्र अब कक्षा में पढ़ाई और लेखन कौशल पर अधिक ध्यान देरहे हैं।
13	जेड.पी.एच.एस., वसलामारी,	185	कक्षा VI, VII	30	90	स्कूल के प्रधानाचार्य

	ठुर्कापल्ली मंडल, यादाद्री जिला		और VIII के बच्चे फर्श पर बैठते थे। वे कक्षा मेंपढ़ाई में सक्रिय रूप से भाग नहीं लेते थे।			ने बतायाकि इन आरामदायक दोहरे डेस्कोंसेi) छात्रों के एकाग्रता स्तर, ii) शैक्षणिक प्रदर्शन मेंसुधार हुआ है।

निष्कर्ष/ टिप्पणियां:

- यह बीडीएल द्वारा एक अद्भुत पहल थी। इस पहल केदो महत्वपूर्ण पहलू हैं। 1) सामाजिक जिम्मेदारी की भावना और मनोबल ऊंचा होने से दोषियों में सुधार और उनका पुनर्वास,2) तेलंगाना राज्य में विभिन्न जेड.पी.एच.एस./ राजकीय उच्च विद्यालयों को प्रदान की जाने वाली पर्याप्त शिक्षा अवसंरचना(दोहरे डेस्क)।
- इस बुनियादी ढांचे कीसुविधा से लगभग 15000 स्कूली बच्चे लाभान्वित हुए और जेल के वार्डों के 160 कैदियों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान किया गया।

प्रभाव

क्र.सं.	**पैमाना**	**छात्र**	**माता-पिता**	**प्रधानाचार्य और शिक्षक**	**कैदी**
1	बैठने में आरामदायक	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	तेलंगाना सरकार/ जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल में शिक्षा की बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	छात्र के स्तर और शिक्षा के प्रदर्शन में सुधार हुआ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	कक्षा में बेहतर एकाग्रता	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	कैदियों के लिए बेहतर आजीविका	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	कैदियों का पुनर्वास	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	संपूर्णसंतुष्टि का स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र परियोजनाएँ:

1. *नलगोंडा- नलगोंडा, तेलंगाना में स्वास्थ्य देखभाल*
2. *विशाखापत्तनम में स्वास्थ्य देखभाल - विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश*
3. *कृत्रिम अंगों का वितरण - सिद्दीपेट, तेलंगाना राज्य*
4. *श्रवण विकलांगता वाले लोगों के लिए कोचलियनइंप्लांट परियोजना*
5. *स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी कोष*

परियोजना 1: नलगोंडा में स्वास्थ्य देखभाल
परियोजना 2: विशाखापत्तनम में स्वास्थ्य देखभाल
स्थान:
1) चौटुप्पल मंडल, यादाद्री जिला, तेलंगाना
2) नरसीपट्टनम, विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश
कार्यान्वयन एजेंसी: हेल्पएज इंडिया
बजट व्यय: चौपुप्पल एमएचयू: 18.43 लाख और नरसिपट्टनम एमएचयू: 14.75 लाख
वर्तमान स्थिति: परियोजना चल रही है।

परिचय:
ऐसे देश में जहां 90% से अधिक बुजुर्गों को अपनी उत्तरजीविता के लिए काम करना पड़ता है, वहांगुणवत्ताचिकित्सा देखभाल प्राप्तकरना बहुतदूर की कौड़ी है। लोग लंबे समय तक जीवित रहते हैं, वयोवृद्ध, जो 80 से अधिक आयु के हैं, के2050 तक 48 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। वयोवृद्ध(80+) में88% चिरकालिकबीमारियों जैसे उच्च रक्तचाप, अस्थमा, गठिया, हृदय रोगोंआदि से पीड़ित हैं। हेल्पएज मोबाइल हेल्थकेयर कार्यक्रम निराश्रित बुजुर्गों और उनके समुदाय को स्थायी स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करने का प्रयास करता है जहां ये उनकी मोबाइल हेल्थकेयर इकाइयों (एमएचयू) के माध्यम से उपलब्ध नहीं हैं। प्रत्येक एमएचयू में एक डॉक्टर, एकफार्मासिस्ट और एक सामाजिक कार्यकर्ता होता है। ये एमएचयू शहरी झुग्गी-झोंपड़ियों में और गांवों के अंदरूनी हिस्सों में जाते हैं, जिससे इन निराश्रित बुजुर्गों को उनके घर की दहलीज पर ही स्वास्थ्य सेवा मिलतीहै। अधिकांश बुजुर्गों कोयह दूर-दराज स्थित अस्पतालों कीलंबी लाइनों से बचाता है और उन्हें मासिक आधार पर मुफ्त दवा मिलती है। उनका व्यक्तिगत रोगी कार्ड उनके इलाज का रिकॉर्ड रखता है और उनकी प्रगति की निगरानी करने में मदद करता है।

ये एमएचयू प्राय:विभिन्न रोगों पर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते हैं जहांमुफ्त स्वास्थ्य जांच की जाती है। एमएचयू जागरूकता पैदा करने वाली साइटें भी बन गई हैं।सामाजिक कार्यकर्ता वंचित बुजुर्गों को विभिन्न बीमारियों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उन विभिन्न निवारक उपायों की भी जानकारी देते हैं जो किसी भी घातक बीमारी की शुरुआत को रोकने के लिए उठाए जा सकते हैं। हेल्पएज की एमएचयू सेवा कोबुजुर्गों के लिए एशिया के सबसे बड़े मोबाइल हेल्थकेयर नेटवर्क के रूप में मान्यता दी गई है। वर्तमान में, 144 एमएचयू 1920 स्थानों पर सेवाएं प्रदान कर रही हैं, जो24 राज्यों में फैली हैं और येपहले ही 23.25 लाख उपचारप्रदान कर चुकी हैं।

बीडीएल हेल्पेज इंडिया एमएचयू

हेल्पएज इंडिया लगभग 4 दशकों से वंचित बुजुर्गों के लिएकाम करने वालीभारत की एक अग्रणी धर्मार्थ संस्था है। इसे1978 में स्थापित किया गया था और यह 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है।

बजट विवरण:

क्र.सं.	**एमएचयू का नाम**	**बीडीएल से प्राप्त राशि रुपए में**
1	एमएचयू-चौटुप्पल 1.4.2017 से 31.3.2018 तक	1842701
2	एमएचयू- नरसिपटनम 1.1.2017 से 31.12.2017 तक	1474826

बजट व्यय:

क्र.सं.	**पैमाना**	**एमएचयू का मद-वार व्यय रुपए में**	
		चौटुप्पल एमएचयू	**नरसिपटनम एमएचयू**
1	परियोजना परिसंपत्तियां	5284	34107
2	दवाइयाँ	816991	675045
3	चिकित्सा उपभोग्य	4330	0
4	चिकित्सा सलाहकार/ एमबीबीएस डॉक्टर	486650	441286
5	जनशक्ति लागत (एसपीओ, ड्राइवर, फार्मासिस्ट)	614300	538910
6	कार्यालय उपभोग्यता	5011	1208
7	स्थानीय वाहन	6355	19442
8	कर्मचारी कल्याण	15835	13320
9	मुद्रण सामग्री	13822	15378
10	लोकम स्टाफ भुगतान	500	0
11	वाहन रखरखाव	95863	93455
12	उपकरण रखरखाव	850	0
13	किराए पर/ पार्किंग की जगह	60000	70941
14	टेलीफोन/ इंटरनेट/ डाक	5132	7254
15	परियोजना की निगरानी और समर्थन लागत	212564	133872
16	बिजली और पानी का शुल्क	0	510
17	मरम्मत और रखरखाव	0	900
18	बीमा वाहन	0	699

	कुल	**2343487**	**2046327**

टिप्प्ण: आंकड़ेहेल्पेजइंडिया राज्य कार्यालय, तेलंगाना द्वारा प्रदान किए गए हैं।

कार्य तंत्र:

मोबाइल मेडिकेयर यूनिटेंग्रामीण क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपचार, दवाएं और अन्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करती हैं। येगरीबबुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करनेके लिए उन्हेंस्वास्थ्य देखभाल सेवाएंप्रदान करती हैं।

प्रत्येक एमएचयू मेंएक योग्य चिकित्सक, फार्मासिस्ट और सामाजिक कार्यकर्ता होताहै जोआवश्यक होने पर अन्य सेवाओं के लिए स्थानीय अस्पतालों में रेफरल करता है। "मोबाइल मेडिकेयर यूनिट" कार्यक्रम शय्याग्रस्तबुजुर्गों केघर का दौरा भी करतीहै,यह उनकी फिजियोथेरेपी, योग, ध्यान कक्षाएं, आश्रय सहायता, विकलांगता सहायता, परामर्श और वरिष्ठ नागरिकों को उनके वृद्धावस्था पेंशन लाभ दिलानेमें मदद करती है। "मोबाइल मेडिकेयर यूनिट" कार्यक्रम बुजुर्गों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने में मदद करता है।

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी द्वारा लाभार्थियों से नियमित फीडबैक लिया जाता है। हेल्प एज इंडिया, लाभार्थियों की केस शीट और अन्य रिकॉर्ड रखता है जिसमें लाभार्थी रिपोर्ट, दवा लेने की रिपोर्ट, प्रत्येक लाभार्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि और मासिक समीक्षा रिपोर्ट शामिल हैं।

आम बीमारियों का समाधान:

एलर्जी	पेट में दर्द	दमा
कब्ज़	मोतियाबिंद	खांसी और सर्दी
चिरकालिक प्रतिरोधक रोग	मधुमेह	दिव्यांगता
उच्च रक्तचाप	हाईपोथाइरॉयड	ऑस्टियोआर्थराइटिस
ऑस्टियोपोरोसिस	जोड़ों का दर्द	मूत्र मार्ग का संक्रमण

अन्य अस्पतालों में रेफर किए गए मामले:

वैरिकाज - वेन्स	ईएनटी	सीवीए
न्यूरोपैथी	गुर्दे की पथरी	त्वचा विज्ञान

मरीजों के लिए दाखिलामानदंड:

- मरीज की आयु 55 वर्ष और उससे अधिक होनी चाहिए
- उन्हें गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी से संबंधित होना चाहिए।

• ऊपर उल्लिखित अनुसार स्वास्थ्य विषयोंसे पीड़ित रोगी।

2017-18 के दौरान एमएचयू द्वारा उपयोग की जा रही दवाओं की सूची

MD Code	Generic Name	MD Code	Generic Name
MD0001	1-thyroxine 25mcg	MD0049	Glimiperide 1mg+Metformin 500mg SR
MD0002	1-thyroxine 50 mcg	MD0050	Glipizide
MD0003	1-thyroxine 100mcg	MD0051	Hydrochlorthiazide
MD0004	Albendazole	MD0052	Ibuprofen
MD0005	Amlodipine 2.5mg	MD0053	Iron + folic acid + cyanocobalamin
MD0006	Amlodipine 5mg	MD0054	Isapghula husk
MD0007	Amlodipine Besylate +Atenolol	MD0055	Isorbide 5 Mononitrate
MD0008	Amoxycillin & Clavulanate Potassium	MD0056	Isosorbide dinitrate
MD0009	Amoxycillin 500 mg	MD0057	Ldopa-carbidopa
MD0010	Amoxycillin 250 mg	MD0058	Levofloxacin
MD0011	Amoxycillin (Pediatric)	MD0059	Liniment of turpentine
MD0012	Andre	MD0060	Liquid paraffin + milkof magnesia
MD0013	Aspirin	MD0061	Losartan 25mg
MD0014	Atrovastatin	MD0062	Losartan 50mg
MD0015	Azithromycin	MD0063	Losartan+Hydrochloride
MD0016	Benzyl benzoate 25 %	MD0064	Metformin
MD0017	Betamethasone 0.05% Oint	MD0065	Metformin SR
MD0018	Betamethasone 0.10% Oint	MD0066	Metoprolol
MD0019	Betamethasone Tab	MD0067	Metronidazole
MD0020	Bisacodyl	MD0068	Neosporin
MD0021	Budesonide	MD0069	Nitrofurantion
MD0022	Calcium Elemental 500mg+Vitamin D3 250mg	MD0070	Ondansetron
MD0023	Carbimazole	MD0071	ORS
MD0024	Cefixime	MD0072	Oxymetazoline nasal drops
MD0025	Cetrizine	MD0073	Pantaprazole
MD0026	Chloramphenicol aplicaps	MD0074	Paracetamol

MD0027	Chloroquine phosphate	MD0075	Paracetamol Suspenstion
MD0028	Cinnerazine	MD0076	Phenytoin
MD0029	Ciprofloxacin	MD0077	Povidone iodine
MD0030	Ciprofloxacin eye/ear drops	MD0078	Prednisolone 5mg
MD0031	Clotrimazole Oint	MD0079	Prednisolone 10mg
MD0032	Cough Syrup (Pediatric)	MD0080	Primaquine
MD0033	Deriphylline Retard 300mg	MD0081	Prochlorperazine Maleate
MD0034	Deriphylline Retard 150mg	MD0082	Rabeprazole Sodium 20mg
MD0035	Diazepam	MD0083	Ranitidine
MD0036	Diclofenac Gel	MD0084	Risperidone
MD0037	Dicylomine+ Paracetamol	MD0085	Salbutamol 2mg
MD0038	Diethylcarbamazine Citrate	MD0086	Salbutamol 100mcg
MD0039	Digoxin	MD0087	Sertraline
MD0040	Domperidone	MD0088	Silver Sulfadiazine + Chlorhexidine & Cetrimide cream 15gm
MD0041	Dried aluminium Hydroxide Gel 250mg+ Magnesium Hydroxide+Activated Dimethicone 50mg (Antacid)	MD0089	Tinidazole
MD0043	Enalapril	MD0090	Unienzyme
MD0044	Etoricoxib	MD0091	Vit B Complex
MD0045	Flurbiprofen eye drops	MD0092	Vit B complex + C
MD0046	Frusemide	MD0093	Vitamin C
MD0047	Glimiperide 1mg	MD0048	Glimiperide 2mg

बीडीएल एमएचयू परियोजना द्वारा कवरेज:

एमएचयू में तेलंगाना के नलगोंडा जिले के23 और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के13 गाँव शामिल हैं। एमएचयू टीमों की अनुसूची का उल्लेख निम्नलिखित तालिकाओं में किया गया है। अनुसूची इस तरह से बनाई गई है कि आसपास के 2-5 गांव एक दिन में कवर हो जाते हैं। हेल्पएज इंडिया ने मोबाइल मेडिकेयर यूनिट के तहत 35 गांवों को कवर किया है, जहां 4000 लाभार्थियों को वर्ष 2017-18 के लिए चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई थी।

प्रत्येक एमएचयू से जुड़े हेल्पेज इंडिया के कर्मचारी:

- सामाजिकसंरक्षण अधिकारी-1
- मेडिकल डॉक्टर -1
- फार्मासिस्ट -1
- चालक -1

उपचार का विवरण: छाया स्वास्थ्य शिविर, विशेष चिकित्सा शिविर और शय्याग्रस्त

क्र.सं.	शिविर का प्रकार	2017-18 के दौरान चौटुप्पल मंडल -एमएचयू स्वास्थ्य शिविर		नरसिपटनम - 2017-18 के दौरान एमएचयू हेल्थ कैंप	
		शिविरों की संख्या	लाभार्थी	शिविरों की संख्या	लाभार्थी
1	सामान्य स्वास्थ्य शिविर	20	1708	22	844
2	जागरूकता शिविर	58	2220	25	1093

वर्ष 2017-18मेंचौटुप्पल एमएचयू एमएचयू शय्याग्रस्तउपचार: 115
वर्ष 2017-18मेंए नरसीपट्टनम एमएचयू शय्याग्रस्तउपचार: 27

वर्ष 2017-18 मेंकिसी भी आपात स्थिति में चौटुप्पल एमएचयू द्वारारेफरल रोगों की कुल संख्या: 51
बुजुर्ग लोग
नरसीपट्टनम एमएचयू बुजुर्ग लोगों की कुल संख्या: 27

जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामपंचायत की प्रोफाइलचौटुप्पलएमएचयू कवरेज साइटें

i) जनसंख्या

क्र.सं.	ग्रामपंचायत का नाम	कुल परिवार	आबादी			अ.जा.जनसंख्या				अ.ज.जा.जनसंख्या			
			कुल जनसंख्या	पुरुष	महिला	कुल अ.जा. जनसंख्या	पुरुष	महिला	प्रतिशत	कुल अ.ज.जा. जनसंख्या	पुरुष	महिला	प्रतिशत
नारायणपुर मंडल													
1	नारायणपुर	1820	7927	3832	4095	1077	492	585	13.59	503	171	332	6.35
2	जनगाम	1415	5663	2911	2752	1081	534	547	19.09	2321	1226	1095	40.99
3	मोहम्मदाबाद	288	1173	614	559	171	96	75	14.58	536	285	251	45.69
4	रचाकोंडा	344	1300	682	618	70	35	35	5.38	1182	621	561	90.92
5	सरवैली	1957	8084	4433	3651	1970	1044	926	24.37	143	96	47	1.77
6	कोत्तगुड़ेम	328	1199	605	594	196	99	97	16.35	0	0	0	0
चौटुप्पल मंडल													
1	अल्लापूर	147	687	343	344	137	71	66	19.94	0	0	0	0

2	पीपल पहाद	678	2789	1413	1376	448	212	236	16.06	639	328	311	22.91
3	डी. नागाराम	1541	6321	3253	3068	821	425	396	12.99	23	1 1	12	0.36
4	लक्कारम	954	3945	2024	1921	674	339	335	17.08	51	23	28	1.29

ii) कार्य रूपरेखा

क्र.सं.	**ग्रामपंचायत का नाम**	**कुल श्रमिक**	**मुख्य श्रमिक**	**सीमांत श्रमिक**
नारायणपुर मंडल				
1	नारायणपुर	3544	3175	369
2	जनगाम	2761	2320	441
3	मोहम्मदाबाद	561	492	69
4	रचाकोंडा	769	191	578
5	सरवैली	4254	2292	1962
6	कोत्तगुड़ेम	655	578	77
चौटुप्पल मंडल				
1	अल्लापूर	370	365	5
2	पीपल पहाद	1421	1067	354
3	डी. नागाराम	2986	2870	116
4	लक्कारम	1799	1713	86

चौटुप्पल एमएचयू साइट अनुसूची						
क्र.सं.	**जिला का नाम**	**स्थलका नाम**	**दिन**	**पारी**	**समय**	**ग्राम पंचायत का नाम**
1	यादाद्री	नारायणपुर	सोमवार	सुबह	सुबह 9:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	नारायणपुर ग्राम पंचायत
2	यादाद्री	जनागम	सोमवार	दोपहर	दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक	जनगाम ग्राम पंचायत
3	यादाद्री	चंद्रगोनी थांडा	मंगलवार	सुबह	सुबह 9:15 बजे से सुबह 10:30 बजे तक	मोहम्मदाबाद ग्राम पंचायत
4	यादाद्री	वेंकोम्बाई थांडा	मंगलवार	सुबह	सुबह 10:30 से सुबह 11:15 तक	नारायणपुर ग्राम पंचायत
5	यादाद्री	दुब्बागुंडला थांडा	मंगलवार	सुबह	सुबह 11:15 से सुबह 11:45 तक	पीपल पहादग्राम पंचायत
6	यादाद्री	येनागोंडी थांडा	मंगलवार	सुबह	सुबह 11:45 से दोपहर 12:30 बजे तक	पीपल पहादग्राम पंचायत
7	यादाद्री	अल्लापूर	मंगलवार	दोपहर	दोपहर 12:30 से दोपहर 2:00 बजे तक	अल्लापुर ग्राम पंचायत
8	यादाद्री	पीपलपहद	मंगलवार	दोपहर	दोपहर 2:00 बजे से 4:45 बजे तक	पीपल पहादग्राम पंचायत

9	यादाद्री	रचाकोंडा (दो सप्ताह में एक बार)	बुधवार	सुबह	सुबह 9:15 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक	रचाकोंडा ग्राम पंचायत
10	यादाद्री	मलेरेड्डीगुड़ेम (दो सप्ताह में एक बार)	बुधवार	दोपहर	दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक	मलेरेड्डीगुड़ेम ग्राम पंचायत
11	यादाद्री	नागवारीगुड़ेम (दो सप्ताह में एक बार)	बुधवार	सुबह	सुबह 9:15 से सुबह 11:15 तक	सरवैलग्राम पंचायत
12	यादाद्री	लिंगावरीगुड़ेम (दो सप्ताह में एक बार)	बुधवार	सुबह	सुबह 11:15 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक	सरवैलग्राम पंचायत
13	यादाद्री	सरवैल	बुधवार	दोपहर	दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक	सरवैलग्राम पंचायत
14	यादाद्री	गंगामुला थांडा	गुरूवार	सुबह	सुबह 9:15 से सुबह 10:45 तक	जनगम ग्राम पंचायत
15	यादाद्री	पल्लेगट्टूथांडा	गुरूवार	सुबह	सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक	जनगमग्राम पंचायत
16	यादाद्री	वाच्याथांडा	गुरूवार	दोपहर	दोपहर 12:15 से दोपहर 1:00 बजे तक	जनगमग्राम पंचायत
17	यादाद्री	कडपगोंडी थांडा	गुरूवार	दोपहर	दोपहर 1:15 से दोपहर 2:00 बजे तक	जनगमग्राम पंचायत
18	यादाद्री	कोट्टागुडेम	गुरूवार	दोपहर	दोपहर 2:45 से शाम 4:30 बजे तक	कोट्टागुडेम ग्राम पंचायत
19	यादाद्री	गोलागुड़ेम (दो सप्ताह में एक बार)	शुक्रवार	सुबह	सुबह 7:30 से सुबह 10:00 बजे तक	सरवैलग्राम पंचायत
20	यादाद्री	मोहम्मदाबाद (दो सप्ताह में एक बार)	शुक्रवार	सुबह	10:15 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक	मोहम्मदाबाद ग्राम पंचायत
21	यादाद्री	लक्कारम(सप्ताह में एक बार)	शुक्रवार	दोपहर	दोपहर 1:00 बजे से 3:30 बजे तक	लक्कारमग्राम पंचायत
22	यादाद्री	डी.नागाराम (दो सप्ताह में एक बार)	शुक्रवार	सुबह	सुबह 7:30 से सुबह 10:00 बजे तक	डी.नागाराम ग्राम पंचायत
23	यादाद्री	कोयाला गुडम (दो सप्ताह में एक बार)	शुक्रवार	दोपहर	दोपहर 1:00 बजे से 3:30 बजे तक	कोयाला गुडम ग्राम पंचायत

माध्यमिक आंकड़ाविश्लेषण

एमएचयू में उपचारों की संख्या-चौटुप्पल-माह-वार

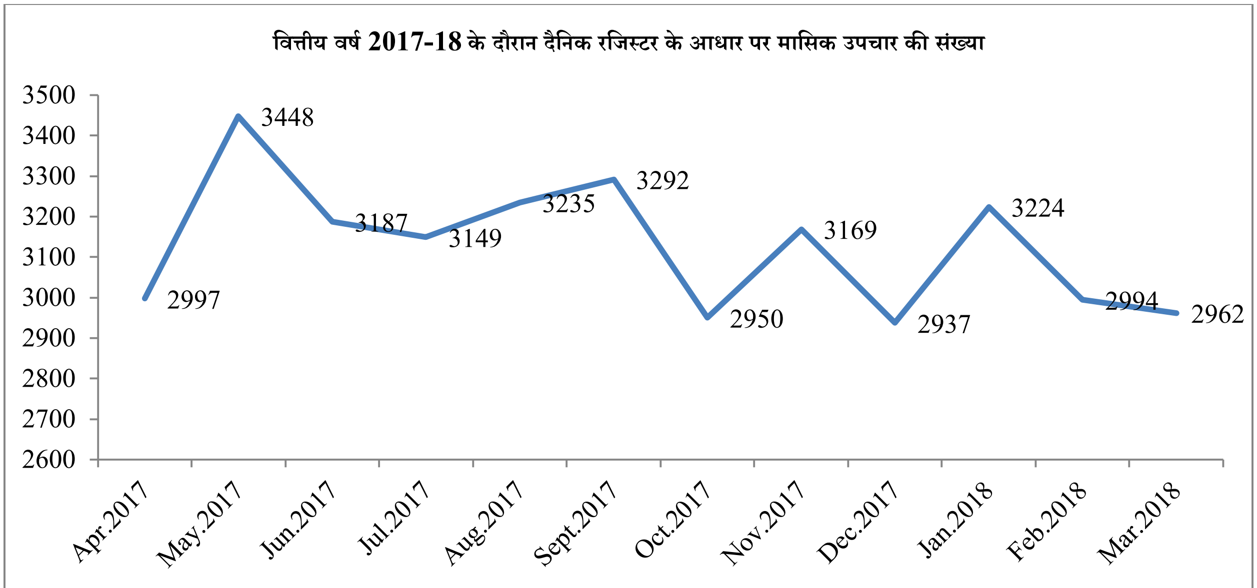

अप्रैल-17 मई-17 जून-17 जुलाई-17 अगस्त-17 सितंबर-17 अक्तूबर–17 नवंबर-17 दिसंबर-17 जनवरी-18 फरवरी-18 मार्च-18

2017-18 के दौरान चौटुप्पलमंडल एमएचयू साइट में महीने का औसत उपचार 3129 है, जबकि इसी अवधि में 2016-17 में औसत उपचार 3089था।

2017-18 के दौरान सूचितचौटुप्पलएमएचयू रोग:

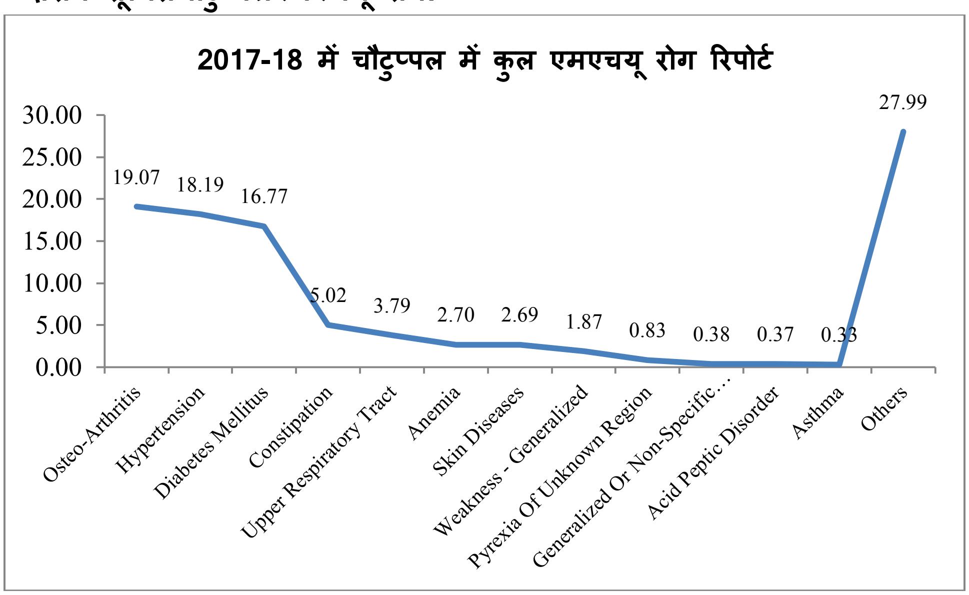

1) ऑस्टियो आर्थराइटिस 2) उच्च रक्तचाप 3) मधुमेह मेलिटस 4) कब्ज 5) ऊपरी श्वास नली 6) रक्ताल्पता 7) त्वचा रोग 8) कमजोरी - सामान्य रोग 8) अज्ञात ज्वर 9) सामान्य रोग या गैर-विशिष्ट 10) अम्ल पाचक विकार 11) अस्थमा 12) अन्य

आंकड़ों से पता चलता है कि चौटुप्पलएमएचयू में बुजुर्ग लोगों को होने वाली आम बीमारियां ऑस्टियो-आर्थराइटिस, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलेटस हैं।

प्राथमिक डेटा विश्लेषण:

दौरे की तारीख: 10.6.2019

कुल लाभान्वित लाभार्थी: चौटुप्पल केसभी एमएचयू साइट गांवों के लगभग1500 लोग

नियमित रूप से देखे जाने वाले लाभार्थी: सभी एमएचयू साइट गांवों से लगभग1050 लोग

नमूना आकार-एमएचयू चौटुप्पल:

क्र.सं.	एमएचयू साइट का नाम	नमूने का आकार
1	संस्थान नारायणपुर	100 (34 पुरुष + 66 महिला)
2	जनगाम	94 (44 पुरुष + 40 महिला)
	कुल	194

एमएचयू सेवा कासंतुष्टि स्तर:

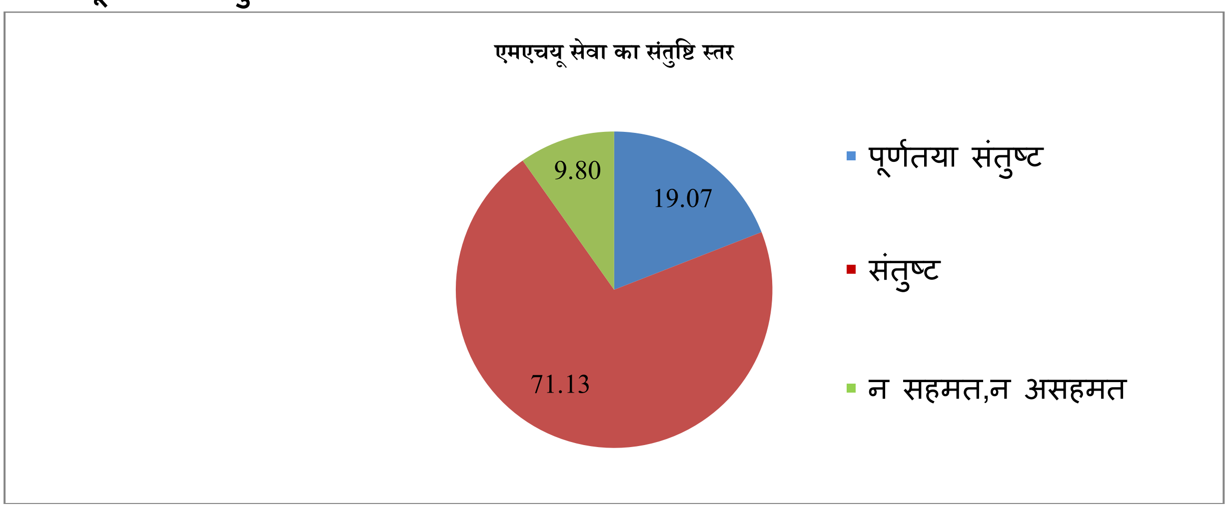

रेखा-चित्रस्पष्ट रूप से इंगित करता है कि अधिकांश बुजुर्ग एमएचयू सेवा से संतुष्ट हैं।

2) 10.6.2019 को सूचितकिया गया रोग विशिष्ट पैटर्न

मरीजों की कुल संख्या: 100 (केवल संस्थान नरायणपुर), सूचित रोग: 271

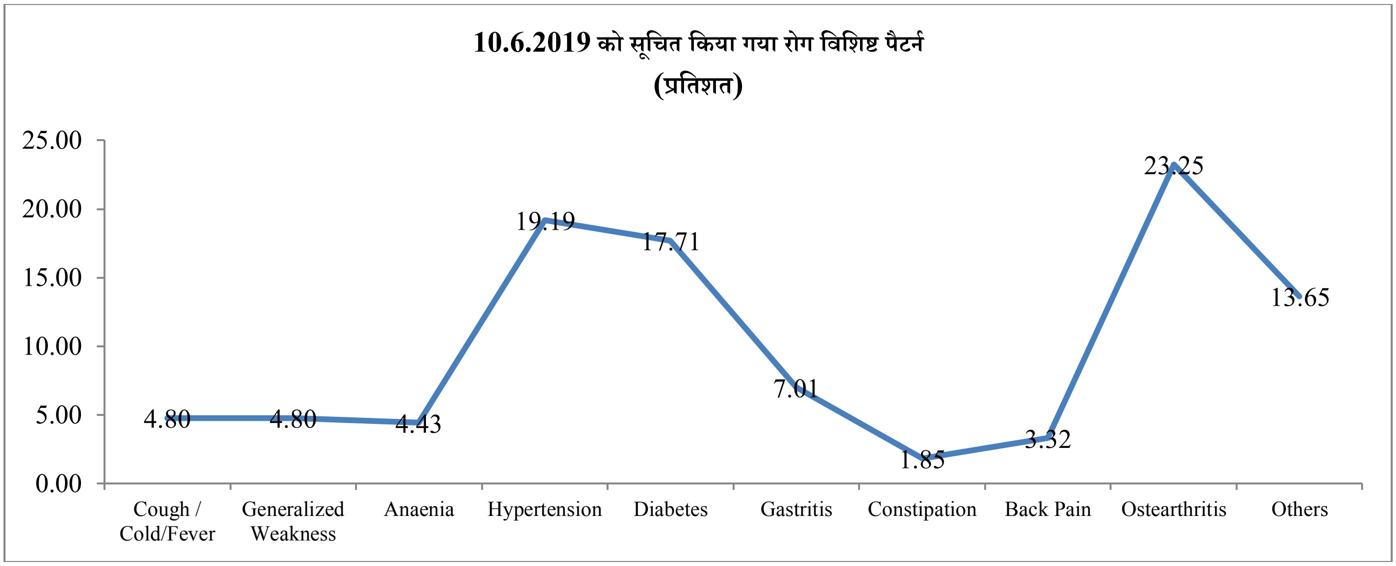

1) खांसी 2) सामान्य रोग 3) रक्ताल्पता 4) उच्च रक्तचाप 5) मधुमेह 6) जठरशोथ 7) कब्ज 8) पीठ दर्द 9) ऑस्टियो आर्थराइटिस 10) अन्य

आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि ऑस्टियोआर्थराइटिस, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलेटस बुजुर्ग लोगों को होने वाली आम बीमारियां हैं।

3) स्वास्थ्य सुधार - एमएचयू सेवा के बाद

मरीजों की कुल संख्या: 194

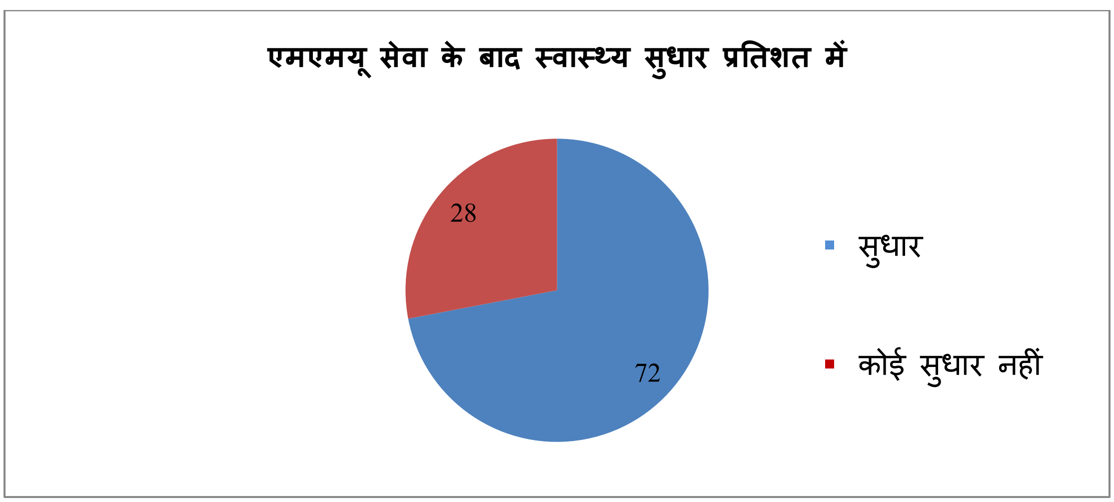

आंकड़ेदर्शाते हैं कि एमएचयू सेवा शुरू होने के बाद बुजुर्ग लोगों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार हुआहै। रोग

4) एमएचयू वैन ऑपरेशन - समय और अनुसूचीप्रतिशत में

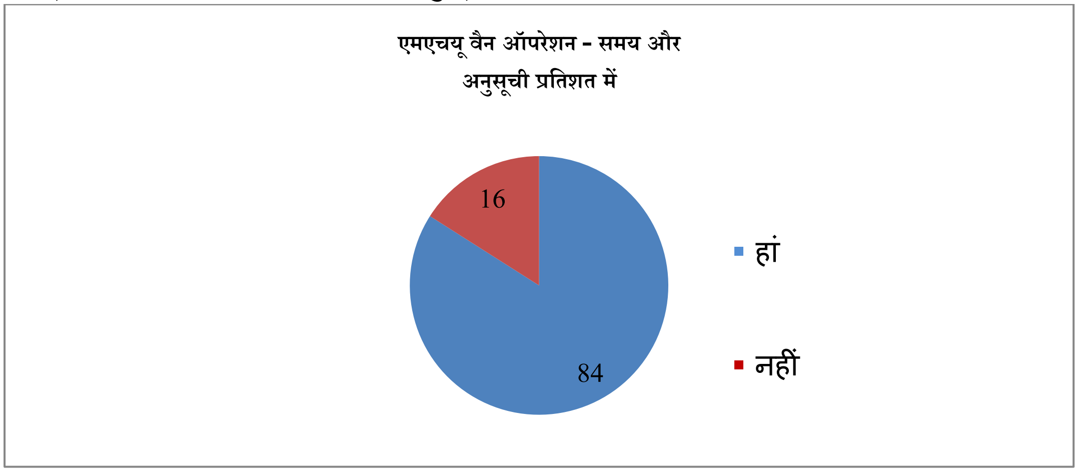

आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश बुजुर्गों ने कहा कि एमएचयू वैन निर्धारित समय और सही समय पर एमएचयू साइट पर आतीहै।

5) बीडीएल के बारे में जागरूकता प्रतिशत में

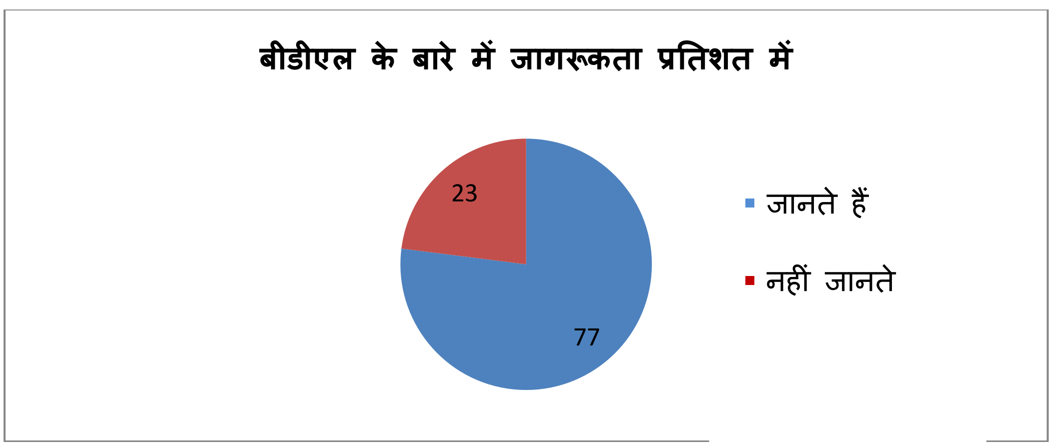

आंकड़ोंसे पता चलता है कि अधिकांश बुज़ुर्ग लोग बीडीएल के बारे में सब जानते हैं।

क्र.सं.	**प्राचल**	**संतुष्टि स्तर**		
		अत्यधिक संतुष्ट	**संतुष्ट**	**कुछ हद तक संतुष्ट**
1	सेवा में दाखिला लेने में आसानी	☑		
2	सभी स्वास्थ्य मामलों का उपचार			☑

3	रोगियों के प्रति डॉक्टरों का व्यवहार और चिंता	☑		
4	दवाएं प्रदान की गईं		☑	
5	सेवा की प्रक्रिया	☑		

एमएचयू हितधारकों के साथ बातचीत:

डॉक्टर के साथ साक्षात्कार

डॉक्टर का नाम: डॉ. युवराज

योग्यता: एमबीबीएस

भेंट की तारीख: 10.6.2019

डॉ. युवराज, एमबीबीएसचौटुप्पल एमएचयू साइट डॉक्टर के रूप मेंतीन वर्ष से कार्यकर रहे हैं। एमएचयू क्षेत्र के दौरे के भाग के रूप में, उन्होंने बतायाकि औसतन लगभग 160 बुजुर्ग प्रतिदिन विभिन्न उपचारों के लिए एमएचयू साइटों पर आतेहैं। आने वाले रोगियों में से 70% से अधिक 55 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग ग्रामीण हैं, जो ओस्टियो-आर्थराइटिस, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गैस्ट्रेटिस और अन्य का इलाज कराने आते हैं। गाँव दूर-दूर स्थित हैं,पहले ग्रामीणों को 10-15 किलोमीटर की औसत यात्रा करनी पड़ती थी, यहाँ तक कि बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की भी सुविधा नहीं थी और आपात स्थिति में यात्रा करने के दौरान शय्याग्रस्तबुज़ुर्गों के लिए यात्रा करना मुश्किल हो जाता था। यहां तक कि यदिवे अस्पताल पहुंच भी जाएं, तो भीउन्हें उपचार, दवाओं और यात्रा पर800/- से 1000/-रुपए खर्च करने पड़तेहैं। अधिकांश बुजुर्ग गरीब हैं और अपनेबच्चों पर निर्भर है। कुछ मामलों में बच्चेविभिन्न कारणों जैसे गरीबी के कारण बुजुर्ग के स्वास्थ्य की परवाहनहीं करते हैं। यह बुजुर्गोंकी आयु कम होने की दर में गिरावट होनेका एक कारण है। एमएचयू साइट डॉक्टर आपात स्थिति और जटिल मामलों जैसे हृदय संबंधी बीमारियों, टीबी, टाइफाइड, डेंगू आदि के मामले में विभिन्न अस्पतालों में रेफर करने का सुझाव देते हैं। 90% से अधिक बुजुर्ग इस एमएचयू सेवा से बेहदसंतुष्ट हैं। बीडीएल - हेल्पेज इंडिया,चौटुप्पल मंडल एमएचयू साइट ने बुजुर्ग स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया और उन्हें सुविधाजनक इलाज प्रदान किया।

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, चौटुप्पल मंडल एमएचयू सेसाक्षात्कार

नाम: श्री कलाधर

भेंट की तारीख: 10.6.2019

श्री कलाधर पिछले साढ़े तीन वर्षों से चौटुप्पलएमएचयू के लिए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यकर रहे हैं। वह चौटुप्पल मंडल एमएचयू के समग्रसंचालन को नियंत्रित और उसकीनिगरानी करते हैं। उनके साथ बातचीत में, उन्होंने चौटुप्पल मंडल एमएचयू कवरेज,गांव की साइट के विवरण

एवंकार्यक्रमऔर बुजुर्ग लोगों को होने वाली सामान्य बीमारियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। फार्मासिस्ट की मदद से, वह प्रतिदिन आने वाले रोगियों की संख्या के बारे में साइट विवरण, इन गांवों के अनुसार अलग-अलग रोगियों के विवरण, विभिन्न बीमारियों और उनके निदान की रिपोर्ट, विभिन्न दवाओं/ दवाओं और उनके स्टॉक विवरण, पुन: स्टॉक के बारे में जानकारी देते हैं। वेगंभीर स्वास्थ्य समस्याओं/रोगों जैसे बवासीर, त्वचा की समस्याओं, हृदय संबंधी विकार, टीबी, मलेरिया, टाइफाइड और मोतियाबिंद आदि के मामले में आसपास के सरकारी और निजी अस्पतालों का रेफरल भीप्रदान करते हैं।

लाभार्थी-1

लाभार्थी का नाम: श्रीमती मंगम्मा (आईडी नं. 72)	आयु: 70
व्यवसाय: कृषि	गांवका नाम: एस. नारायणपुर
स्वास्थ्य समस्याएं: गठिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह दौरे की तिथि: 10.6.2019	

श्रीमती मंगम्मा, आयु 70 वर्ष, निवासी संस्थान नारायणपुर के साथ बातचीत करने पर यह पायागया कि बीडीएल-हेल्पएज इंडिया हेल्थ केयर सर्विसेज गाँव के बुजुर्गोंजैसे कि श्रीमती मंगम्मा और अन्य बुजुर्ग लोगों के लिए वरदान है। इससे पहले श्रीमती मंगम्मा गठिया, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के इलाज के लिए चौटुप्पल मंडल जाया करती थीं और एक महीने में1000/- रुपए से अधिक खर्च किया करती थीं। अपने निम्न स्तरीयपारिवारिक कमाई के कारण, वह मधुमेह और उच्च रक्तचाप की गोलियाँ खरीदनहीं सकी और बाद में उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। श्रीमती मंगम्मा बीडीएल-हेल्पेज इंडिया एमएचयू सेस्वास्थ्य उपचार प्राप्त करने के बाद उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गठिया और अन्य स्वास्थ्य रोगोंसे ठीक हो गईं। मोबाइल वैन हर सोमवार सुबह 9.30 बजे संस्थाननारायणपुर जाती है। वे उनसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और गठिया के इलाज के लिए दवाइयाँ मुफ्त में लेती हैं। वह एमएचयू सेवाओं के प्रयासों से संतुष्ट हैं और उनकी सेवाओं की सराहना करती हैं।

लाभार्थी-2

लाभार्थी का नाम: श्री बिक्सामैयाह(आईडी: 493)	आयु: 56
व्यवसाय: श्रमिक	ग्राम का नाम: एस. नारायणपुर
स्वास्थ्य समस्याएं: मधुमेह, जोड़ों का दर्द	दिनांक: 10.6.2019

श्रीबिक्सामैयाह वर्तमान में मधुमेह और जोड़ों के दर्द से पीड़ित है और पिछले डेढ़ वर्ष से एमएचयू सेइलाज करा रहे हैं। पहले वे डायबिटीज और जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए चौटुप्पल मंडल सरकारी अस्पताल आयाकरते थे, लेकिन वे सरकारीअस्पताल और दवाओं की अनुपलब्धता से संतुष्ट नहीं थे। परिणामस्वरूप कई बार श्री बिक्सामैयाहको मधुमेह की दवाइयां खरीदनी पड़ती थीं और वह इलाज का

खर्च नहीं उठा सके क्योंकि वह एक दिहाड़ीमजदूर हैं और उनकीदैनिक कमाई केवल बुनियादी पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकिएमएचयू वैन पिछले छह वर्षों से गाँव में बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल सेवाएंप्रदान कर रही है, लेकिन वे उम्र कम होने (अर्थात्55 वर्ष से कम) के कारण इलाज के लिए पात्रनहीं थे। 55 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद, उन्हें एक सप्ताह के लिए मधुमेह और जोड़ों के दर्द की दवाइयाँ मिलनी शुरू हुईं, जिससे उन्हें लगभग हरमहीने लगभग800रुपए की बचत हुई। वे एमएचयू उपचार से अत्यधिक संतुष्ट हैं और उनके लिए आभारी हैं।

लाभार्थी-3

लाभार्थी का नाम: कंडा करचुलैयाह	आयु: 65
व्यवसाय: कृषि	गांवका नाम: जनगाम
स्वास्थ्य समस्याएं: उच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलेटस	दौरे की तिथि: 10.3.2019

कांडा करचुलैयाह लंबे समय से उच्च रक्तचाप और मधुमेहमेलिटस से पीड़ितहैं। इससे पहले वेउच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलेटस के इलाज के लिए सरकारीअस्पताल, चौटुप्पल मंडल जाया करते थे लेकिन सरकार द्वारा दीगई दवाओं के उपयोग से उनके शर्करा कास्तर नियंत्रित नहीं हो रहा था,और इससे उन्हें हर महीने मधुमेह दवाओं के लिए 1000/- रुपए खर्च करने पड़ते थे। गाँव में बीडीएल - हेल्पएज इंडिया एमएचयू सेस्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाने के बाद, वे चिकित्सा खर्चके बोझ से मुक्त हो गए हैं। उन्होंने गरीब बुजुर्ग लोगोंके लाभ के लिए बीडीएल-हेल्पेज इंडिया के ईमानदार प्रयासों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

एमएचयू कवरेज की रूपरेखा ग्रामपंचायत की रूपरेखा (जनगणना 2011) - नरसीपट्टनम मंडल, विशाखापत्तनम जिला

i) जनसंख्या

क्र.सं.	ग्रामपंचायत का नाम	कुल परिवार	जनसंख्या			अ.जा.जनसंख्या				अ.ज.जा.जनसंख्या			
			कुल जनसंख्या	पुरुष	महिला	कुल अ.जा.जन संख्या	पुरुष	महिला	%	कुल अ.ज.जा.जनसंख्या	पुरुष	महिला	%
नरसीपट्टनम मंडल													
1	नरसीपट्टनम (अयाना कॉलोनी)		33757	16076	17681	-	-	-	-	-	-	-	-
गोलगोंडा मंडल													
2	पाकालापडु	981	3587	1783	1804	208	106	102	5.80	0	0	0	0
3	पथमल्लाम्पेटा	426	1422	698	724	129	62	67	9.07	608	293	315	42.76
4	जोगामपेटा												
कोययुरु मंडल													
5	नदीमपालेम	362	1221	588	633	3	1	2	0.25	1035	502	533	84.77

6	नदीमपालेम	130	409	204	205	0	0	0	0	335	162	173	81.91
7	रामाजुपालेम	136	434	207	227	0	0	0	0	386	186	200	88.94
कोटौउरतला मंडल													
8	पामुलावाका	795	2858	1404	1454	509	259	250	17.81	3	1	2	0.10
9	रामन्नापालेम	175	622	316	306	18	8	10	2.89	0	0	0	0
10	के.वेंट्टापुरम (कोडवतपुडीजी.पी)	1882	6901	3406	3495	646	314	332	9.36	167	77	90	2.42
चंथापल्ली मंडल													
11	सामागिरी	121	413	192	221	0	0	0	0	400	189	211	96.85
12	लामामासिंगी	418	1943	969	974	2	2	0	0.10	1797	902	895	92.49
नाथवरम मंडल													
13	माधवनगर (नाथावरम)	1962	7469	3758	3711	1842	899	943	24.66	273	137	136	3.66

ii) श्रमिक का प्रोफाइल

क्र.सं.	ग्रामपंचायत का नाम	कुल श्रमिक	मुख्य श्रमिक	सीमांत श्रमिक
नरसीपट्टनम मंडल				
1	नरसीपट्टनम (अयाना कॉलोनी)	-	-	-
गोलूगोंडा मंडल				
2	पाकालापाडु	1856	1600	256
3	पथामल्लमपेटा	837	660	177
कोय्यूरुमंडल				
4	नदीमपालेम	682	388	294
5	नदीमपालेम	246	161	85
6	रामाजुपालेम	282	282	0
कोटौउरतला मंडल				
7	पामुलावाका	1599	899	700
8	रामन्नापल्लेम	390	351	39
9	के.वेट्टापुरम (कोडवतीपुडी जी.पी)	3910	3306	604
चंथापल्लीमंडल				
10	सामागिरी	256	251	5
11	लाम्मासिंगी	989	776	213
नथवारम मंडल				
12	माधवनगर	-	-	-
13	मार्रीपलेम	-	-	-

नरसीपट्टनम एमएचयू साइट अनुसूची						
क्र.सं.	जिला का नाम	साइट का नाम	दिन	पारी	समय	ग्राम पंचायत का नाम
1	विशाखापत्तनम	आयनना कॉलोनी	सोमवार	सुबह	सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक	नरसीपट्टनम ग्राम पंचायत
2	विशाखापत्तनम	पाकालापड्ड	सोमवार	दोपहर	दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे तक	पाकालापड्ड ग्राम पंचायत
3	विशाखापत्तनम	नदीमपालेम	मंगलवार	सुबह	सुबह 10:45 से सुबह 11:45 तक	नीमदपालेम ग्राम पंचायत
4	विशाखापत्तनम	रमराजुपालेम	मंगलवार	दोपहर	दोपहर 12:00 से 1:30 बजे तक	रामराजुपालेम ग्राम पंचायत
5	विशाखापत्तनम	जोगमपेटा	मंगलवार	दोपहर	दोपहर 2.00 से 3.00 बजे	जोगम्पेटा ग्रामपंचायत
6	विशाखापत्तनम	पथमल्लाम्पेटा	मंगलवार	दोपहर	दोपहर 3.15 से 4.00 बजे	पथमल्लाम्पेटूग्राम पंचायत
7	विशाखापत्तनम	माधवनगर	बुधवार	सुबह	सुबह 10.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक	माधवनगर ग्राम पंचायत
8	विशाखापत्तनम	मार्रीपालेम	बुधवार	दोपहर	दोपहर 1.30 से 4.00 बजे	मार्रीपालेम ग्राम पंचायत
9	विशाखापत्तनम	के. वेंकटपुरम	गुरूवार	सुबह	सुबह 10.30 से 12:30 बजे तक	कोडावटीपुड़ी ग्राम पंचायत
10	विशाखापत्तनम	रामन्नापालेम	गुरूवार	दोपहर	दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक	रामन्नापालेमग्राम पंचायत
11	विशाखापत्तनम	पामुलावाका	गुरूवार	दोपहर	सायं3.00 बजे से 4.30 बजे तक	पामुलावाका ग्राम पंचायत
12	विशाखापत्तनम	सम्मागिरी	शुक्रवार	सुबह	सुबह 11.00 से दोपहर 1:00 बजे तक	सरवैलग्राम पंचायत
13	विशाखापत्तनम	लाम्मासिंगी	शुक्रवार	दोपहर	दोपहर 2.00 बजे से 4:30 बजे तक	लाम्मासिंगीग्रामपंचायत

प्रेषक आंकड़ाविश्लेषण

एमएचयूमेंउपचारों की संख्या- नरसीपट्टनम - माह-वार

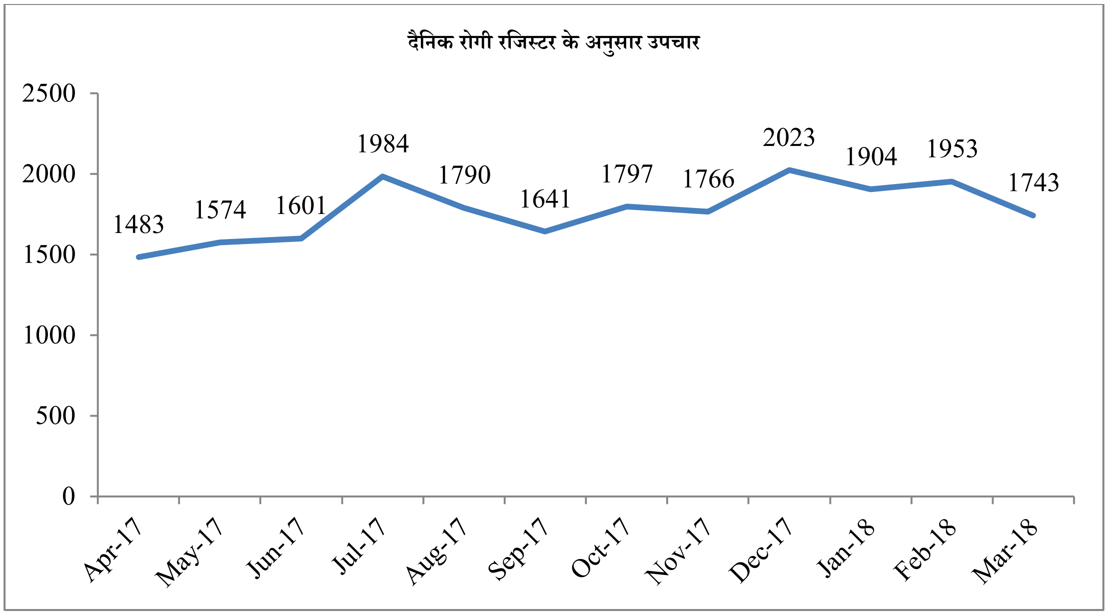

अप्रैल-17 मई-17 जून-17 जुलाई-17 अगस्त-17 सितंबर-17 अक्तूबर–17 नवंबर-17 दिसंबर-17 जनवरी-18 फरवरी-18 मार्च-18

2017-18 के दौरान सूचितनरसीपट्टम एमएचयू रोग

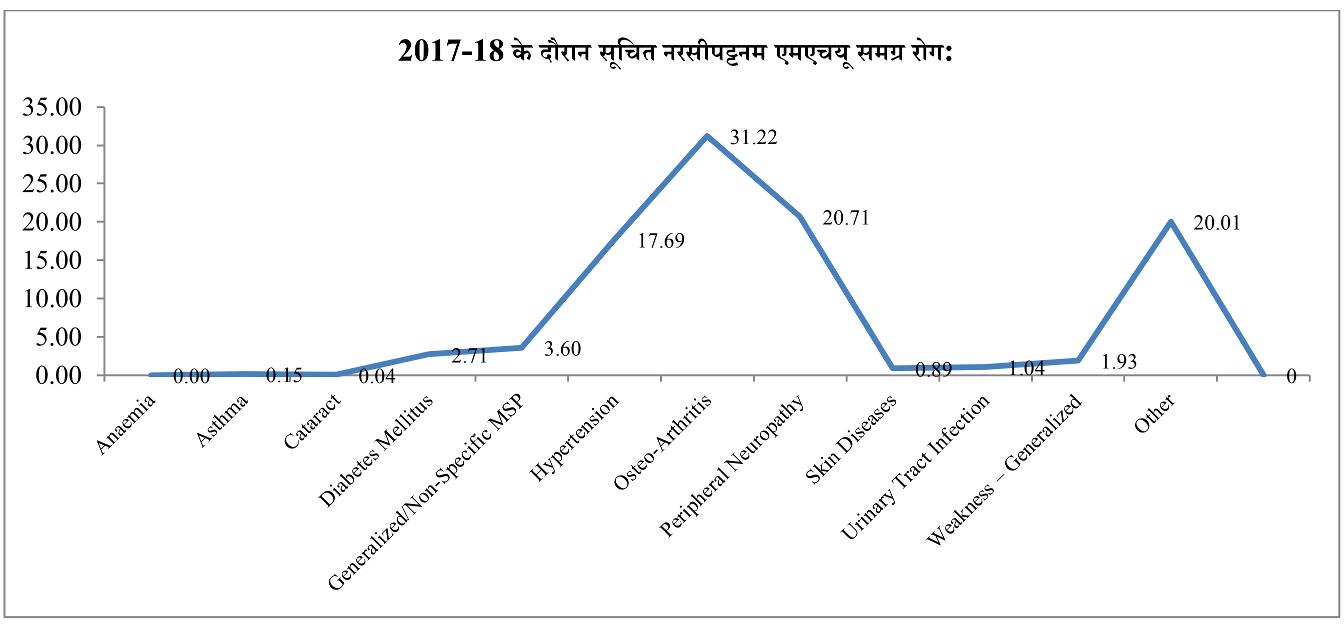

1) रक्ताल्पता 2) अस्थमा 3) मोतियाबिंद 4) मधुमेह मेलिटस 5) सामान्य/गैर-विशिष्ट एमएसपी 6) उच्च रक्तचाप 7) ऑस्टियो-आर्थराइटिस; 8) पेरिफेरल न्यूरोपैथी 9) त्वचा रोग 10) मूत्र मार्ग संक्रमण कमजोरी - 11) सामान्य रोग 12) अन्य

आंकड़े दर्शाते हैं कि नरसीपट्टनम एमएचयू में बुजुर्ग लोगों में पेरिफेरल ऑस्टियो-आर्थराइटिस; पेरिफेरल न्यूरोपैथी और उच्च रक्तचाप आम बीमारियां हैं।

प्राथमिक आंकड़ासंग्रह:

दौरेकी तिथि: 21.6.2019

कुल दाखिललाभार्थी: नरसीपट्टनम के एमएचयू साइट गांवों के लगभग 1100 लोग

नियमित रूप से देखे जाने वाले लाभार्थी: सभी एमएचयू साइट गांवों से लगभग 600 लोग

कुल नमूना आकार-नरसीपट्टनम एमएचयू

क्र.सं.	**एमएचयूसाइट का नाम**	**नमूने का आकार**
1	साम्मागिरी	21
2	लाम्मासिंगी	14
3	येतिगैरामपेट	13
	कुल	**48**

1) एमएचयू सेवा संतुष्टि स्तर:

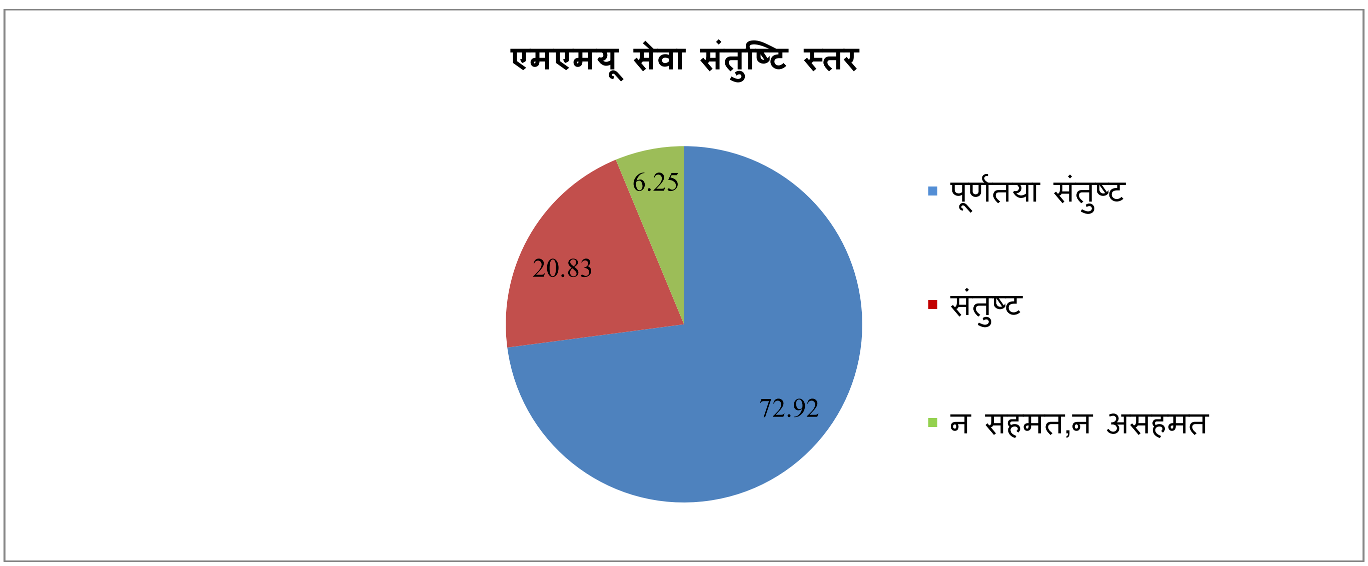

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि अधिकांश वृद्ध लोग एमएचयू सेवाओंसे अत्यधिक संतुष्ट हैं।

2) 21.6.2019 कोसूचित रोग

कुल मरीजों की संख्या: 48

सूचितकुल बीमारियों की संख्या: 151

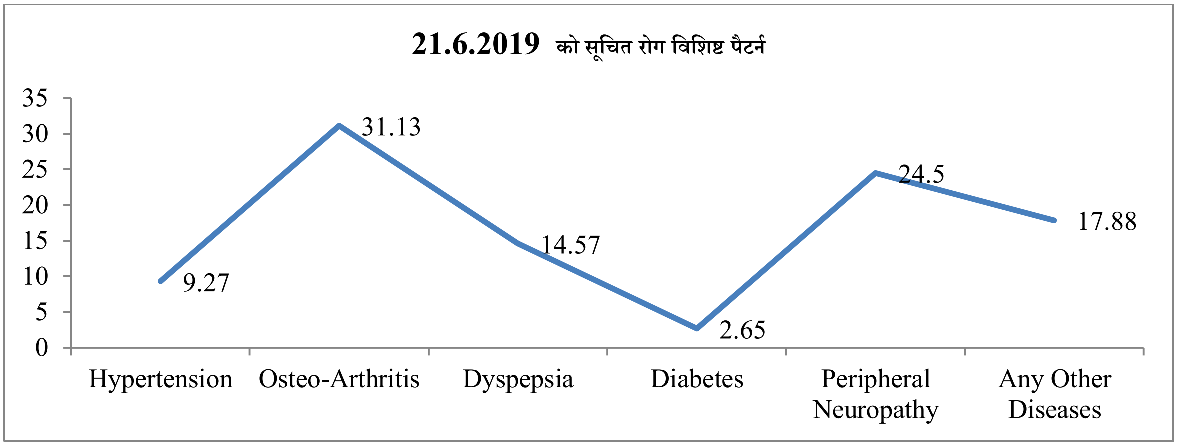

1) उच्च रक्तचाप 2) ओस्टियो-आर्थ्रिट्स, 3) अपच 4) मधुमेह 5) पेरिफेरलन्यूरोपैथी 6) अन्य कोई बीमारी

आंकड़ो से यह स्पष्ट होता है कि ओस्टियो-आर्थ्रिट्स, पेरिफेरलन्यूरोपैथी और अन्य बीमारिया बुजुर्ग लोगो के लिए सामान्य बीमारियां हैं।

2) स्वास्थ्य सुधार - एमएचयू सेवा के बाद

कुल मरीजों की संख्या: 48

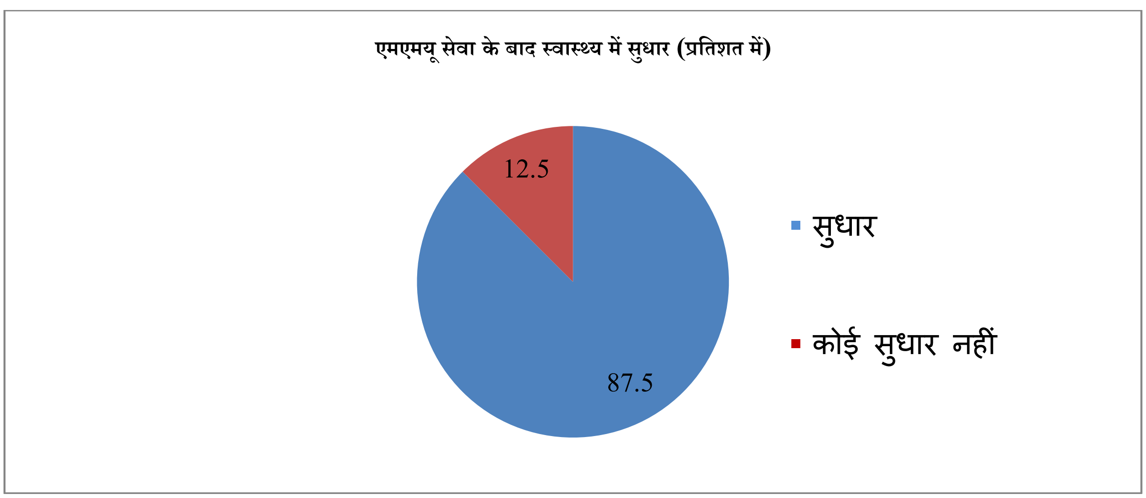

आंकड़े दर्शाते हैं कि एमएचयू सेवा शुरू होने के बाद बुजुर्ग लोगों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार हुआहै।

4) एमएचयू वैन दैनिक अनुसूची के अनुसार सही समय पर आती है।

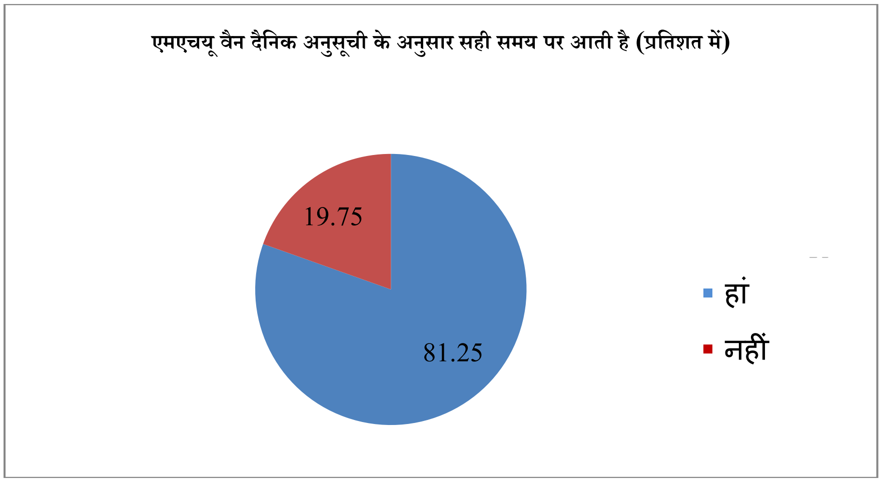

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश बुजुर्गों ने कहा कि एमएचयू वैन निर्धारित दिन और समय पर एमएचयू साइट पर पहुंच जाती है।

5) बीडीएल के बारे में जानें

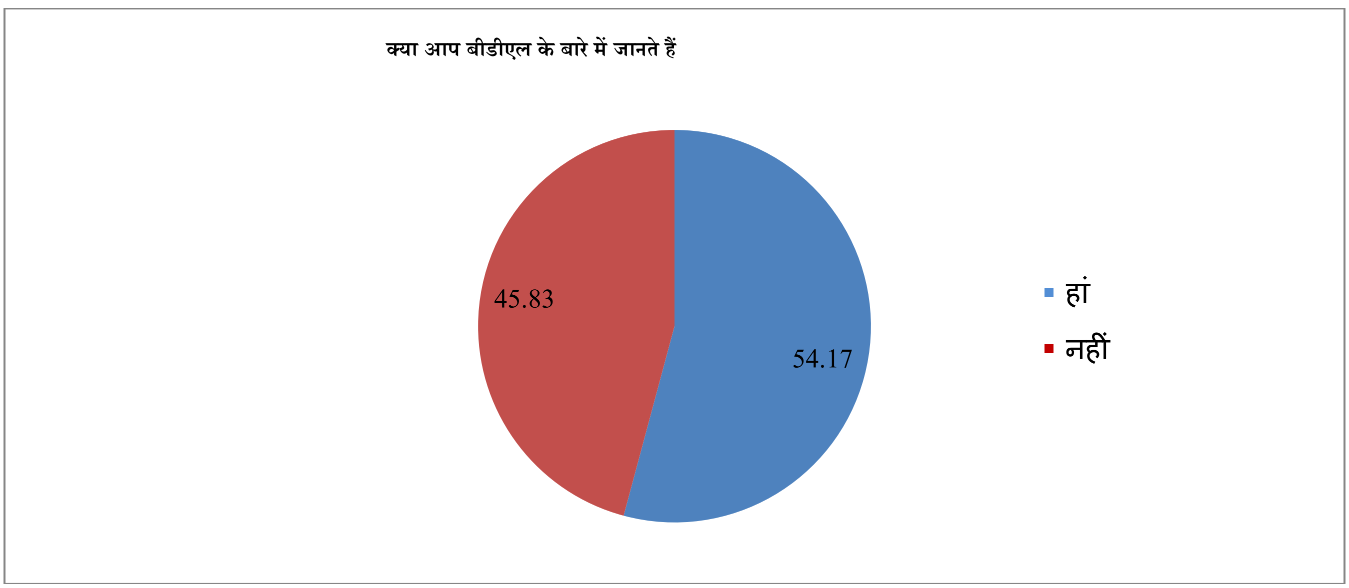

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश बुजुर्ग बीडीएल के बारे में नहीं जानते हैं।

क्र.सं.	पैमाना	संतुष्टि स्तर		
		अत्यधिक संतुष्ट	संतुष्ट	कुछ हद तक संतुष्ट

1	सेवा में नाम दाखिल करने में आसानी	☑		
2	सभी स्वास्थ्य मामलों का उपचार		☑	
3	डॉक्टरों का व्यवहार और रोगियों के प्रति चिंता	☑		
4	दवाएं प्रदान की गईं		☑	
5	सेवा की प्रक्रिया	☑		

एमएचयू हितधारकों से बातचीत:

डॉक्टर के साथ साक्षात्कार

डॉक्टर का नाम: डॉ.श्री राम मूर्ति

योग्यता: एमबीबीएस

दौरे की तारीख: 21.6.2019

डॉ.श्री राम मूर्ति, एमबीबीएसएमएचयू नरसीपट्टनम मेंढाई वर्ष से एमएचयू साइट डॉक्टर के रूप में कार्यकर रहे हैं। उन्होंने बतायाकि प्रतिदिन विभिन्न उपचारों के लिए औसतन 90 बुजुर्ग एमएचयू साइटों पर जाते हैं। अधिकांशवृद्ध लोगविभिन्न बीमारियों/ स्वास्थ्य समस्याओंजैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कमजोरी और पेरिफेरलन्यूरोपैथी आदि के उपचार के लिए एमएचयू साइटों पर जाते हैं। अधिकांश बुजुर्ग लोग एमएचयू स्वास्थ्य उपचार के लिए नियमित रूप से आते हैं और यदिवे एमएचयू साइट पर व्यक्तिगत रूप से नहीं आ पात हैं तो वे अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से दवा प्राप्त

करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में विभिन्न उपचारों के लिए पर्याप्त सुविधाएं और दवाइयाँ उपलब्ध नहीं हैं और यही कारण है कि कई बुजुर्ग सरकारी अस्पताल जाने के इच्छुक नहीं होते। जबकि बीडीएल - हेल्पेज इंडिया बुजुर्गोंकी विभिन्न स्वास्थ्य बीमारियों/ समस्याओं का समाधान कर रहा है और उन्हें पर्याप्त दवाइयाँ मुफ्त प्रदान कर रहा है। उन्होंने एमएचयू रोगियों को शूगरपरीक्षण स्ट्रिप्स प्रदान करने के लिए हेल्पएज इंडिया और बीडीएल से अनुरोध किया। पहले बीडीएल-हेल्पएज इंडिया एमएचयू मधुमेह के रोगियों के लिए शूगरपरीक्षण स्ट्रिप्स प्रदान करता था, लेकिन स्ट्रिप की कमी के कारण एमएचयू केमधुमेह रोगी शूगरके स्तर के निदान के लिए सरकारी या निजी अस्पताल पर निर्भर हैं।

श्री कृष्ण बाबू, सामाजिक संरक्षण अधिकारी के साथ साक्षात्कार
नरसिपट्टनम एमएचयू
दौरे की तारीख: 21.6.2019

श्रीकिरण बाबू अप्रैल, 2017 में एमएचयू सेवा की स्थापना के बाद से एमएचयू -नरसीपट्टनममेंसामाजिक सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरसीपट्टनमएमएचयू बुजुर्गो कोएमएचयू सेवा प्रदान करने के लिए 13 गांवों को कवरकरता है और आसपास के 25-30 गांवभी चिकित्सा सुविधाओं कालाभ उठाते हैं। लगभग 100 बुजुर्ग प्रतिदिन एमएचयू सेवा का लाभ उठाते हैं। उच्च रक्तचाप, जोड़ों का दर्द, मधुमेह, अस्थमा, कब्जकी समस्या, पाचन समस्याएं बुजुर्गोंमें आम रोग/ स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि पहले नरसीपट्टनम एमएचयू बुजुर्ग लोग विभिन्न स्वास्थ्य उपचारों के लिए नरसीपट्टनम, तुनी, काकीनाडा और विशाखापत्तनम जाते थे और अस्पताल में प्रत्येक दौरेके लिए 1000/- से 1500/- रुपएखर्च करते थे तथा उचित दवाई पद्धतियों और उनके प्रभावों के बारे में कोई अनुवर्ती कार्रवाई नहीं की जाती थी। उन्होंने यह भी कहा कि लमसिंगी और समागमिरि जैसे गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और परिवहन सुविधाएं नहीं हैं और ये गाँव सुदूर पहाड़ी और एजेंसी क्षेत्रों में स्थित हैं। इस संकरी पहाड़ी सड़कों पर यात्रा सुविधा नाममात्र की है और पूरी सड़क के किनारों पर कोई दीवार नहीं है। सार्वजनिक परिवहन दुर्लभ है और लोग आवाजाहीके लिए ऑटो लेतेहैं जो एक बड़ा जोखिम है। इससे पहले साम्मागिरीकेलोगों कोप्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, बाजार, स्कूल और अन्य सुविधाएं प्राप्त करने के लिए डोवुनूरगाँव में लगभग 6 कि.मी.पैदल चलना पड़ता था। हेल्पएज इंडिया और बीडीएल के प्रयास और साम्मागिरीऔर लाममसिंगी जैसे गांवों में एमएचयू सेवाएं उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। पहाड़ी क्षेत्रों में एमएचयू चलाना आसान काम नहीं है, खासकर बारिश के मौसम में जहांएमएचयू वाहन को कीचड़ और गड्ढे वाली सड़क से गुजरना पड़ता है। कभी-कभारएमएचयू के स्वास्थ्य कर्मचारियों को पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग 2-3 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है और आदिवासी बुजुर्ग लोगों को मुफ्त दवाएँ देनीहोती हैं। सम्मागिरी गाँव में लगभग 400 की आबादी है और प्रत्येक शुक्रवार को एमएचयू के आने पर 30 से अधिक बुजुर्ग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाते हैं। शेडोस्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से उच्च

रक्तचाप, मधुमेह, पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे विभिन्न रोगों के इलाज के लिए आयोजित किए जाते हैं और इसमें आने वाले बुजुर्ग लोगों को दवाएं दी जाती हैं। एमएचयू स्टाफ बीपीएल नागरिकों और 55 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए मुफ्त एमएचयू सेवाओं के बारे में बुजुर्ग लोगों को जानकारी देता है, और उन्हें मुफ्त स्वास्थ्य उपचार का लाभ उठाने के लिए नजदीकी एमएचयू साइटों में जानेमें मदद करता है।

लाभार्थी-1

लाभार्थी का नाम: श्री मल्लीश्वरराव (कार्ड संख्या 84)	आयु: 64
व्यवसाय: कृषि	गांवका नाम: सम्मागिरी
स्वास्थ्य समस्याएं: उच्च रक्तचाप, जोड़ों का दर्द	दौरे की तारीख: 21.6.2019

श्री मल्लीश्वरराव, आयु 64, सम्मागिरी, चिंतलपल्ली एजेंसी मंडल पिछले एक वर्ष से समागमरी एमएचयू स्थल का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों सेएमएचयू सेवाओं के बारे में जाना और एमएचयू सेवाओं के लिए अपनानाम दर्ज कराया। वेउच्च रक्तचाप और जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए नियमित रूप से एमएचयू का दौरा करते हैं। डॉक्टर नियमित रूप से उनकेबीपी स्तर की जाँच करता है और उनकेबीपी स्तर के अनुसार दवाओं को निर्धारित करता है।वे जोड़ों के दर्द के लिए दवाएं भी मुफ्त लेते हैं।

इससे पहले वेउच्च रक्तचाप और जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए सरकारीप्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र जाते थे, लेकिन उनकाबीपी स्तर सामान्य सीमा में नहीं था और उपचार के बाद भी दर्द से राहत नहीं मिली थी, यही कारण थाकि कभी-कभार उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ता था और प्रत्येक बार निजी अस्पताल जानेपर उन्हें1000/- रुपए खर्च करने पड़ते थे। हर महीने बीपी और जोड़ों के दर्द की गोलियों पर 500/- या 1000/- रुपए खर्च करना उसके परिवार के लिए बहुत मुश्किल है। उनकेपरिवार की कमाई केवल उनके भोजन के लिए पर्याप्त है। लेकिन बीडीएल - हेल्पएज इंडिया एमएचयू सेवाएं लेने से वे अपने परिवार के लिए 1000/-रुपए बचा पाए।

लाभार्थी का नाम: श्रीमती गट्टू गंगामा	आयु: 63
व्यवसाय: कृषि	गांव का नाम: लामासिंगी
स्वास्थ्य समस्याएं: उच्च रक्तचाप, पीठ दर्द/ जोड़ों का दर्द	दौरे की तिथि: 21.6.2019

उठा रही हैं। वह उच्च रक्तचाप और पीठ दर्द/ जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए प्रत्येक शुक्रवार दोपहर को एमएचयू साइट पर जाती है। एमएचयू सेवाओं के शुरू होने से पहले, वह प्राय:उच्च रक्तचाप और जोड़ों

के दर्द के इलाज के लिए सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र जाया करती थीं, लेकिन वह सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से संतुष्ट नहीं थीं और इसके परिणामस्वरूप निजी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उन्हें800/- से 1000/- रुपए खर्च करने पड़ते थे। वर्तमान में वह उच्च रक्तचाप और जोड़ों के दर्द कीमुफ्त दवा लेने में सक्षम है और इसके परिणामस्वरूप उन्हेंहर महीने1000/- रुपएकी बचत हुई।

निष्कर्ष/ टिप्पणियां

- लगभग 65% लाभार्थी उच्च रक्तचाप, पेरिफेरलन्यूरोपैथी, मधुमेह, ऑस्टियो-आर्थराइटिस से पीड़ित हैं।
- चौटुप्पुल और नरसीपट्टनम एमएचयू दोनों में औसतन 100 बुजुर्ग प्रतिदिन एमएचयू सुविधा का लाभ उठाते हैं।
- *शय्याग्रस्तरोगी उपचार:* एमएचयू डॉक्टर और उनके सहायक 15 दिनों में एक बार शय्याग्रस्तमरीज के घर जाते हैं और प्राथमिक जांच (बीपी स्तर) नियमित आधार पर की जाती है और उचित दवा दी जाती है।
- एमएचयू साइटों के आसपासस्थानों में नियमित रूप से स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं।
- डॉक्टर गंभीर बीमारियों के मामले में आसपास के शहर के अस्पतालों में रेफ़रल प्रदान करते हैं।
- डॉक्टर सभी बुजुर्ग रोगियोंके स्वास्थ्य के मुद्दों को अत्यंत सावधानी और धैर्य के साथ देखतेहैं।
- बुजुर्ग मरीजों को उपयुक्त दवा दीजाती है।
- साइट पर आने वाले बुजुर्ग लोगों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत सुधार हुआ है।
- यह देखा गया है कि बुजुर्ग लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा में सुधार हुआ है।
- सभी स्थानों पर गुणवत्ता उपचारप्रदान किया जाता है।

नरसीपट्टनमएमएचयू साइट मेंपेंशन, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जागरूकता शिविर

सुझाव:

- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, खूनऔर पेशाब जांच कराने के लिए प्रयोगशालासुविधा स्थापित की जा सकती है।
- संबंधित मामलोंके लिए इंजेक्शन की सुविधा शुरू की जा सकती है।
- 4-5 गाँवों के लिए छोटे अस्पताल (10-15 बिस्तर) उपलब्ध कराए जा सकते हैं।
- बारिश के मौसम में डॉक्टरों और मरीजों के लिए आश्रय की व्यवस्था ।

प्रभाव

क्र.सं.	**पैमाना**	**ग्राम सरपंच और बुजुर्ग**	**बुजुर्ग (लाभार्थी)**	**ग्रामीण**	**डॉक्टर और एमएचयू अधिकारी और कर्मचारी**
1	बुजुर्गलोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की पहुंच में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	बुजुर्गों में मृत्यु दर में गिरावट	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	बुजुर्ग लोगों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों/ शेडोस्वास्थ्य शिविरों आदि की संख्या में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	एमएचयू सेवा के बाद बुजुर्ग लोगों के वित्तीय बोझ में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

5	एमएचयू सेवा के बाद बुजुर्ग लोगों के स्वास्थ्य के स्तर में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	बुजुर्ग लोगों को दवाइयाँ/ गोलियों की उपलब्धता	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
7	एमएचयू वैन दैनिक अनुसूची के अनुसार और सटीक समय पर पहुंचतीहै	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
8	चिकित्सकबुजुर्ग लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान से सुनता है।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	स्वास्थ्य उपचार का कुल संतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 3: कृत्रिम अंगों का वितरण
स्थान: चेरियाल मंडल, सिद्दीपेट जिला, तेलंगाना
बजट आवंटन: रु. 20 लाख
व्यय की गई राशि: रु.13.23 लाख
कार्यान्वयन भागीदार: भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को)
परियोजना शुरू करने की तारीख: 21.02.2018 (एमओयू पर हस्ताक्षर)
अंतिम तिथि: 11.04.2018 (निधि उपयोग प्रमाणपत्र जमा करने की तारीख)

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम(एलिम्को) के बारे में

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम(एलिम्को) एक अनुसूची 'सी' मिनीरत्न श्रेणी II केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, जो कंपनी अधिनियम 2013 (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अनुरूप) की धारा 8 (लाभ के लिए नहीं) के तहत पंजीकृत है, और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,दिव्यांगजनसशक्तीकरण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीनकार्य कर रहा है। निगम एकमात्र विनिर्माण कंपनी है जो देश भर में सभी प्रकार की विकलांगताकी सेवा के लिए एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का उत्पादन करती है।

निगम ऑर्थोपेडिक, दृष्टिहीन और बधिर दिव्यांगों के लिए अपेक्षित355 विभिन्न प्रकार के गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण और उपकरण का उत्पादन करता है। इसकीउत्पाद श्रेणी में हाथों और पैरों के लिए ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरण, स्पाइनल ब्रेसेस, सर्वाइकल कोलर्स, ट्रैक्शन किट और रिहैबिलिटेशन

एड्स जैसे व्हील चेयर, क्रच और ट्राई व्हीलर्स आदि शामिल हैं। निगमलिम्ब फिटिंग सेंटरों द्वारा ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक असेंबलियों केफिटमेंट के लिए आवश्यक विशेष उपकरण और उपस्करभी उपलब्ध कराता है।

सरकारी वक्तव्य:

बीडीएल -एलिम्को-सरकारीवक्तव्य

पीडब्ल्यूडीकास्वास्थ्य शिविर लगानेके लिए 21.2.2018 को बीडीएल और कृत्रिम अंग निर्माण निगम के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह समझौता-ज्ञापन वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए मान्य है।

पीडब्ल्यूडीका शिविर 30.3.2018 को लगायागया था।

कुल आबंटितबजट: 20 लाख रुपए

परियोजना की प्रतिक्रिया:

क्र.सं.	**लाभार्थी का नाम**	**समस्या**	**वितरित एड/ सहायक उपकरण**	**सहायक उपकरण की वर्तमान स्थिति**	**मूल्यांकन**
1	i) श्री एम. मल्लैया, (कृषि) आयु: 41, रामपुर गांव, चेरियाल मंडल	ईएनटी समस्या	बीटीईडिजिटल टाइप हियरिंग एड और 13 जिंकएयर बैटरी के 6 पैक	कान के एक तरफ कीहियरिंग एड ठीक से काम कर रही है, दूसरी तरफ की हियरिंग एड काम नहीं कर रही है	श्रवण स्तर में सुधार हुआ
	ii) श्री कोंडुरु स्वप्ना, आयु: 30 वर्ष,कोई कार्यनहीं (पोलियो का मरीज), मुश्त्याला गाँव, चेरियाला मंडल	पोलियो का रोगी	बॉक्स सहित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	उपयोग के साथ साइड ब्रेक में समस्या और बैटरी बैकअप में गिरावट आई लेकिन यह काम करने की स्थिति में है	वह पारंपरिक ट्राइसाइकिल की तुलना में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल चलाने में सहज हैं।

	iii) श्री कादरी राजैयाह, सेवानिवृत्त, आयु: 60, अकुंर गांव, चेरियाल मंडल	गंभीरगठिया रोग	चलने की छड़ी + तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	यह ठीक से काम कर रहीहै	बुनियादी परिवहन के लिए आत्म निर्भरता (ग्रामपंचायत से सरकारी पेंशन आदिका लाभ लेनेके लिए)
	iv) श्रीमती कादरी बलव, सेवानिवृत्त, आयु: 80 वर्ष, अकुंर गांव, चेरियाल मंडल	गंभीरगठिया	चलने की छड़ी + तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	यह ठीक से काम कर रहीहै	बुनियादी परिवहन के लिए आत्म निर्भरता (ग्रामपंचायत से सरकारी पेंशन आदिका लाभ लेनेके लिए)
	v) श्री जी. कनकैया, आयु: 61 वर्ष, कोमुरवेल्ली गांव, चेरियाल मंडल	दृष्टिहीन दिव्यांग	दृष्टिहीन दिव्यांग (डीलक्स) के लिए ब्रेल केन और व्हीलचेयर फोल्डिंगमानक मॉडल वयस्क आकार (साथी)	i) दृष्टिहीन दिव्यांग (डीलक्स) के लिए ब्रेल केन: चालू हालत में ii) व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी): प्राप्त नहीं हुई(परिवार के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार)	बुनियादी जरूरतों के लिए सहायक उपकरण
	vi) श्रीमती वाई सुगुना, आयु: 35 वर्ष, कृषि, मैरी मुस्तहियाला गांव, कोमुरवेल्ली मंडल	ईएनटी समस्या (बायां कान: 100% समस्या, दायांकान: 50%	बीटीईडिजिटल टाइप हियरिंग एड और 13 जिंक एयर बैटरी के 6 पैक	श्रवण यंत्र ठीक से काम कर रहे हैं	श्रवण स्तर में सुधार हुआ। सकारात्मक प्रभाव।

		समस्या)			
	vii) श्री सी. कर्णकर, आयु: 27 वर्ष, राजगीरकार्य, चेरियाल गाँव और मंडल	जन्म से बहरा और गूंगा	बीटीई डिजिटल टाइप हियरिंग एड और 13 जिंक एयर बैटरी के 6 पैक	श्रवण यंत्र ठीक से काम कर रहे हैं, लेकिन वह उनका उपयोग नहीं कर रहा है	कोई परिवर्तन नहीं
	viii) श्री सी. अशोक, आयु: 17वर्ष, कोई काम नहीं, चीतला गाँव और चेरियाल मंडल	जन्म से बहरा और गूंगा	बीटीई डिजिटल टाइप हियरिंग एड और 13 जिंक एयर बैटरी के 6 पैक	श्रवण यंत्र ठीक से काम कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में वह उनका उपयोग नहीं क र रहा है	कोई परिवर्तन नहीं
	ix) श्रीपी. श्रीकांत, कक्षा VIII, वीरनपेट गांव और चेरियाल मंडल	पोलियो (पैर प्रभावित)	रोलेटर आकार काएडल्ट-II और व्हीलचेयर फोल्डिंगमानक मॉडल वयस्क आकार (साथी)	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी) का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। वह स्कूल जाते समय रोलेटर (पैदल सहायता) का उपयोग करता है।	आने-जाने की बुनियादी जरूरतों में सहायता करता है
	x) श्रीएन. आकाश, आयु: 15 वर्ष, धूलमती गांव और मद्दुर मंडल	शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग	बहु-विषयक समावेशी शैक्षिक विकास किट (एमएसआईईडी) i) इनफाइनाइटलूप ii) स्टैपिंग स्टोन्स iii) छड़ी सहितमसाज बॉल	एमएसआईईडी किट को आकाश ने क्षतिग्रस्त कर दिया था।	कोई प्रभाव नहीं क्योंकिकिट क्षतिग्रस्त है।

			iv) ओलिव मसाज बॉल v) स्क्वीज़र vi) एयर कुशन		
	xi) एन. प्रवलिका, आयु: 20 वर्ष, धूलमिट्टा गाँव और मद्दुर मंडल	शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग	बहु-विषयक समावेशी शैक्षिक विकास किट (एमएसआईईडी) i) इनफाइनाइटलूप ii) स्टैपिंग स्टोन्स iii) छड़ी सहितमसाज बॉल iv) ओलिव मसाज बॉल v) स्क्वीज़र vi) एयर कुशन	किट का उपयोग किया जा रहा है	स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार
	xii) डी.अखिला, आयु: 16 वर्ष, अकुनूर गांव और मद्दुर मंडल	शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग	बहु-विषयक समावेशी शैक्षिक विकास किट (एमएसआईईडी) i इनफाइनाइटलूप ii) स्टैपिंग स्टोन्स iii) छड़ी सहितमसाज बॉल iv) ओलिव मसाज बॉल v) स्क्वीज़र vi) एयर कुशन	किट का उपयोग किया जा रहा है।	स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार
	xiii) श्री एस. राजशेखर, आयु: 20वर्ष,कृषि, कूटीगल गाँव	शारीरिक रूप से विकलांग (पैर)	क्रच एल्बो एडजस्टेबल (एल्युमिनियम) साइज II	वह सहायक उपकरण का उपयोग कर रहा है।	यह चलने-फिरने का सहायक उपकरण है जो पैरों के वजन को ऊपरी शरीर में स्थानांतरित करता

					है। छोटी दूरी तक आने-जाने में सहायता करता है।
	xiv) श्री ई. राजैया, आयु: 50 वर्ष,कृषि, वेचरेनी गाँव, चेरियाल मंडल	दुर्घटना के कारण पैर का पक्षाघात	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क अकार (साथी) + चलने की छड़ी	सहायक उपकरण का इस्तेमाल किया जा रहा है।	सहायक उपकरण कम दूरी तक आने-जाने के लिए है।
	xv) श्री अशोक, आयु: 26 वर्ष, श्रमकार्यमजदूरी, दुदबेड़ा गाँव	दाहिना पैर पोलियो	ट्राइसाईकिलपारंपरिक हाथ प्रोपेल्ड (हमराही) और क्रच एक्सिला एडजस्टेबल एल्यूमीनियम मीडियम	सहायक उपकरण का इस्तेमाल किया जा रहा है।	काम और अन्य बुनियादी जरूरतों के लिए आने-जाने में सहायक
	xvi) श्री के.रमेश, आयु: 30 वर्ष, कार्य मजदूरी, दुदबेड़ा गाँव	बायां पैर पोलियो	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही) और क्रच एक्सिला एडजस्टेबल एल्यूमीनियम मीडियम	ट्राइसाइकिल की मरम्मत चल रही है।	ट्राइसाइकिल क्षतिग्रस्त होने के कारणउन्होंने बुनियादी परिवहन की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना शुरू कर दिया।
	xvii) श्री डी. रमेश, आयु: 30 वर्ष, स्वरोजगार, नागपुरी, सिद्दीपेट	तंत्रिका तंत्र की समस्या (कमर, पैर)	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	इसका उपयोग किया जा रहा है	सहायक उपकरण कार्य करने जाने में सहायक।
	xviii) श्री वाई चन्द्रैया, आयु: 32 वर्ष, मंदिर, कोमारवेली गाँव, सिद्दीपेट जिले	पोलियो का रोगी	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	इसका उपयोग किया जा रहा है	आने-जाने की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए आत्म

	में कार्यरत				निर्भरता।
	xix) सुश्री राजमणि, आयु: 35 वर्ष, कोई काम नहीं, बैरनपल्ली गांव, सिद्दीपेट	पोलियो का रोगी	बॉक्स सहितमोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	इसका उपयोग किया जा रहा है	मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल के साथ वह अब 20 कि.मी. तक की यात्रा करने में सक्षम है।
	xx) श्री बी. नागराजू, आयु: 31, डिग्री, कोई काम नहीं, चितला गाँव	दाहिना पैर: पोलियो (पूरी तरह से प्रभावित) बाईं टांग: आंशिक पोलियो	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	इसका उपयोग किया जा रहा है	आने-जाने की बुनियादी जरूरतके लिए आत्म निर्भरता (ग्रामपंचायत आदिसे सरकारी पेंशन का लाभ लेनेके लिए)
	xxi) श्री के. राजू, आयु: 25 वर्ष, कृषि, थोरानाला गाँव	पोलियो - बायांपैर	बॉक्स सहितमोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	शुरुआत में 6 महीने तकतिपहिया साइकिल ठीक से काम कर रही थी। लगातार बैटरी ड्रेन के कारण खराब प्रदर्शन।	आंशिक रूप से यह15-20 कि.मी. की यात्रा के लिए उपयोगी है।
	xxii) श्रीमती एम. सतम्मा, आयु: 60 वर्ष, कार्य मजदूरी, मरमुला गाँव	लकवा, गठिया	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	वर्तमान में वह हाथ की समस्या के कारण तिपहिया वाहन का उपयोग नहीं कर सकती है	केवल कम दूरी की यात्रा के लिए का उपयोग किया जाता है।

	xxiii) श्री बलराजु, आयु: 35 वर्ष, कोई काम नहीं, मारमुल्ला गाँव	वह एक ताड़ के पेड़ (तेलुगु में ताडी चेट्टु) से फिसल गया था और कमर मेंचोट लग गई थी	बॉक्स सहितमोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	इसका उपयोग किया जा रहा है, लेकिन इसमें बैटरी की समस्या (बैटरी से झटका लगता है)	मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की सहायता से वह 20-30 कि.मी. की यात्रा करने में सक्षम है
	xxiv) श्रीमती पी. ललिता, आयु: 32 वर्ष, सलकपुर गाँव, सिद्दीपेट	पैर की समस्या (पैर की मांसपेशियां और तंत्रिका समस्या)	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	इसका उपयोग किया जा रहा है	अब वह अपने निजी कार्यों को करने में सक्षम हैं।
	xxv) श्री पी. गणेश, आयु: 20 वर्ष, कोई काम नहीं, दुदबेड़ा गाँव	पोलियो, गूंगा और शारीरिक रूप से विकलांग।	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी)	इसका उपयोग किया जा रहा है	छोटी दूरी की यात्रा के लिए उनके द्वारा उपयोग किया जाता है।

निरीक्षण:

- आर्टिफिशियल लिम्बस मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एल्मिको) ने भारत डायनामिक्स लिमिटेड, जिला समाज कल्याण विभाग-सिद्दीपेट, मंडल परिषद-चेरियाल, आईसीडीएस-चेरियाल आदि के सहयोग से पीडब्ल्यूडी के शिविर का 30.3.2018को चेरियाल, सिद्दीपेट जिले के वीरभद्र एसी फंक्शन हॉल में आयोजन किया, जिसमेंपीडब्ल्यूडीके सशक्तिकरण के उद्देश्य से दिव्यांजनों को कृत्रिम अंगों और कैलीपर्स, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, क्रच, चलने की छड़ी, एलएस बेल्ट, सर्वाइकल कोलार, वॉकर, बीटीई हियरिंग एड्स, समार्ट केन, ब्रेल किट, स्मार्ट फ़ोन, टैबलेट डेज़ी प्लेयर, एमएसआईईडीकिट और कुष्ठ प्रभावितों के लिए एडीएलकिट आदिजैसे सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।
- पुनर्वासविशेषज्ञ टीम और एल्मिको ने पात्र लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें उपकरण और उपस्कर का वितरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- शिविर में चेरियाल मंडल और उसके आसपास के गांवों के लगभग 500 पीडब्ल्यूडी और उनके परिचारकों ने भाग लिया। विभिन्न सहायता और सहायकउपकरणों के वितरण के लिए लगभग 170 दिव्यांगजनों का चयन किया गया। मंडल पार्षद- चेरियल ने पीडब्ल्यूडीऔर उनके परिचारकों के लिए भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की।
- सहायक और उपकरणों के उपयोग के बारे में लाभार्थियों मेंअधिक जागरूकता पैदा करना आवश्यक है।
- अधिकांश मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल में बैटरी की समस्या होती है।
- अधिकांश ईएनटी एडलाभार्थीअत्यधिक संतुष्ट हैं।
- सहायक/ उपकरणों का रखरखाव लाभार्थियों के मुख्य मुद्दों में से एक है।
- 90% से अधिक लाभार्थी गरीबी रेखा की श्रेणी से नीचे केहैं।
- बीडीएल लोगो को एल्मिको केकिसी भी सहायता और सहायकउपकरणों में नहीं दर्शायागया है।
- सिद्दीपेट जिले के लोगों ने पीडब्ल्यूडीके शिविर के बीडीएल-एल्मिको प्रयासों की बहुत सराहना की।पात्र पीडब्ल्यूडीकोविभिन्न सहायता और सहायकउपकरणों का वितरण किया गया। बीडीएल और एल्मिको से अनुरोध किया गयाकि वे जिले में पीडब्ल्यूडीकी अधिक संख्या को कवर करने के लिए इसी तरह के शिविरों का आयोजन करें।

लाभार्थी विवरण:

क्र.सं.	**उत्पाद का नाम**	**लाभार्थी**
1	दृष्टिहीन दिव्यांगों (डिलक्स) के लिए ब्रेल केन फोल्डिंग	03
2	दृष्टिहीन दिव्यांग (डीलक्स) और व्हीलचेयर फोल्डिंगमानक मॉडल वयस्क आकार (साथी) के लिए ब्रेल केन फोल्डिंग	01
3	डेज़ी प्लेयर	04
4	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी), कुष्ठ प्रभावितों के लिए सेल फोन और कुष्ठ प्रभावितों के लिए एडीएल किट	04
5	कुष्ठ प्रभावित और व्हीलचेयर फोल्डिंगमानक मॉडल वयस्क आकार (साथी) के लिए एडीएल किट	01
6	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी), कुष्ठ प्रभावित के लिए एडीएल किट और कुष्ठ प्रभावितों के लिए सेल फोन	01
7	बीटीई डिजिटल टाइप हियरिंग एड और 13 जिंक एयर बैटरी के 6 पैक	30
8	व्हील चेयर फोल्डिंग चाइल्ड साइज (ममता) और रोलटर साइज चाइल्ड-।	02

9	रोलटर आकार वयस्क-II	01
10	रोलर आकार वयस्क-II और व्हीलचेयर फोल्डिंगमानक मॉडल वयस्क आकार (साथी)	04
11	बहुसंवेदी समावेशी शैक्षिक विकास किट	17
12	क्रच एल्बो एडजस्टेबल (एल्युमिनियम) साइज II	05
13	बॉक्स सहितमोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	02
14	ट्राइसिकल पारंपरिक हस्त चालित (हैमरी) और चलने की छड़ी	18
15	बॉक्स/ चलने की छड़ी सहित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	04
16	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी) और चलने की छड़ी	06
17	चलने की छड़ियां	02
18	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही) और क्रच एक्सिला एडजस्टेबल एल्यूमीनियम मीडियम	05
19	बॉक्स/ क्रच एक्सिला एडजस्टेबल एल्यूमीनियम बड़े आकार की मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	02
20	तिपहिया पारंपरिक हस्त चालित (हमराही)	33
21	बॉक्स सहितमोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	08
22	व्हील चेयर फोल्डिंग स्टैंडर्ड मॉडल वयस्क आकार (साथी)	12
23	बॉक्स के साथ मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल	02
24	तिपहिया पारंपरिक दाहिने हाथ ड्राइव (एसआईयूटीआई)	01
25	तिपहिया पारंपरिक दाहिनाहस्त चालित (एसओयूटीआई) और एक्सिला एडजस्टेबल (एल्यूमीनियम) छोटी	01

संवाद-1

श्री के.वी. राजेश

प्रबंधक और प्रभारी, क्षेत्रीय विपणन केंद्र-हैदराबाद, एल्मिको

दौरे की तारीख: 31.5.2019

श्री के.वी. राजेश, एल्मिको ने पीडब्ल्यूडी के स्वास्थ्य शिविर के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। इस शिविर को एल्मिको द्वारा बीडीएल, जिला समाज कल्याण विभाग, मंडल परिषद - चेरियाल, चेरियाल मंडल के अन्य विभागों के सहयोग से 30.3.2018 को आयोजित किया गया था। उन्होंने पीडब्ल्यूडीस्वास्थ्य शिविर के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया, जिसमेंशिविर में भाग लेने के लिए पात्रता मानदंड, स्थल और तिथि का चयन, प्रचार, शिविर जांचप्रक्रिया, चयनित पीडब्ल्यूडी के लिए सहायक उपकरण और उपकरणों का वितरण, शिविर के निगरानी तंत्र, परियोजना की सफलता में पुनर्वास विशेषज्ञ टीम और समुदाय की भूमिका, चयनित पीडब्ल्यूडी को एडऔर सहायकउपकरणों का

वितरण, शिविर की निगरानी प्रणाली, आदि शामिल थे। उन्होंने बताया कि बीडीएल ने सिद्दीपेट जिला केचेरियल मंडल के गांवों में रहने वाले दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) के लिए एड और सहायक उपकरण प्रदान किए हैं। इन एड्स और सहायकउपकरणों से लाभार्थियों को उनके दोषों से उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने में मदद मिलती है और उन्हें एक सामान्य और उपयोगी जीवन जीने में मदद मिलती है। जिनपीडब्ल्यूडी को एड्स और सहायक उपकरण दिए गए हैं, वे मुख्यत:आर्थिक रूप से पिछड़े समुदाय से हैं और इन एड्स और सहायकउपकरणों को खरीदने की उनकी क्षमता नहीं है।

संवाद2:
श्री राम प्रसाद, एमपीडीओ, चेरियाल मंडल, सिद्दीपेट जिला
दौरे की तारीख: 31.5.2019

श्री रामप्रसाद, एमपीडीओ, चेरियाल ने पीडब्ल्यूडी के चिकित्सा शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यक्रम के चयन, पहचान और पीडब्ल्यूडी के विकास के लिए एल्मिको की मदद की। उन्होंने जिला समाज कल्याण विभाग, मंडल के अधिकारियों, ग्राम सचिवों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सरपंच, एमपीटीसी, अन्य संघ समूहों और जिले के लोगों के सहयोग से सफलतापूर्वक पीडब्ल्यूडी शिविर का आयोजन किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी और उनके परिचारकों को उपस्थित होने परभोजन के पैकेट भी प्रदान किए।

उनके साथ बातचीत में, उन्होंने साझा किया कि कोमुरवेली, मद्दुर, सिद्दीपेट और कोंडापाका मंडलों केदिव्यांगजनोंने शिविर का भरपूरलाभ उठाया। शिविर में लगभग 500 दिव्यांगजनोंकी जांच की गई और चयनित170 दिव्यांगजनोंको विभिन्न सहायक उपकरण और उपस्कर प्रदान किए गए। उन्होंने बीडीएल और एल्मिको से अनुरोध किया कि वे जिले में दिव्यांगजनोंकी अधिक संख्या को कवर करने के लिए प्राय:ऐसे जांच शिविरों का आयोजन करें। उन्होंने बीडीएल और एल्मिको के इनप्रयासों की काफी सराहना की।

केस स्टडी-1:

i) श्री एम. मल्लैया, आयु: 41 वर्ष, कृषि, रामपुर गाँव, चेरियाल मंडल
बधिर: 60% से अधिक (दोनों कान)

ii) श्रीमती वाई.सुगुना, आयु: 35वर्ष, कृषि, मैरी मुस्तियाला गाँव, कोमुरवेल्ली मंडल
बधिर: बायां कान: 100% समस्या, दाहिना कान: 50% समस्या
दौरे की तारीख: 31.5.2019, स्थान: मंडल परिषद कार्यालय, चेरियाल, सिद्दीपेट जिला

श्री मल्लैया और श्रीमती सुगुना और अन्य लाभार्थियोंके साथ बातचीत करने पर हमें पता चला कि बीडीएल-एलिम्को सिद्दीपेट जिले में ईएनटी रोगियों के लिए वरदान है। 30 ईएनटी रोगियों ने शिविर में श्रवण यंत्र और श्रवण सहायता बैटरियां प्राप्त कीं। ईएनटी के लाभार्थियों के साथ बातचीत मेंयह पायागया

कि ईएलटीओ श्रवण यंत्रों की इस उन्नत तकनीक से ईएनटी रोगियों को सुनाई देने के स्तर में काफी सुधार हुआ है। इससे पहले श्री मल्लैया और श्रीमती सुगुना ईएनटी उपचार के लिए हैदराबाद जायाकरते थे लेकिन यह उनके लिए काफी महंगा था। डॉक्टरों ने उन्हें ईएनटी सर्जरी के लिए रेफरकिया, लेकिन वे दोनों सर्जरी करानेसे डरते थे। इसलिए उन्होंने कई बार हैदराबाद के ईएनटी अस्पताल से श्रवण यंत्र लिए, लेकिन ध्वनि नियंत्रण समस्या और अन्य मुद्दों के कारण, येअधिक समय तक नहीं चले। शिविर में भाग लेने के बाद श्री मल्लैया और श्रीमतीसुगुना की सुनने की क्षमता पहले से दोगुनी हो गई।

केस स्टडी 2:

i) कुमारी कोंडुरु स्वप्ना, आयु: 30 वर्ष

कोई काम नहीं (पोलियो का मरीज), मुश्तियाला गांव, चेरियाला मंडल

दौरे की तारीख: 31.5.2019

स्थान: मंडल परिषद कार्यालय, चेरियाल, सिद्दीपेट जिला

के. स्वप्ना -चेरियाल मेंमोटराइज़्ड ट्राइसाइकिल लाभार्थी

कुमारी स्वप्ना एक लकवाग्रस्त पोलियो की मरीज हैं और उनके पैर चलने मेंसमर्थन नहीं हैं। पहले वह जिला समाज कल्याण विभाग से दो बार हस्त चालित तिपहिया साइकिल ले चुकी थी, लेकिन हाथ मेंदर्द (तंत्रिका की कमजोरी, मांसपेशियों और कलाई के जोड़ों के दर्द) के कारण वेतिपहिया साइकिल को 1-1.5 कि.मी.से अधिक दूरी तक नहीं चला पाती थीं। वहखरीदारी के लिए अपने माता-पिता या अन्य पर या सरकारी पीएचसी पेंशन का लाभ लेने पर निर्भर थी। दिव्यांगशिविर ने स्वप्ना को परिवार पर किसी भी वित्तीय बोझ के बिना मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त करने में सक्षम बनाया। अब वह दूसरों की सहायता के बिना 15-20 कि.मी. तक की यात्रा करने में सक्षम हैं। उन्होंने दिव्यांगशिविर में बीडीएल-एलिम्को के प्रयासों और दिव्यांगजनोंको विभिन्न एड्सऔर सहायकउपकरणों के वितरण की अत्यधिक प्रशंसा की।

प्रभाव

क्र.सं.	पैमाना	ग्राम सरपंच और बुजुर्ग	दिव्यांगजन(लाभार्थी)	ग्रामीण	सरकारी अधिकारी
1	मोटराइज्ड तिपहिया और अन्य सहायक उपकरणों की आधुनिक तकनीक की मदद से आर्थोपेडिक और पोलियो व्यक्तियों कीपरिवहन सुविधाओं में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	दिव्यांगजनोंद्वारा एड्स और उपकरणों के उपयोग के बारे में जागरूकता में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	ईएनटी रोगियों के श्रवण स्तर में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	उपकरणों की मदद से स्वतंत्र जीवन जीने की सुविधा	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के स्वास्थ्य के स्तर में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	स्वास्थ्य सहायक उपकरणों कासमग्र संतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 4: स्वच्छ भारत कोष फंड

बजट आवंटन: 450 लाख

व्यय: 450 लाख

स्वच्छ भारत कोष (एसबीके) की स्थापना निगमित क्षेत्र से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियांप्राप्तकरने और 15 अगस्त, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किएगए आह्वानके प्रत्युत्तरमें लोगोंऔर परोपकारी लोगों सेयोगदान प्राप्त करने के लिए की गई है ताकि वर्ष 2019 तक, जो स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से महात्मा गांधी की जयंती का 150वां वर्ष है,स्वच्छ भारत के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके।

2 अक्तूबर, 2014 कोगांधी जयंती के अवसर पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, विशेषकरस्कूल परिसर में स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के लिए संसाधन जुटाने हेतुएक राष्ट्रव्यापी प्रयास शुरू होगा।

उद्देश्य: एसडब्ल्यूकेएक ऐसा कोष है जिसका उपयोग देश भर में स्वच्छता के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए स्कूलों, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण के लिए किया जाएगा। इसे निगमित क्षेत्र से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियां प्राप्त करने तथास्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों और परोपकारियों से योगदान प्राप्त करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

बीडीएल ने वर्ष 2017-18 के लिए 31.3.2018 को राष्ट्रीय प्रतिष्ठित कार्यक्रम “स्वच्छ भारत अभियान” (स्वच्छ भारत) का समर्थन करने के लिए स्वच्छ भारत कोष में450 लाख रुपए का अंशदान दिया।

परियोजना 5: श्रवण दिव्यांगजनों के लिए कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण परियोजना

स्थान: तेलंगाना

बजट आवंटन: 73.79 लाख

परियोजना की स्थिति: चल रही है

दौरे की तारीख: 31.5.2019

इस परियोजना के लिए अपेक्षित

कर्णावर्तप्रत्यारोपण: यह एक इलेक्ट्रॉनिक चिकित्सा उपकरण है जो क्षतिग्रस्त आंतरिक कान की कार्यप्रणाली को बदल देता है, जो बालों की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को पार करते हुए मस्तिष्क को सीधे ध्वनि संकेत भेजता है, जिससे गंभीर श्रवण हानि वाले बच्चेठीक से सुन पाते हैं।

- 2011 की जनगणना के अनुसार, हमारे देश में दिव्यांगजनों(पीडब्ल्यूडी) की आबादी2.68 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 2.21% है। इसमें लोकोमोटिव, दृश्य, श्रवण, वाक्और मानसिक दिव्यांगशामिल हैं। इस समूह में से, लगभग 70% दिव्यांगजनग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं, 51% निरक्षर हैं और 66% बेरोजगार हैं।

- श्रवण बाधित व्यक्ति देश की कुल आबादी कालगभग 50 लाख हैं। इन श्रवण बाधित व्यक्तियों में से भारत में पैदा हुए लगभग 32,000 बच्चे ऐसेहैं जो सुन नहीं सकते हैं और जन्म से ही बधिर हैं। इसके अलावा, क्योंकिऐसे बच्चे सुन नहीं पाते हैं अत: बोल भीनहीं पाते हैं, लेकिन 0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों में इस कमी को कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण नामक उपकरणको प्रत्यारोपित करके पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है।
- एक अनुमान से पता चलाहै कि भारत में सालानालगभग 10,000 श्रवण बाधित बच्चों को कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण फिटमेंट की आवश्यकता होती है। हालांकि, बहुत कम संख्या में लाभार्थी भारत सरकार एडीआईपी योजना के माध्यम से लाभ प्राप्त कर पातेहैं। इसलिए, भारत में कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण की आवश्यकता और वास्तविक फिटमेंट के बीच व्यापक अंतर मौजूद है।

तंत्र को लागू करना

बीडीएल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथि: 29.03.2018

- अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग डिसएबिलिटीज (अयजनिष्द) की वेबसाइट पर उपलब्ध सूची में से 44 लाभार्थियों का चयन किया गया था। सभी लाभार्थी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों से हैं। अयजनिष्द द्वारा सूचीबद्ध अस्पताल में सर्जरी की जाएगी। लाभार्थियों को भारत सरकार की एडीआईपीयोजना में निर्धारित मानदंड को पूरा करना है और जिसे अयजनिष्द द्वारा कार्यान्वित किया गया है।
- सर्जरी के लिए आवश्यक कोचलियरइम्प्लांट्स कीएल्मिकोद्वाराअयजनिष्द मुंबई को दूसरी किस्त का भुगतान प्राप्त होने पर आपूर्ति की गई है। इसके बाद अयजनिष्दने संबंधितअस्पताल में आवंटित लाभार्थियों की संख्या के अनुसार पैनलबद्धअस्पतालोंको इसकी आपूर्ति कर दी है।
- लाभार्थियों को कुछ चिकित्सीय जांच के पूरा होने और वैक्सीन देनेके बाद पैनलबद्धअस्पतालों में कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के साथ लगाया जाएगा।
- लाभार्थियों को सर्जरी के बाद 156 सत्रों के लिए भाषण चिकित्सा प्रदान की जाएगी।

एड्स और सहायकउपकरणों के लिए लाभार्थियों का चयन करने हेतुपात्रता मानदंड

भारतसरकार द्वारा दिव्यांगजन(एडीआईपी) योजना के अंतर्गत कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित पात्रता मानदंड के अनुसार लाभार्थियों का चयन सख्ती से किया गया था। इसकेमानदंड हैं:-

क. पांच वर्ष से कम आयु।

ख. सभी स्रोतों से रु.20,000/- से कम की मासिक आय।

ग. दोनों कानों की श्रवण शक्ति का ह्रास जो गंभीर हो।

प्रत्यारोपण के लिए चयनित लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.#	आवेदन सं.	बच्चे का नाम	माता-पिता का नाम और संपर्क नंबर	लिंग	बच्चे की जन्म तिथि और आयु	आय	वर्ग	राज्य	अस्पताल
1	सीआई/एसओ/2018-19/464	शेख शाहिस्ता अंजुम	शेख समीउल्लाशेख यूसुफ़ सब, 45/143, बोस नगर, रायचोटी, कुडाप्पा, रायचोटी, आंध्र प्रदेश-516269 दूरभाष-09963304611/07842478969	महिला	26.09.2013	49,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	आरआर गुंटूर
2	सीआई/एसओ/2018-19/394	वी. धीरज	वी.रामकृष्ण, मकान नं. 81-5/ई4,बद्रीनाथ नगर कल्लूर मंडल, कुरनूल जिला आंध्र प्रदेश-518002 दूरभाष-079899947733	पुरुष				आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर
2क	सीआई/एसओ/2018-19/902	एम. गीतिका	एम.भानु प्रकाश 7-93 इंदिरम्मा कॉलोनी बंगारुपलयम मंडल बंगारुपलेम पोस्ट चित्तूर आंध्र प्रदेश-517416 दूरभाष-9177917120	महिला	25.09.2015	45,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर

3	सीआई/एसओ/ 2018-19/597	दुडेकुला सलमा	दुडेकुला मस्तनवली डी.नं. 1-302 जलकणी पेटा बेस्टवरी पेटा, प्रकाशम आंध्र प्रदेश-523334 दूरभाष- 09959013598	महिला	12.11.2013	46,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर
4	सीआई/एसओ/ 2018-19/414	गुगोलोथ ईश्वर	गुगोलोथ बालाजी मकान नं.4-74 चिकाटी चिन्तला थाना माधवपुरम माधापुर वारंगल, तेलंगाना-506105 दूरभाष-09676509820	पुरुष				तेलंगाना	केआईएमएस, सिकंदराबाद
5	सीआई/एसओ/ 2018-19/158	दारापोलु अभय राम	दारापोलू प्रहलाद मकान नं.14-30/1, विद्यानगर कॉलोनी, कोठकोटा, वानापर्थी, तेलंगाना-509381 दूरभाष- 09948033862	पुरुष				तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद
6	सीआई/एसओ/ 2018-19/275	दसारी निसी	दसारी राजू देशराजपल्ली, कमलापुर, वारंगल शहरी, तेलंगाना-505102. दूरभाष- 09652384824/09100254300					तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद
7	सीआई/एसओ/ 2018-19/279	उमामिमामुनीर	मुनीर अहमद खान मकान नं.5-4, 186, काजीपुरा, जगथयाल, करीमनगर, तेलंगाना-505327. दूरभाष-	पुरुष				तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद

			08008297392/07013442303						
8	सीआई/एसओ/ 2018-19/505	वैगंडला शिवनागसाई	वैगांदला कार्तिक कुमार 10-10-166, रामावरी वीड़ी, गिरमजीपेट, शिवालयम मंदिर के पास, वारंगल, तेलंगाना-506002 दूरभाष- 09849257701/0961847472	पुरुष				तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद
9	सीआई/एसओ/ 2018-19/509	युगल किशोर सोनी	राजकुमार सोनी 18-3-498/ए/1/ए,लक्ष्मी नगर अलियाबाद, हैदराबाद, तेलंगाना-500053 दूरभाष-09246537826	महिला				तेलंगाना	केआईएमएस, सिकंदराबाद
10	सीआई/एसओ/ 2018-19/624	के. शरवन	के.विजय भास्कर 2-109 बीसी कॉलोनी माल्दाकल, येल्कुर महबूबनगर तेलंगाना-509132 दूरभाष- 09160339322/08328369432	पुरुष				तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद
11	सीआई/एसओ/ 2018-19/625	मोरपु महना	मोरपु अंजैया 1-75 मेन रोड कथलपुर, ऊटपल्ले करीमनगर, तेलंगाना-505462	महिला				तेलंगाना	अपोलो, हैदराबाद

			दूरभाष- 09398145701/09515530716						
12	सीआई/एसओ/ 2018-19/626	ए. सौम्या	अविदीप्रसाद 1-1-397 ब्लॉक नं.-1 फेज़-1 प्रजय निवास, मोहन नगर,कोथपेट-हैदराबाद, के.वी.रंगा रेड्डी तेलंगाना-500035 दूरभाष-06303500726	महिला				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद
13	सीआई/एसओ/ 2018-19/631	जी. मनदीप	जी.रामू, मकान नं.1-10/1 बीबी नगर, नलगोंडा तेलंगाना पिन-508126 दूरभाष- 07036363738/07036688017	महिला				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद
13क	सीआई/एसओ/ 2018-19/1099	बबुरी रिथविक	बबुरी विजय कुमार मकान नं.1-2 चेबर्टी मंडलम मार्कूक, चेबर्थी मेडक जिला-तेलंगाना-502279 दूरभाष- 09989171249/09989104342	पुरुष				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद
14	सीआई/एसओ/ 2018-19/632	जी. चंदना	जी.रामू, मकान नं.1-10/1 बीबी नगर, नलगोंडा,तेलंगाना पिन-508126 दूरभाष- 07036363738/07036688017	महिला				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद

15	सीआई/एसओ/ 2018-19/692	अयांचाप्रमोद नागा कैलाश	विश्वरूपचारी अयांचा डी.नं.12-29-63 सीलम वारी स्ट्रीट गुंटूर, आंध्र प्रदेश-522001 दूरभाष- 07729087955/08142819124/08 121912434	पुरुष	15.12.2014	36,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर
16	सीआई/एसओ/ 2018-19/678	उ. केथेसुवर	यू.सहदेव 1-1811 यलमंडा क्रॉस, पिलेरू पाइलर चित्तूर आंध्र प्रदेश-517214 दूरभाष-09652579650	पुरुष	25.02.2017	48,000/-	अनुसूचित जाति	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर
17	सीआई/एसओ/ 2018-19/478	हशीश राजू	रमेश दासारी 2-105, रामालयम स्ट्रीट, रामालयम के पास, वल्लुरु, गणपवरम मंडल,गोदावरी जिला- आंध्र प्रदेश दूरभाष- 09177548547	पुरुष	01.06.2014	48,000/-	अनुसूचित जाति	आंध्र प्रदेश	आरआर गुंटूर
18	सीआई/एसओ/ 2018-19/653	शिवरात्रि सात्विक	एस.जम्पैया मकान नं.3-1/4बी, ईडब्ल्यूएसकॉलोनी घाटकेसर के., वी.रंगा रेड्डी तेलंगाना-501301 दूरभाष-09542646893	पुरुष				तेलंगाना	केआईएमएस, सिकंदराबाद
19	सीआई/एसओ/ 2018-19/658	कोनुकति उदय	कोनुकति सुमन नं.4-76, गोलपल्ली नल्लाबेली मंडल,मेदापल्ली वारंगल	पुरुष	26.01.2014	90,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	तेलंगाना	एमएएईएनटी

			तेलंगाना-506132 दूरभाष-5007051370588						
20	सीआई/एसओ/ 2018-19/790	तेलगाथोती हर्षा	तेलगाथोती जदसन बाबू सी-108-सी, कस्यापुरम जनकवरमपंगुलुरु जिला-प्रकाशम आंध्र प्रदेश-52321 दूरभाष-08340856890	पुरुष	24.10.2014	46,000/-	अनुसूचित जाति	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी गुंटूर
21	सीआई/एसओ/ 2018-19/808	मस्टिगुल्ला मेघनाथ	मस्टिगोला मल्लेश मकान नं.6-7-25/3, नेताजी नगर राजेंद्र नगर, रंगा रेड्डी, तेलंगाना -500077 दूरभाष-09640882981/09948905679/09 040755275	पुरुष				तेलंगाना	अपोलो हैदराबाद
22	सीआई/एसओ/ 2018-19/809	सना फातिमा	मोहम्मद शर्फुद्दीन मकान नं.16-9-119/एन/11, ओल्ड मालकपेट, अंबरपेट, हैदराबाद, तेलंगाना-500036 दूरभाष-09618057764/09381594376	महिला				तेलंगाना	अपोलो हैदराबाद
23	सीआई/एसओ/ 2018-19/800	दोंता अभिराम गौड	दोंताश्रीनिवासुलु मकान नं.6-19 गमुनला बाजार, कोलुकुला ग्राम, येरगोंडापलेम, प्रकाशम, आंध्र प्रदेश-523327 दूरभाष-	पुरुष				आंध्र प्रदेश	अपोलो, हैदराबाद

			09704805555/09652696983						
24	सीआई/एसओ/ 2018-19/802	तिरुमुरु सात्विक	तिरुमुरु श्रीनिवासुलु हरिजनवाड़ा वंजीवाका पोस्ट थिमन्नैडुपलेम कोटा नेल्लोर, आंध्र प्रदेश-524411 दूरभाष-09908275120	पुरुष	25.07.2016	40,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	बया ईएनटी, गुंटूर
25	सीआई/एसओ/ 2018-19/852	गुंडू राजा नरसिंह	गुंडू नरसिम्हुलु महादेवपल्ली, गंगरापल्ली, चक्ररायपल्ली, वाईएसआर, कडप्पा, आंध्र प्रदेश-516259 दूरभाष- 06300334684/07780671735	पुरुष				आंध्र प्रदेश	अपोलो हैदराबाद
26	सीआई/एसओ/ 2018-19/853	पोथू ऋषिता	पोथू राजशेखर मकान नं.4-94, रंगासीपल्ली, रामादुगु, करीमनगर, तेलंगाना-505531 दूरभाष- 07702488503/07036606818	महिला				तेलंगाना	अपोलो हैदराबाद

27	सीआई/एसओ/ 2018-19/265	माला सहिथिया	माला किस्तायाह मकान नं.2-59/3, मठमल गांव, येलारेड्डी मंडल, निज़ामाबाद, तेलंगाना-503122. दूरभाष- 08374414198।	महिला				तेलंगाना	अपोलो हैदराबाद
28	सीआई/एसओ/ 2018-19/494	मारिया ज़ैनब	अब्दुलजमील 1-8-113, पिल्ली स्ट्रीट, मेडक, तेलंगाना-502110 दूरभाष- 09032983244/09032983255	महिला				तेलंगाना	अपोलो हैदराबाद
29	सीआई/एसओ/ 2018-19/857	थोला तनवीर कुमार	थौला कुमारस्वामी मकान नं.2-89 एलांडा, वर्धनापेट मंडल, वारंगल जिला-तेलंगाना राज्य -506313 दूरभाष- 09948100634	पुरुष				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद
30	सीआई/एसओ/ 2018-19/858	चंद्रुपटला यज्ञश्री	चंदुपटला प्रभाकर मकान नं.6-48 मार्कंडेय मंदिर शंकरमपेट के पास, मेडक, जिला-तेलंगाना राज्य-502271 दूरभाष- 09010425267/09640524252	महिला				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद
31	सीआई/एसओ/ 2018-19/859	लावूड्या सलाह नायक	लावूड्य राज कुमार फ्लैट नं.504, महासाई रेजिडेंसी, महादेवपुरम, गजुलाराम रोड, कुकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड, हैदराबाद, तेलंगाना-500055	पुरुष				तेलंगाना	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद

			दूरभाष- 09494029552/0773026510/094 40126194						
32	सीआई/एसओ/ 2018-19/861	के. बालू	के. हनुमंथु मकान नं-2-6/ए गुडीपाले (वी) नगर कुरनूल पिन-509235 दूरभाष- 09502028872/09502014858	पुरुष				आंध्र प्रदेश	केआईएमएस, सिकंदराबाद
33	सीआई/एसओ/ 2018-19/892	शेख तहरीरें	शैक मोहम्मद शफुल्ला शिक अमानुला 11-297 कोठाकोटल गाँव बडवेल रोड मायधुकुर (एम) कुडाप्पा,आंध्र प्रदेश-516172 दूरभाष-08247452502	महिला	12.04.2016	60,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	आरआर स्पेशलिटी गुंटूर
34	सीआई/एसओ/ 2018-19/855	गोपीदेसी सरन्या	गोपीदेसी सांबासिवा राव टीचर्स कॉलोनी, अमरावती प्लॉट्स, चेंचू पेटा, तेनाली, गुंटूर, आंध्र प्रदेश-52202 दूरभाष- 09959206364/06281456476	महिला	15.10.2016	45,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	आंध्र प्रदेश	आरआर स्पेशलिटी गुंटूर
35	सीआई/एसओ/ 2018-19/774	अतीगदा अखिला प्रिया	अतीगड्डा सवारायाह मकान नं.1-37/1,जनपल्ली गाँव कोड़ेयर मंडल जनमपल्ली,जिला-महबूबनगर तेलंगाना-509102 दूरभाष-09666988062	महिला	18.06.2016	60,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	तेलंगाना	एमएएईएनटी

36	सीआई/एसओ/ 2018-19/915	देवी हर्षवर्धन	गोडाइड शेकर मकान नं.1-60/बी, रापार्थी ग्राम कलहर मंडल,संगारेड्डी जिला- तेलंगाना-502371 दूरभाष-09010272394	पुरुष					अपोलो हैदराबाद
37	सीआई/एसओ/ 2018-19/130	कोंठमप्रवान	कोंठमरमेश मकान नं.1-118, ग्राम जब्बापुर, पोस्ट मायलाराम, वारगल, जिला- सिद्दीपेट, तेलंगाना- 502279. दूरभाष - 08897315317	पुरुष	10.08.2013	75,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	तेलंगाना	एमएएईएनटी
38	सीआईएस/2018-19/951	दम्मति प्रवालिका	दम्मती वीरैया 4-129 शिवालयम रोड, यागंती टावर्स के पीछे, पेदाकाकनी गुंटूर, आंध्र प्रदेश-522509 दूरभाष- 8179054929/07337045307	महिला	30.09.2016	48,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग		बया ईएनटी गुंटूर
39	सीआई/एसओ/ 2018-19/640	नल्लमिलि पावनि	एन.सुरेश मकान नं.1-62, कोठा रामालयम वीडी, येलेश्वरम मंडलम, पेद्दनपल्ली, पूर्वी गोदावरी, आंध्र प्रदेश-533431 दूरभाष-09949002306	महिला	09.06.2015	40,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग	तेलंगाना	एमएएईएनटी

40	सीआई/एसओ/ 2018-19/799	अवला विष्णु चरण	अवल नारायण राव मकान नं.8-3-234/76 दूसरी मंजिल, लक्ष्मी नरसिम्हा, यूसुफगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना-500045 दूरभाष-09912442852/09490077528	पुरुष					अपोलो हैदराबाद
41	सीआई/एसओ/ 2018-19/860	पालदे मोक्षिथ	पालदे नरेश मकान नं.2-79,न्यू वेलमल-निर्मल आदिलाबाद तेलंगाना पिन कोड-504105 दूरभाष-09014865136/08185807630/ 09985937907/09701360464	पुरुष					केआईएमएस सिकंदराबाद
42	सीआई/एसओ/ 2018-19/903	शेख मुहम्मद अशफाक	शेख जमीर अहमद 27-34 राजा रेड्डी कम्पाउंड बस स्टैंड पुंगनूर चित्तूर, आंध्र प्रदेश-517247 दूरभाष-09642499830	महिला	14.01.2015	50,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग		□□□ □□□□□ □□□□□□
43	सीआईएस/2018-19/976	कुम्हारी धरनी	कुम्हारी वेंकट 2-112 अन्नूर, नयकाल अतनूर मेडक राज्य-तेलंगाना पिन कोड-502251 दूरभाष-09502097387/06303719622	पुरुष					□□□ □□□□□□□□, □□□□□□□

44	सीआई/एसओ/ 2018-19/695	मिदुनाक्षी बचलकुरी	विनोदकुमार बचलकुरी मकान नं.2-17 कोरलतागुडेम पोस्ट और गांवनेलकुंडपल्ली मंडल खम्मम जिला- तेलंगाना पिन कोड-507160 दूरभाष- 09010810202/09032380202	महिला					□□□□□□□□□, □□□□□□□□□□□

श्रवण विकलांगता वाले बच्चों में कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण का प्रभाव

बेहरेपनकाबच्चे और उसके परिवार पर काफी बुरा प्रभाव पड़ताहै। यह प्रभाव जीवन के हर पहलू पर देखा जाता है, जिसमें संज्ञानात्मक, संचार, मनोसामाजिक, शैक्षिक और व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ परिवार की वित्तीय स्थिति भी शामिल होतीहै। बेहरेपनकी शुरुआतीपहचान से लेकर महत्वपूर्णशिक्षण वर्षों के दौरान हस्तक्षेप के व्यापक प्रभाव को देखते हुए, यह पाया गया है कि बच्चे के सर्वांगीणविकास के लिए बेहरेपनके प्रभाव को कम करना काफी महत्वपूर्ण है।

छोटे बच्चों में कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के प्रभाव के बारे में जानना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें उच्च लागत, सर्जरी और उच्च स्तर की पारिवारिक अपेक्षाएं शामिल होती हैं। बहरेपन की शुरुआत में आयु,प्रत्यारोपण के समय आयु, कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के अनुभव की सीमा, और शैक्षिक प्रशिक्षण जैसे कारकों से यहपता चलता है कि कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के बाद बच्चे को कितना फायदाहोगा।

निम्नलिखित तथ्यों से कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के बाद बच्चे के जीवन पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों का पता चलेगा।

क. श्रवण कौशल - कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चे काप्रदर्शन अच्छा होता हैं जो प्रत्यारोपित नकिए जाने वाले उनके साथियों से अधिक अच्छा होता है जो पारंपरिक श्रवणसहायक उपकरणऔर विब्रोटेक्टाइल सहायक उपकरण सहित अन्य संवेदी सहायक उपकरणका उपयोग करते थे। विशुद्ध रूप से ऑडियोलॉजिकल प्रदर्शन के संदर्भ में सुननेमें सुधार बेहतरहोता है: मोनोसाइलेबिक शब्द और वाक्य परीक्षण सहित ऑडियोलॉजिकल परीक्षण, कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण के बाद स्वतंत्रशब्दोंको पहचानने में पर्याप्तवृद्धि दिखाते हैं।

ख. भाषण और भाषा - कर्णावर्ततंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चे प्राय:अपने साथियों के समानबोलने, भाषा और पढ़ने काकौशल को प्राप्त करते हैं।अध्ययनों सेपहले बहरे रहे बच्चों में वाक्कौशल और समग्र भाषण समझमें सुधार का पता चलता है। इन बच्चों मेंमौखिक भाषा को पकड़ने की संभावना अधिक रहतीहै। जो बच्चे कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण का उपयोग करते हैं, उनमें श्रवण बाधित समान डिग्री वाले बच्चों,जो श्रवण यंत्र का उपयोग करते हैं,की तुलना में तेज गति से भाषा विकसित होती है। बेहतर भाषण और भाषा कौशल शैक्षणिक विकास की सुविधा प्रदान करते हैं क्योंकि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

ग. शैक्षणिक विकास -भाषा कौशल के बढ़ने सेप्राथमिक शिक्षा प्राप्त करना और एकजुटता बढ़ती है जिससे व्यापकस्कूली शिक्षा प्राप्तहोती है। इससे व्यापक बहुमुखी प्रतिभा विकसित होती है और दृढ़ता आती है जो सफलतापूर्वक माध्यमिक शिक्षा की ओर अग्रसर करती है। कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चों केनियमित स्कूल में एकीकृत होने की अधिक संभावना रहतीहै। कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चे प्राय:श्रवण यंत्र का उपयोग करने वाले बच्चों से बेहतर पढ़ते हैं। शैक्षिक योग्यता के बढ़ने से भावी शिक्षा और रोजगार केअधिक अवसर मिलतेहैं।

घ. मनो-सामाजिक - उच्च शिक्षा और रोजगार की संभावना अधिक होने के कारण कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चोंमें वयस्क होने पर सामाजिक स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। यहां तक कि स्कूल जाने से पूर्व कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चे अपने सामान्य सुनने वाले साथियों के समान बेहतरजीवन प्राप्त कर सकते हैं। छह वर्ष की आयु के कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण वाले बच्चे अधिक संतुष्ट पाए गए, जो उनके बेहतर स्तर और आत्मसम्मान के साथ-साथ उपलब्धि में औसत अंकों से ऊपर होने का संकेत देता है। यह शैक्षिक कामकाज और सहकर्मी संबंधों में सफलता को दर्शाता है। माता-पिता ने अपने बच्चों मेंआत्मनिर्भरता, संचार, सामान्य कामकाज और सामाजिक संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव डालनेके लिए कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण को सही माना है।

टिप्पणियां

1. एल्मिको ने कर्णावर्त तंत्रिका के प्रत्यारोपण कीसर्जरी प्रदान करके छोटे बच्चों में श्रवण अक्षमताओं को दूर करने की दिशा में बहुत अच्छा काम किया है।

2. 44 लाभार्थियों की पहचान की गई और अलग-अलग लाभार्थी डॉक्टरों द्वारा दी गई जानकारी के साथ एल्मिको पहुंचे। आवेदन की जाँच एल्मिको द्वारा की जाती है और वास्तविक जरूरतमंदों को दिव्यांगजन मामला विभाग, भारतसरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर सूचीबद्ध किया जाता है।

3. 40 ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए थे और 4 लंबित ऑपरेशन इस महीने होनेनिर्धारित हैं। अधिकांश लाभार्थी प्रदान की गई सेवा से संतुष्ट हैं और कर्णावर्त तंत्रिका काप्रत्यारोपण मुफ्त में किया जाता है।

4. सर्जरी के बाद लाभार्थियों को156 मुफ्त वाक्चिकित्सा प्रदान की जाती हैं और अधिकांश लाभार्थी गरीबी रेखा सेनीचे केहोते हैं।बेहतर परिणाम के लिए इन वाक्चिकित्सा को जारी रखने की आवश्यकता होती है।लाभार्थियों को सरकारीबाविता वाक्उपचार केंद्र से सेवाओं का लाभ उठाने की सलाह दी जाती है।

5. एकलाभार्थी को श्रवण सहायक उपकरण की बैटरी कीसमस्या का सामना करना पड़ा लेकिन इसे समय पर बदल दिया गया। इससमस्या को समय पर निपटानाअत्यधिक प्रशंसनीय है।

6. श्रवण सहायक उपकरण के प्रत्यारोपण और वाक्थेरेपी सत्रों के बाद सुननेके स्तर में सुधार देखा जा सकता है और बच्चों ने छोटे-छोटे शब्दबोलना शुरू कर दिया।

7. यह सहायक उपकरण भाषा-पूर्व (1-5 वर्ष) और भाषापश्चात् (5-12 वर्ष) दोनोंश्रेणी से पीड़ित लोगों के लिए अत्यधिक फायदेमंद है।

लाभार्थी के माता-पिता से प्राप्तप्रतिक्रिया:

क्र.सं.	**लाभार्थी का नाम**	**जहांऑपरेशन हुआ(अस्पताल कानाम)**	**प्रतिक्रिया**
1	शिवनागा साईं	अपोलो, हैदराबाद	• सुननेके स्तर में वृद्धि • ध्वनि की दिशा को सुन सकते हैं • बैटरी की समस्या का सामना करना पड़ा लेकिन उसे तुरंत बदल दिया गया • प्रत्येक चिकित्सा सत्र के साथ सुधार देखा जा सकता है
2	अभय राम	अपोलो, हैदराबाद	• सुननेके स्तर में वृद्धि • चूंकि उपकरण कान के एक पक्ष के लिए अनुकूल नहीं था अत: इसे कान के दूसरे हिस्सेमेंलगाया गया • एक आंख जैसी समस्या कोपूरी तरह बंद नहीं किया जा सकता • आँखों से लगातार पानी आना • प्रत्यारोपणके बाद थूथन कालचीलापन होना
3	मरोपु महना	अपोलो, हैदराबाद	• सुननेके स्तर में वृद्धि • नियमित रूप से वाक्चिकित्सा कक्षाओं में भाग लेना • छोटे शब्दों जैसे अम्मा आदि का उच्चारण कर सकता था • डिवाइस के उपयोग में कोई समस्या नहीं है
4	मनीदीप	श्री वेंकटेश्वर, हैदराबाद	• सुननेके स्तर में वृद्धि • वाक्चिकित्सा कक्षाएं अत्यधिक उपयोगी हैं

			• छोटे शब्द बोलने की कोशिश करना • डिवाइस के उपयोग में कोई समस्या नहीं है
5	शिवराम सात्विक	केआईएमएस, सिकंदराबाद	• सुननेके स्तर में वृद्धि • वाक्चिकित्सा कक्षाएं नियमित रूप से वैकल्पिक दिनों पर आयोजित की जाती हैं • बोलने में सक्षम हो सके • सर्जरी से अत्यधिक संतुष्ट

केस स्टडीज

शिवनागा साई के पिता वैगान्दला कार्तिक कुमार

जहांसर्जरी हुई: अपोलो अस्पताल

शिवानागा साई के पिता वी.कार्तिक कुमार ने बताया कि प्रत्यारोपण हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में मुफ्त में किया जाता है। उन्होंने नियमित जांच के दौरान ईएनटी विशेषज्ञों में से एक से एल्मिको सहायता के बारे में जाना। शिवनागा साई का जन्म 80% श्रवण विकलांगता के साथ हुआ था। जैसा कि उसके माता-पिता गरीबी रेखा से नीचे हैं, वह कर्णावर्त तंत्रिका प्रत्यारोपण काउपकरणनहीं खरीद सकते थे, जिसकी कीमत 10 लाख रुपएहै। बीडीएल द्वारावित्त-पोषित एल्मिको श्रवण उपकरण से अब वह गूँज की दिशा को सुन और महसूस कर सकता है। चूंकिशल्य चिकित्सा हाल ही में 31 दिसंबर, 2018 को हुई थी, उसकेमाता-पिता ने बताया कि वे प्रत्येक वाक् चिकित्सा सत्र के बाद उसके सुनने और बोलने के स्तर में स्पष्ट बदलाव देख सकते हैं। वी.कार्तिक ने यह भी बतायाकि बैटरी में एक समस्या थी, जिसेएल्मिको द्वारा तुरंत बदल दिया गया। उन्होंने उदारप्रयासों के लिए बीडीएल और एल्मिको को धन्यवाद दिया।

एस. जमपैया के पुत्र शिवराम सात्विक

जहांसर्जरी की गई: केआईएमएस, हैदराबाद

एस. जम्पैया ने बतायाकि कर्णावर्त तंत्रिका काप्रत्यारोपण 7 फरवरी 2019 को केआईएमएस, हैदराबाद में हुआथा। नियमित चिकित्सक जांच के दौरान उन्हें एल्मिको सहायता के बारे में पता चला और उनके बेटे का जन्म 80% विकलांगता के साथ हुआ और वह कर्णावत प्रत्यारोपण का खर्च नहीं उठा सकते थे।

उन्होंने अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग डिसएबिलिटीज (अयजनिष्ट) को अपने कागजात प्रस्तुत किए। उनके आवेदन को साढ़े तीन महीने की अवधि में अनुमोदित किया गया था। कर्णावर्त तंत्रिका काप्रत्यारोपण मुफ्त में किया गया था। उन्होंने बतायाकि उनका बेटा अब गूँज की दिशा को पहचान रहा है। बेहतरपरिणामों के लिए उन्हें डॉक्टरों द्वारा वाक्चिकित्सा को लंबे समय तक जारी रखने की सलाह दी गईहै। वह अपने बेटे के सुनने के स्तर में वृद्धि को देखकर खुश है तथाएल्मिको और बीडीएल द्वारा प्रदर्शित उदारता के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

प्रभाव

क्र.सं.	**पैमाना**	**माता-पिता**	**डॉक्टर**
1	लाभार्थियों में सुननेके स्तर में वृद्धि	हाँ	हाँ
2	ध्वनियों की दिशा को पहचानने में सुधार	हाँ	हाँ
3	छोटे-छोटेशब्दों का उच्चारण करने की क्षमता में वृद्धि	हाँ	हाँ
4	वाक्चिकित्सा सत्रों की गुणवत्ता के साथ संतुष्टि	हाँ	हाँ
5	समग्र स्वास्थ्य और श्रवण स्तर में सुधार	हाँ	हाँ
	कर्णावत तंत्रिका के प्रत्यारोपणका समग्र संतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 5: स्वास्थ्यमंत्री कैंसर कोष

बजट आवंटन: 100 लाख

बजट व्यय: 100 लाख

बीडीएल ने 23.4.2018 को राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के तहतमाननीय स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी -सीएसआर (एचएमसीपीएफ-सीएसआर) को 100 लाख रुपए का अंशदान दिया।

परियोजना क्षेत्र: सुरक्षित पेयजल

परियोजना:

1. सुरक्षित पेयजल - नलगोंडा

क) संपत नारनपुर

ख) जनगाम

ग)पीपल पहाद

सीएसआर परियोजना: सुरक्षित पेयजल परियोजना
क्षेत्र: पेयजल
स्थान: नारायणपुर, जनगाम, पीपला पहाद
बजट आवंटन: 5.42 लाख और व्यय: 5.42 लाख
कार्यान्वयन एजेंसी: नांदी फाउंडेशन
दौरेकी तारीख: 10.6.2019

नांदी फाउंडेशन के बारे में:
नांदी फाउंडेशनवर्ष 1998 में स्थापित एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है जिसका मिशन गरीबी उन्मूलन है।इन क्षेत्रों में नांदी फाउंडेशनकी पहल ने 13 भारतीय राज्यों के कुछ सबसे पिछड़े क्षेत्रों में लगभग तीस लाख लोगों के जीवन को संवाराहै। वर्तमान में, नांदीपारंपरिक अनुदान-पोषित गतिविधियों की तुलना में सामाजिक व्यवसायों की स्थापना करके और सामाजिक रूप से अधिक कुशल और सामुदायिक जरूरतों के अनुरूपनए सामाजिक उद्यमी बनाने के मूल्य का प्रदर्शितकर रहा है। इस प्रकार, सुरक्षित पेयजल, प्राथमिक स्कूल जाने वाले शहरी बच्चों को सहायता, बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल और कृषि विपणन नांदीकी मुफ्त सेवाओं के अतिरिक्तचार उद्यमहैं।

आधारभूत अध्ययन के परिणाम:
कच्चे पानी की उपलब्धता और संदूषण, गांव में वर्तमान पेयजल स्रोतों और स्थानीय शासी निकाय से सहयोग और समर्थन जैसे मापदंडों के आधार पर गांवों में परियोजना की आवश्यकता का विश्लेषण करने के लिए एक प्रारंभिक क्षेत्र मूल्यांकन अध्ययन किया गया था।

नलगोंडा जिला लगभग दशकों से फ्लोरोसिस से पीड़ित अपनी अधिकांश आबादी के लिए जाना जाता है, जो भूजल में उच्च फ्लोराइड संदूषण के कारण होता है, जो जोड़ों के दर्द, घुटने की असामान्यताओं और दांतों की समस्याओं का कारण बनता है। सामुदायिक जल उपचार केंद्रों की स्थापना ने लोगों के स्वास्थ्य पर फ्लोराइड संदूषण के प्रभावों को नकारते हुए सुरक्षित पेयजल तक पहुँचने में लोगों की बहुत मदद की।

क्र.सं.	**रासायनिक मापदंड**	**अनुमेय सीमाएं**	**जनागांव**		**नारायणपुर**		**पीपल पहाद**	
			आरडब्ल्यू	पीडब्ल्यू	आरडब्ल्यू	पीडब्ल्यू	आरडब्ल्यू	पीडब्ल्यू
1	पूर्णतः घुले हुए ठोस पदार्थ	500 मि.ग्रा./ली.	1486	55	1640	55	1080	62
2	कुल कठोरता	200 मि.ग्रा./ली.	690	10	860	10	580	28
3	कुल क्षारीयता	200 मि.ग्रा./ली.	810	40	925	40	610	28
4	फ्लोराइड	1 मि.ग्रा./ली.	2	≤0.1	2	≤0.1	1.2	≤0.1

बीडीएल - नांदी फाउंडेशनशासन तंत्र:

2012 में बीडीएल और नांदी फाउंडेशनने नलगोंडा जिले के तीन गाँवों में तीन वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षित पेयजल संयंत्रों की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 3 सीडब्ल्यूसीकी स्थापना के लिए नांदी फाउंडेशनको 79,24,148/- रुपए की पूंजीगत लागत प्राप्त हुई है। अक्तूबर2015 में, बीडीएल और नांदी फाउंडेशनके बीच समझौता-ज्ञापन को अगले तीन वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। एमओयू के अनुसार, बीडीएल ने संयंत्रोंके संचालन और रखरखाव के लिए तीन वर्ष के लिए 16.20 लाख रुपए की राशि आवंटित की है। वर्तमान वर्ष (2017-2018) मेंएटीएम वॉटर सेवाओं और आरओ संयंत्र रखरखाव शुरू करने के लिए आवंटित बजट5.42 लाख रुपए है।रख-रखाव केउद्देश्य के लिए नांदी फाउंडेशनको बीडीएल से प्रत्येकसीडब्ल्यूसीके लिए प्रति माह 15,000/- रुपए प्राप्त होते हैं और शेष लागत कोउपचारित जलकी बिक्री से प्राप्तआय से पूरा किया जाता है। प्रतिमाह प्रत्येक सीडब्ल्यूसी के रखरखाव के लिए कुल लागत 38,000/- रुपएहै, जिसमें ऑपरेटर, बिजली बिल, अन्य ऊपरी शीर्ष की खपत शामिल है।

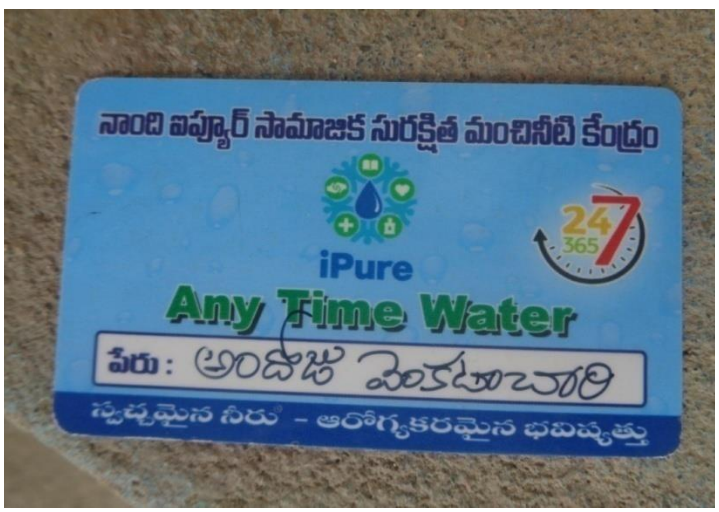

जनगाम आरओ वाटर संयंत्र- एटीएम वॉटर कार्ड

वर्तमान वित्तीय व्यय (2017-2018) रुपये में।

विवरण	**पीपल पहाद**	**नारायणपुर**	**जनागांव**
संयंत्रसंचालन मानदेय	51,930	103,650	103,650
बिजली शुल्क	34,521	81,066	82,306
जल परीक्षण रिपोर्टें	1,417	1,613	1,613
संचालन और मशीन	46,844	150,184	54,933
तैनात टीम काखर्च	40,668	40,668	40,668
निगरानी की लागत	113,285	113,285	113,285
परियोजना के रखरखाव की लागत	141,382	141,382	141,382

कुल	430,047	631,847	537,836

जल संयंत्रों के बारे में:

- **मशीनरी** दूषित जल के उपचार के लिए यूवी और यूएफ प्रौद्योगिकी के साथ एक रिवर्स ऑस्मोसिस प्रणाली।
- **संरचना -** पूर्वनिर्मित संरचना और भंडारण टैंक - प्रत्येक 500 लीटर क्षमता के 2 टैंक

सामुदायिक जल सेवा का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या

संयंत्रका नाम	2014-2015	2015-2016	2016-17	2017-2018
जनगांव	2626	3386	3600	4113
पीपलपहाद	2433	1862	1000	1116
नारायणपुर	3204	3235	3000	3372

यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोग नियमित रूप से सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें, जल समुदाय केंद्र प्रत्येक माह के प्रारंभ में प्रत्येक ग्राहक को प्रीपेड कार्ड जारी करता है। प्रत्येक कार्ड एक महीने के लिए प्रत्येक 20 लीटर के 30 कैनलेनेतक सीमित है। औसतन 4 या 5 लोगोंका परिवार प्रतिदिन लगभग 20 लीटर पानीके एक कैन की खपत करता है।

जल उपचार संयंत्र के रखरखाव की प्रक्रिया

नांदी फाउंडेशन के कार्यान्वयन भागीदार नांदीसामुदायिक जल सेवा (एनसीडब्ल्यूएस) की एक आंतरिकसंचालन टीम तथारखरखाव और गुणवत्ता टीम (ओएमक्यू) है। एनसीडब्ल्यूएसन्यूनतम सात से दस वर्षों के लिए सीडब्ल्यूसीके संचालन और रखरखाव के प्रबंधन की जिम्मेदारी लेता है। इस अवधि के दौरान, गुणवत्ता की जांच और सेवाएं नीचे दर्शाईगई आवृत्तियों के अनुसार की जाएंगी।

क्र.सं.	गतिविधि	अनुसूची	विवरण
1	निवारक रखरखाव	मासिक	उपकरण का निरीक्षण, संयंत्र में मौके पर सुधार और सर्विसिंग की योजना
2	ब्रेकडाउनरख-रखाव	आवश्यकता अनुसार	किसी भी मशीनरी के खराब होने की समस्या का समाधान
3	प्लांट सैनिटाइजेशन	तिमाही	संयंत्र, पाइप कार्यों और टैंकों को विसंक्रमित बनाने की गतिविधि
4	कच्चे पानी कारासायनिक विश्लेषण	वार्षिक	एक लीटर पानी का नमूना कच्चे पानी के स्रोत से एकत्र किया जाएगा और विश्लेषण के लिए एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला में भेजा जाएगा।

5	रासायनिक विश्लेषण उत्पाद जल	वार्षिक	एक लीटर पानी का नमूना वितरण नल से एकत्र किया जाएगा और विश्लेषण के लिए एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला कोभेजा जाएगा। पीने के पानी के लिए आईएसओ 10500 मानक का पालन किया जाता है। नवीनतम परीक्षण परिणाम उपयोगकर्ताओं के संदर्भ के लिए सीडब्ल्यूसीमें उपलब्ध कराए जाएंगे।
6	माइक्रोबियल परीक्षण	तिमाही	
7	टैंक की सफाई	सफाई	कच्चे पानी और उत्पाद की सफाई और विसंक्रमण

कार्यान्वयन प्रणाली:

नांदी फाउंडेशन की एक विशेष क्षेत्रीयटीम है जो परियोजना गतिविधियों के कार्यान्वयन में उनकी मदद करती है। सबसे निचले स्तर पर, उनके पास एक तकनीशियन होता है जो नियमित रूप से संयंत्रोंका दौरा करता है, एक ब्रेकडाउनविश्लेषक, एक क्षेत्र अधिकारी जिसके पास 6-10 संयंत्रोंका प्रभार होताहै, एक क्लस्टर हेड जो संयंत्रोंके एक समूहका प्रभार लेता है और अंत में एक जोनल हेड,जोकुल क्षेत्र का प्रभारी होताहै। सामुदायिक जल सेवाओं कासुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्तर पर एक जल केंद्र संचालक और एक सामुदायिक आयोजक की भर्ती की गई है। सामुदायिक आयोजक सुरक्षित पेयजल के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए लोगों को एकजुट करने के लिए गतिविधियाँ भी करता है।

आरओ संयंत्ररखरखाव प्रणाली

नांदीफाउंडेशन ग्रामीणों के समूह के लिए एक क्लस्टर हेड नियुक्त करता है जहां यह अपनी सेवाओं का संचालन कर रहा है और उन्हेंक्षेत्र प्रमुख और तकनीकी प्रमुख द्वारा सहायता दी जाती है। उनके गांव में आरओ यूनिट के रखरखाव के लिए क्षेत्र जिम्मेदार होताहै। तकनीकी प्रमुख संयंत्र की मरम्मत आदि जैसे तकनीकी मुद्दों को समाधान करने के लिए जिम्मेदार होताहै। सामुदायिक आयोजक और जल केंद्र संचालक गांव के क्षेत्र प्रमुख के अधीन काम करते हैं। ये सभी अधिकारी आरओ संयंत्रके कुशल संचालन के लिए एक समूह के रूप में काम करते हैं।

क्लस्टर हेड

क्षेत्र प्रमुख तकनीकी प्रमुख

सामुदायिक आयोजक जल केंद्र ऑपरेटर

ग्रामीण समुदाय को संयंत्रसौंपने की भावी योजनाएं

गाँव समुदाय के साथ नांदी फाउंडेशन की नियुक्तिआम तौर पर सामुदायिक जल केंद्रों के उद्घाटन की तारीख से सात से दस वर्षों की अवधि के लिए होती है। समुदाय के साथ समझौता-ज्ञापन अवधि समाप्त होने पर - या तो सीडब्ल्यूसी को समुदाय को सौंपने या सीडब्ल्यूसी के संचालन और रखरखाव को जारी रखने के लिए नांदी के साथ उनके समझौता-ज्ञापन को बढ़ाने का निर्णय सभी पक्षों की आपसी सहमति के आधार पर लिया जाता है। सीडब्ल्यूसी को सौंपने के मामले में - नांदी के साथ 7 वर्ष का सीखने का अनुभव उन्हें स्व-शासन, पानी से संबंधित मुद्दे पर विवाद समाधान और परिसंपत्ति प्रबंधन के पहलुओं में मदद करता है।

लाभार्थी प्रतिक्रिया:

नांदीफाउंडेशन घर-घर जाकर अभियान के दौरान लाभार्थियों से नियमित आधार पर फीडबैक प्राप्तकरता है। उनकेकूपन पर एक टोल फ्री नंबर भी दिया गया है, जिसका उपयोग ग्राहक प्रतिक्रिया और शिकायत देने के लिए कर सकते हैं।

बीडीएल -नांदी फाउंडेशन आरओवाटर प्लांट ऑपरेशन और उपयोग विवरण

क्र.सं.	पैमाना	नारायणपुर	जनागम	पीपल पहाद
1	कच्चे पानी कीभंडारण क्षमता	5000 लीटर	5000 लीटर	5000 लीटर
2	फ़िल्टर्ड वॉटर स्टोरेज क्षमता	5000 लीटर	10,000 लीटर	5,000 लीटर
3	1 घंटे में जल शोधन	2000 लीटर	2000 लीटर	2000 लीटर
4	औसत दैनिक संयंत्र संचालन घंटे	पांच घंटे	6 घंटे	3 घंटे
5	बरसात और सर्दियों के मौसम में संयंत्रका औसत उपयोग	5000-6000 लीटर (250-300 कैन)	6000-7000 लीटर (300-350 कैन)	(1000-1200 लीटर (50-60 कैन)
6	गर्मी के मौसम में संयंत्रका औसत उपयोग	8000 लीटर (औसतन 400 कैन)	9000 लीटर (औसतन 450 कैन)	2400 लीटर (औसतन 120 कैन)
7	जारी किए गए कार्डों की कुल संख्या	450 पंजीकृत कार्ड	550 पंजीकृत कार्ड	170 पंजीकृत कार्ड
8	संयंत्रोंके लिए कच्चे पानी का स्रोत	बोरवेल का पानी	बोरवेल का पानी	बोरवेल का पानी
9	सामुदायिक जल सेवाओं की समय	24 X 7 सेवा	24 X 7 सेवा	24 X 7 सेवा

	सीमा	(एटीएम सुविधा के कारण)	(एटीएम सुविधा के कारण)	(एटीएम सुविधा के कारण)
10	आरओ पानी की 20 लीटर कीकीमत	2 रुपए	3 रुपए	2 रुपए

नोट: तारीख संयंत्र ऑपरेटरों द्वारा प्रदान की जाती है।

लाभार्थियों के साथ बातचीत

टिप्पणियां:

- गांवों में आरओ जल संयंत्रों की स्थापना से पहले, ग्रामीण विभिन्न स्रोतों से पानी का उपयोग करते थे, जो पीने के योग्य नहीं होता था।
- पीपल पहाद, नारायणपुर और जनगाम गांवों के जल संयंत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि हुई है।
- आरओ उपचारित पानी के उपयोग के बाद ग्रामीणों को जोड़ों के दर्द और पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस से राहत मिली है।
- हालांकि अन्य संगठनों ने भी ऐसे आरओ संयंत्रलगाए थेलेकिन उनकीमरम्मतऔर रखरखाव की समस्या से संबंधित मुद्दे थे।
- अधिकांश ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और अच्छे स्वास्थ्य के लाभों के बारे में पता है।
- पानी का स्वाद बहुत बेहतर है और यह काफी सस्ता है।

- हाल ही में जनगाम सामुदायिक जल केंद्र में एटीएम वाटर मशीन की सुविधा स्थापित की गई थी। ग्रामीण कभी भी एटीएम वाटर कार्ड स्वाइप करके सुरक्षित पेयजल सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।
- अधिकांश ग्रामीण बीडीएल-नांदीफाउंडेशन सामुदायिक जल सेवाओं से संतुष्ट हैं और उन्होंने इस सेवा कोजारी रखने का अनुरोध किया है।

क्षेत्रीय दौरे का विवरण:

आईपीई की एक टीम ने 10.06.2019 को यादाद्रीजिले के तीन गांवों - नारायणपुर, जनगांव और पीपल पहादका दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत करना,सुरक्षित पेयजल के संबंध में उनकी प्रतिक्रियाओं का पता लगाना और सुरक्षित पेयजल के उपयोग के कारणों के बारे में जानना था। आईपीईटीम ने अलग-अलग हितधारकों के साथ समूह चर्चा के साथ-साथ गहन साक्षात्कार भी किया। प्रत्येक गाँव में, टीम ने 30-40 लाभार्थियों से बात की। दौरेके दौरान कुल 163 लाभार्थियों को शामिल किया गया था।

प्राथमिक आंकड़ाविश्लेषण और परिणाम - सुरक्षित पेयजल परियोजना:

सर्वेक्षण कि गए कुल लाभार्थी: 162 (पीपल पहाद57+ जनगाम52+ नारायणपुर 63

1. जल सेवा की गुणवत्ता के बारे में संतुष्टिप्रतिशत में:

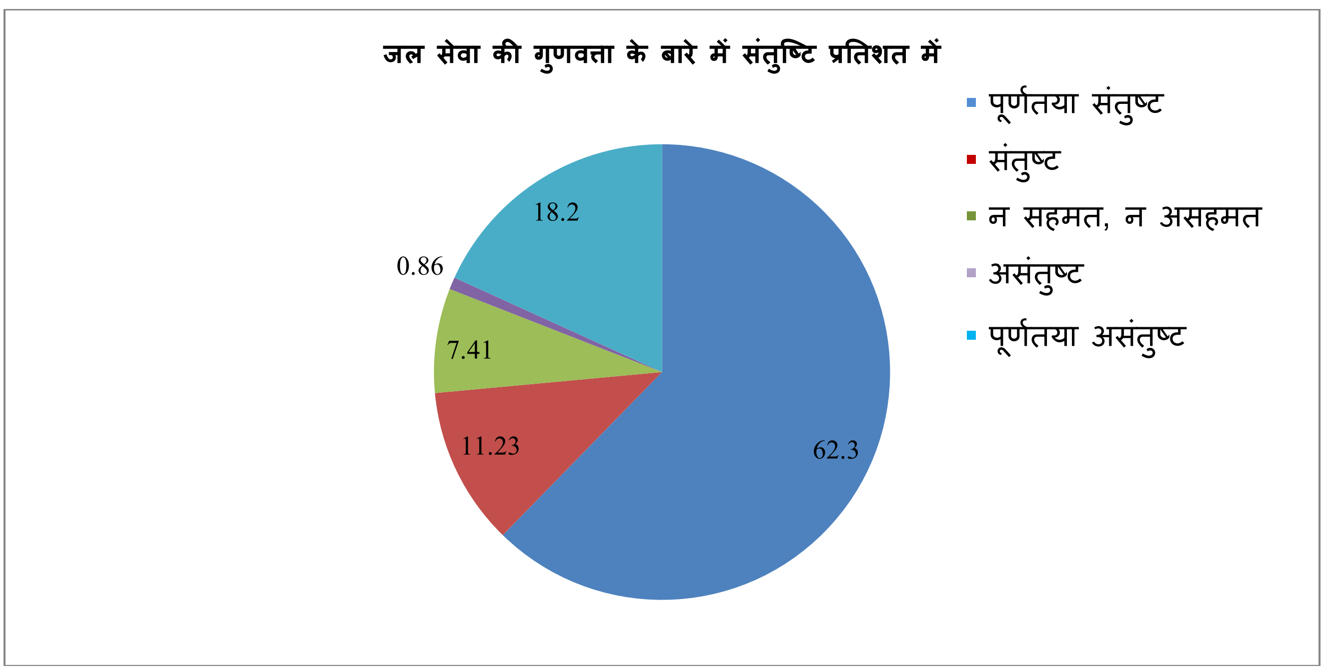

आंकड़ोंसे पता चलता है कि पानी के अधिकांश उपयोगकर्ता पानी की गुणवत्ता से संतुष्ट हैं।

2. **मूल्य के साथ संतुष्टिप्रतिशत में**

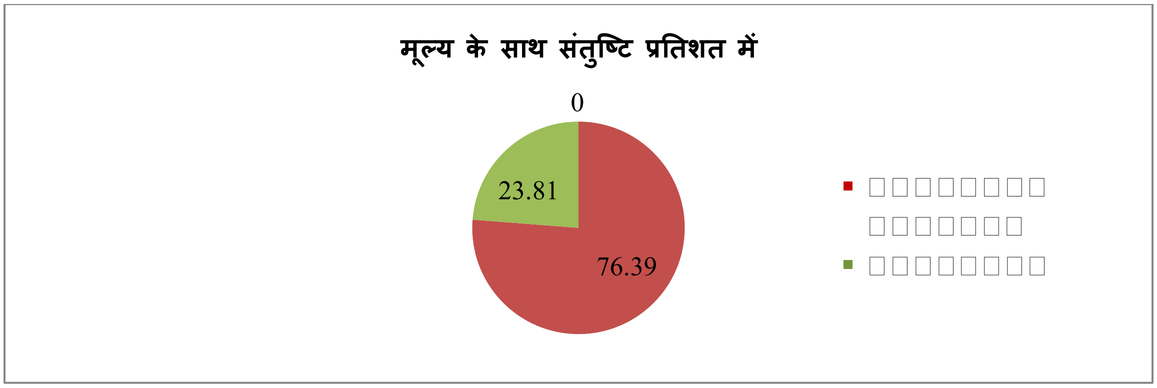

आंकड़ोंसे यह स्पष्ट होता है कि पानी के अधिकांश उपयोगकर्ता 20 लीटर कैन की कीमत से संतुष्ट हैं।

3. **समग्र आरओ वॉटर सर्विस के साथ संतुष्टि प्रतिशत में**

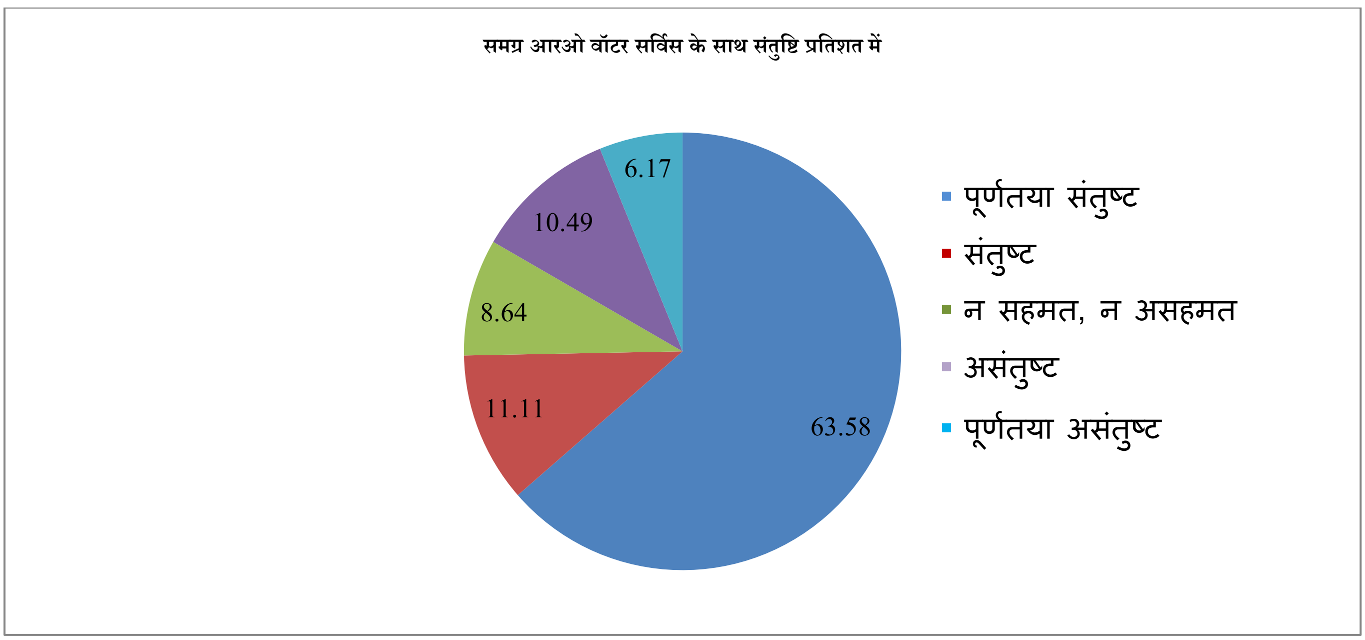

अधिकांश पानी उपयोगकर्ता समग्र सामुदायिक जल सेवा से संतुष्ट हैं।

4. बीडीएल के बारे में जागरूकता प्रतिशत में

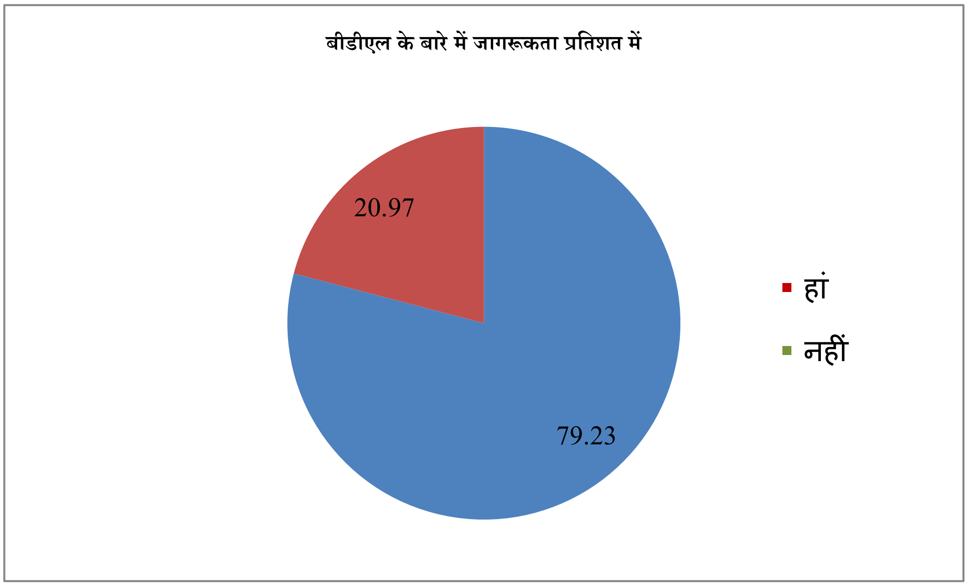

अधिकांश पानी उपयोगकर्ता बीडीएल के बारे में जानते हैं

हितधारकों के साथ बातचीत
श्रीमती मंजुला, सामुदायिक आयोजकके साथ साक्षात्कार
संसथान नरायणपुर मंडल
दौरे की तारीख: 10.6.2019

श्रीमती मंजुला पिछले6 वर्ष सेजनगाम गांव में बीडीएल-नांदी सामुदायिक जल केंद्रमेंसामुदायिक आयोजक के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने बतायाकि सामुदायिक जल केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य गांव में ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराकर जल जनित रोगों की व्यापकता को कम करना और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे जोड़ों का दर्द, ओस्टियोआर्थराइटिस आदि को नियंत्रित करना है। वह स्कूली बच्चों, स्व-सहायता समूहों, गांव के बड़े-बूढ़ों और पंचायत सदस्यों के सहयोग से आयोजित विभिन्न रैलियों का आयोजन करकेग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और अच्छी स्वास्थ्य प्रथाओं के महत्व के बारे में बताती हैं। वह नियमित रूप से ऐसे लोगों के घरों का दौरा करती हैं, जिन्होंने संयंत्र उपचारित पानी का लाभ उठाना बंद कर दिया है। वे इसके कारणों का पता लगाती हैं,उन्हें सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में बताती हैं तथायह सुनिश्चित करती हैं कि वे फिर से सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें। उन्होंने आगे कहा कि गाँव में 95% परिवार सुरक्षितपेयजल प्राप्त कर रहे हैं और बीडीएल-नांदीकी पहल ग्रामीणों के लिए मददगार है।

श्री नरसिम्हा, आरओ वाटर प्लांटके साथ साक्षात्कार
जनगाम, नारायणपुर मंडल
दौरे की तारीख: 10.6.2019

श्री एम.नरसिम्हा प्रारंभ से ही आरओ वाटर प्लांट ऑपरेटर के रूप में काम कर रहे हैं। वह आरओ वाटर संयंत्रकासुचारू संचालन सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के लिए बीडीएल- नांदीफाउंडेशन द्वारा स्थापित वाटर एटीएम मशीन, गाँव में हर समय सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करती है। वाटर प्लांट ऑपरेटर नए उपयोगकर्ताओं के लिए नए एटीएम कार्ड जारी करता है और मौजूदा उपयोगकर्ताओं के एटीएम कार्ड कोरिचार्ज करता है। उदाहरण के लिए, 90रुपए,प्रति माह 30 रुपए के रिचार्ज पर, कोई भी प्रत्येक बार 20 लीटर पानी ले सकता है। मशीन में एटीएम कार्ड कोएक बार स्वाइप करने पर यह 20 लीटर पानी देता है, जिसके बाद यह अपने आप बंद हो जाता है, जिससे पानी की बर्बादी नहीं होती है।

उन्होंने आगे कहाकि पहले गांववासीग्रामपंचायत द्वाराबोर-वेल पानी या कृष्णा नदी (सागर जल) से पानी की आपूर्ति करते थे। ग्रामपंचायत बोरवेल के पानी में फ्लोराइड का स्तर उच्च था, जो पीने योग्य नहीं था। नदी का पानी भी विभिन्नप्रदूषक-तत्वों जैसे प्लास्टिक और रसायनों से दूषित हो गया था, जिससे रंगीन जहरीला पानी निकल रहा था। इससे डायरिया, टाइफाइड, वायरल बुखार, खांसी, जुकाम आदि और अन्य जल जनित बीमारियों जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हुईं। अब गाँव में आरओपेयजल संयंत्र की स्थापना के बाद से ये समस्याएँ नियंत्रण में हैं।

लाभार्थियों के साथ बातचीत:

लाभार्थी-1
श्री करयाती पंडरी नाथ, पद्मशाली के यूनियननेता, आयु: 65 वर्ष, कार्ड संख्या: एनपी 123
परिवार के सदस्यों की कुल संख्या: 09
स्वास्थ्य समस्याएं: शून्य
गाँव: संस्थाननारनपुर, यादाद्री जिला
दौरे की तारीख: 10.06.2019

श्री बैकुनी सीनू, कृषि, आयु 32, जनगाम ग्राम ने बताया कि बीडीएल- नांदीफाउंडेशन ने 6 वर्ष पहले आरओ सुरक्षित पेयजल संयंत्र स्थापित किया था। वेआरओ संयंत्रकी स्थापना के बाद से आरओ उपचारितपेयजल का उपयोग कर रहे हैं, जिसके पहले उसका परिवार निजी पानी आपूर्तिकर्ताओं से आरओ पीने का पानी खरीदता था, जोप्रति 20 लीटर के लिए 10 रुपए लेते थे। पहले वेपानी की गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं थेऔर कभी-कभार उन्हें निजी आरओ जलापूर्ति के अभाव में ग्रामपंचायत बोर-वेल का पानी पीना पड़ता था। उन्होंने आगे यह भी बताया कि ग्रामपंचायत के बोर-वेल का पानी अत्यधिक फ्लोराइड

दूषित था, जिसके कारण गांव में अधिकांशग्रामीणस्केलेटल फ्लोरोसिस या दंत फ्लोरोसिस से पीड़ित थे। आरओ वाटर संयंत्रकी स्थापना के बाद अब ये सभी स्वास्थ्य मुद्दे नियंत्रण में हैं। उनके परिवार में 9 सदस्य हैं। वे रोज़ाना आर.ओ. जल संयंत्र से 2 रुपए प्रति कैन की दर से सुरक्षित पेयजल के 20 लीटर के 2 कैन लाते हैं। 30 सितंबर 2019 सेपानी की बर्बादी को रोकने के लिए एटीएम सेवाएं शुरू की गई हैं। एक बार कार्ड स्वाइप करने पर20 लीटर पानी प्राप्त किया जा सकता है और इसके बाद नलअपने आप बंद हो जाता है। उन्होंने आगे कहाकि अब रोज़ानाभुगतान करने की बजाय वे60 रुपएमें एकमाह के लिए रिचार्ज कर सकते हैं। वेबीडीएल-नांदीसामुदायिक जल पहलों से अत्यधिक संतुष्ट है।

एटीएम24 X 7 आरओ पेयजल की सुविधा

लाभार्थी-2
श्रीमती बी. सतेम्मा, आयु: 52वर्ष
कार्ड संख्या: 246, परिवार के कुल सदस्य: 06
स्वास्थ्य समस्याएं: जोड़ों का दर्द
पीपल पहाद, यादाद्री जिला

श्रीमती बी.सतेम्मा, आयु48 वर्ष, दिहाड़ी मजदूर के रूप में कार्य करती हैं। उन्होंनेकहा कि वह गांव में आरओ जलसंयंत्र के स्थापित होने के बाद से सुरक्षित पेयजल ले रही हैं। इससे पहले वहपरिवार के उपयोगऔर पेयजल की जरूरत को पूरा करने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले बोर-वेल या कृष्णा नदी जल लिया करती थीं,जो पीने योग्य नहीं था और अत्यधिक दूषित था। ग्रामपंचायत द्वाराआपूर्ति किए जाने वाले बोरवेल के पानी मेंफ्लोराइड का स्तर काफी अधिक था और कृष्णा जल भी प्लास्टिक और अन्य कचरे जैसे विभिन्न प्रदूषक-तत्वों से दूषित था, जिसके परिणामस्वरूप जल जनित रोग हुए। बीडीएल-नांदीजल संयंत्रकी स्थापना के बाद, जल जनित रोग, जोड़ों का दर्द, ऑस्टियो-आर्थराइटिस आदि स्वास्थ्य समस्याएं नियंत्रण में हैं।

इस समस्या का समाधानकरते हुए डिविस लैब ने सीएसआर पहल के रूप में एक आरओ संयंत्रस्थापित किया और उसेरखरखाव के लिए ग्रामपंचायत को सौंप दिया, लेकिन वे ग्रामीणों को पानी की निरंतर आपूर्ति को नहीं बनाए रख सके। उनके संचालनके दौरान कई ब्रेकडाउन हुए। ग्रामपंचायत विभिन्न समस्याओंके कारण इसेबनाए रखने में विफल रही और लोगों ने फिर से नांदीआरओ पानी का उपयोग करना शुरू कर दिया। उन्होंने बतायाकि नांदीफाउंडेशन बिना किसी समस्याके सफलतापूर्वक अपनी आरओ यूनिट का संचालन कर रहा है और ग्रामीणों को लगातार सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति कर रहा है। नांदीफाउंडेशन द्वारा 2 रुपए प्रति लीटर की लागत से स्थापित आरओ संयंत्रसे ग्रामीण शुद्ध पेयजल प्राप्त करते हैं। उन्होंने बीडीएल-नांदी फाउंडेशन समुदाय जल सेवा की इस पहल की बहुत सराहना की।

लाभार्थी-3
श्री बी.सीनू, सुपुत्र रामुलु, कृषि
कार्ड नंबर: एसआर नं.24
परिवार के सदस्यों की कुल संख्या: 04
स्वास्थ्य समस्याएं: शून्य
जनगाम गांव, यादाद्री जिला

श्री बी. सीनू, गाँव में आरओ जल संयंत्र की स्थापना के बाद से ही आरओ पेयजल का उपयोग कर रहे हैं। इससे पहले वेग्रामपंचायत द्वारा आपूर्ति किए गए बोरवेल जलऔर कृष्णा नदी के पानी का उपयोग किया करते थे।लेकिन वेउस पानी की गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं थे। वेजोड़ों के दर्द से पीड़ित थेऔर उन्हेंइलाज के लिए प्राय:अस्पताल जाना पड़ता था, लेकिन इससे उन्हें कोई आराम नहीं हुआ क्योंकि उन्हें फ्लोराइड दूषित पानी का सेवन करना पड़ताथा। आरओ उपचारितपानी का उपयोग करने के बाद उन्हें अपनी बीमारी से कुछ राहत मिली। ग्रामीणों से 3 रुपए प्रति कैन और 90 रुपए का मासिक रिचार्ज लिया जाता है। वे बीडीएल-नांदीफाउंडेशन जल पहल से काफी संतुष्ट हैं।

सामुदायिक भागीदारीऔर स्वीकार्यता,जिसमें 3 वर्ष से अधिक समय लगा

- अधिकांश ग्रामीण सुबह से शाम तक कृषि क्षेत्रों में दिहाड़ीमजदूरी करते हैं। दिन के काम वाले समय के दौरान सीडब्ल्यूसी से पानी लेनेमें समय लगता है। यहसुनिश्चित करने के लिए कि लोगों को उपयोग के लिए 24 x 7 सुरक्षित पेयजल मिले, बीडीएल नेस्वचालित वितरण यूनिटोंके साथ सीडब्ल्यूसी कोअपग्रेड कर दिया है।

सुझाव:

- अधिकांश ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि यह सेवा घर पर प्रदान की जानी चाहिए।

प्रभाव:

क्र.सं.	**पैमाना**	**जल लाभार्थी**	**गाँव के बुजुर्ग और ग्रामीण**	**संयंत्र चालक**	**नांदीफाउंडेशन के अधिकारी**
1	सुरक्षित पेयजल (आरओ वाटर) सुविधा की उपलब्धता में वृद्धि (24X7)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	सुरक्षित पेयजल के उपयोग में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	स्वास्थ्य लाभ के बारे में जागरूकता पैदा करने कीपहल और समर्थन के प्रतिसामुदायिक स्वामित्व में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	जलजनित रोगों में कमी जैसे टाइफाइड, हैजा, पेचिश, मलेरिया आदि।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	पानी का स्वाद और गुणवत्ता	अच्छा	अच्छा	अच्छा	अच्छा
7	सस्तामूल्य	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
8	**समग्रसंतुष्टि स्तर**	**उच्च**	**उच्च**	**उच्च**	

परियोजना क्षेत्र: कौशल विकास

1. *सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण*
2. *सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास(520 प्रतिभागी)*
3. *आईजीआईएटीमें बीडीएल डिजिटल प्रयोगशालाओंकी स्थापना*
4. *इंडो-जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी) के माध्यम से कौशल विकास*
5. *आईटीआई को अपनाना(सरकारी आईटीआई, पुराने शहर और सरकारी आईटीआई, अलवाल)*

परियोजना 1:

सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण

बजट आवंटन: 50 लाख और व्यय: 39.65 लाख

प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं की संख्या: 80

प्रशिक्षण के बाद नियोजित कुल उम्मीदवार: 70
प्रशिक्षण अवधि: 28.12.2017 से 27.6.2018
दौरे की तारीख: 7.6.2019

परियोजना2:
सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास(520 प्रतिभागी)
बजट आवंटन: 184.08 लाख और व्यय: 184.08 लाख
प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं की संख्या: 200
प्रशिक्षण के बाद नियोजित कुल उम्मीदवार: 153
प्रशिक्षण अवधि: 25.06.2018 से 24.12.2018 (2 पाठ्यक्रम)
16.8.2018 से 15.2.2019 (3 पाठ्यक्रम)
दौरेकी तारीख: 7.6.2019

केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) के बारे में:

केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) की स्थापना 1968 में भारत सरकार द्वारा चेन्नई में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की सहायता से की गई थी। आज सिपेटरसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है जो पूरी तरह से कौशल विकास, प्रौद्योगिकी सहायता सेवाओं, अकादमिक और अनुसंधान (स्टार) के लिए प्लास्टिक के सभी क्षेत्रों में समर्पित है जैसे:- डिजाइन, सीएडी/ सीएएम/ सीएई, टूलिंग और ढलाई विनिर्माण, प्लास्टिक प्रोसेसिंग, परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन। पॉलिमर और संबद्ध उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सिपेटदेश भर में फैले विभिन्न स्थानों से संचालन करता है।

सिपेटके उद्देश्य:

- पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शैक्षिक दीर्घावधि, अल्पावधि, कौशल विकास और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न कौशल स्तरों पर योग्य प्लास्टिक पेशेवर उपलब्ध कराना।
- प्लास्टिक प्रोसेसिंग, परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, निरीक्षण, डिजाइन, उपकरण कक्ष, सीएडी/ सीएएम/ सीएई, अंशांकन और अनुप्रयोग विकास के क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहायता और परामर्श सेवाएं प्रदान करना।
- रिवर्स इंजीनियरिंग, माउल्डप्रवाह विश्लेषण, रैपिड प्रोटोटाइप, अशुद्धताविश्लेषण, पैकिंग विश्लेषण, समग्र, नैनो-मिश्रित, जैव पॉलिमर, ईंधन सेल्स, ई-अपशिष्ट, पुनर्चक्रण, अपने आरएंडडी विंग- सिपेट: उन्नत पॉलिमर अनुसंधान स्कूल (एसएआरपी) - एआरएसटीपीएसऔर सिपेट: उन्नत पॉलिमर

अनुसंधान स्कूल (एसएआरपी) - एलएआरपीएम के माध्यम से क्षेत्रों में अनुसंधान और अनुप्रयोग विकास करना।

- उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी योग्यता और तकनीकी विशेषज्ञता को उन्नत करने के लिए संकाय कोअवसर प्रदान करके संकाय के पेशेवर कौशल और योग्यता स्तर को बढ़ाना।

विशेषज्ञ संकाय विवरण:

क्र.सं.	**कर्मचारी का नाम**	**पद**
1	ए.वी.आर.कृष्णा	निदेशक और प्रमुख
2	चिन्ता शेखर	प्रबंधक (डी/टीआर)
3	पी.विजय कुमार	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (पी/टी)
4	एम. रविकांत	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (सीएडी/ सीएएम)
5	एस. उधयमलार	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
6	हृषीकेश प्रसाद	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
7	बी.श्रीकर	तकनीकी अधिकारी (सीएडी/ सीएएम)
8	के.मुनीबाबू	तकनीकी अधिकारी (पी/टी)
9	एन. बोवलिंगम	सहायक तकनीकी अधिकारी
10	डी.विजय कुमार	सहायक तकनीकी अधिकारी
11	ए.बालू नाइक	सहायक तकनीकी अधिकारी (जीईटी)
12	के.श्रीनिवास	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (एसजी)
13	एस.गोविंदा	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (एसजी)
14	डी.जगन	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (एसजी)
15	सी.एच. वेंकटेश	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
16	एस.श्रीनिवास	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
17	एस.अहमद अली	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
18	एस. स्याम सुंदर राम	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
19	डी.वी.साई सुरेंद्र	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
20	के.एस.विद्या सागर	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
21	अशोक कुमार	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
22	एम.धर्मराजु	तकनीशियन ग्रेड-।
23	टी. जयरामुलु	तकनीशियन ग्रेड-।
24	बी.अंजी नाइक	लाइब्रेरियन ग्रेड-।।।
संविदा कर्मचारी		

25	नंदन कुमार	सहायक प्लेसमेंट अधिकारी (संविदा)
26	एम.मल्लिकार्जुन रेड्डी	संकाय
27	रोनाल्ड	संकाय
28	जी.स्वाति	संकाय
29	अदीब बेग	संकाय
30	मुरली	संकाय

बीडीएल प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में:

परियोजना 1: सिपेटके माध्यम से समाज के 80 वंचित/ बेरोजगार युवाओं (अ.जा./अ.ज.जा./ओबीसी/ईडब्ल्यूएस) के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण

उद्देश्य: परियोजना का मुख्य उद्देश्य तेलंगाना/ आंध्र प्रदेश से 80 बेरोजगारों/ वंचितों को रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है।

समझौता-ज्ञापन की तारीख: 20 अक्तूबर, 2017

प्रशिक्षण अवधि: 28.12.2017 से 27.6.2018 (2 पाठ्यक्रम)

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और उसके सीखने के उद्देश्य:

1)। मशीन ऑपरेटर - टूल रूम:

टूल रूम ऑपरेटर टूल रूम मशीनों के संचालन के लिए ज़िम्मेदार है, ताकि निर्धारितविनिर्देशों के अनुसारधातु और प्लास्टिक घटकों पर ड्रिलिंग, आकार देने, खराद, मिलिंग, मोड़ने और पीसने जैसे विभिन्न कार्यकिए जा सकें।

2) मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग:

प्लास्टिक प्रोसेसिंगऑपरेटर प्लास्टिक उत्पादों को बनाने के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग/ एक्सट्रूडर/ ब्लो मोल्डिंग मशीनों में प्लास्टिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार होता है। उनकी भूमिका में मुख्य रूप से प्लास्टिक और इसके दानोंके विनिर्देशों का प्रबंधन करना, इंजेक्शन मोल्डिंग/ एक्सट्रूडर/ ब्लो मोल्डिंग मशीनरी की स्थापना और संचालन तथा उत्पाद को पूरा करना शामिल होता है।

टूल रूम मशीनरी

प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड:

- शिक्षा योग्यता: न्यूनतम 8वीं कक्षा
- आवेदक की आयु सीमा: 18-30 वर्ष (अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 5 वर्ष तक और ओबीसी के लिए 3 वर्षकी छूट) और योग्य उम्मीदवारों के लिए आयु में और छूट दी जा सकती है।
- चयन प्रक्रिया: समाचार-पत्रों के विज्ञापन के बाद आवेदनों की जांच।

प्रशिक्षण अवधि: 6 माह

प्रशिक्षण कार्यक्रम - मुख्य विशेषताएं:

- 20-30% सिद्धांत सत्रों के बाद 70-80% व्यावहारिक सत्र होते हैं
- मॉडल और मल्टीमीडिया सहायक उपकरणों के साथ व्याख्यान
- पारस्परिक सत्र
- अत्याधुनिकउपकरण/ मशीनरी काव्यावहारिक प्रदर्शन
- औद्योगिक दौरा
- सुलभकौशल और व्यक्तित्व विकास पर अतिरिक्त जानकारी
- औद्योगिक विशेषज्ञों से अतिथि व्याख्याता
- कोर्स पूरा होने पर प्रमाण-पत्र

- एक्सक्लूसिव प्लेसमेंट/ जॉब काउंसलिंग
- नौकरी के बाद अतिरिक्त सहायता

प्रशिक्षण के घंटे,सिद्धांत और व्यावहारिकदोनों:

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रारंभ होने की तिथि	समापन की तिथि	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	कुल अवधि
1	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी)	28.12.2017	27.06.2018	288	672	960 घंटे (06 महीने)
2	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	28.12.2017	27.06.2018	288	672	960 घंटे (06 महीने)

लागत अनुमान:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	बैच का आकार	प्रति प्रतिभागी प्रशिक्षण लागत (रुपए में)	कुल लागत रुपए में
1	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	6 महीने	40	रु. 60,000/-	24,00,000/-
2	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रसंस्करण (एमओ-पीपी)	6 महीने	40	रु. 60,000/-	24,00,000/-

टिप्पण: कुल लागत में उम्मीदवारों कीप्रशिक्षण लागत, आवास और बोर्डिंग शामिल है।

<u>नियुक्तिके लिए प्रणाली</u>

सिपेटकाअपने व्यवसाय और उद्योग भागीदारों के साथ गहरा परस्पर संबंध है। यह प्लास्टिक और इससे जुड़े उद्योगोंके लाभ के लिए डिजाइन, टूलिंग, प्लास्टिक प्रोसेसिंगऔर परीक्षण में तकनीकी/ परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। सिपेटतकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़करने में सबसे अग्रणीरहा है।यह निरंतर क्षमता बढ़ारहा है और उद्योग की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी विशेषज्ञता, क्षमताऔर कौशल का लाभ उठा रहा है।

50 वर्षों की अवधि में, सिपेटको डिजाइन, टूलिंग, प्लास्टिक प्रोसेसिंगतथापरीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्रों में उनकी प्रौद्योगिकी सहायता सेवाओं के लिए बड़ी संख्या में उद्योग ग्राहकों के साथ उनकेकाम के लिए मान्यता दी गई है। इसमें भारत और विदेशदोनों में सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्योग शामिल हैं।

उद्योग भागीदारी और उद्यमशीलताका सिपेटनेटवर्क छात्रों और नियोक्ताओं को जोड़ने में मदद करता है, जिससे अंततः करियर मेंअच्छी नियुक्ति की संभावनाएं बनतीहैं।

परियोजना का परिणाम:

नियुक्ति: कुल 70 प्रशिक्षित युवाओं को विभिन्न निजी संगठनों में नियुक्त कियागया।

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**प्रारंभ होने की तिथि**	**समापन की तिथि**	**प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**	**नियुक्ति का प्रतिशत**
1	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रसंस्करण (एमओ-पीपी)	28.12.2017	27.06.2018	40	35	87.5
2	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	28.12.2017	27.06.2018	40	35	87.5
कुल				**80**	**70**	**87.5**

समझौता-ज्ञापनके अनुसार - सिपेटको प्रशिक्षित लाभार्थियों में से न्यूनतम 70% (56 उम्मीदवार) को नियुक्तिके अवसर प्रदान करने चाहिए, लेकिन इस लक्ष्य की तुलना में, सिपेटने 87.5% (70 उम्मीदवार) प्रशिक्षित लाभार्थियों को नियुक्तिके अवसर प्रदान किए हैं।

नियुक्ति का विवरण:

मशीन ऑपरेटर - टूल रूम

क्र.सं.	**कंपनी का नाम**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**
1	मेसर्स चेमीपैक, हैदराबाद	03
2	मैसर्स एलिट टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद	10

3	मैसर्स सन पॉलिमर, हैदराबाद	11
4	मैसर्स टीम इंजीनियर, हैदराबाद	01
5	मैसर्स वीएस टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद	10
	कुल	**35**

मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग

क्र.सं.	**कंपनी का नाम**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**
1	मैसर्स आदित्य डाइसएंड मोल्ड्स, हैदराबाद	05
2	मेसर्स आप्टरब्यूटी एंड होम, हैदराबाद	06
3	मेसर्स चेमीपैक, हैदराबाद	07
4	मेसर्स गौतमी पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	08
5	मैसर्स सन पॉलिमर्स, हैदराबाद	09
	कुल	**35**

परियोजना 28: सिपेट के माध्यम से समाज के520 वंचित/बेरोजगार युवकोंअ.जा./अ.ज.जा./ ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण

उद्देश्य: परियोजना का मुख्य उद्देश्य पूरे देश में 520 बेरोजगार/ वंचितों को रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है।

समझौता-ज्ञापन की तारीख: 29 मार्च, 2018

प्रशिक्षण अवधि: 25.06.2018 से 24.12.2018 (2 बैच और 2 पाठ्यक्रम)
16.08.2018 से 15.2.2019 (3 बैच और 3 पाठ्यक्रम)

सीखने का उद्देश्य

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और उसके सीखने के उद्देश्य:

मशीन ऑपरेटर - टूल रूम: टूल रूम ऑपरेटर टूल रूम मशीनों के संचालन के लिए जिम्मेदार होता है।विनिर्देशों के अनुसार वहड्रिलिंग,आकार देने, खराद, मिलिंग, धातुओं और प्लास्टिक के घटकों को मोड़ने और पीसने जैसे विभिन्न कार्य करता है।

मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग:

प्लास्टिक प्रोसेसिंगऑपरेटर,प्लास्टिक उत्पादों को बनाने के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग/ एक्सट्रूडर/ ब्लो मोल्डिंग मशीनों में प्लास्टिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार होताहै। उनके कार्य में मुख्यत:प्लास्टिक और इसके दानों के विनिर्देशों का प्रबंधन करना, इंजेक्शन मोल्डिंग/ एक्सट्रूडर/ ब्लो मोल्डिंग मशीनरी की स्थापना और संचालन करना और उत्पाद बनाना और तैयार करना शामिल है।

प्रोसेसिंग लैब

मशीन ऑपरेटर - इंजेक्शन मोल्डिंग:

इंजेक्शन मोल्डिंग ऑपरेटर,प्लास्टिक उत्पादों को बनाने के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन में प्लास्टिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार होताहै। उसके कार्य में मुख्यत:प्लास्टिक और उसके दानोंके विनिर्देशों का प्रबंधन करना, मोल्डिंग मशीनरी की स्थापना और संचालन करना और उत्पाद बनाना अैर तैयार करना शामिल है।

मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक बाहर निकालना:

एक्सट्रूजर ऑपरेटर प्लास्टिक सामग्री को एक्सट्रूडर में डालनेके लिए जिम्मेदार होताहै और एक्सट्रूडर का उपयोग करके निकासी ऑपरेशन करता है। इस कार्यमें मुख्यत:प्लास्टिक और इसके दानोंकी विशिष्टताओं का प्रबंधन करना, एक्सट्रूडर मशीनरी की स्थापना एवंसंचालन और उत्पादतैयार करना शामिल होताहै।

मशीन एक्सट्रूडर यूनिट

मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद:

खरादऑपरेटर कम्प्यूटरीकृत संख्यात्मक रूप से नियंत्रित (सीएनसी) खराद मशीन के संचालन के लिए जिम्मेदार होताहै, ताकि निर्धारितविनिर्देशों के अनुसार धातुओं और प्लास्टिक घटकों पर खराद कासंचालन किया जा सके। साथ ही वहलोड विकसित करता है और निर्धारितप्रक्रियाओं के अनुसार उपयुक्त सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कंप्यूटराइज्ड संख्यात्मक रूप से नियंत्रित (सीएनसी) खराद मशीनों के लिए मशीन टूल प्रोग्राम बनाताहै।

मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग:

मिलिंग ऑपरेटर, कम्प्यूटरीकृत संख्यात्मक रूप से नियंत्रित (सीएनसी) मिलिंग मशीन के संचालन के लिए जिम्मेदार होताहै, ताकि निर्धारितविनिर्देशों के अनुसार धातुओं और प्लास्टिक घटकों पर मिलिंग कासंचालन किया जा सके। साथ ही वहलोड विकसित करता है और निर्धारितप्रक्रियाओं के अनुसार उपयुक्त सॉफ्टवेयर का उपयोग करके संख्यात्मक रूप से कंप्यूटर नियंत्रित (सीएनसी) मिलिंग मशीनों के लिए मशीन टूल प्रोग्राम बनाताहै।

प्रशिक्षण अवधि: 6 महीने

प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड:

- शिक्षा योग्यता: न्यूनतम 8वीं कक्षा
- आवेदक की आयु सीमा: 18-30 वर्ष (अ.जा./अ.ज.जा.के लिए 5 वर्ष और ओबीसी के लिए 3 वर्षतक की छूट) और योग्य उम्मीदवारों के लिए आयु में और छूट दी जा सकती है।
- चयन प्रक्रिया: समाचार-पत्र विज्ञापन और उसके बाद आवेदनों की संवीक्षा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम - मुख्य विशेषताएं:

- 20-30% सिद्धांत सत्रों के बाद 70-80% व्यावहारिक सत्र होते हैं
- व्याख्यान, मॉडल और मल्टीमीडिया एड्स के साथ सहायता
- पारस्परिक सत्र
- अत्याधुनिक उपकरण/ मशीनरी पर व्यावहारिक प्रदर्शन
- औद्योगिक दौरा
- सुलभकौशल और व्यक्तित्व विकास पर अतिरिक्त जानकारी
- औद्योगिक विशेषज्ञों से अतिथि व्याख्याता
- पाठ्यक्रमपूरा होने का प्रमाण-पत्र
- विशिष्ट नियुक्ति/ जॉब काउंसलिंग
- नियुक्ति के बाद अतिरिक्त सहायता

प्रशिक्षण के घंटे,सिद्धांत और व्यावहारिकदोनों:

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रारंभ होने की तिथि	समापन की तिथि	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	कुल अवधि
1	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग (एमओ-पीपी)	25.06.2018	24.12.2018	288	672	960 घंटे (06 माह)
2	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	25.06.2018	24.12.2018	288	672	960 घंटे (06 माह)
3	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक निष्कर्षण (एमओ-पीई)	16.08.2018	15.02.2019	280	680	960 घंटे (06 महीने)
4	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल)	16.08.2018	15.02.2019	288	672	960 घंटे (06 माह)
5	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओएंडपी-सीएनसी-एम)	16.08.2018	15.02.2019	288	672	960 घंटे (06 माह)

लागत अनुमान: वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतुलागत अनुमान निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	उम्मीदवारों की संख्या	प्रति प्रतिभागी प्रशिक्षण लागत (रुपए में)	कुल लागत रुपए में
1	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	6 माह	80 (2 बैच)	रु.60,000/-	48,00,000/-
2	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी)	6 माह	120 (3 बैच)	रु.60,000/-	72,00,000/-
3	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग (एमओ-आईएम)	6 माह	120 (3 बैच)	रु.60,000/-	72,00,000/-
4	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक निष्कर्षण(एमओ-पीई)	6 माह	120 (3 बैच)	रु.60,000/-	72,00,000/-
5	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसीखराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल)	6 माह	40 (1 बैच)	रु.60,000/-	24,00,000/-
6	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओएंडपी-सीएनसी-एम)	6 माह	40 (1 बैच)	रु.60,000/-	24,00,000/-
	कुल		**520**		**3,12,00,000/-**

टिप्पण: कुल लागत में उम्मीदवारों कीप्रशिक्षण लागत, आवास और बोर्डिंग शामिल है।

परियोजना का परिणाम:

नियुक्ति: 2018-19 में 5 अलग-अलग ट्रेडों में 520 छात्रों में से केवल 200 बेरोजगारों को प्रशिक्षित किया गया था और शेष 320 बेरोजगार युवाओं को समयके साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह3 वर्षअर्थात्2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए चालू परियोजना है। 3 वर्ष कीकुल परियोजना लागत 312 लाख रुपए+ लागू कर है। वर्ष2017-18 के दौरान बीडीएल ने 184.08 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। 200 प्रशिक्षित युवाओं में से 153 प्रशिक्षित युवाओं को 2018-19 के दौरान विभिन्न निजी संगठनों में नियुक्त किया गया।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रारंभ होने की तिथि	समापन की तिथि	प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या	नियुक्ति का प्रतिशत
1	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी)	25.06.2018	24.12.2018	40	32	80%
2	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर)	25.06.2018	24.12.2018	40	31	77.5%
3	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक निष्कर्षण(एमओ-पीई)	16.08.2018	15.02.2019	40	30	75%
4	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल)	16.08.2018	15.02.2019	40	30	75%
5	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओएंडपी-सीएनसी-एम)	16.08.2018	15.02.2019	40	30	75%
कुल				**200**	**153**	**76.5%**

समझौता-ज्ञापनलक्ष्य के अनुसार - सिपेटको प्रशिक्षित लाभार्थियों के न्यूनतम 70% (140 लाभार्थियों) को नियुक्तिके अवसर प्रदान करने चाहिए, लेकिन इस लक्ष्य की तुलना मेंसिपेटने 76.5% (153 लाभार्थियों) प्रशिक्षित लाभार्थियों को नियुक्तिके अवसर प्रदान किए हैं।

मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग

क्र.सं.	**कंपनी का नाम**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**
1	मेसर्स आप्टर ब्यूटी एंड होम इंडिया प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	09
2	मेसर्स भवन एंटरप्राइजेज, हैदराबाद	01
3	मैसर्स लिंकवेल टेलिसिस्टम्स प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	05
4	मैसर्स एमई इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	01
5	मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर, हैदराबाद	01
6	मैसर्स प्लास्टो प्लैनेट, हैदराबाद	03
7	मैसर्स विधाता प्लास्टिक इंडिया (प्रा.) लिमिटेड, हैदराबाद	11
8	तेलंगाना समायम, हैदराबाद	01
	कुल	**32**

मशीन ऑपरेटर - टूल रूम

क्र.सं.	**कंपनी का नाम**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**
1	मैसर्स डुकोन एयरोस्पेस, हैदराबाद	01
2	मैसर्स ईसीआईएल, हैदराबाद	07
3	मैसर्स हैदराबाद डाइसएंड मोल्ड्स, हैदराबाद	04
4	मैसर्स परफेक्ट प्रोफाइल, हैदराबाद	01
5	मेसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	03
6	मैसर्स शिरेषा, हैदराबाद	01
7	मैसर्स स्कंद एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	03
8	मैसर्स स्टैंसिल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	07
9	मैसर्स टाटा प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	01
10	मैसर्स वाटर हेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	01
11	एसवी इंजीनियरिंग, हैदराबाद	02
	कुल	**31**

मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक निष्कर्षण

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या
1	मेसर्स आप्टरब्यूटी एंड होम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	04
2	मैसर्स अंबिगा, हैदराबाद	02
3	मैसर्स अरविंदो फार्मेसी, हैदराबाद	03
4	मैसर्स बास्कर इंडस्ट्रीज	01
5	मैसर्स ईसीआईएल, हैदराबाद	01
6	मैसर्स लिंकवेल टेलिसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	05
7	मैसर्स एमई इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	05
8	मेसर्स संतोष इंजीनियरिंग वर्क्स, हैदराबाद	04
9	मैसर्स येनफ्लेक्स पैक, हैदराबाद	05
	कुल	**30**

मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या
1	मैसर्स अमिरथा टूल्स क्राफ्ट्स प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	01
2	मैसर्स भाग्य टूल्स शार्पनर्स, हैदराबाद	07
3	मैसर्स हैदराबाद मेटल क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	03
4	मैसर्स इब्राहिम डाइसएंड मोल्ड्स, हैदराबाद	05
5	मैसर्स पारस इलेक्ट्रॉनिक्स, हैदराबाद	01
6	मेसर्स संतोष इंजीनियरिंग वर्क्स, हैदराबाद	05
7	मैसर्स एसएमजे एंटरप्राइजेज, हैदराबाद	05
8	मैसर्स एसपीडी डाइस, हैदराबाद	01
9	मैसर्स विजया पैक, हैदराबाद	01
10	मैसर्स वेल विशर सोलर, हैदराबाद	01
	कुल	**30**

मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग

क्र.सं.	**कंपनी का नाम**	**नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या**
1	मैसर्स भाग्य टूल्स शार्पनर्स, हैदराबाद	02
2	मैसर्स बीपीएल, हैदराबाद	01
3	मेसर्स क्रिएटिव इंजीनियरिंग वर्क्स, हैदराबाद	04
4	मैसर्स हैदराबाद मेटल क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	03
5	मैसर्स इब्राहिम डाइसएंड मोल्ड्स, हैदराबाद	05
6	मैसर्स जया इंजीनियरिंग, हैदराबाद	05
7	मेसर्स संतोष इंजीनियरिंग वर्क्स, हैदराबाद	05
8	मैसर्स एसएमजे एंटरप्राइजेज, हैदराबाद	05
	कुल	**30**

कौशल प्रशिक्षित लाभार्थियों के साथ बातचीत - प्रतिक्रिया:

क्र.सं.	प्रशिक्षु का नाम और विवरण	पाठ्यक्रम का नाम और प्रशिक्षण अवधि	नियुक्तिका विवरण	वेतन	प्रतिक्रिया
1	श्री मो.सादिक, आयु: 24 वर्ष, यापाटला गाँव, पेद्दा कोठपल्ली मंडल, नागरकुरनूल जिला और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर) 25.6.2018 से 24.12.2018 तक	मैसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	10,000/-	• रोजगार के अवसरों में सुधार हुआ। • पारंपरिक, सीएनसी मशीनों और सीएनसी प्रोग्रामिंग क्षेत्रों में उनकाकौशल बढ़ाता है।
2	श्री हेमंत कुमार, आयु: 20 वर्ष, अमुदालावलासा, श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश और पॉलिटेक्निक- डीजल मैकेनिक पूरा किया	मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर) 25.6.2018 से 24.12.2018 तक	मैसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	8,000/-	
3	श्री दीपक मल्लिक, आयु: 26 वर्ष, हैदराबाद और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण नहीं किया	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रसंस्करण (एमओ-पीपी) 25.6.2018 से 24.12.2018 तक	मैसर्स विधाता प्लास्टिक्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड, हैदराबाद	8,000/-	• रोजगार के अवसरों में सुधार हुआ • उम्मीदवारों को प्लास्टिक प्रोसेसिंगप्रक्रिया में प्रशिक्षित किया जाता है। • पीवीसी और पॉलिमर उद्योगों में रोजगार कौशल को बढ़ाता है।
4	श्री मो.फ़रोज़, उम्र: 19 वर्ष, नगरम, केसरा मंडल, हैदराबाद और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी) 25.6.2018 से 24.12.2018 तक	मैसर्स प्लास्टो प्लैनेट, हैदराबाद	8,000/-	

5	श्री बी.नागेश, आयु: 20वर्ष, गुम्पुलागुडेम, करपल्ली मंडल, खम्मम जिला और आईटीटाईपूरा किया	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी) 25.6.2018 से 24.12.2018 तक	मैसर्स विधाता प्लास्टिक्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड, हैदराबाद	8,500/-	
6	श्री एम.चन्ती, आयु: 24 वर्ष, कोथावलसा, विशाखापत्तनम और पॉलिटेक्निक - मैकेनिकल पूर्ण	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल) 16.08.2018 से 15.02.2019	मैसर्स क्रिएटिव इंजीनियरिंग वर्क्स, हैदराबाद	8,000/-	• मैनुअल मैकेनिस्ट में रोजगार के अवसर बढ़ाता है जो सभी सीएनसी मशीनों की स्थापना और संचालन का ध्यानरखता है।
7	सुश्री जी.सुनंदा श्री, आयु; 23 वर्ष, पोचम्मा मैदान, वारंगल	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल) 16.08.2018 से 15.02.2019	मैसर्स हैदराबाद मेटल क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	9,000/-	
8	श्री शिव राम कृष्ण, आयु: 27 वर्ष, मंगलागिरि, गुंटूर जिला और पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा) पूरा किया	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओएंडपी-सीएनसी-एल) 16.08.2018 से 15.02.2019	मैसर्स सूर्या पॉलिमर, हैदराबाद	10,000/-	
9	सुश्री बी.श्रुति, आयु; 19 वर्ष, खम्मम जिला और आईटीआई पूरा किया	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओएंडपी-सीएनसी-एम) 16.08.2018 से 15.02.2019	मैसर्स हैदराबाद मेटल क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	9,000/-	• सीएनसी सॉफ्टवेयर और कार्यक्रमों का उपयोग करके धातुओं और प्लास्टिक के विनिर्माण में रोजगार को

10	श्री एन.सरथ कुमार, आयु:	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओएंडपी-सीएनसी-एम) 16.08.2018 से 15.02.2019	मैसर्स हैदराबाद मेटल क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	9,000/-	बढ़ाता है।

टिप्पणियां:

1. 80 बेरोजगार युवाओं (चरण I) को मशीन ऑपरेटर-टूल रूम, मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंगजैसे 2 अलग-अलग ट्रेडों में प्रशिक्षित किया गया था। प्रशिक्षण अवधि 25.6.2018 से 24.12.2018 तक थी। परियोजना (प्रथम चरण) की लागत 39.65 लाख रुपए थी। बीडीएल नेकौशल विकास प्रशिक्षण, आवास एवंभोजन के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु पर 60,000/- रुपए खर्च किए। 80 प्रशिक्षुओं (लाभार्थियों) में से, 70 प्रशिक्षुओं को विभिन्न निजी संगठनों में नियुक्त किया गया और वे 8,000/- से 10,000/- रुपएतकवेतन प्राप्त कर रहे हैं।
2. इसी प्रकार,200 बेरोजगार युवाओं (चरण II) को 2018-19 के दौरान 5 विभिन्न ट्रेडों अर्थात्मशीन ऑपरेटर-टूल रूम, मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग, मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक एक्सट्रूज़न, मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद, मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग में प्रशिक्षित किया गया। यह परियोजना 2017-18 से 2019-20 तक 3 वर्षों के लिए चल रही है। प्रस्तावित प्रशिक्षण छात्रों की कुल संख्या520 बेरोजगार युवा हैं। 2018-19 में 200 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया गया और शेष युवाओं (320 छात्रों) को नियत समय में प्रशिक्षित किया जाएगा। 2017-18 के दौरान बीडीएल ने कौशल विकास प्रशिक्षण पहल के लिए सिपेटको 184.08 रुपए स्वीकृत किए थे। बीडीएल ने कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास और भोजन के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु पर 60,000/- खर्च किए थे। 200 प्रशिक्षुओं (लाभार्थियों) में से 153 प्रशिक्षुओं को विभिन्न निजी संगठनों में नियुक्त किया गया वे 8,000/- से 10,000/- रुपएतकवेतन प्राप्त कर रहे हैं।
3. बेरोजगार युवा इस कौशल विकास केंद्र तक समाचार-पत्रों में विज्ञापनों के माध्यम से पहुंचते हैं और प्राप्त आवेदनों की जांचमूल्यांकन द्वारा की जाती है।
4. सिपेटन केवल कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि छात्र सुलभकौशल प्रशिक्षण, नियुक्तिअवसर और बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करता है।
5. इस सिपेटसंस्थान में नामांकित बेरोजगार युवाओं (18-30 वर्ष के बीच की आयु) की अधिकांश संख्या गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी की है और वे दूरदराज के गांवों सेआते हैं।
6. सिपेट: सीएसटीएस - हैदराबाद डिजाइन, सीएडी/ सीएएम/ सीएई/, टूलिंग, प्लास्टिक प्रोसेसिंग, परीक्षण विभागों में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैसहै जो छात्रों को इन मशीनों के संचालन में अनुभव प्राप्त करने में मदद करता है।

निम्नलिखित के साथ बातचीत

श्री ए.वी.आर.कृष्णा, निदेशक और प्रमुख
श्री पी. विजया कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (पी/टी),और
परियोजना समन्वयक, बीडीएल प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
दौरे की तारीख: 7.6.2019

निदेशक और प्रमुख, वरिष्ठतकनीकी अधिकारी (पी/टी) और परियोजना समन्वयक, बीडीएल प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ बातचीत में, उन्होंने 2017-18 के दौरान सिपेटमें बीडीएल सीएसआर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भागके रूप में बीडीएल कौशल प्रायोजित कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी।बीडीएल ने अपने निगमितसामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत, वित्त वर्ष 2017-18 के लिए सिपेट-हैदराबाद में छह माहकी अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 80 उम्मीदवारों को वित्त-पोषित किया है। सिपेटने निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के उम्मीदवारों को समाचार-पत्रविज्ञापन, नौकरी मेलों और जुटाव शिविरों के माध्यम से एकजुट किया है:

1. मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी) - 40 उम्मीदवार
2. मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर) - 40 उम्मीदवार

प्रशिक्षण के दौरान, उम्मीदवारों को प्लास्टिक प्रोसेसिंगऔर टूलिंग का प्रशिक्षण छह माहकी अवधि (960 घंटे) के लिए दिया गया-जिसमेंसिद्धांतके लिए 288 घंटे,अभ्यासके लिए 672 घंटे शामिल थे तथा इसमें औद्योगिक दौरोंकी भी व्यवस्था की गई थी।

प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों में नियुक्त किया गया। 80 उम्मीदवारों में से 70 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया था।

उम्मीदवारों को जिनकुछेककंपनियों मेंनियुक्त किया गया,उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:
1. मेसर्स अप्टारब्यूटी एंड होम, हैदराबाद
2. मेसर्स एलिट टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद
3. मेसर्स चेमीपैक, हैदराबाद
4. मैसर्स वीएस टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद आदि

सिपेटकौशल प्रशिक्षण के निष्पादनकी समीक्षा करने के साथ, बीडीएल ने पुन:छह माहकी अवधि के लिए तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20) तक520 प्रतिभागियों हेतुकौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सिपेट-हैदराबादके साथ एकएमओएपर हस्ताक्षर किए।

सिपेटने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के उम्मीदवारों को समाचार-पत्रविज्ञापन, नौकरी मेलों और जुटावशिविरों के माध्यम से निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया है:

1. मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग(एमओ-पीपी) - 40 उम्मीदवार
2. मशीन ऑपरेटर - टूल रूम (एमओ-टीआर) - 40 उम्मीदवार
3. मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक एक्सट्रूज़न (एमओ-पीई) - 40 उम्मीदवार
4. मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद (एमओ एंड पी-सीएनसी-एल) - 40 उम्मीदवार
5. मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग (एमओ एंड पी-सीएनसी-एम) - 40 उम्मीदवार

सिपेटने वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान 200 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है। प्रशिक्षण के दौरान, उम्मीदवारों को प्लास्टिक प्रोसेसिंग, प्लास्टिक निष्कर्षण, सीएनसी खराद और मिलिंग और प्लास्टिक के टूलिंगका प्रशिक्षण छह माहकी अवधि (960 घंटे) के लिए दिया गया-जिसमेंसिद्धांतके लिए 288 घंटे,अभ्यासके लिए 672 घंटे थे तथा इसमें औद्योगिक दौरोंकी व्यवस्था की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों में नियुक्त किया गया। 200 उम्मीदवारों में से 153 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया था।

उम्मीदवारों को जिनकुछेककंपनियों मेंनियुक्त किया गया, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1. मेसर्स अप्टारब्यूटी एंड होम, हैदराबाद
2. मैसर्स हैदराबाद डाइसएंड मोल्ड्स, हैदराबाद
3. मेसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
4. मैसर्स वीएस टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद
5. मैसर्स लिंकवेल टेलिसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
6. मैसर्स विधाता प्लास्टिक्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड, हैदराबाद

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकांश उम्मीदवारों को ग्रामीण क्षेत्रों से गरीब परिवार पृष्ठभूमि सेलियागया थाऔर उन्हें इन पाठ्यक्रमों में दाखिला दिया गया। उन्हें प्रशिक्षण के दौरान कौशल प्रदान किया जाता है जिसके कारण उन्हें प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों में नियुक्ति मिली। इस रोजगार के कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ था।

बीडीएल प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के परियोजना समन्वयक श्री पी. विजया कुमार, वरिष्ठतकनीकी अधिकारी, सिपेटहैं। कार्यक्रम सिपेटहैदराबाद के निदेशक एवंप्रमुख श्री ए.वी.आर.कृष्णा के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए थे।

सिपेट- हैदराबाद में कौशल विकास में सफलता की कहानी

केस स्टडी 1

नाम	श्री मो. सादिक
पिता का नाम	श्री मो. निरंजन (दर्जी)
जन्म की तारीख	12.05.1995
योजना	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
पाठ्यक्रम का नाम	मशीन ऑपरेटर-टूल रूम
द्वारा प्रायोजित	भारत डायनामिक्स लिमिटेड
निगमन/ समापनकी तारीख	25.06.2018/ 24.12.2018
नियोजित (उद्योग का नाम और पता)	मैसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, आईडीए, चेरलापल्ली, हैदराबाद
पद	ऑपरेटर
वेतन (प्रति माह)	9,000/-रुपए

श्री मो.सादिक ने अपनी स्कूली शिक्षा पेड्डाकोथापल्ली और इंटरमीडिएट वानापर्थी, महबूबनगर जिला से की। थी। अपनी आर्थिक स्थितियों के कारण, उन्होंने नौकरी की तलाश शुरू कर दी, लेकिन अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि के कारण वे बेहतर अवसरों का लाभ नहीं उठा सके और अपने परिवार की सहायता करने के लिए वह काम की निरंतर खोज कर रहे थे। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें आवश्यक आय प्राप्त करने के लिए तकनीकी क्षेत्र में कुछ कौशल प्राप्त करने की आवश्यकता है। इस दौरान, उन्होंनेसिपेट-बीडीएल कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम काविज्ञापन देखाऔर विस्तृत जानकारी के लिए सिपेट- हैदराबा केंद्र पहुंचे। उन्हें25.06.2018 से 24.12.2018 तक सिपेट-हैदराबादमें मशीन ऑपरेटर-टूल रूम पाड्यक्रममें दाखिलाऔर प्रशिक्षण दिया गया। उनकी योग्यता और प्रदर्शन के अनुसार, प्रशिक्षण के लिए उनकी जांच की गई। उन्हें टूल रूम के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया था। टूल रूम के क्षेत्र में तकनीकी कौशल प्राप्त करने के बाद, उन्हें 9,000/- रुपए प्रति माह के वेतन परमैसर्स राघव एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, आईडीए, चेरलापल्ली, हैदराबाद में ऑपरेटर के रूप में नियुक्त किया गया था।

केस स्टडी-2

नाम	श्री नरिपोगु सरथ कुमार
पिता का नाम	श्री नारिपोगु कोंडय्या (मजदूर)
जन्म तिथि	20.03.1994
योजना	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
पाठ्यक्रम का नाम	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी मिलिंग
द्वारा प्रायोजित	भारत डायनामिक्स लिमिटेड
निगमन/ समापनकी तारीख	16.08.2018/ 15.02.2019
नियोजित (उद्योग का नाम और पता)	हैदराबाद शिल्प और धातु
पद	मिलिंग ऑपरेटर
वेतन (प्रति माह)	9,000/- रुपए

श्री एन.सरथ कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा गोपालपट्टनम, विशाखापत्तनम जिले से की है। उनकी उच्चतम शैक्षणिक योग्यता मैकेनिकल स्ट्रीम में पॉलिटेक्निक है। वह गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि सेहैं और वे अपनी शिक्षा जारी नहीं रख सके। लेकिन उनकी शिक्षा की कमी के कारण उन्हें अपने परिवार की सहायता करने के लिए काम नहीं मिला। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण के संबंध में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सिपेट- हैदराबाद केंद्र से संपर्क किया। उन्हें सिपेट-हैदराबादमें मशीन ऑपरेटर और ऑपरेटर - सीएनसी मिलिंग पाठ्यक्रममें 16.08.2018 से 15.02.2019 तक नामांकित और प्रशिक्षित किया गया। उनकी योग्यता और प्रदर्शन के अनुसार, उनकीप्रशिक्षण की दृष्टि से जांच की गई और सीएनसी मिलिंग के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया। पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद, उन्होंने सीएनसी मिलिंग के क्षेत्र में तकनीकी कौशल हासिल कर लिया है। उन्हें कैंपस प्लेसमेंट के तहत मैसर्स हैदराबाद क्राफ्ट्स एंड मेटल्स, हैदराबाद में ऑपरेटर के रूप में 9,000/-रुपए प्रति माह पर नियुक्त किया गया था।

केस स्टडी 3

नाम	श्री एम. चन्ती
पिता का नाम	श्रीएम.सोमेश्वर राव (स्व.)
जन्म तिथि	15.01.1995
योजना	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
पाठ्यक्रम का नाम	मशीन ऑपरेटर और प्रोग्रामर - सीएनसी खराद
द्वारा प्रायोजित	भारत डायनामिक्स लिमिटेड

निगमन/ समापन की तारीख	16.08.2018/ 15.02.2019
नियोजित (उद्योग का नाम और पता)	मैसर्स भागा टूल्स शार्पनर्स, बेगमपेट, हैदराबाद
पद	ऑपरेटर
वेतन (प्रति माह)	10,000/- रुपए

श्री एम.चन्ती ने कोथवलसा, विजयनागाराम जिला से स्कूली शिक्षा पूरी की। उनकी मां घरेलू महिला हैं। उसकी एक बहन और दो भाई हैं। उनके बड़े भाई-बहनों ने उनके परिवार की सहायता की। अपनी पारिवारिक स्थितियों के कारण, उन्होंने अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहायतादेने का फैसला किया। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, वह नौकरी की तलाश में थेऔर वह अपनी योग्यता के कारण सफल नहीं हुए। उन्होंने महसूस किया कि आवश्यक मजदूरीरोजगार प्राप्त करने के लिए उन्हें तकनीकी क्षेत्र में कुछ कौशल प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण के संबंध में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सिपेट-हैदराबाद केंद्र से संपर्क किया। उन्हें सिपेट-हैदराबादमें मशीन ऑपरेटर और ऑपरेटर - सीएनसी खराद पाठ्यक्रम में16.08.2018 से 15.02.2019 तक नामांकित और प्रशिक्षित किया गया। उनकी योग्यता और प्रदर्शन के अनुसार, उनकीप्रशिक्षण की दृष्टि से जांच की गई और उन्हेंसीएनसी खराद के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया। पाठ्यक्रम पूरा होने पर, वे सीएनसी खराद के क्षेत्र में कुशल है। कैंपस प्लेसमेंट में उन्हें मैसर्स भागा टूल्स शार्पर्स, बेगमपेट, हैदराबाद में एक ऑपरेटर के रूप में प्रति माह10,000/- रुपए पर नियुक्त किया गया।

प्रभाव:

क्र.सं.	**पैमाना**	**प्रशिक्षित छात्र**	**अनुदेशक**	**प्रशिक्षित छात्र अभिभावक**	**नियोक्ता**
1	प्लेसमेंट के अवसरों में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	प्रशिक्षित छात्रों के लिए उद्यमशीलता अवसर में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	क्लास रूम शिक्षण और अभ्याससत्रों के लिए बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	आजीविका के अवसरों में वृद्धि ग्रामीण युवा/ महिलाएं	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	स्थानीय/ क्षेत्रीय नियोक्ताके लिए कुशल संसाधनों की आपूर्ति	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	बेरोजगारी दर में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

7	युवा/ महिलाओं और उनके परिवार केसामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
8	कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	कुल मिलाकर संतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

3. आईजीआईएटी में डिजिटल लैब की स्थापना

बजट आवंटन: 15.06 लाख **और व्यय:** 15.06 लाख

डिजिटल लैब (कक्षा) की संख्या: 05

प्रत्येक डिजिटल लैब में कुल सिस्टम: 25

परियोजना का उद्देश्य: पूर्ण डिजिटलकरण, कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ावा देना।

स्थान: विशाखापत्तनम

दौरे की तारीख: 20.06.2019

4. आईजीआईएटी के माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास

बजट आवंटन: 50.00 लाख **और व्यय:** 29.99 लाख

प्राप्त आवेदनों की संख्या: 500

चुने गए कुल आवेदन: 200

दौरे की तारीख: 20.06.2019

इंडो-जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आईजीआईएटी), विशाखापत्तनम के बारे में

आईजीआईएटीकी स्थापना विशाखापत्तनम में आंध्र प्रदेश सरकार,जर्मनी सरकार और गायत्री विद्या परिषद (विशाखापत्तनम में एक प्रतिष्ठित शैक्षिक ट्रस्ट) की भागीदारी परियोजना के रूप में की गई है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य एक सर्वांगीणस्कूल के रूप में कार्य करना है और समाज के वंचित समूहों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, नौकरी चाहने वालों और औद्योगिक कर्मियों के छात्रों को उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करना है।

आईजीआईएटीनिम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान करता है:

- डिजाइन और विनिर्माण: मैकेनिकल इंजीनियरोंके लिए।
- नियंत्रण और स्वचालन: इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरों के लिए

- अवसंरचना और पर्यावरणीय इंजीनियरिंग: सिविल और पर्यावरण इंजीनियरों के लिए
- आईटी इंजीनियरोंके लिए कंप्यूटर और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी
- कार्यशील पेशेवरों के लिए व्यवहार विज्ञान और प्रबंधन
- आधुनिक कार्यालय प्रबंधन में पाठ्यक्रम (प्रशासन कर्मचारियों के लिए)
- परिधान विनिर्माण प्रौद्योगिकी

8 वर्षों की अल्पावधि में, आईजीआईएटीने प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हम एक आत्मनिर्भर संगठन हैं, जिसमें संस्थान चलाने के लिए सरकार से कोई आवर्तीअनुदान नहीं लिया जाता। पेशेवर और पूरी तरह से समर्पितप्रबंधन टीम ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए तकनीकी और सहायक कर्मचारियों को अत्यधिक प्रेरित और प्रतिबद्ध रखती है।

आईजीआईएटी केउद्देश्य

- शैक्षिक दीर्घकालिक, अल्पावधि, कौशल विकास और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न कौशल स्तरों पर योग्य प्लास्टिक पेशेवर प्रदान करना।
- परियोजना का मुख्य उद्देश्य है "जैसा कि भारत पूर्ण डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ रहा है, नौकरीपेशाऔर बेरोजगार युवाओं मेंकंप्यूटर साक्षरता को केंद्रित प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है ताकि वांछित परिणाम प्राप्त किए जा सकें। इन लाभार्थियों में से कई गरीब और बेरोजगार युवा हैं जिनके पास तकनीकी और कंप्यूटर से संबंधित पाठ्यक्रमों में कौशल विकास में उद्देश्यपूर्ण और सार्थक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कोई साधननहीं हैं"।

डिजिटल लैब्स पहल के बारे में

परियोजना का मुख्य उद्देश्य पूर्ण डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देना है; नौकरीपेशाऔर बेरोजगार युवाओं मेंकंप्यूटर साक्षरता को केंद्रित प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है ताकि वांछित परिणाम प्राप्त किए जा सकें। इन लाभार्थियों में से कई गरीब और बेरोजगार युवा हैं जिनके पास तकनीकी और कंप्यूटर से संबंधित पाठ्यक्रमों में कौशल विकास में उद्देश्यपूर्ण और सार्थक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कोई साधननहीं हैं"।

इस संबंध में बीडीएल और आईजीआईएटीके बीच बीडीएल परिसर, हैदराबाद में30 मार्च 2018 को एक समझौता-ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रणाली विन्यास:

एचपी 280 एमटी (बिजनेस टॉवर डेस्कटॉप) इनटेल कोर i3-6100, 4जीबी डीडीआर4 रैम, ऑनबोर्ड ग्राफिक्स, 1टीबी एचडीडी, डीओएस, कोई ओडीडी, 18.5 "टीएफटी, 3 वर्ष ऑनसाइट वारंटी इनटेल एच110 चिपसेट, 32जीबीरैम-डीडीआर42 तक,1 x पीसीएलई x16, (1) पीसीआईएक्सप्रेस X1, (1) पीसीआई 2.1, 8 यूएसबीपोर्ट 3. टीपीएम 1.2, 180 डब्ल्यू एपीएफसी चेसिस, वीजीए/ डीवीआई-डी सीरियल पोर्ट सहितदोहरे प्रदर्शन का समर्थन करता है।
एचपी/ डेल-240/3480 (लैपटॉप) इंटेल कोर i3 6006U/ 4जीबी / 1टीबी/ यूबुनतु/ 35.56 सें.मी. (14)/ एनओ ओडीडी/ 1 वर्ष + विज्ञापन/ बैकपैक

एचडीवीआई मेकएलसीडी मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर मॉडल: ईबी-एक्स05 एक्सजीएरिज़ॉल्यूशन (1024 x 768) सहित 3300 ल्यूमेंस ब्राइटनेस, कंट्रास्ट रेश्यो 15,000: 1 लैंप लाइफ 10,000 घंटे। इनपुट्स: वीजीए, एचडीएमआई, वीडियो
वॉल माउंटिंग प्रोजेक्शन स्क्रीन

बीडीएल डिजिटल लैब्स (कक्षा) कालागत अनुमान (5 नं.अधिकतम 25 की बैठने की क्षमता) निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**विवरण**	**मात्रासंख्यामें**	**मदका मूल्य रु.**	**कुल अनुमानित राशि (आईएनआर)**
1	डेस्कटॉप कंप्यूटर	125	30,000.00	37,50,000.00
2	सेशन डिलीवरी के लिए लैपटॉप	5	25,000.00	1,25,000.00
3	व्हाइटबोर्ड (6'*4')	5	7,000.00	35,000.00
4	कक्षा रोलिंग कुर्सियां	125	3,750.00	4,68,750.00
5	कंप्यूटर डेस्क (टू सीटर)	65	5,000.00	3,25,000.00
6	लेक्चर डेस्क	5	5,000.00	25,000.00
7	प्रोजेक्टर और स्क्रीन	5	40,000.00	2,00,000.00

8	नेटवर्क मोडेम और नोड्स	5	1,500.00	7,500.00
9	वाई-फाई डोंगल	5	5,000.00	25,000.00
10	नेटवर्क स्विच (24 स्विच पोर्ट)	5	1,500.00	7,500.00
11	संदर्भ साहित्य और पुस्तकों के लिए संग्रहण शेल्फ	5	10,000.00	50,000.00
			कुल	**50,18,750.00**

इंडो-जर्मनसंस्थान ऑफएडवांस्ड टेक्नोलॉजी, विशाखापत्तनम द्वारा प्रशिक्षण का विवरण

प्रतिभागियों का प्रकार	**2006-2007**	**2007-2008**	**2008-2009**	**2009-2010**	**2010-2011**	**2011-2012**	**2012-2013**	**2013-2014**	**2014-2015**	**2015-2016**	**2016-2017**	**2017-2018**	**2018-2019**	**कुल**
उद्योग प्रतिभागियों की संख्या	175	203	251	260	309	236	201	178	124	210	205	125	80	2557
नौकरीपेशा	995	2107	1933	1831	2479	2411	2361	2913	3498	3555	4330	2720	1820	32953
सरकार/ सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा प्रायोजित	-	136	919	1148	1115	1355	752	856	789	1309	1812	1250	1309	12750
कुल	**1170**	**2446**	**3103**	**3239**	**3903**	**4002**	**3314**	**3947**	**4411**	**5074**	**6347**	**4095**	**3209**	**48260**

प्रशिक्षण कार्यक्रम:
नियोजित प्रशिक्षकों की संख्या: 30
सहायक कर्मचारी: 20
कौशल विकास पहल के भाग के रूप में प्रशिक्षुओं को निम्नलिखित ट्रेडों में प्रशिक्षित किया जाता है:

क्र.सं.	**प्रशिक्षण ट्रेड**	**अवधि माह में**	**वांछित योग्यता**	**उम्मीदवारों की संख्या**
1	इलेक्ट्रीशियन (घरेलू और औद्योगिक)	3	10वींऔर उससे ऊपर	25
2	सीएनसी ऑपरेटर	3	आईटीआई (फिटर/ टर्नर/ मशीनिस्ट)	50
3	उन्नत वेल्डिंग आर्क और एमआईजी	3	10वींऔर उससे ऊपर	50
4	पीसी रखरखाव और हार्डवेयर	3	इंटरमीडिएट और उससे ऊपर	25

	एवंनेटवर्किंग			
5	सिलाई मशीन ऑपरेटर	3	8वीं कक्षा और उससे ऊपर	25
6	घरेलू उपकरण आरएंडएसी	3	10वींऔर उससे ऊपर	25

परियोजना लागत - प्रशिक्षण कार्यक्रम:

भारत डायनामिक्स लिमिटेड										
क्र.सं.	**प्रशिक्षण का शीर्षक**	**अवधि माह में**	**प्रस्तावित उम्मीदवारों की संख्या**	**प्रति उम्मीदवार प्रशिक्षणशुल्क**	**जीएसटी@ 18%**	**प्रति उम्मीदवारका मूल्यांकन शुल्क**	**प्रति उम्मीदवार शुल्क + जीएसटी + _ आकलन**	**कुल शुल्क (पाठ्यक्रम-वार)**	**प्रति छात्र छात्रावास शुल्क (रु.4000/- प्रति माह प्रति उम्मीदवार)**	**कर सहित कुल परियोजना लागत**
1	इलेक्ट्रीशियन (घरेलू और औद्योगिक)	3	25	10000	1800	1500	13300	332500	300000	632500
2	सीएनसी ऑपरेटर	3	50	12000	2160	1500	15660	783000	600000	1383000
3	उन्नत वेल्डिंग आर्क और एमआईजी	3	50	12000	2160	1500	15660	783000	600000	1383000
4	सिलाई मशीन ऑपरेटर	2	25	7200	1296	1200	9696	242400	200000	442400
5	पीसी रखरखाव और हार्डवेयर एवंनेटवर्किंग	2	25	10000	1800	1200	13000	325000	200000	525000
6	घरेलू उपकरण और आरएंडएसी	3	25	10000	1800	1500	13300	332,500	300000	632500
	कुल		**200**					**2798400**	**2200000**	**4998400**

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

प्रशिक्षण पद्धति क्यूपी(क्षेत्रीय कौशल योग्यता पैक) केआधार पर डिजाइन की गई थी। प्रशिक्षण में हमने नौकरियोंकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तकनीकी और सुलभ कौशल को कवर किया। तकनीकी प्रशिक्षण के लिए व्यावहारिक अभिविन्यास और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण के तहत 20% सिद्धांत और 80% अभ्यास पर अधिक बल दिया गया। सभी

प्रशिक्षण प्रोग्रामर उद्योग की आवश्यकताओं और एसएससी क्यूपी की जरूरतोंको पूरा करने के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

सुलभ कौशल

पाठ्यक्रमको सावधानीपूर्वक जांच करनेऔर विशेषज्ञों के साथ बातचीत करनेके बाद तैयारकिया गया है जिन्होंने हमें यह मार्गदर्शन दिया कि कार्यस्थल में किस तरह के कौशल की आवश्यकता है। अभ्यास/ व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ बुनियादी व्यवसाय पर जानकारीके अलावा इसमें इनपुट, उद्यमिता, संचार कौशल, प्रेरणा, व्यक्तित्व विकास आदि भी शामिल होंगे।तथापि, पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूपहोगा।

मूल्यांकन

भारत मेंकौशल मूल्यांकन एक तेजी से विकसित होताक्षेत्र है। आकलन से यह पता चल सकता है कि व्यक्तियों के पास किसीविशेष कार्य कोकरने के लिए आवश्यक कौशल हैं और शुरू किए गए शिक्षण कार्यक्रम नेनिर्धारितमानक केअनुरूप अपेक्षित ज्ञान प्रदान कियाहै। यह व्यक्तियों को अपने साथियों के प्रतिबेंचमार्क करने में सक्षम बनाता है। छात्रों को प्रेरित करने और प्रतिक्रिया देने काअवसर देनेमें इसका आंतरिक मूल्य काफी अधिक है। मूल्यांकन प्रमाणन के साथ गहराईसे जुड़ा हुआ है, क्योंकि व्यक्तियों के पास मूल्यांकन पास करने पर प्राय:मान्यता-प्राप्त प्रमाणपत्र प्राप्त करने का अवसर होता है; प्रमाणपत्र एक मंच प्रदान कर सकता है जहां आप सीखने के अन्य क्षेत्रों में प्रगति करते हुए नौकरी प्राप्त कर सकते हैं या अपने मौजूदा करियर के भीतर प्रगति कर सकते हैं। येपाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से जुड़ा हैं और आकलन करने के लिए संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों के तहत संबद्ध हैं। क्षेत्रीय कौशल परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुसार, तृतीय पक्ष मूल्यांकन निकायप्रशिक्षित उम्मीदवारों कामूल्यांकन करेगी और निर्धारित प्रारूप में उनके कौशल का मूल्यांकन करेगी। परिणाम तृतीयपक्ष के मूल्यांकनकर्ता द्वारा संबंधित क्षेत्र कौशल परिषद में अपलोड किए जाएंगे। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूराकरने वाले सभी प्रशिक्षुओं कासंबंधित क्षेत्र कौशल के एनएसडीसीप्रमाणित क्षेत्रीय कौशल परिषद द्वारा मूल्यांकन किया गया था।

क्षेत्र कौशल क्यूपीके अनुरूपपाठ्यक्रमों की सूची

नियुक्तिकार्यकलाप

कार्यक्रम के लाभार्थियों कोस्थायी रोजगार प्रदान करने के लिए इस डोमेन पर एक विशेष नियुक्ति प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। प्रारंभ में प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों कोजीवन कौशल सिखाया गया था ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए। पाठ्यक्रम में दृष्टिकोण, योग्यता और साक्षात्कार की तैयारी करानाशामिल था।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों काबैच-वार नियुक्तिविवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	बैच का आकार	नियुक्तउम्मीदवारों की संख्या	%	स्थान
1	सीएनसी ऑपरेटर बी1	25	21	84	विशाखापत्तनम
2	सीएनसी ऑपरेटर बी2	25	21	84	विशाखापत्तनम
3	वेल्डिंग प्रौद्योगिकी बी1	25	21	84	विशाखापत्तनम
4	वेल्डिंग प्रौद्योगिकी बी2	25	17	68	विशाखापत्तनम
5	फील्ड तकनीशियन - घरेलू उपकरण	25	23	92	विशाखापत्तनम
6	फील्ड तकनीशियन-कम्प्यूटिंग सहायक उपकरण	25	10	40	काकीनाडा
7	सिलाई मशीन ऑपरेटर	25	25	100	येलेश्वरम
8	सहायक इलेक्ट्रीशियन	25	23	92	विशाखापत्तनम
	कुल	200	161	81	

टिप्पणियां

1. यह देखा गया है कि डिजिटल लैब्स पहल पूर्ण डिजिटलाइजेशन प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्णकदम है और यह देखा गया है कि डिजिटल लैब में 125 डेस्कटॉप,लैपटॉप - 05, मेजें-70, कुसियां- 125, व्हाइट बोर्ड - 5, स्क्रीन सहितप्रोजेक्टर - 05, स्टोरेज कैबिनेट -05 हैं।
2. डिजिटल लैब का उपयोग एमएस ऑफिस + एचएनडब्ल्यू,एमएस ऑफिस+C, C++, जावा, डीओटीएनईटी, एमसीएसई, सीसीएनए, आरएचसीई, एमवाईएसक्यूएल, वेब डिजाइनिंग, दूरभाषपायथोन, एसक्यूएल डेवलपर सहितओरेकल, ऑटोकैड आदि जैसे पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है। कुछपाठ्यक्रम बीडीएल द्वारा सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में प्रायोजित किए जाते हैं।
3. आईजीआईएटीकीकौशल विकास पहल के एक भाग के रूप में प्रशिक्षुओं कोसिद्धांत और व्यावहारिक दोनों में प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षुओं को सुलभकौशल और बुनियादी कंप्यूटर में भी प्रशिक्षित किया जाता है।
4. प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मुफ्त भोजन और आवास की सुविधा प्रदान की जाती है।
5. अब तक 200 छात्रों को बीडीएल की भागीदारी से प्रशिक्षित किया जाता है और 5 अलग-अलग ट्रेडों जैसे इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी ऑपरेटर, उन्नत वेल्डिंग आर्क एंड एमआईजी, पीसी रखरखाव और हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, सिलाई मशीन ऑपरेटर में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

6. पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण विभिन्न स्थानों जैसे काकीनाडा (पीसी एंड हार्डवेयर), विशाखापत्तनम (सभी पाठ्यक्रम), यलेश्वरम (सिलाई मशीन) मेंप्रदान किया जाता है।आईआईजीएटी और राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद दोनों द्वाराप्रमाणपत्रप्रदान किया जाता है। रोजगार के अवसर और उद्यमिता कौशल बढ़ाया जाता है।

सफलता की कहानियां

लाभार्थी-1:

श्री चित्रा राजू, आयु: 24, पॉलीटेक (ईसीई): 2014
कौशल ट्रेड: पीसी रखरखाव और हार्डवेयर एवंनेटवर्किंग

चित्रा राजू ने ईसीई के क्षेत्र में अपना पॉलीटेक किया है। उनकी आर्थिक स्थितियों ने उन्हें आगे अध्ययन करने की अनुमति नहीं दी। वे अपनी शिक्षा के साथ नौकरी पानेमें असफल रहे। उन्होंने अपने दोस्तों से आईजीआईएटीकौशल विकास कार्यक्रम के बारे में जानाऔर एक कोशिशकरने का निर्णय किया। वेमुफ्त प्रशिक्षण और सुविधाओं का लाभ उठा सकते थे। प्रशिक्षण में सिद्धांत और अभ्यास दोनों तरह की कक्षाएं शामिल थीं। आईजीएटी केसुगठितपाठ्यक्रमने उन्हें आईआरआईएस, विजयवाड़ा में 7000/-रुपएप्रति माह के वेतन परनौकरी प्राप्त करने में मदद की। राजू के साथ व्यक्तिगत बातचीत करनेपरउन्होंने बतायाकि प्रशिक्षण कार्यक्रम ने उन्हेंन केवल एक नया कौशल सीखने में मदद की बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया।

लाभार्थी: 2
श्री अजय कुमार, आयु: 21, डिप्लोमा इन मैकेनिकल (2017)
कौशल ट्रेड: सीएनसी ऑपरेटर

अजय कुमार मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा धारक हैं। वह एक गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से हैं। मैकेनिकल डिप्लोमा धारक होने के नाते, उन्होंने अपने क्षेत्र मेंनौकरी ढूंढनेकी कोशिश की ताकि वेअपने परिवार की आर्थिकस्थितिको सुधार सकें। लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। उन्होंने बीडीएल द्वारा वित्त-पोषित कौशल विकास पहल के एक भाग के रूप में आईजीआईएटीके मुफ्त कौशल कार्यक्रम के बारे में जाना। उन्होंने संस्था से संपर्क किया और सीएनसी ऑपरेटर ट्रेडके बारे में सीखा। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद उन्हें सिनर्जी कास्टिंग्स लिमिटेड में नियुक्ति मिली, जिसमें उनकावेतन 8120/- रुपएथा। उनके साथ व्यक्तिगत बातचीत मेंउन्होंने बतायाकि आवास, भोजन और प्रशिक्षण की गुणवत्ता बहुत अच्छी थीऔर इस अवसर के लिए वहआईजीआईएटीका आभार व्यक्त करते हैं।

लाभार्थी-3
श्री नवीन गौड़ा, आयु: 24, डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल (2015)
कुशल व्यापार: इलेक्ट्रीशियन (घरेलू और औद्योगिक)

नवीन गौड़ा इलेक्ट्रिकल ट्रेड में डिप्लोमा धारक हैं। उनके पिता दिहाड़ीमजदूर हैं। उन्होंने अपने पिता की मदद करने का फैसला किया और नौकरी की तलाश शुरू कर दी। इसीबीच उन्होंने आईजीआईएटीकीकौशल विकास पहल के बारे में जाना। उन्हें हाउस वायरिंग, गो डाउनिंग वायरिंग, इंडस्ट्रियल वायरिंग और डोमेस्टिक वायरिंग सिद्धांतऔर व्यवहारदोनों में प्रशिक्षित किया गया। अपने पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद, उन्हें 10,000/- के वेतन के साथ एमईपीएफ, विजाग में नियुक्ति मिली। उसके साथ व्यक्तिगत बातचीत करने पर हमें पता चला कि वह अब 15,000/- रुपए के वेतन परजयंती इंजीनियरिंग वर्क्सके लिए काम कर रहे हैं।

लाभार्थी -4
नाम: के.सत्यवती, आयु25
ट्रेड: सिलाई मशीन

सत्यवती एक गरीब परिवार से हैं और उच्च शिक्षित नहीं है। उन्हेंसमाचार-पत्र में विज्ञापन के माध्यम से आईजीआईएटीएसएमओपाठ्यक्रमके बारे में पता चला। उसके परिवार के सदस्यों ने पाठ्यक्रम में भागहोने के उसके निर्णय को प्रोत्साहित किया। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद उन्हें बेस्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड,दारापुरम में 9000/- रुपएके वेतन परनियुक्त किया गया है। उनकेसाथ व्यक्तिगत बातचीत करने परहमें पता चला कि वह प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बनकर खुश हैं और दोस्तों और परिवार के सदस्यों कोइसकीसलाह देंगी।

प्रभाव:

क्र.सं.	**पैमाना**	**प्रशिक्षित छात्र**	**अनुदेशक**	**प्रशिक्षित छात्र अभिभावक**	**नियोक्ता**
1	नियुक्तिके अवसरों में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	उद्यमशीलता में वृद्धि प्रशिक्षित छात्रों के लिए अवसर	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	कक्षाशिक्षण और व्यावहारिक सत्रों के लिए बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	ग्रामीण युवा/ महिलाओं की आजीविका के अवसरों में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

5	स्थानीय/ क्षेत्रीय नियोक्ताकोकुशल संसाधनों की आपूर्ति	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	बेरोजगारी दर में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
7	युवा/ महिलाओं और उनके परिवार केसामाजिक-आर्थिकसशक्तिकरण में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
8	कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	समग्रसंतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 5:

आईटीआई अपनाना(गवर्नमेंटआईटीआई ओल्ड सिटी और गवर्नमेंट ऑफ आईटीआई, अलवाल, हैदराबाद)

बजट आवंटन: 158.77 लाख और व्यय: 33.72 लाख

दौरे की तारीख: अलवाल आईटीआई: 7.6.2019, ओल्ड सिटी आईटीआई: 13.6.2019

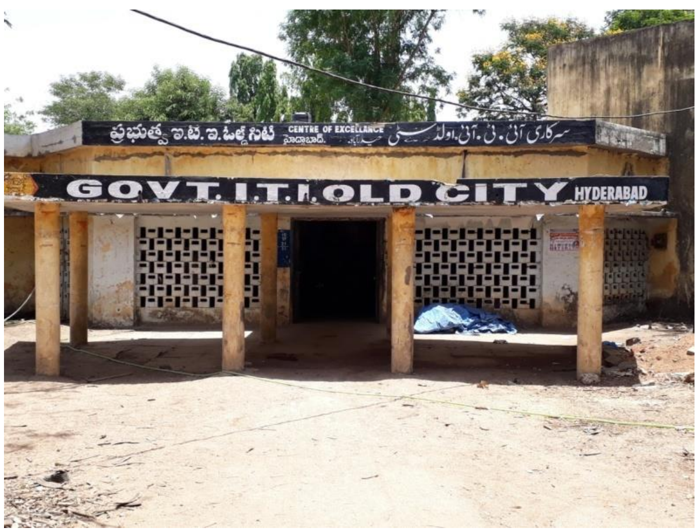

उद्देश्य: बीडीएल ने अपने निगमितसामाजिक उत्तरदायित्व के तहतबुनियादी ढांचा सहायता प्रदान की है जैसे कक्षाओंका निर्माण, आवश्यक फर्नीचर और बुनियादी सुविधाओं सहितछात्रों के लिए कार्यशाला, अपनाए गए आईटीआई ओल्ड सिटी में उपकरणों की खरीद, उपकरण और कच्ची सामग्री आदि की खरीद।

शासीवक्तव्य (आईटीआई ओल्ड सिटी और बीडीएल के बीच समझौता-ज्ञापन): यहसमझौता-ज्ञापन प्रारंभ में 30 अगस्त 2016 से 29 अगस्त 2017 तक एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगा जिसे पक्षों की परस्पर सहमति सेबढ़ाया जा सकता है।

2017-18 के लिए आईटीआई ओल्ड सिटी के लिए सीएसआर बजट

बजट आवंटन: 158.77 लाख और व्यय: 33.72 लाख

स्थिति: यह चल रही परियोजना है (इसे आगे 30.09.2019 तक बढ़ायागया है)

2016-17 के लिए आईटीआई ओल्ड सिटी हेतुसीएसआर बजट

कुल बजट आवंटन: 350 लाख रुपए

बजट व्यय: 185.24 लाख रुपए

सिविल कार्योंकी स्थिति (बीडीएल सीएसआर-निधि)

क्र.सं.	**आई.टी.आई.का नाम**	**उस कार्य का नाम जिसके लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है**	**प्रशासनिक स्वीकृति (लाख में)**	**स्थिति**	**कार्यकारी एजेंसी का नाम और इंजीनियर का संपर्क नंबर**
2016-17 और 2017-18					तेलंगाना राज्य शिक्षा कल्याण अवसंरचना विकास निगम, राखेलकर देवीदासराव, मंडल इंजीनियर, 9704701603
1	सरकारी आई.टी.आई., ओल्ड सिटी, हैदराबाद (निदेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण, हैदराबाद कादिनांक17.02.2017 का कार्य आदेश: आईडीसीईएलएल/ 3099/2016)	कक्षाब्लॉक का निर्माण	95.00	95% कार्यपूर्ण।केवल छोटे-मोटेकाम लंबित हैं।	
		प्लम्बर कार्यशाला का निर्माण	30.00	निर्माण कार्य पूरा हो गया और कॉलेज प्राधिकारियोंको सौंप दिया गया।	
		कार्यशालाओं (6) का नवीनीकरण	56.00	छः कार्यशालाओं और इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए जी.आई शीट की छत तैयार की गई और कॉलेज	

				प्राधिकारियोंको सौंपीगई	
		उपकरण और मशीनरी की खरीद (निधियोंका उपयोग विभिन्न आईटीआई ट्रेडों जैसे आरएंड एसी, कटाई और सिलाई, क्राफ्ट्समैन सिविल, इलेक्ट्रीशियन और फिटर इत्यादि के लिए उपकरणों और मशीनरी की खरीद के लिए किया जा रहा है)	95.00	विभिन्न ट्रेडों के लिए 20.00 लाख रुपएके उपकरण और मशीनरी खरीदी गई जैसे सिलाई मशीनें।	
		छात्रों की जरूरतों के लिए सभी ट्रेडों हेतुकच्चे माल की खरीद	12.00	कच्चा माल खरीदा गया	
2	आईटीआई अलवाल	5 किलोवाट ऑफ ग्रिड सोलर पावर पैक वस्तुओं की आपूर्ति।	6.00	5 कि.वॉटऑफ ग्रिड सोलर पावर पैक सिस्टमस्थापित किया गया।	
		कुल	**294 लाख**		

टिप्पण: सभी कार्यों को 2016-17 के दौरान मंजूरी दी गई थी, अभी भी कार्य चल रहा है।

आईटीआई प्रशिक्षु और प्रशिक्षक विवरण

क्र.सं.	**व्यापार का नाम**	**यूनिटें**	**नियुक्तिक्षमता**	**रोल पर**	**प्रशिक्षक**
			दो वर्ष		
1.	फिटर	3 यूनिटें	63	43	आर. श्रीनिवास राव और मोहम्मद वासिफुद्दीन दोनों प्रशिक्षण अधिकारी हैं

2.	टर्नर	2 यूनिटें	32	20	वी.प्रशांत, डी.टी.ओ.और एस.पवन कुमार, ए.टी.ओ.
3.	मशीनिस्ट	2 यूनिटें	32	22	मो. माजिद, ए.टी.ओ.(सी)
4.	मैकेनिक मोटर वाहन	3 यूनिटें	63	49	आर.प्रेम कुमार, ए.टी.ओ.और मोहम्मद मोइनुद्दीन, ए.टी.ओ. (सी)
5.	बिजली मिस्त्री	2 यूनिटें	42	30	ए.अजय कुमार, डी.टी.ओ.
6.	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	1यूनिट	26	20	मो.अथरूद्दीन, डी.टी.ओ.
7.	रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशन	1यूनिट	26	12	के.बालीराम, ए.टी.ओ.(सी)
8.	ड्राफ्ट्समैन सिविल	1यूनिट	26	16	फ़हीम बेगम, ए.टी.ओ.(सी)
			एक वर्ष		
9.	मैकेनिक डीजल	1यूनिट	21	18	मुथ्यम रेड्डी, ए.टी.ओ.(सी)
10.	वेल्डर	1यूनिट	21	16	प्रसाद, ए.टी.ओ.
11.	सिलाई तकनीक	2 यूनिटें	42	04	मो. सबेर,ए.टी.ओ.
12.	नलसाज़	2 यूनिटें	52	18	शंकर, ए.टी.ओ.
	कुल		**446**	**268**	

बीडीएल ने अवसंरचना विकास कार्यकलाप किए-एक तस्वीर

बीडीएल ने अपने आईटीआईअंगीकारकार्यक्रम के तहत आईटीआई ओल्ड सिटी में ड्राफ्ट्समैन सिविल ट्रेड-औज़ारऔर मशीनेंप्रदान कीं।

बीडीएल ने अपने आईटीआई कॉलेज अंगीकारकार्यक्रम के तहत आईटीआई ओल्ड सिटी में छह कक्षाओंका निर्माण

एस्बेस्टस शीट हटाकर नई जस्ती शीट बिछाकर कर्मशालाका नवीनीकरण

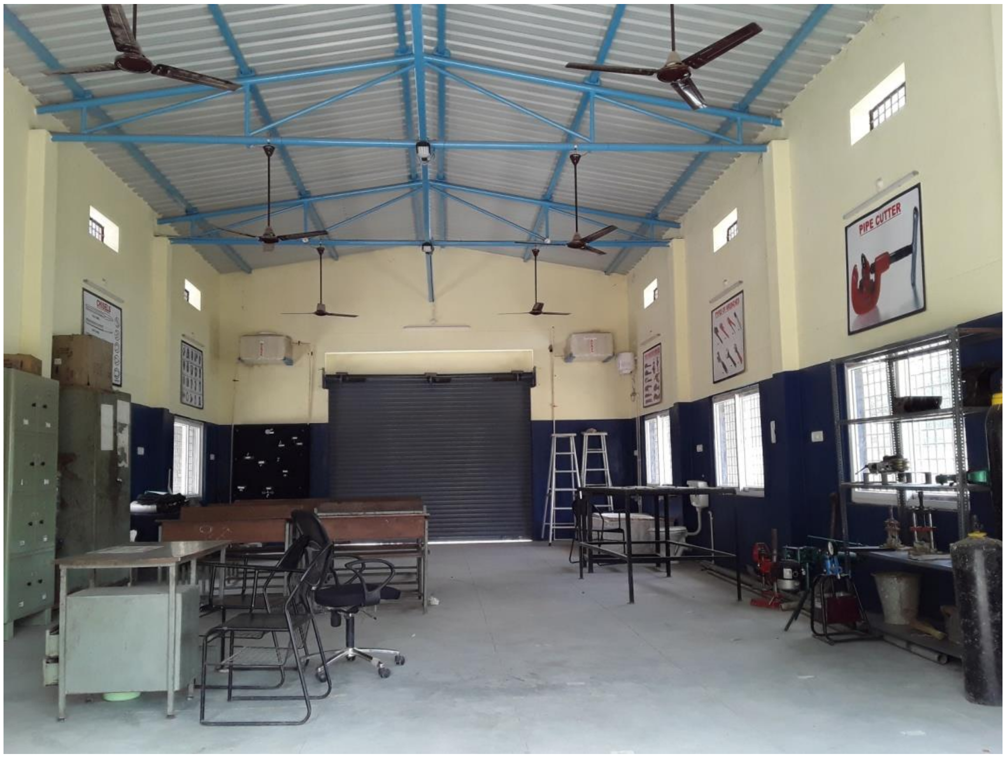

बीडीएल ने आईटीआई ओल्ड सिटी में नई प्लम्बर कर्मशालाका निर्माण किया

आईटीआई कॉलेज, अलवाल:

कॉलेजमें 5 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना।

परियोजना लागत 7.12 लाख रुपएऔर केंद्रीय सब्सिडी (एमएनआरई) के बाद परियोजना लागत4.87 लाख रुपए

सौर संयंत्र - बजट विवरण:

क्र.सं.	**मदका नाम**	**मात्रा**	**दर रुपए में**	**राशि रुपए में**
1	• 72 सेलोंसहितसौर पीवी मॉड्यूल 24 वोल्ट/ 250 डब्ल्यूपी-20 नं. • बैटरी बैंक 96वोल्ट 400एएच • एमपीपीटी प्रभारी नियंत्रक सहित7.5 केवीए पीसीयू -1 नं. • एमसी4 ब्रांच कनेक्टर • केबल सहितएमसी4 सिंगल कनेक्टर • मोड्यूल माउंटिंगसंरचना - 1 सेट • केबल और अन्य सामान	एक सेट	630000	630000.00

	• बैटर स्टैंड - 1 नं.			
2	सोलर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम	2 नं.	23,000	46000.00
3	स्थापना, परिवहन और सिविल कार्य			30250.00
4	टीएनआरईडीसीएलप्रोसेसिंगशुल्क रु.1150/- प्रति किलोवाट			5750.00
	कुल			712000.00
	घटा: 5 किलोवाट सौर प्रणाली के लिए केंद्रीय सब्सिडी (एमएनआरई)			-225000.00
	कुल			**487000.00**

आईटीआई अलवाल कॉलेज सोलर पैनल सिस्टम

टिप्पणियां:

- वर्ष 2017-18 के दौरान फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, मैकेनिक मोटर व्हीकल, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन, ड्राफ्ट्समैन सिविल, मैकेनिक डीजल, वेल्डर, सिलाई टेक्नोलॉजी और प्लम्बर जैसे 12 ट्रेडों में 268 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- इस आईटीआई कॉलेज में नामांकित छात्रों में से अधिकांश गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी के हैं और दूर-दराज के गांवों से आते हैं।
- यह आईटीआई केंद्र 1972 में स्थापित किया गया था और अधिकांश कक्षाएंऔर कर्मशालाएंखराब स्थिति में थीं। भारत सरकार के प्रतिष्ठित कार्यक्रम कौशल विकास का समर्थन करने के लिए, बीडीएल ने आईटीआई ओल्ड सिटी को अंगीकार किया तथाकक्षाओं, कर्मशालाका नवीनीकरण, नई प्लम्बर कर्मशालाका निर्माण, विभिन्न ट्रेडोंके लिए मशीनरी और औजार की खरीद, कच्चे माल जैसीअवसंरचनात्मक विकास पहल कीं तथा कॉलेज की ढांचागत सुविधाओं को सुदृढ़किया।

- सभी अवसंरचनात्मक कार्य हाल ही में संपन्नहुए थे। विभिन्न ट्रेडों के लिए मशीनरी और उपकरणों की खरीद चलरही है। 95 लाख रुपएके बजट में से, कॉलेज ने ड्राफ्ट्समैन सिविल और कटाईऔर सिलाई जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 20 लाख रुपएमूल्य की मशीनरी और उपकरणखरीदे। शेष ट्रेड मशीनरी और उपकरणों की खरीद का कार्य चल रहा है।
- बीडीएल ने आईटीआईओल्ड सिटी कॉलेज के लिए सहायता दी और कक्षाओं, कर्मशालाका नवीनीकरण, नई प्लम्बर कर्मशालाका निर्माण, विभिन्न ट्रेडों के लिए मशीनरी और उपकरण प्रदान करने जैसी ढांचागत सुविधाएं प्रदान कीं।
- बीडीएल ने आईटीआईकॉलेज को निधियां प्रदान कीं ताकि कॉलेज में 5 कि.वॉटऑफ ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की जा सके। यह बिजली की आपूर्ति के अभाव दोनों कार्यालयों तथा साथ ही छात्रावास भवनके लिए 6-8 घंटे तक पॉवर बैक प्रदान करता है। परियोजना की लागत 7.12 लाख रुपए थी और छूट के बाद (केंद्र सरकार की एमएनआरईसहायक कंपनी) परियोजना लागत 4.87 लाख रुपएथी। कॉलेज में सौर ऊर्जा प्रणालीकी स्थापना के बाद कॉलेज को मासिक बिजली बिल पर 2000/- रुपए की बचत होती है। 6ट्रेडों के 200से अधिक कॉलेज छात्रों को इस प्रयाससे लाभ मिला। यह हॉस्टल भवनऔर कार्यालय भवन में 40 लाइटों और 40 पंखों के लिए पॉवर बैक देता है।

संवाद:

बातचीत 1
श्रीमती एस.रेणुका, प्रधानाचार्य
आईटीआई ओल्ड सिटी
दौरे की तारीख: 13.6.2019

प्रधानाचार्य श्रीमती एस. रेणुकाने कहा कि बीडीएल द्वारा अंगीकार करने से पहले आईटीआई ओल्ड सिटी की स्थिति खराबथी क्योंकि जीर्णोद्धार के लिए सरकार के पास धन की भारी कमी थी। मशीनरी के रखरखाव और नई कक्षाओं के निर्माण की बहुत आवश्यकता थी क्योंकि कक्षाओं के संचालन के लिए बुनियादी ढांचा पर्याप्त नहीं था।

प्रधानाचार्य ने आगे कहाकि बीडीएल द्वारा आईटीआई, ओल्ड सिटी को अंगीकार करने के बाद, उनके सीएसआर कार्यक्रम के तहत सिद्धांतऔर व्यावहारिक कक्षाओं के लिए कक्षाओं/ कर्मशालाओं के बुनियादी ढाँचे में काफी विकास हुआ है और प्रशिक्षुओं को उद्योग के लिए तैयार के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतुआधुनिकमशीनरी और उपकरणों की खरीद की गई है।

बीडीएल द्वारा कॉलेज को अंगीकार करने के बाद से छात्रों की इंटर्नशिप और नौकरी के अवसर बढ़ गए हैं। प्रशिक्षित आईटीआई छात्रों कोइंटर्नशिप/ नियुक्ति के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न निजी और

सार्वजनिक संगठनों जैसे टाटा एडवांस सिटिम्स, टीएसआरटीसी, मिधानी,बीडीएल, रेलवे, भेलआदि ने कॉलेज का दौरा किया। उन्होंने आईटीआई ओल्ड सिटी को अंगीकार करने और सभी ढांचागत विकास के लिए बीडीएल के प्रयासों की सराहना की।

बातचीत 2
श्री प्रशांत, उप प्रशिक्षण अधिकारी
टर्नर एवंमशीनिस्ट कर्मशाला
आईटीआई ओल्ड सिटी
दौरे की तारीख: 13.6.2019

श्रीआर.प्रेम कुमार, सहायक प्रशिक्षण अधिकारी, मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड ने कहा कि बीडीएल द्वारा आईटीआई, ओल्ड सिटी को अंगीकार करने के बाद सीएसआर के तहत कई सकारात्मक बदलाव किए गए हैं। पहले टूटी हुई एस्बेस्टस शीटों से पानी टपकता था, जो बिजली से करंट लगकर चोटका कारण बन सकता था। जस्ती शीटों और उचित विद्युत फिटिंग के साथ-साथ नवीकरण के बाद यहसमस्या हल हो गई थी और व्यावहारिक कक्षाएं चलाने के लिए कार्यशालाएं अच्छी स्थिति में □□□□

उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षुओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण में बहुत सुधार हुआ है क्योंकि बीडीएल से कच्चे माल और व्यावहारिक मशीनरी/ उपकरण की पर्याप्त आपूर्ति थी।

बातचीत 3
बी. नागेश और आर. नवीन
प्रशिक्षु, मशीनिस्टट्रेड
आईटीआई ओल्ड सिटी
दौरे की तारीख: 21.4.2018

मशीनिस्ट ट्रेड के प्रशिक्षु बी. नागेश और आर. नवीन ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले कर्मशालामें बैठने की कोई उचित सुविधा नहीं थी क्योंकि बारिश के मौसम में टूटी हुई एस्बेस्टस शीट से पानी का रिसाव होताथा।लेकिन बाद में कर्मशालाओं कानवीकरण किया गया और टूटी हुई एस्बेस्टस के स्थान पर जस्ती चादरें लगाकर इस मुद्दे काप्रभावी ढंग से समाधानकिया गया। अब छात्र आराम से बैठकर कर्मशालाओं में भाग ले सकते हैं।

बातचीत4
श्रीमती सफिया खातून और जी.स्वाति
सिलाई मशीन प्रशिक्षु
आईटीआई ओल्ड सिटी
दौरे की तारीख: 21.4.2018

सिलाई प्रौद्योगिकी ट्रेड की प्रशिक्षु श्रीमती सफिया खातून और जी.स्वातिने आईटीआई, ओल्ड सिटी को गोद लेने के लिए बीडीएल के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहाकि बीडीएल उन्हें प्रशिक्षण के लिए कच्चे माल और उन्नत औद्योगिक सिलाई मशीनरी प्रदान करता है, जिससे उन्हें और अधिक सीखने में मदद मिली है। इन कौशलों के माध्यम से वे अच्छी आजीविका कमा लेती हैं और अपने परिवारों का समर्थन करने में सक्षम हैं। इन कौशलों के माध्यम से परिधान उद्योगों में रोजगार केकई अवसरखुले हैं। वे अन्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वतंत्र और आर्थिक रूप से स्थिर बनाने के लिए बीडीएल के प्रशिक्षण को और आगे ले जाना चाहती थीं।

स्वच्छता क्षेत्र परियोजनाएँ:

1. *तेलंगाना राज्य के सरकारीस्कूलों मेंस्कूलशौचालयों का रखरखाव।*
2. *आंध्र प्रदेश राज्य के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।*
3. *केबीसी सड़क विकास चरागाह पौधरोपण में आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाएं*
4. *स्वच्छ भारत कोष*
5. *हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के माध्यम से स्कूल शौचालयों का निर्माण*
6. *जीएचएमसीभूमिगत कूड़ादान*

परियोजना 1

तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।

स्थान: संगारेड्डी, नलगोंडा, रंगारेड्डी जिले, तेलंगाना राज्य

कार्यान्वयन भागीदार: सर्व शिक्षा अभियान, तेलंगाना राज्य

2017-18 के लिए

बजट आवंटन: 37.08 लाख रुपए

बजट व्यय: 30.90 लाख रुपए

स्कूलों की संख्या: 07

दौरे की तारीख: 15.6.2019

क) प्राथमिक आंकड़े- 2017-18 के लिए क्षेत्रीय दौरा विवरण

क्र.सं.	स्कूलका नाम	से बातचीत	शौचालय ब्लॉकों की संख्या	बीडीएल द्वारा एसएसएके माध्यम से प्राप्त राशि रुपये में तथा तारीख	शौचालय ब्लॉक/ ब्लॉकों की स्थिति और रखरखाव	छात्रों की कुल संख्या (लाभार्थी)
1	जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, सुल्तानपुर	i) श्री मुरलीधर, प्रधानाचार्य	02	16.5.2017 को 9000/- रुपए कीराशि स्कूल खाते में जमा की गई	शौचालयों का उपयोग किया जा रहा है। नल में पानी उपलब्ध है।	125
2	यूपीएस स्कूल, गंडीगुडम	i) श्रीमती ग्लोरीहेपजीबाह, प्रधानाचार्य ii) शिक्षक और छात्र	01	16.5.2017 को 9000/- रुपए कीराशि स्कूल खाते में जमा की गई	बोरवेल का पानी उपलब्ध है। शौचालयोंका उचितइस्तेमाल किया जा रहा है	145
3	प्राथमिक विद्यालय, जनकमपेट	i) श्री एन.प्रवीण कुमार, प्रधानाचार्य ii) श्रीमती नारायणम्मा, शिक्षक iii) छात्र	01	16.5.2017 को 9000/- रुपए कीराशि स्कूल खाते में जमा की गई	शौचालय का इस्तेमाल किया जा रहा है	24
4	प्राथमिक विद्यालय, वाडकपल्ले	i)श्रीमती डी.सिरिशा, प्रधानाचार्य ii) छात्र	01	16.5.2017 को 9000/- रुपए कीराशि स्कूल खाते में जमा की गई	शौचालय का इस्तेमाल किया जा रहा है	20
5	प्राथमिक विद्यालय, शांतिनगर-पाटनचेरु	i) श्रीमती एम.रेणुका, प्रधानाचार्य ii) श्रीमती एम.रजनी, शिक्षक iii) छात्र	01	16.5.2017 को 9000/- रुपए कीराशि स्कूल खाते में जमा की गई	पाइप टूट गए थे और नल में पानी उपलब्ध नहीं था। छात्र और शिक्षक बाल्टी में पानी इकट्ठा करते हैं और शौचालय का उपयोग करते हैं।	50
6	प्राइमरी स्कूल,	i) श्रीमती बी. सुनंदा,		16.5.2017	छात्र और शिक्षक	72

	गौतमनगर, पाटनचेरु	प्रधानाचार्य ii) श्रीमती विक्टोरिया रानी, स्कूल शिक्षक iii) छात्र	01	को 9000/- रुपए की राशि स्कूल खाते में जमा की गई	बाल्टी में पानी इकट्ठा करते हैं और शौचालय का उपयोग करते हैं।	
7	प्राथमिक विद्यालय-बालिका, पाटनचेरु	i) श्रीमती बी.जानसी, प्रधानाचार्य ii) श्रीमती प्रतिभा, शिक्षक iii) श्रीमती सरस्वती, शिक्षक iv) श्री जयपाल, शिक्षक v) छात्र	02 (वर्तमान में यह अस्तित्व में नहीं था, स्कूल अन्य स्थान पर चला गया)	राशि स्कूल खाते में जमा नहीं की गई है। अब स्कूल नए स्थान पर चलाया जा रहा है।	वर्तमान में शौचालयों को ध्वस्त कर दिया गया थाऔर स्कूल को दूसरे स्थान पर भी स्थानांतरित कर दिया गया था	130

टिप्पणियां:

- दौरा किए गए 7 स्कूलों में से, 2 स्कूलों में पाइपलाइन केक्षतिग्रस्त होने के कारण पानी की सुविधा नहीं है, इसलिए इन स्कूलों के बच्चे और शिक्षक बाल्टी में पानी इकट्ठा करते हैं और शौचालय ब्लॉक का उपयोग करते हैं। एक स्कूल स्कूल की इमारत को ध्वस्त किए जाने के कारण के शौचालय ब्लॉक को ढहादिया गया था(प्राथमिक स्कूल-बालिका, पाटनचेरू) और शेष 4 स्कूलों के शौचालय ब्लॉक का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- 2017-18 के दौरान, 6 स्कूलों में रु. 9000/- (प्रत्येक विद्यालय के लिए एक चौथाई राशि) 16.5.2017 को स्कूलों के बैंक खाते में जमा की गई और शेष 3 तिमाही कीरखरखाव राशि को एसएसए द्वारा दौरे किए गए सभीस्कूलों केबैंक खातों में जमा नहीं किया गया था। बीडीएल ने वर्ष 2017-18 के दौरान तेलंगाना राज्य परियोजना में 103 स्कूल शौचालयों के रखरखाव के लिए सर्व शिक्षा अभियान को30.90 लाख रुपए की राशि दी है।
- स्कूलशौचालयों का रखरखाव मैला ढोने वाले लोगों द्वारा किया जा रहा है। कई स्कूलों में शौचालय का रखरखाव करने में नल का पानी न होना मुख्य समस्या है।

ख) 2016-17 के लिए

बजट आवंटन: 27.81 लाख रुपए

बजट व्यय: 27.81 लाखरुपए

इस पहल के लिए चयनित स्कूलों की कुल संख्या: 103

स्कूलों की संख्या: 11

क्र.सं.	दौरा किए गए स्कूल का नाम	स्कूली बच्चों की संख्या
1	एम.पी.पी.एस.स्कूल, बी.जे.आर नगर, कपरा मंडल, मेडचेल जिला	111
2	एम.पी.पी.एस.स्कूल, मलखाराम, कापरा मंडल, मेडचेल जिला	80
3	एम.पी.पी.एस.स्कूल, अरुंधति नगर, कपरा मंडल, मेडचेल जिला	80
4	एम.पी.पी.एस.स्कूल, शांतिनगर, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला	72
5	एम.पी.पी.एस.स्कूल, राजीव गरूहाकल्पा, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला	30
6	एम.पी.पी.एस.स्कूल, रवि नारायण रेड्डी कॉलोनी, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला	85
7	एम.पी.पी.एस.स्कूल, मारीपल्ली, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला	40
8	जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, सुल्तानपुर, अमीनपुर मंडल, संगारेड्डी जिला	104
9	एम.पी.पी.एस.स्कूल, गौतमनगर, पाटनचेरू मंडल, संगारेड्डी जिला	60
10	एम.पी.पी.एस.स्कूल, शांतिनगर, पाटनचेरू मंडल, संगारेड्डी जिला	61
11	यू.पी.एस. गांडीगुड़ा, अमीनपुर मंडल, संगारेड्डी जिला	133

परियोजना 2:

आंध्र प्रदेश के सरकारीस्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।

स्थान: विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य

कार्यान्वयन भागीदार: सर्व शिक्षा अभियान, तेलंगाना राज्य

2017-18 के लिए

बजट आवंटन: 9.00 लाख रुपए

व्यय: 5.94 लाखरुपए

(सूचनाउपलब्ध नहीं है)

2016-17 के लिए

बजट आवंटन: 2.25 लाखरुपए

बजट व्यय: 2.25 लाखरुपए

इस पहल के लिए चुने गए स्कूलों की कुल संख्या: 25

स्कूलों की संख्या: 05

क्र.सं.	दौरा किए गए स्कूल का नाम	स्कूली बच्चों की संख्या
1	एम.पी.पी.एस.स्कूल, मधुरम्मामिडी, जी.मदगुला मंडल, विशाखापत्तनम जिला	31
2	सरकारी पी.एस. (टीडब्ल्यू) स्कूल, कार्णिकालंका, जी.मदगुला मंडल, विशाखापत्तनम जिला	17

3	एम.पी.पी.एस.स्कूल, बुरगुवेधी, जी.मदगुला मंडल, विशाखापत्तनम जिला	16
4	सरकारी पी.एस.(टीडब्ल्यू) स्कूल, अगमपाडु, जी.मदगुला मंडल, विशाखापत्तनम जिला	5
5	सरकार पी.एस.(टीडब्ल्यू) स्कूल, उबलगरुवु, जी. मडगुला मंडल, विशाखापत्तनम जिला	10

बातचीत 1:
श्री राजा रत्नम, उप कार्यकारी अभियंता
सर्व शिक्षा अभियान का कार्यालय, हैदराबाद
तेलंगाना
दौरे की तारीख : 2.4.2018

श्री राजा रत्नम,उप कार्यकारी अभियंता,एसएसए,तेलंगाना ने कहा कि वर्ष2016-17 मेंबीडीएल की सहायता से सर्व शिक्षा अभियान ने रंगारेड्डी, नलगोंडा, संगारेड्डी (पुराने जिला क्षेत्र) में 103 सरकारी स्कूलों में शौचालयों कारखरखाव और अन्य विकास गतिविधियां शुरू कीं।

उन्होंने आगे कहाकि स्कूलके शौचालयों के रखरखाव के लिए नल का बहता पानी बहुत महत्वपूर्ण है। पानी की समस्या के कारण भारत में अधिकांश स्कूल शौचालय निष्क्रियहैं।इस समस्या को दूर करने और स्कूल के शौचालयों के बेहतर रखरखाव के लिए, एसएसए ने पानी की व्यवस्था करनेपर ध्यान केंद्रित किया।हाथ धोने के स्थानों में नल लगाए गए, पर्याप्त मात्रा में पानी की सुविधा प्रदान की गई और स्कूल के शौचालयों मेंअन्यसुविधाओं की मरम्मत की गई। एसएसए ने बीडीएल के सहयोग से वर्ष2016-17 मेंतेलंगाना में103 सरकारी स्कूलों के शौचालयों में इन सभी विकासात्मक गतिविधियां चलाईं और स्कूल शौचालयों कारखरखाव किया। एसएसएतेलंगाना में सरकारी स्कूलों को शौचालयों के रखरखाव के लिए हर महीने 3000/- रुपए प्रदान करता है।

बातचीत2
श्री जी.महादेव सिंह, प्रधानाचार्य, एम.पी.पी.एस.स्कूल
मारींपल्ली, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला
दौरे की तारीख: 7.4.2018

श्री जी.महादेव सिंह, प्रधानाचार्यने कहा कि बीडीएल ने एसएसए के माध्यम सेवर्ष 2016-17 केदौरान स्कूल के शौचालयों के रखरखाव के लिए धन उपलब्ध कराया। स्कूल ने एक मेहतर को नियुक्त किया है, जो दिन में दो बार शौचालय साफ करता है। शौचालय मेंपर्याप्त मात्रा में नल का पानी उपलब्ध होने तथा स्कूलके शिक्षकों एवंबच्चों द्वारा शौचालयों का अच्छा रखरखाव किए जाने के कारण शौचालय साफ और

स्वच्छ स्थिति में हैं। बीडीएल ने दो शौचालय ब्लॉक का निर्माण किया।प्रत्येक ब्लॉक में 3 यूरिनल, 1 आईडब्ल्यूसीऔर एक हैंड वॉश बेसिन का निर्माण किया गयाहै। कुल 40 स्कूली बच्चे इस शौचालय सुविधा का पर्याप्त सुविधाओं के साथ लाभ उठा रहे हैं।

स्कूल ने बीडीएल निधियोंका उपयोग मेहतर को लगभग2500/- रुपए का वेतन देने के लिए किया और सैनिटरी (स्वच्छता) किट खरीदने के लिए 500/- रुपए दिए गए। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की बीडीएल सराहनीय पहल की सराहना की।

एमपीपीएस स्कूल मारीपल्ली, हयातनगर मंडल, रंगारेड्डी जिले में स्कूल शौचालयों का रखरखाव

बातचीत 3

प्राथमिक विद्यालय, गौतमी नगर, पाटनचेरु मंडल, संगारेड्डी जिले में IV औरV कक्षा के छात्रों के साथ बातचीत।

स्कूल मेंIV और V कक्षाके छात्रों के साथ बातचीत करने पर, यह पायागया कि अधिकांश स्कूली बच्चे पर्याप्त पानी की सुविधा के साथ शौचालय का इस्तेमाल कर रहे हैं और वे शौचालय का उपयोग करने के बाद अपने हाथों को वॉश बेसिन में धो रहे हैं। कुल 60 बच्चे नियमित रूप से स्कूल में इस शौचालय सुविधा का उपयोग करते हैं और वे इस सुविधा से बहुत संतुष्ट हैं।

टिप्पणियां:

- अधिकांश स्कूलों में शौचालय और हाथ धोने के लिए पानी की सुविधा है।
- सभी स्कूल शौचालयों में नल का पानी उपलब्ध है।
- स्कूल के बच्चे दोपहर के भोजन से पहले और बाद में तथाशौचालय का उपयोग करने के बाद अपने हाथ वॉश बेसिन में साफ करते हैं।

- यह देखा गया कि वर्ष 2016-17 के दौरान स्कूल शौचालयों के रखरखाव के लिए बीडीएल निधियोंका उपयोग मेहतर के वेतन और सैनिटरी (स्वच्छता) किट की खरीद के लिए किया गया था।
- अधिकांश स्कूलों में स्वच्छता की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है।
- अधिकांश स्कूली बच्चे पर्याप्त पानी के साथ शौचालय का उपयोग करते हैं।
- अधिकांश स्कूल शौचालय काम कर रहे हैं और अच्छी स्थिति में हैं।
- अधिकांश विद्यालयों में मेहतरों द्वारा शौचालयों की अच्छी तरह से सफाई की जाती है।
- अधिकांश स्कूली बच्चे अब स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल और स्कूलों में अच्छी स्वास्थ्य आदतों के बारे में अधिक जागरूक हैं।
- इस क्षेत्र में पानी की उपलब्धता न होने के कारण विशाखापत्तनम जिले के जी. मडगुला मंडल में बीडीएल द्वारा निर्मित स्कूल शौचालयों में पानी की गंभीर समस्या है। अभी भी स्कूली बच्चे बोरवेल और अन्य जल स्रोतों से पानी लाकर शौचालय की सुविधा का उपयोग करते हैं।
- समाज के अधिकांश हितधारकों ने बीडीएल द्वारा स्कूल शौचालय निर्माण और शौचालयों के रखरखाव की पहल की सराहना की है।

प्रभाव:

क्र.सं.	**स्कूलीबच्चे**	**प्रधानाचार्यऔर शिक्षक**	**ग्राम सरपंच और बुज़ुर्ग**	**स्कूल प्रबंधन समिति**	**एसएसए के अधिकारी**
1	स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	स्कूलों में खुले में शौच जानेमें कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	स्कूल में स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वच्छता संबंधी आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
5	स्कूल के शौचालयों में बेहतर पानी की सुविधा	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	स्कूलों में स्कूल छोड़ने वालों में कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
7	स्कूलके शौचालयों का बेहतर रखरखाव	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
8	**समग्रसंतुष्टि स्तर**	**उच्च**	**उच्च**	**उच्च**	**उच्च**

परियोजना 3: केबीसी सड़क विकास, चरागाह पौधरापण में आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाएं

फाइनल रिपोर्ट में जोड़ा जाना है

परियोजना 4:

स्वच्छ भारत कोष निधियां

बजट आवंटन: 450 लाख रुपए

बजट व्यय: 450 लाख रुपए

स्वच्छ भारत कोष (एसबीके) की स्थापना 15 अगस्त, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किएगए आह्वान के प्रत्युत्तर में कॉर्पोरेट क्षेत्रसे तथाव्यक्तियों और परोपकारी लोगों से अंशदान प्राप्त करने के लिए निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियांप्राप्त करने के लिए की गई है ताकि स्वच्छ भारतमिशन के माध्यम से वर्ष 2019 तक, जो महात्मा गांधी की जयंती का150वां वर्ष है, स्वच्छ भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

गांधी जयंती 2 अक्तूबर, 2014 के अवसर पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, विशेषकर, स्कूल परिसर में स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के लिए संसाधन जुटाने हेतुएक राष्ट्रव्यापी प्रयास शुरू किया जाएगा।

उद्देश्य:एसडब्ल्यूकेएक ऐसा कोष है जिसका उपयोग देश भर में स्वच्छता के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए स्कूलों, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शौचालयों कानिर्माण करने के लिए किया जाएगा। इसे निगमित क्षेत्र से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियां प्राप्त करने और स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों और परोपकारियों से अंशदानप्राप्त करने के लिएस्थापित किया गया है।

बीडीएल ने 2017-18 के दौरान स्वच्छ भारत कोष “स्वच्छ भारत अभियान” (स्वच्छ भारत) का समर्थन करने के लिए स्वच्छ भारत कोष में450 लाख रुपए का अंशदान दिया है।

परियोजना 5: हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के माध्यम से स्कूल शौचालयों का निर्माण

स्थान: संगारेड्डी, नलगोंडा और रंगारेड्डी

बजट आवंटन: 19.92 लाख रुपए

बजट व्यय: 19.92 लाख रुपए

(यह गतिविधि वर्ष 2015-16 के दौरान की गई थी और केवल लंबित बिल (19.92 लाख रुपए) का2017-18 में भुगतान किया गया था। यह गतिविधि 2015-16 के बीडीएल प्रभाव अध्ययन के कुछ हिस्सों में से एक थी)।

परियोजना 6:

जीएचएमसी के माध्यम से हैदराबाद, तेलंगाना में जीएचएमसी भूमिगत कूड़ादान

बजट आवंटन: 75 लाख रुपए

बजट व्यय: 75 लाख रुपए

दौरे की तारीख: 11.6.2019

स्थिति: यह प्रारंभिक चरण में है। 30 जून, 2019 तक कोई कार्यशुरू नहींकिया गया था।लेकिन बीडीएल ने2017-18 मेंजीएचएमसी को 75 लाखरुपए की राशि जारी की थी।

जीएचएमसीके बारे में:

ग्रेटर हैदराबाद मुनिसिपल कॉर्पोरेशन, द ग्रेटर हैदराबाद मुनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) एकनागरिक निकाय है जो तेलंगाना राज्य की राजधानी और सबसे बड़े शहर हैदराबाद की देखरेख करता है। यह हैदराबाद और सिकंदराबाद के शहरों कीस्थानीय सरकार है। इसका भौगोलिक क्षेत्र अधिकांश शहरी विकास एजेंसी अर्थात्हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) को कवर करता है। पांच लोकसभा सांसदों (संसद सदस्य) सहित 64 पदेनसदस्य, जिनके निर्वाचन क्षेत्र जीएचएमसी अधिकार क्षेत्र में हैं,जीएचएमसी के चुनाव में मतदान करते हैं।

प्रशासन: जीएचएमसीके अध्यक्ष नगर आयुक्त होते हैं, जोआईएएसअधिकारी होताहै। आयुक्त को सदन की कार्यकारी शक्तियां प्राप्त होती हैं। निगमों का चुनाव करने के लिए एक क्विंटल चुनाव होता है। निगमकी जिम्मेदारी यह देखना होती है कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में बुनियादी नागरिक बुनियादी ढाँचा हो, और यह कि प्राधिकारियों की ओर से कोई कमी न हो। मेयर सदनका मुखिया होता है। जीएचएमसी शहर को बुनियादी ढाँचा प्रदान करने और व्यवस्थाकरने के लिए जिम्मेदार है।

- सड़कों, गलियों और फ्लाईओवर का निर्माण एवंरखरखाव।
- पब्लिक म्युनिसिपल स्कूल।
- सड़क प्रकाश व्यवस्था
- पार्कों और खुली जगहों का रखरखाव।
- कचरा निपटान और सड़क की साफ-सफाई।
- नए क्षेत्रों काशहरी विकास और शहर की योजना।
- जन्म और मृत्यु का पंजीकरण।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता।

परियोजना विवरण:

समझौता-ज्ञापन: हैदराबाद में जीएचएमसी कॉर्पोरेशनऔर बीडीएल के बीच 29मार्च, 2018को एक समझौता-ज्ञापन परहस्ताक्षरकिए गए हैं।

तेलंगाना सरकार ने भारतसरकार के प्रतिष्ठित स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप स्वच्छ तेलंगाना मिशन शुरू किया है तथा "स्वच्छ भारत'के लक्ष्य को राज्य में 2 अक्तूबर, 2019 तक प्राप्त किया जाना है। स्वच्छ भारत मिश्न के लक्ष्यों को प्राप्त करने, और ठोस कचरा प्रबंधन से निपटने में वर्तमान स्थिति के विश्लेषण के आधार पर, जीएचएमसी ने मौजूदा अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं में आमूल-चूल परिवर्तन लाने के लिए कूड़ादान रहित स्वच्छता अवधरणा-सह-प्रणाली की रूपरेखा बनाई है और उसकी सिफारिश की है।

भूमिगत विकास के बुनियादी ढांचे के माध्यम से कचरे का प्रबंधन, "अल्पअपशिष्टप्रबंधन प्रणाली" सहित एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जाता है, जो तेलंगाना राज्य में एक प्रायोगिकपरियोजना के रूप में जीएचएमसीकी सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक कोकुशलता से और किफायतीलागत पर निपटानेकीअनुमति देगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं द्वारा ऐसेसमाधान प्रस्तुत करना है, जोउनकी परिचालन विशेषताओं और विशिष्ट लाभों की पहचान करने के साथ-साथ उनकीलागत के आंकड़ों के बारे में भीजानकारी प्रदान करे।

टिप्पण: क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से हमें पता चला कि इस परियोजना को अभी जीएचएमसीद्वारा शुरू किया जाना है।

ग्रामीण विकास क्षेत्र परियोजनाएँ:

1) गांवगोद लेना - सैन्य माधवराम

2) गांवगोद लेना - गोंड्डुपालम

परियोजना 1:
गांवगोद लेना - सैन्य माधवराम, ताडेपल्लीगुडम मंडल, पश्चिम गोदावरी
आवंटित बजट: 57593369.00 रुपएऔर व्यय: 44500000 रुपए
निर्माण का विवरण:

i) जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल: 9 कक्षाएं(6+2+1) और 1 शौचालयब्लॉक (6 स्क्वाटिंग टाइप मूत्रालय+ 2 इंडियन वाटर क्लोसेट + 2 यूरोपियन क्लोसेट)

ii) गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज: 2 प्रैक्टिकल प्रयोगशालाएं(भौतिकी और रसायन) + 2 शौचालयब्लॉक (1 ब्लॉक: 5 स्क्वाटिंग टाइप मूत्रालय+ 3 इंडियन वाटर क्लोसेट; 1 ब्लॉक: 1 स्क्वाटिंग टाइप यूरिनल + 1 यूरोपियन क्लोसेट)

iii) प्राथमिक विद्यालय: 2 कक्षा कमरे

iv) व्यायामशाला हॉल

v) 4 यूरोपियन क्लोसेट + 2 बाथ रूम सहितसामुदायिकहॉल

परियोजना प्रारंभ तिथि: 10.09.2017 और अंतिम तिथि: 28.02.2019

वर्तमान जनसंख्या: लगभग 7500

ग्राम प्रोफाइल: माधवराम पश्चिम गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश के ताडेपल्लीगुडेम मंडल में स्थित एक बड़ा गाँव है, जिसमें कुल 1791 परिवार रहते हैं। माधवरम गाँव की जनसंख्या 6509है, जिसमें 3212पुरुष हैं, जबकि जनगणना 2011के अनुसार 3297महिलाएँ हैं। माधवराम गाँव में आंध्र प्रदेश की तुलना में उच्च साक्षरता दर है। 2011 में, आंध्र प्रदेश के 67.02% की तुलना में माधवरम गाँव की साक्षरता दर 70.70% थी।

माधवराम गांव में, अधिकतरग्रामीण अनुसूचित जाति (अ.जा.) केहैं। अनुसूचित जाति (अ.जा.) 36.10%, माधवरम गाँव में अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा.) कुल जनसंख्या का 1.44% है।

कुल आबादी में से माधवराम गाँव में, 2877 लोगकार्य गतिविधियों में लगे हुए थे अर्थात् मुख्य कार्य (6 महीने से अधिक रोजगार या आय) में लगीश्रमिक आबादीका78.24%, जबकि 21.76% सीमांत गतिविधियों में शामिल हैं, जो 6 महीने से कम समय तक आजीविका प्रदान करती हैं। मुख्य कार्य में लगे 2877 श्रमिकों में से 482 कृषक (मालिक या सह-मालिक) हैं, जबकि 1463 खेतिहर मजदूर हैं।

स्रोत: जनगणना 2011

प्रस्तावना:

राइफल और हेलमेट युद्ध स्मारक की दिलचस्प कहानी के बिना माधवराम अपेक्षाकृत एकअनजानगांव होता। अमरावती से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के इस छोटे से गाँव कासेना में सेवा करने के लिए अपने लोगों को भेजने का 300 वर्ष पुराना इतिहास रहाहै।

इस छोटे से गाँव के लगभग हर घर में भारतीय सेना में कम से कम एक सदस्य है। कुछ घरों के चार सपूत भी सेना में हैं। वास्तव में, इस गांव से इस समयसेना में सेवा करने वाले 109 व्यक्ति (क्षेत्र में 65 और शेषप्रशासनिक पदों पर) हैं।

माधवराम में एक 1180 सदस्यों वालीभूतपूर्व सैनिक सेवा भी है। अधिकांश सदस्य सेवानिवृत्ति के बाद नागरिक जीवन में चले गए हैं - वे छोटे व्यवसाय चलाते हैं, अपने खेतों की देखभाल करते हैं या निजी

सुरक्षा फर्मों में शामिल हो गए हैं। तथापि, वे सभी अभी भी भारतीय सेना की सेवा करने के लिए उत्सुक हैं, चाहे वह किसी भी तरीके से क्यों न हो। उदाहरण के लिए, युद्ध की आपूर्ति की पृष्ठभूमि व्यवस्था के लिए अर्थात्परिवहन और व्यवस्था।

माधवराम की सैन्य परंपरा और देश की सेवा करने में जो गर्व है, वह किसी का भीध्यान अपनी ओर खींचता है। रक्षा मंत्रालय और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने गाँव के इसयोगदान को स्वीकार किया और गाँव को गोद लेने और विकसित करने का निर्णय लिया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री पीडिकोंडला माणिक्यला राव और ग्रामीणों के सहयोग सेबीडीएल ने बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के विकास के लिए गाँव को गोद लेने पर सहमति व्यक्त की है।इस संबंध में, मैसर्स सूर्योदय इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड एजेंसी का चयन ई-निविदाप्रक्रिया के माध्यम से 16.5.2018 को किया गया था जिसेजेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल और प्राइमरी स्कूल के लिए अतिरिक्त कक्षाओं, सरकारी जूनियर कॉलेज के लिए प्रयोगशाला की सुविधा और ग्रामीणों के लिए सामुदायिक भवन कानिर्माणकरने का दायित्व सौंपा गया हैे। कार्य अक्तूबर, 2017 के महीने मेंशुरू किए गए थे और वे फरवरी 2019 तक पूराहो गए थे।

ग्राम गोद लेना - सैन्य माधवराम

गाँव गोद लेने के तहत किए जाने वाले कार्यकलाप (सैन्य माधवराम)

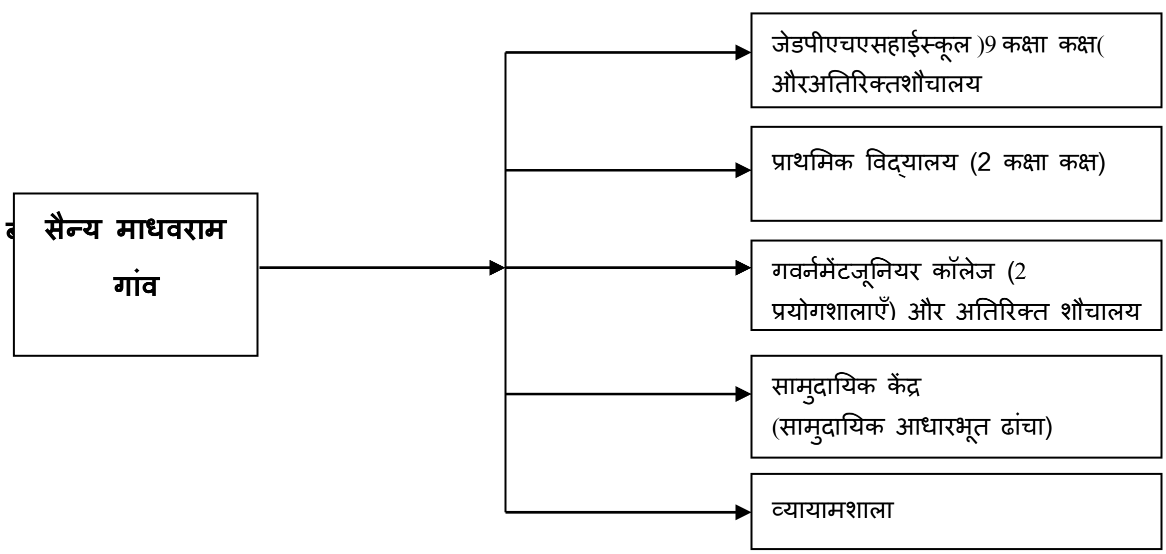

समझौता-ज्ञापनदस्तावेज़ के अनुसार बजट आवंटन

क्र.सं.	विवरण	राशि रुपए में
1	सिविल कार्योंके लिए बीओक्यू	54,900,420.41
2	बिजली के कार्योंके लिए बीओक्यू	2,693,010.13
	छूट	-61.54
	कुल योग	**57,593,369.00**

बजट व्यय:

क्र.सं.	संरचना	क्षेत्रफलवर्ग मीटर में	राशि लगभग रुपए में
1	सामुदायिक भवन	323.35	1,30,00,000
2	व्यायामशाला	110.48	40,00,000
3	प्राथमिक विद्यालय	147.89	40,00,000
4	जेडपीहाई स्कूल	681.53	1,90,00,000
5	गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज	151.48	45,00,000
	कुल	**1414.73 एसक्यूएम (15137 वर्ग फुट)**	**4,45,00,000**

सूचना का स्रोत: श्री वामशी, ठेकेदार, मैसर्स सूर्योदय इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड

क) गांव गोद लेना - जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल, सैन्य माधवराम में 9 कक्षा कक्ष, शौचालयब्लॉक का निर्माण

स्कूल विवरण: जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, सैन्य माधवराम
संख्या: 312 (150लड़के + 162 लड़कियां), शिक्षक: 12
एसएससी 2018-19 परिणाम: 76% (परीक्षा में बैठने वाले छात्र: 72 और उत्तीर्ण: 55)

बीडीएल द्वारा अतिरिक्त कक्षा कक्ष और शौचालय ब्लॉक के निर्माण से पहले जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल की स्थिति:

क्र.सं.	तल/क्षेत्रफल	कक्षा कक्षों की संख्या	स्थिति
1	भूतल, पुराना ब्लॉक	1 कार्यालय कक्ष	ध्वस्त
		1 शेड	ध्वस्त
		3 कक्षा कक्ष	ध्वस्त
		2 कक्षा कक्ष	आंशिक रूप से जीर्ण-शीर्ण अवस्था (अभी ध्वस्त किया

			जाना है)
2	भूतल	1 कार्यालय कक्ष	अच्छी हालत
		1 स्टाफ रूम	अच्छी हालत
		1 वर्चुअल क्लास रूम	अच्छी हालत
		2 क्लास रूम	अच्छी हालत
3	मंज़िल	1 प्रयोगशाला	अच्छी हालत
		1 पुस्तकालय	अच्छी हालत
		1 डिजिटल क्लास रूम	अच्छी हालत

सूचना का स्रोत: प्रधानाचार्य, जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, माधवराम

जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल का बुनियादी ढांचा जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। गांव के अधिकांश बच्चे स्कूल जाने के इच्छुक नहीं थे क्योंकि इमारत की छत टपकरही थी, छत से लोहे की सलाखें देखी जा सकती थीं और साफ-सफाई नहीं थी। श्री मणिक्यलु राव (पूर्व बंदोबस्त मंत्री) ने ग्रामीण विकास पहल के एक भागके रूप में गांव के विकास के लिए बीडीएल से संपर्क किया। बीडीएल ने पूर्व मंत्री के अनुरोध पर विचार किया, विभिन्न विकास गतिविधियों के लिए गांव को गोद लिया और गाँव में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों के लिए 5.76 करोड़ रुपएकी राशि आवंटित की। गांव गोद लेने के कार्यक्रम के भागके रूप मेंबीडीएल ने 2 करोड़ रुपए की राशि सेजेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल के लिए 9 कक्षा कक्ष और 1 शौचालयब्लॉक (6 स्क्वेटिंग प्रकार के मूत्रालय+ 2 आईडब्ल्यूसी + 2 डब्ल्यूसी) का निर्माण किया है।

माधवराम ग्राम में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में जीपीएचएस स्कूल भवन

कक्षा के कमरों को स्कूल प्रशासन को सौंपेजाने के बाद, स्कूल में कक्षाओं के संचालन के लिए पर्याप्त कक्षा कक्ष होंगे। ये सुविधाएं स्कूल के प्रदर्शन को भी बढ़ाएंगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाएंगी।

बीडीएल ने अपने गाँव गोद लेने के कार्यक्रम के तहत जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, माधवराम में नए कक्षा कमरों का निर्माण किया

ख) गांवगोद लेना - प्राथमिक विद्यालय (आनंद लहरी अब्यासनम) में अतिरिक्त दो कक्षा कमरोंका निर्माण

स्कूल में छात्रोंकी संख्या (I से V कक्षा): 70 (35 लड़के + 35 लड़कियां), शिक्षक: 2

उपलब्ध कमरों की संख्या: 2 और कुल वर्ग खंड: 05

बीडीएल द्वाराअपने गांव गोद लेने के कार्यक्रम के तहत प्राथमिक विद्यालय माधवराम में 2 कक्षा के कमरों का निर्माण

बीडीएल द्वारा कक्षा के कमरों के निर्माण से पहले प्राथमिक विद्यालय की स्थिति

प्राइमरी स्कूल, माधवराम में कमरोंऔर अन्य सुविधाओं की कमी थी और इसलिए 2-3 कक्षाके छात्रों को कक्षाओं में पढ़ने के लिए बरामदे/ कक्षा के कमरों में एक साथ बिठायाजाता था। छात्र कक्षा मेंध्यान केंद्रित नहीं कर पाते थे क्योंकि एक शिक्षक के निर्देश दूसरे शिक्षकके व्याख्यान के साथ मिल जाते थे। एक ही कमरे में कई कक्षाओं का संचालन करने से छात्रों को नियंत्रित करने में कठिनाई होती है। ग्रामीणों और स्कूल प्राधिकरियोंने कक्षा के कमरों की कमी की पहचान की और बीडीएल को इसके बारे में अवगत कराया। बीडीएल ने अपने सीएसआर कार्यक्रम गांव गोद लेने के तहत स्कूल के लिए 2 कक्षा के कमरों के निर्माण के लिए भी मंजूरी दी। कक्षा के कमरों का निर्माण कार्य हाल ही में समाप्त हुआ है और कमरे अभी तक सौंपे नहीं गए हैं।

ग) गांव गोद लेना -गवर्नमेंटजूनियर कॉलेज के लिए दो प्रयोगशालाओं का निर्माण

कॉलेज में छात्रों की संख्या: 150, पाठ्यक्रम: एमपीसी, सीईसी और एचईसी

कॉलेज अवसंरचना:कक्षाके कमरों की संख्या: 05, स्टाफ रूम: 1, प्रिंसिपल रूम: 1, ऑफिस रूम: 1, लाइब्रेरी रूम: 1, लैब रूम: 1, स्टोर रूम: 02

बीडीएल द्वारा कक्षा के कमरों के निर्माण से पहले गवर्नमेंटजूनियर कॉलेज की स्थिति

गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, माधवराम अपने आसपास के 10 गाँवों में जूनियर कॉलेज शिक्षा (XI औरXII कक्षा) की जरूरतों को पूरा करता है। इस कॉलेज में पढ़ने वाले अधिकांश छात्र गरीबी रेखा से नीचे हैं। वर्तमान में माधवराम, जगन्नाथपुरम, डंडागरा, उप्पेरगुडेम, अप्पारागपेट, मोड्डुगुंटा, पुलाइगुडेम, वेंकटरालेम, तल्लापालेमऔर कमसलिपालेम आदि जैसे गाँवों से 150 छात्रों ने कॉलेज में I और II दोनों वर्ष में अपना नाम दर्ज कराया। छात्र मुफ्त शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और सरकार से मुफ्त छात्रवृत्ति भी ले सकते हैं। यह कॉलेज जूनियर कॉलेज शिक्षा को प्रोत्साहित करता है और ग्रामीण शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़करता है।

वर्तमान में,अधिकांश कक्षाओं में कॉलेज भवन की छत टपक रही है; बारिश के मौसम के दौरान यहकॉलेज के कार्य को काफी प्रभावित करती है। छत में दरारें और लोहे की छड़ें दिखाई दे रही हैं। इस जीर्ण-शीर्णअवस्था ने छात्रों की सुरक्षा और व्याख्यानों के लिए भी जोखिम पैदा कर दिया। इसलिए इसने कक्षा में शिक्षण और कॉलेज में दाखिले को भीप्रभावित किया। विज्ञान के छात्रों के लिए व्यावहारिक कक्षाओं हेतुअलग प्रयोगशाला कक्ष उपलब्ध नहीं हैं जिससेछात्रों काव्यावहारिक ज्ञान प्रभावित होता है। पुरुष और महिला दोनों कॉलेज के छात्रों के लिए आवश्यक शौचालय ब्लॉक उपलब्ध नहीं हैं।

बाएं: बीडीएल ने मूत्रालयका निर्माण किया, दाएं: बीडीएल ने अपने सीएसआर कार्यक्रम: गांव गोद लेना के तहत जूनियर कॉलेज में रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण किया।

ग्रामीणों, प्रधानाचार्य और अन्य लोगों ने बीडीएल काध्यान कॉलेज की बुनियादी सुविधा समस्याओं की ओर दिलाया; बीडीएल ने उनके अनुरोध को स्वीकार किया, कॉलेज और दो शौचालय ब्लॉकों के लिए दो प्रयोगशालाओं को मंजूरी प्रदान की (5 स्क्वाटिंग टाइप मूत्रालय+4 आईडब्ल्यूसीएसऔर 1 स्क्वाटिंग प्रकार मूत्रालय + 1 आईडब्ल्यूसी) और निर्माण कार्यहाल ही में पूरा हुआ है। प्रयोगशालाओं और शौचालय ब्लॉकों को जल्द ही कॉलेज को सौंप दिया जाएगा। इसके अलावा,प्रधानाचार्य ने बीडीएल को अतिरिक्त 4-5 कक्षा के कमरे प्रदान करने का अनुरोध किया क्योंकि मौजूदा इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्थामें है।

घ) सामुदायिक हॉल और व्यायामशाला:

सामुदायिक केंद्र आम तौर पर अपने समुदाय में कई कार्य करते हैं जैसे कि विभिन्न अवसरों और परंपराओं में सभी सामुदायिक समारोहों के लिए जगह, विभिन्न मुद्दों पर नागरिकों की सार्वजनिक बैठकों के लिए जगह, जहां समुदाय के सदस्य एक-दूसरे से सामाजिक रूप से मिलते हैं, एक ऐसा स्थान, जहां निजी पारिवारिक समारोह या पार्टी कोअपने घर पर न किया जा सकता हो (शादियों आदि) वहां पार्टी इसे सस्ते किराए पर ले सकती है, ऐसा स्थान जो स्थानीय इतिहास के बारे में बताता है। चूंकिसामुदायिकहॉल बीडीएल के ऊपर बताए गए कई उद्देश्यों को पूरा करता है, अत:समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए 323.35 वर्गमीटर के क्षेत्र में सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए 1,30,00,000 रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

आसपास के गाँवों के लोग इस गाँव को सैन्यमाधवरामकहते हैं क्योंकि इस गाँव के हर परिवार काकम से कम एक व्यक्ति सेनामें भर्तीहै। इस गाँव के लगभग 1200 सदस्यों ने पहले और दूसरे विश्व युद्ध में भाग लिया था। इन युद्धों में लगभग 91 सैनिक मारे गए थे। सेना में शामिल होना इस गांव के हर युवा का एक सपना है। सैन्य चयन के लिए शारीरिक चयन महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक है। इसका समाधान करने के लिए बीडीएल ने110.48 वर्गमीटर के क्षेत्र में व्यायामशाला हॉल के निर्माण के लिए 40,00,000 रुपएस्वीकृत किए हैं।

बीडीएल द्वारासैन्य माधवराम में सामुदायिकहॉल का निर्माण

टिप्पणी

- सामुदायिक केंद्र का निर्माण 323.35 वर्गमीटर के क्षेत्र मेंकिया गया था, जिसमें 1 बड़ा हॉल, 1 दुल्हन का कमरा, 1 दूल्हे का कमरा, 1 कार्यालय कक्ष और 4 शौचालय + 2 शौचालय हैं। इसका निर्माण ग्रामीणों के लिए विवाह, सामुदायिक त्योहारों और कार्यों आदि के उद्देश्य से किया गया था। गांव में सामुदायिक केंद्र के निर्माण से 2000 से अधिक परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है।
- बीडीएल ने जेड.पी.एच.एस.स्कूल की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 9 कक्षाओं के कमरे और एक शौचालय ब्लॉक (2 यूरोपियन स्टाइल क्लोजेट्स + 2 इंडियन स्टाइल वाटर क्लोजेट्स + 6 स्क्वेटिंग मूत्रालय) का निर्माण किया।
- बीडीएल ने गांव में प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़करने के लिए प्राथमिक विद्यालय के लिए 2 कक्षा के कमरों का निर्माण किया।
- बीडीएल ने विज्ञान छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को मजबूत करने के लिए जूनियर कॉलेज के लिए दो प्रयोगशालाओं का निर्माण किया।

- बीडीएल ने गांव में एक व्यायामशाला हॉल का निर्माण किया। आसपास के गाँवों के लोग इस गाँव को सैन्यमाधवरम कहते हैं क्योंकि इस गाँव के हर परिवार काकम से कम एक व्यक्ति सेना में भर्ती है। व्यायामशाला हॉल का उपयोग सशस्त्र बलों में शामिल होने और शारीरिक गतिविधियों के लिए इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाता है। ये अच्छेस्वास्थ्य और वजन घटाने को बढ़ावा देते हैं, यह हड्डियों को कमजोर होने से रोकने में मदद करते हैं और मांसपेशियों की ताकत, संतुलन और लचीलेपन में सुधार करते हैं।
- गांव में शिक्षा के बुनियादी ढांचे और सामुदायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ग्रामीणों ने बीडीएल के प्रयासों की बहुत सराहना की।

बातचीत 1:

श्री एम. नागेश्वर राव, प्रधानाचार्य, जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल, माधवरम
दौरे की तारीख: 19.6.2019
श्री एम.नागेश्वर राव ने बतायाकि बरसात के दौरान टूटी दीवारों और स्लैब से पानी रिसने के कारण स्कूल भवन कक्षाओं का संचालन करने की स्थिति में नहीं है। माता-पिता को भी डर था क्योंकि इमारत की छत टपकरही थी और लोहे की सलाखें बाहर निकली हुई साफदिखाई दे रहे थींजिसने स्कूल के बच्चों के लिए खतरा पैदा कर दिया था। स्कूल में10वीं कक्षा तक कक्षाएं चलाई जाती हैं, लेकिन कक्षा के केवल 3-4 कमरे हीकक्षाएं चलाने की स्थिति में हैं। भवन के भूतल में कार्यालय कक्ष, शेड, 3 कक्षाओंके कमरे जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थे और 2 कक्षा के कमरे आंशिक रूप से जीर्ण-शीर्ण थे। स्कूल में शौचालय की पर्याप्त सुविधा भी नहीं थी, कुल मिलाकर 162 बालिकाओं के लिए केवल 3 शौचालय और 2 मूत्रालय उपलब्ध हैं। इसी प्रकार,150 बालकोंके लिए 2 शौचालय और 2 मूत्रालय उपलब्ध हैं। आधारभूत ढांचे के अभाव नेस्कूल मेंबच्चों के दाखिलेऔर बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित किया।

उन्होंने यह भी बताया कि जेड.पी.एच.एस. हाई स्कूल ताडेपल्लीगुडेम मंडल में सबसे अच्छे स्कूलों में से एक है, पहले इस स्कूल के अधिकांश छात्रों को सेना और अन्य रक्षा सेवाओं में चुना गया था। आंध्र प्रदेश सरकार के भूतपूर्व मंत्रीश्री मानिकयाल राव ने गांव की समस्याओं जैसे स्कूल और कॉलेज मेंबुनियादी ढांचे, सामुदायिक हॉल, व्यायामशाला आदि की कमी को पहचाना तथारक्षा मंत्रालय और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) को भी इसके बारे में अवगत कराया। बीडीएल ने वर्ष 2017-18 केअपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत विकासात्मक गतिविधियों को लागू करने के लिए गाँव की बुनियादी सुविधाओं को मान्यता दी और गाँव को गोद लिया।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि गांव गोद लेने के कार्यक्रम के एक भागके रूप में, बीडीएल ने जेड.पी.एच.एस.हाई स्कूल के लिए 9 कक्षाओं के कमरों का निर्माण किया, जिसमें प्राइमरी स्कूल के लिए 2 कक्षा कक्ष, गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज के लिए 2 प्रयोगशालाएँ, ग्रामीणों के लिए सामुदायिक हॉल और व्यायामशाला शामिल हैं। उन्होंने बीडीएल को कक्षा में प्रभावी शिक्षण के लिए छात्रों की बुनियादी

आवश्यकता को पूरा करने के लिए कक्षाओं को स्कूल को सौंपने का अनुरोध किया। श्री राव ने ग्रामीण शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़करने के लिए बीडीएल के प्रयासों की सराहना की।

बातचीत2

ग्राम के बुजुर्ग: i) श्री पृथ्वी राघैया, श्री कृष्ण, श्री पी.वीरा वेंकट राव, श्रीमती पासला वेंकट लक्ष्मी (एमपीटीसी)

गाँव के बुजुर्गों के साथ बातचीत करने पर उन्होंने बतायाकि बीडीएल के प्रयास से स्कूल और जूनियर कॉलेज की बुनियादी सुविधाएं जैसे कि कक्षा के कमरे और प्रयोगशाला, गाँव की बुनियादीसुविधाएं जैसे सामुदायिकहॉल और व्यायामशाला हॉल का निर्माण हुआ। ग्रामीणों ने अनुमान लगाया कि बीडीएल ने इन विकासात्मक कार्यों पर लगभग 5 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

उन्होंने साझा किया कि गाँव को गोद लेने के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में गाँव में बनाया गया बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल लोगों के लिए सामुदायिक उत्सव, विवाह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठकें आदि आयोजित करने के लिए उपयोगी होगा। ग्रामपंचायत ने सामुदायिक हॉल के परिचालन खर्च को पूरा करने के लिए एक दिन के लिए सामुदायिक हॉल का उपयोग करने पर800-1000/- रुपए का नाममात्र का प्रभार लेने का निर्णय लिया है। सामुदायिक हॉल के कार्योंको हाल ही में संपन्न हुआ है और इसे अभी सौंपा जाना था।

ग्रामीणों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गाँव के इतिहास से प्रेरित गाँव के अधिकांश युवा मातृभूमि की सेवा में विश्वास करते हैं, इसलिए इस गाँव के अधिकांश युवा नियमित रूप से सेना के चयन में भाग लेने के लिए उपस्थित होते हैं। सेना चयन प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता एक महत्वपूर्ण पहलू है। शारीरिक फिटनेस सेंटर (जिमनैजियम) की कमी से गाँव के युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। इसी कारण से बीडीएल ने अपने सीएसआर प्रस्तावना के तहत गांव में व्यायामशाला हॉल का निर्माण किया। व्यायामशाला हॉल का निर्माण कार्य दो महीने पहले समाप्त हो गया था। अभी इसे सौंपा जाना बाकी है। ग्रामीणों ने बीडीएल से गाँव के युवाओं के लिए व्यायामशाला उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध भीकिया है।

ग्रामीणों ने स्कूलों के लिए कक्षा के कमरों और कॉलेज की व्यावहारिक प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए बीडीएल की सराहना की और उन्होंने यह भी माना कि शिक्षा के बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़करने से गाँव में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

परियोजना 2:

गाँव गोद लेना-

गोंडुपालेम, विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य

2017-18 के लिए

बजट आवंटन: 20.00 लाख रुपए, व्यय: 23.25 लाख रुपए

2016-17 के लिए

बजट आवंटन: 80.00 लाख रुपए, व्यय: 58.42लाख रुपए

विकासात्मक गतिविधियों की संख्या: 3

1) आरओ वाटर प्लांट की स्थापना

2) सामुदायिक केंद्र का निर्माण

3) 80 घरेलू शौचालयों और स्कूल शौचालयों का निर्माण

भौगोलिक रूपरेखा:

गोंडुपालेम गांव आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापट्टनम जिले के कटकोपाडुमंडल में स्थित है। यह जिला मुख्यालयविशाखापट्टनम से 32 कि.मी.पश्चिम में स्थित है। गोंडुपलेम, किंतडाकोट्टापडू से 7 कि.मी.दूर है और इसकेआस-पास के गाँव किंटदा (2 कि.मी.), अर्ले (2 कि.मी.), पेडम्पेटा (3 कि.मी.), सीमुनापल्ले (4 कि.मी.) और अलमांडा भीमवरम (4 कि.मी.) हैं। गोंडुपालम पश्चिम की ओर चोडावरममंडल, दक्षिण की ओर सब्बावरममंडल, दक्षिण की ओर देवरापल्लेमंडल, उत्तर की ओर चेदिकडामंडल और पश्चिम की ओर चेदिकादामंडल से घिरा हुआ है।

जनगणना2011

विवरण	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**
घरों की कुल संख्या	777	-	-
जनसंख्या	2,926	1441	1,485
बच्चे (0-6 वर्ष)	344	176	168

अनुसूचित जाति	25	16	09
अनुसूची जनजाति	15	09	06
साक्षरता	53.45%	67.51%	39.94%
कुल कार्यकर्ता	1,634	903	731

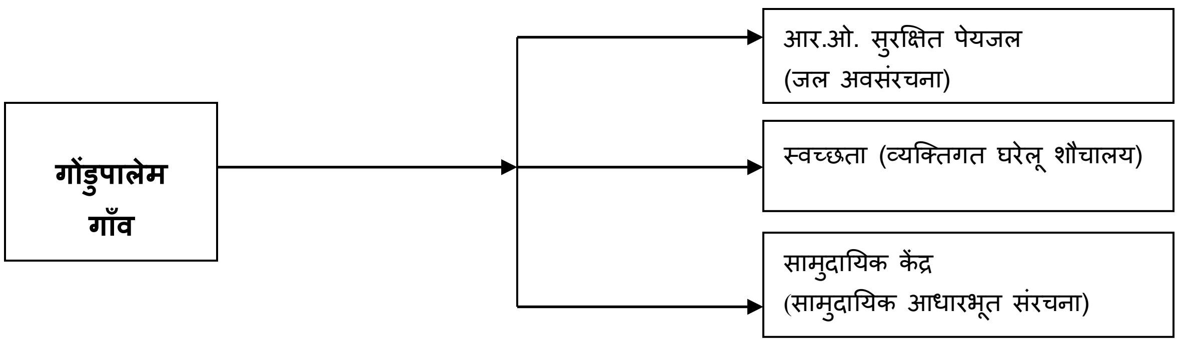

टिप्पणियां और निष्कर्ष:

2018-19

- 2017-18 और 2018-19 के दौरान, लगभग 15-20 विभिन्न कार्यक्रम जैसे विवाह, जन्म दिवस समारोह, लायंस क्लब स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि का आयोजन सामुदायिक हाल में नाममात्र किराए के आधार पर किया गया। ग्रामपंचायत द्वारासामुदायिक हॉल के रखरखाव के लिए कार्यक्रम के प्रत्येक समारोहके लिए 800/- रुपए का मामूली शुल्क लिया जाता है।
- 2018-19 के दौरान, ग्रामपंचायत ने आरओ पानी के रखरखाव और बिक्री के अधिकार के लिए श्री मुथेला नायडू को आरओ वॉटर प्लांट पट्टे पर दिया। इस संबंध में वे ग्राम पंचायत को 10,000/- रुपए देने पर सहमत हुए। गांववासी 20 लीटर पानी केकैन के लिए 5 रुपए का नाममात्र शुल्क देकर आरओ पानी पर ले सकते हैं। 2017-18 और 2018-19 के दौरान संयंत्र का दैनिकजल उपयोग लगभग 1000 लीटर है। आरओ के पानी कारोजाना लगभग 50 गांववासीउपयोग करते हैं।
- बीडीएल द्वारा 2016-17 के दौरान निर्मित 80 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का ग्रामीणों द्वारा उचितउपयोग किया जा रहा है। अत:बीडीएल गांव गोद लेने के कार्यक्रम के उद्देश्यों को ग्रामीणों ने पूरा किया।

बीडीएल कम्युनिटी हॉल - नवीनतम फोटो

2017-18

- सामुदायिक केंद्र का निर्माण लगभग 2400 (45X60) वर्ग फीट के क्षेत्र में किया गया था, जिसमें 1 बड़ा हॉल, 1 दुल्हन काकमरा, 1 दूल्हे का कमरा, 1 पूजा (कार्यालय) कमरा और 2 शौचालय शामिल हैं। अब ग्राम पंचायत सामुदायिक केंद्र के लिए भी अहाता/ चारदीवारीबनाने की योजना बना रही है। सामुदायिक केंद्र में बोरवेल मोटर भी लगाई जा रही है। सामुदायिक केंद्र काबीडीएल केनिदेशक (तकनीकी)द्वारा आधिकारिक तौर पर 7नवंबर, 2017 को उद्घाटन किया गया था। इसका निर्माण गांववासियों के लिएविवाह, सामुदायिकत्योहारों और कार्यों आदि जैसे उद्देश्यों की पूर्ति के के लिए किया गया। गांव में सामुदायिक केंद्र से 800 से अधिक परिवारों को इससेलाभ होने की उम्मीद है।
- बीडीएल ने वर्ष 2016-17 के दौरान गाँव में आरओवाटर संयंत्रका निर्माण किया है। कच्चे पानी के भंडारण के लिए दो 1000 लीटर के सिंटैक्स टैंकों का उपयोग किया गया है और 2000 लीटर के एक स्टेनलेस स्टील टैंक का उपयोग फ़िल्टर्ड पानी के भंडारण के लिए किया जा रहा है। ग्रामपंचायत आरओ पानी संयंत्र के परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए 20 लीटर टिन/कैन के लिए 5/- रुपए का नाममात्र शुल्क लेतीहै ताकि गांववासियों के लिए आर.ओ. वॉटर का प्रचालनात्मक व्यय पूरा किया जा सके। ग्रामीणों के लिए आरओ पानी लेनेके लिए प्रत्येक संयंत्र में 4 नल लगाए गए हैं। जल संयंत्र प्रति घंटा लगभग 2000 लीटर पानीशुद्ध करता है। संयंत्र का दैनिक जल उपयोग लगभग 1000 लीटर है। संयंत्रका परिचालन समय सुबह 7 बजे से 10 बजे तक और सायं4 बजे से7.30 बजे तक है।

- बीडीएल ने गाँव गोद लेने के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 80 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया है। यह देखा गया है कि अभी भी लगभग 70 घरों में शौचालय की सुविधा नहीं है क्योंकि इनमें से अधिकांश घरों में शौचालय निर्माण के लिए अपने परिसर में पर्याप्त जगह नहीं

है। शौचालयों के निर्माण के बाद, अधिकांश ग्रामीणों ने खुले में शौच करना बंद कर दिया है और वेअपने व्यक्तिगत घरेलू शौचालय की सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। वे स्वच्छ परिवेश, स्वच्छ भारत और सुरक्षित पेयजल आदि को बनाए रखने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

- ग्रामीणों ने गाँव को गोद लेने और विकासात्मक सीएसआर पहलों की बहुत सराहना की है।

गोंडुपालेम गांव, के. कोटापाडुमंडल विशाखापट्टनम जिला,आंध्र प्रदेश में बीडीएल द्वारा स्थापित नया आरओसंयंत्र

हितधारकों से संवाद:

साक्षात्कार-1

श्री वंताकुश्रीनिवास, सरपंच-गोंदुपालेम गाँवके साथ साक्षात्कार

दिनांक और समय: 27.3.2018 कोदोपहर 12.00 बजे

स्थान: गोंदुपलेम गाँव

गौंडुपालम गांव में बीडीएल द्वारासामुदायिक हॉल का निर्माण

श्री वी.श्रीनिवास, ग्राम सरपंच बीडीएल सीएसआर परियोजनाओं से अत्यधिक संतुष्ट हैं, जिन्हें वर्ष 2016-17 के दौरान बीडीएल सीएसआर गाँव गोद लेने के कार्यक्रम के एक भागके रूप में गोंदुपलेम गाँव मेंशुरू

किया गया था। उन्होंने सामुदायिकहॉल के निर्माण, व्यक्तिगत घरेलू शौचालय और आरओ वाटर संयंत्रकी स्थापना के बारे में बताया। बीडीएल ने गांव में सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए लगभग 37 लाखरुपए, 80 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण के लिए लगभग 27.20 लाखरुपए, आरओ वाटर संयंत्रकी स्थापना के लिए 8 लाखरुपए, स्कूल में नल से पानी पहुंचाने के लिए 1.35 लाख रुपएऔर गाँव में बिजली ट्रांसफार्मर के लिए 2.35 लाख रुपए खर्च किए हैं। बीडीएल ने एमपीडीओ सुश्रीपूर्णिमा देवी, जिला कलेक्टर, श्री रामनायडु-पूर्व विधायक और गाँव के अन्य बुजुर्गों के कुशल नेतृत्व में गाँव में विकासात्मक गतिविधियों की शुरुआत की है।

आरओ वाटर संयंत्रमशीनरी

उन्होंने यह भी कहा कि आरओ वाटर संयंत्रका उद्घाटन श्री वी. उदयभास्कर, सीएमडी, बीडीएल द्वारा23 जुलाई, 2016 को किया गया था।इससे पहले, गांववासीउच्च फ्लोराइड तत्व वाले पेयजल का उपयोग करते थे जिससे स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों होती हैं। ग्रामपंचायत आरओ जलसंयंत्र के परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए 20 लीटर टिन के लिए 5/- रुपए का मामूली शुल्क लेरहीहै।

उन्होंने यह भी कहा कि बीडीएल द्वारा 80 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण गांव गोद लेने के कार्यक्रम के भागके रूप में किया गया था। ग्रामपंचायत टीम ने उन लाभार्थियों की पहचान की, जिनके पास शौचालय की सुविधा नहीं थी। वर्ष 2016-17 के दौरान 80 आईएचएचटी के निर्माण के लिए बीडीएल को एकचयनित सूची सौंपीगई थी।

पहले गांव की अधिकांश महिलाएं शौच के लिए अंधेरा होने का इंतजार करती थीं। बीडीएल के प्रयास से खुले में शौच जानाकम हुआ है क्योंकि ग्रामीणों के पास अब अपनी आईएचएचटीकी सुविधा है। तथापि, अभी भी 70 घरों में शौचालय के निर्माण के लिए उनके परिसर में भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण उनके पास शौचालय की सुविधा नहीं है।ग्राम पंचायत बीडीएल के सहयोग से इस समस्या को हल करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि गाँव को गोद लेने के कार्यक्रम के भागके रूप में गाँव में निर्मित बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल लोगों के लिए सामुदायिक उत्सवों, विवाह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बैठकों आदि का आयोजन करने के लिए बहुत उपयोगी है। ग्रामपंचायत सामुदायिक हॉल के परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए एक दिन के लिए सामुदायिक हॉल का उपयोग करने के लिए 1000/-रुपएकी नाममात्र की राशि वसूलती है। बोरवेल मोटर लगानेऔर चारदीवारीके निर्माण जैसे कुछ लंबित मुद्दों के कारण सामुदायिक केंद्र पूरी तरह से चालू नहीं है, जिसका जल्दी ही समाधान किया जाएगा।

साक्षात्कार 2

श्रीमती बोडा वारालक्ष्मी के साथ साक्षात्कार

बीडीएल व्यक्तिगत घरेलू शौचालय लाभार्थी

दिनांक और समय: 27.3.2018 कोदोपहर 1.00 बजे

स्थान: गोंडुपालेम

श्रीमती बोडा वारालक्ष्मी, आयु42 वर्ष, गोदुपालेम गाँव की निवासी हैं, और उनका 5 सदस्यों का परिवार है। उसने कहा कि बीडीएल ने बिना किसी खर्च के उनकेपरिवार के लिए शौचालय की सुविधा का निर्माण किया है। खुले में शौच जानेकी प्रथा के कारण उन्हेंकाफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था जिसके कारण परिवार के एक सदस्य को गंभीर चोट भी आई थी। परिवार के बूढ़ेसदस्यों के लिए लंबी दूरी तय करना और खुले में शौच जाना मुश्किल था। परेशान होकर परिवार ने ग्रामपंचायत सेअपने घर में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय बनानेके लिए आवेदन किया। उनकेपरिवार की आय बहुत कम होने के कारण वहइस सुविधा का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थी। वर्तमान में परिवार पर्याप्त पानी की उपलब्धता के साथ शौचालय की सुविधा प्राप्त कर रहा है।

बीडीएल व्यक्तिगत घरेलू शौचालय लाभार्थी श्रीमती बोडा वारालक्ष्मी

साक्षात्कार3

श्रीमती झांसी, श्रीमती सुरम्मा, श्रीमती नुका रत्नम और अन्य महिलाओंके साथ साक्षात्कार

बीडीएल व्यक्तिगत घरेलू शौचालय लाभार्थी
दिनांक और समय: 27.3.2018 को दोपहर 2.00 बजे
स्थान: गोंडुपालेम

श्रीमती पेडितलम्मा, कंडेपल्लीलक्ष्मी, के. नागा संतोषी, श्रीमती झानी, श्रीमती सुरम्मा, श्रीमती नुका रत्नम और गाँव की अन्य महिलाओं के साथ बातचीत करने परहमें पता चला किपहले उनके परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण करने में असमर्थ थे, क्योंकि उनकी आमदनीबहुत कम थी, जिसके परिणामस्वरूप परिवार अपने घरों से 1 कि.मी.दूर खुले में शौच करनेके लिए जाते थे। गाँव की अधिकांश महिलाएँ शौच जाने के लिए अंधेरा होने का इंतजार करती थीं। शौच क्षेत्र झाड़ियों, पत्थरों, सांपों, बिच्छुओं आदि से भी भरा हुआ था, और विशेष रूप से रात में खतरनाक था। श्रीमती नागा संतोषिनीउन लाभार्थियों में से हैं जिन्होंने अपने परिवार को ग्राम पंचायत में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के लिए तुरंतआवेदन करने के लिए राजी कर लिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया और उनके परिवार को बीडीएल व्यक्तिगत घरेलूशौचालय निर्माण कार्यक्रम के लिए चुना गया।

साक्षात्कार 4
श्री अबाड्डमके साथ साक्षात्कार
आरओ वाटर संयंत्रसंचालक
दिनांक और समय: 27.3.2018 को 3.00 बजे
स्थान: गोंडुपालेम

श्री अबददाम गाँव में आरओ वाटर संयंत्रकी स्थापना के समय से आरओ वाटर प्लांट ऑपरेटर के रूप में काम कर रहा है। आरओ संयंत्रस्थापित होनेसे पहले, ग्रामीण ग्रामपंचायत केबोरवेलपानी का उपयोग करते थे तथाउन्हें बुखार, खांसी, सर्दी, टाइफाइड और अन्य जल जनित बीमारियों जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता था। आरओ वाटर संयंत्र लगने के बाद सेअब ये सभी स्वास्थ्य समस्याएं नियंत्रण में हैं। वह दो दिनों में एक बार फिल्टर को साफ करता है और 30 दिनों में एक बार फिल्टर बदलता है। वह वैकल्पिक दिनों में दो घंटे आरओ वाटर संयंत्रका संचालन करता है। जल संयंत्र प्रति घंटा लगभग 2000 लीटर पानीशुद्ध करता है। पोर्टेबिलिटी और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए महीने में एक बार आरओ पानी की जांच की जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामपंचायत सुरक्षित पेयजल के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है और ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने के लिए शिक्षित कर रही है। आसपास के गाँव जैस आर. नपालेम के लगभग 10-15 ग्रामीण भी संयंत्रसे आरओ का पानी लेतेहैं। प्राइमरी स्कूल, सेकेंडरी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों और मंदिरों द्वारा प्रतिदिन लगभग 300 लीटर आरओ पानी मुफ्त में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बीडीएल के इन प्रयासों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

संतुष्टि

क्र.सं.	पैमाना	हितधारकों का संतुष्टि स्तर			
		ग्राम सरपंच	ग्रामपंचायत वार्ड सदस्य और ग्राम बुजुर्ग	ग्रामीण	एएनएम, वीओए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मचारी
क) आरओ वाटर संयंत्रकी स्थापना					
1	सुरक्षित पेयजल (आरओ वाटर) सुविधा की उपलब्धता में वृद्धि (24X7)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	सुरक्षित पेयजल में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	सामुदायिक स्वामित्व पहलमें वृद्धि और स्वास्थ्य लाभ के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सहयोग	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	जल जनित रोगों जैसे टाइफाइड, हैजा, पेचिश, मलेरिया आदिमें कमी।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
ख) व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण					
1	स्वच्छता सुविधाओं में सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	खुले में शौच जानेमें कमी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
ग) सामुदायिक केंद्र					
1	ग्राम विकास में सामुदायिक भागीदारी में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	विभिन्न त्योहारों, कार्यक्रमों, समारोहों आदि के आयोजन में वृद्धि।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

3	सामुदायिक केंद्र में विभिन्न कौशल विकास गतिविधियों में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	समाज में रिश्तों का बेहतर होना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
घ) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र					
1	बेहतर स्वास्थ्य अवसंरचना	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	बेहतर स्वास्थ्य केंद्र प्रदर्शन	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3	स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धतामें वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4	विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमोंआदि के आयोजन में वृद्धि।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	समग्रचार गतिविधियों की रेटिंग	**उच्च**	**उच्च**	**उच्च**	**उच्च**

पर्यावरणीय स्थिरता क्षेत्र परियोजना:

परियोजना 1: राजन्ना सिरसीला जिले में वृक्षों की सुरक्षा दीवार बनाना

परियोजना 1:

राजन्ना सिरसिला जिला में वृक्षों की सुरक्षा दीवार बनाना
स्थान: राजन्ना सिरसीला जिला
बजट आवंटन: 70 लाख रुपए
व्यय: 63 लाख रुपए
कार्यान्वयन एजेंसी: जिला प्रशासन, राजन्ना सिरसीला जिला

हरीथा हरम - राजन्ना सिरसिला जिला:
तेलंगानाकु हरिता हराम का और अधिक विकास करने के लिए, सरकार के प्रमुख कार्यक्रम में राज्य में हरित आवरण को वर्तमान 24 प्रतिशत से बढ़ाकर 33 प्रतिशत करने की परिकल्पना की है। इसलिएराजना-सिरसीला जिला प्रशासन, हरित पहल को एक मिशन मोड में शुरू किया है। यह पहल हरीता हरम कार्यक्रम के तहत लगाए गए पौधोंको बरकरार रखने के लिए प्रारंभ की गई है। यहां यह उल्लेख किया जाताहै कि 2015 में कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से, सरकार ने तीन चरणों में 2015-16

में 15.86 करोड़ रुपए, 2016-17 में 31.67 करोड़ रुपएऔर 2017-18 में काफी अधिक 40 करोड़ रुपएका लक्ष्य रखा है।

इस कमी को पूरा करने के लिए, सरकार ने कई उपाय किए हैं जैसे वृक्षों की सुरक्षा दीवार बनाना, बारिश न होने पर पौधों को पानी देना और गर्मियों के दौरान और पौधों की रक्षा के लिए ग्रीन ब्रिगेड का गठन करना। इसके अलावा, अधिकारियों ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पौधों की जियो-टैगिंग भी की है। इस पृष्ठभूमि में, राजना-सिरसिला केपूर्व जिला कलेक्टर, कृष्ण भास्कर ने हर शुक्रवार को हरित दिवस मनानेकाविचार दियाताकि पौधों की सुरक्षा मिशन मोड में की जा सके। इस प्रकार उन्होंने अधिकारियों को अभियान चलाने का निर्देश दिया।

तेलंगानाकु हरिता हरामकार्यक्रम के तीसरे चरण के तहत संयुक्तकरीमनगर में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 80 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करके राजन्ना सिरसिला जिला तीसरे स्थान पर है। यद्यपि लक्ष्य प्राप्त किया गया था, लेकिनरखरखाव और वृक्षारोपण पश्चात्देखभाल की कमी के कारण पौधों के बचे रहने की स्थिति पर सवाल उठाए गए थे।

इस संबंध में जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, राजन्ना सिरसीला जिला (तेलंगाना राज्य) ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि पौधे सुरक्षित रहें, उन्हें अधिक संख्या में वृक्षों की रक्षा करने वाले गार्ड की आवश्यकता है। इसकेलिए कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, राजन्ना सिरकिला जिले ने 50,000 ट्री गार्ड की तैनातीके लिए बीडीएल से वित्तीय सहायता के लिए अनुरोध किया है और 70 लाख रुपए का अनुमान प्रस्तुत किया है।

बीडीएल ने सीएसएलऔर सीएसमजिस्ट्रेट, राजन्ना सिरसीला जिले केअनुरोध को स्वीकार कर लिया है कि वे बीडीएल-सीएसआर पहल के तहत राजन्ना सिरकिला जिले (तेलंगाना राज्य) के विभिन्न भागोंमें ट्री गार्ड तैनात करने के लिए70 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

परियोजना की एकझलक:

1. परियोजना का नाम	2018-19 के लिए राजना सिरसिला जिले में ट्री गार्ड
2. परियोजना की अवधि	2018-19
3. समझौता-ज्ञापनकी तारीख	23 2018 जनवरी।
4. परियोजना प्रारंभ तिथि और अंतिम तिथि	जुलाई, 2018 और मार्च, 2019
5. परियोजना का उद्देश्य	मौसम, जानवरों और उपकरणों से होने वाले नुकसान से पौधों को बचाने की उत्तरजीविता दर को बढ़ाना।
6. आपूर्तिकर्ता विवरण	• सैलॉन इंडिया, सी-19/87, कृष्णा इंडस्ट्रियल एस्टेट, गरवा, वडोदरा। • इंडोनेट प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, सी-243/324, जीआईडीसी

	इंडस्ट्रीज एस्टेट, वेघोडला, 331760, जिला वुददक्स गुजरात। • विजयनेहा पॉलिमर प्रा.लि., 8-3-332, मैयार्देवपल्ली, राजेंद्रनगर, आरआर जिला, हैदराबाद। • प्लैनेटपोलीनेट, 101, 33/ए, पुष्कर बोलोसूम, राम मंदिर रोड, यूको बैंक के पास, स्वावलंबीनगर, नागपुर।
7. प्रत्येक ट्री गार्ड की दर	167/- रुपए
8. आपूर्तिकी मात्रा	20,000 नं.
9. कुल राशि	33,40,000/- रुपए
10. बीडीएल द्वाराजिला कलेक्ट्रेट सिरकिला को जमा कुल राशि	63,000/- रुपए

बीडीएल वितरित ट्री गार्ड की स्थिति:

क्र.सं.	**मंडल का नाम**	**ग्राम पंचायतों की संख्या**	**ट्री गार्ड की आपूर्ति की संख्या**	**इस्तेमाल किए गए ट्री गार्ड की संख्या**	**लगाए गए पौधों की संख्या**	**बचाए गए पौधों की संख्या**	**टिप्पणियां**
1	गंभीराओपेटा	15	4350	4350	4350	3760	
2	मुस्ताबाद	0	2500	0	0	0	एमपीडीओ कार्यालय में स्टॉक
3	सिरीसिला	34	8660	8660	8660	8660	
4	येल्लारेडीपेटा	7	4490	4490	4490	2680	
		कुल	**20000**	**17500**	**17500**	**15100**	

सिरीसिलामंडल को आपूर्ति किए गए ट्री गार्ड - वर्तमान स्थिति

लगाए गए पेड़ों के नाम: कनुगा, गुलमोहर, गणनेरु, एडाकुला पुला, चायना बडम, फ़ेलोफ़ोम, टेकोमा

क्र.सं.	**मंडल का नाम**	**ग्राम पंचायत का नाम**	**नंबर ट्री गार्ड की आपूर्ति की**	इस्तेमाल किए गए ट्री गार्ड की संख्या	**लगाए गए पौधों की संख्या**	**वर्ग**	**स्थान का नाम**	**नंबर प्लांट बच गए**
1	सिरीसिला	अंकिरेड्डीपल्ली	200	200	755	एवेन्यू	अंकोरदीपल्ली से सरमपल्ली	415
2	सिरीसिला	अंकुशापूर	200	200	427	एवेन्यू	अंकुसापुर से बाबाजी नगर	235
3	सिरीसिला	बदनेपल्ले	600	600	1074	एवेन्यू	आर एंड बी रोड से रमनपल्ली	591
4	सिरीसिला	बालामालुपल्ली	200	200	576	एवेन्यू	बासवापुर से बालमल्लू पल्ली	317
5	सिरीसिला	बसवापुरम	200	200	610	एवेन्यू	रमन्नापल्ली से एदलवानी कुन्ता	336
6	सिरीसिला	बोनाला	100	100	434	एवेन्यू	बनला से चिन्ना बोनाला	239
7	सिरीसिला	चंद्रमपेट	240	240	691	एवेन्यू	चंद्रमपेट से कोलानूर	380
9	सिरीसिला	चिनालिंगापूर	120	120	549	एवेन्यू	चिन्नालिंगपुर से नरसिम्लापल्ली	302
10	सिरीसिला	चिन्ना बोनाला	400	400	747	एवेन्यू	चिन्ना बोनाला से मुस्तिपल्ली	411
11	सिरीसिला	चिंतालतना	200	200	435	एवेन्यू	गोपालरावपल्ली से चिंतालतना	239
12	सिरीसिला	देशईपल्ली	200	200	531	एवेन्यू	सरमपल्ली से मल्लापुर तक	292
13	सिरीसिला	गंडिलाचपेट	120	120	1840	एवेन्यू	पीआर रोड से देवुनी गुट्टा तक	1012
14	सिरीसिला	गोपालरावपल्ली	400	400	674	एवेन्यू	गोपालरावपल्ली से ताडूर	370

15	सिरीसिला	इंदिराम्मा कॉलोनी	80	80	854	एवेन्यू	आरएंडबी रोड़ से मॉडल स्कूल	470
16	सिरीसिला	इंदिरा नगर	80	80	229	एवेन्यू	देसाईपल्ली से मल्लापुर	126
17	सिरीसिला	जिलेल्ला	580	580	860	एवेन्यू	आरएंडबी रोड से मुस्तबाद रोड	473
18	सिरीसिला	कसबेकाटकुर	420	420	1800	एवेन्यू	रतलपेट से कटकुर	990
19	सिरीसिला	लक्ष्मीपूर	120	120	420	एवेन्यू	थांगलापल्ली से गांडी पोचम्मा	231
20	सिरीसिला	मांडेपल्ली	280	280	800	एवेन्यू	थांगलापल्ली से मांडेपल्ली	440
21	सिरीसिला	मुस्तीपल्ली	640	640	1423	एवेन्यू	राजीव नगर से मुस्तिपल्ली	783
22	सिरीसिला	नरसिम्हुलापल्ली	160	160	404	एवेन्यू	बालमल्लुपल्ली से नरसिम्लापल्ली	222
23	सिरीसिला	नेरेल्ला	220	220	390	एवेन्यू	नरेला से नरसिम्लापल्ली	215
24	सिरीसिला	ओबुलापूर (पी.के.)	100	100	1577	एवेन्यू	क्रशरसे ओबुलापुर	867
25	सिरीसिला	पेड्डुर	400	400	1541	एवेन्यू	सब-स्टेशन से तुर्कशिपल्ली	848
26	सिरीसिला	रागुडु	100	100	965	एवेन्यू	आरएंडबी से रोगुडु	531
27	सिरीसिला	रालापेट	120	120	250	एवेन्यू	मंडेपल्ली से रल्लापेट तक	138
28	सिरीसिला	रामचंद्रपूर	300	300	450	एवेन्यू	रामचंद्रपुर से चिन्नालिंगपुर	248
29	सिरीसिला	रमन्नापल्ली	320	320	916	एवेन्यू	बड्डनपल्ली से रमन्नापल्ली	504
30	सिरीसिला	सरमपल्ली	200	200	723	एवेन्यू	सरमपल्ली से बड्डनपल्ली	398

31	सिरीसिला	सरदापुर	300	300	826	एवेन्यू	आरएंडबी रोड से मनियर वागे	454
32	सिरीसिला	थाडुर	160	160	438	एवेन्यू	थांगलपल्ली से ताड़ूर	241
33	सिरीसिला	थंगालापल्ली	680	680	1477	एवेन्यू	थंगलापल्ली से मंडपल्ली रोड	812
34	सिरीसिला	वेनुगोपालपुर	220	220	848	एवेन्यू	वेणुगोपालपुर से गंडीलाचपेट	466
		कुल	**8660**	**8660**	**26933**			**14593**

येल्लारेड्डीपेटमंडल को दिए गए ट्रीगार्ड - वर्तमान स्थिति:

क्र.सं.	**मंडल का नाम**	**ग्राम पंचायत का नाम**	**आपूर्ति किए गए ट्री गार्ड**	**इस्तेमाल किए गए ट्री गार्ड**	**लगाए गए पौधों की संख्या**	**श्रेणी**	**स्थान और पौधों का नाम**	**बचाए गए पौधों की संख्या**
1	वाईआरपेट	अलमासपूर	300	300	300	एवेन्यू	रेड्डीसंगम से पुराना बस स्टैंड (एडाकुलपलेम, गुलमोहर, टेकोमा)	280
2	वाईआरपेट	हरिदासनगर	200	200	200	एवेन्यू	अम्बेडकर से चेरुवुकुट्टा (सीमेटांगेड, गुलमोहर, टेकोमा)	200
3	वाईआरपेट	दुमला	400	400	400	एवेन्यू	मंदिर के लिए दुमला एससी कम्युनिटी हॉल की मुख्य सड़क (सीमतांगड, गुलमोहर, टेकोमा)	250
4	वाईआरपेट	बोप्पापुर	500	500	500	एवेन्यू	हनुमान मंदिर से स्मशानवाटिका(एडकुलपालेम, गुलमोहर, सीमातांग)	400
5	वाईआरपेट	बंदगलीनगमपल्ली	460	460	460	एवेन्यू	पेद्दाम्मा क्षेत्र के लिए बस स्टैंड क्षेत्र (एडाकुलपलेम, टेकोमा, सीमातांग)	400
6	वाईआरपेट	येल्लारेड्डीपेट	700	700	700	एवेन्यू	येल्लम्मा से नारायणपुर, आईओबीसे एससीकॉलोनी (गुलमोहर, एडाकुलपलेम)	400
7	वाईआरपेट	पादिरा	800	800	800	एवेन्यू	आरएंडबी रोड से गांव (एडाकुलपलेम, टेकोमा, सीमातांगेद, गुलमोहर)	750
		कुल	**3360**	**3360**	**3360**			**2680**

गम्भीरावपेट मंडल को आपूर्ति किए गए ट्री गार्ड - वर्तमान स्थिति:

क्र.सं.	मंडल का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	आपूर्ति किए गए ट्री गार्ड	इस्तेमाल किए गए ट्री गार्ड	लगाए गए पौधों की संख्या	श्रेणी	स्थान और पौधों का नाम	बचाए गए पौधों की संख्या
1	जीरावपेट	मुचेरला	250	250	500	एवेन्यू	मुचेरला से चिकोडू (रेनट्री, गुलमोहर)	420
2	जीरावपेट	नर्मला	200	200	200	आंतरिक सड़क	यूपीएस स्कूल से बीसी कॉलोनी (टेकमू)	80
3	जीरावपेट	मल्लारेड्डीपेट	400	400	800	एवेन्यू	मल्लारेडिपेट बस स्टैंड से लिंगनपेट (सीथपाल, रेनट्री, कनउगा	350
4	जीरावपेट	समुद्रालिंगापुर	400	400	400	एवेन्यू	आरबी रोड से गुंडाराम (कनउगा)	250
5	जीरावपेट	देसईपेट	400	400	400	एवेन्यू	जलिगन येलहिया हाउससे मवेशी समूह स्थान (बारला मंडा) (गुलमोहर, रेनट्री)	200
6	जीरावपेट	गौरंतला	350	350	500	आंतरिक सड़क	बस स्टैंड से रोलाबंडा (गन्नेरू, टेकोमा)	280
7	जीरावपेट	लिंगान्नापेट	200	200	380	आंतरिक सड़क	बस स्टैंड सेमलारेडिपेट (गुलमोहर, एडुकलापला)	200
8	जीरावपेट	माल्लुपल्ली	100	100	400	एवेन्यू	मालरेड्डीपेट से आंतरिक सड़क (गुलमोहर)	350
9	जीरावपेट	दम्मन्नापेट	200	200		एवेन्यू	दम्ममनपेट से नागमपेट(सीथपाल, गुलमोहर)	200
10	जीरावपेट	श्रीगदा	250	250	800	एवेन्यू	श्रीगदा बस स्टैंड से गम्भीरावपेट रोड (गुलमोहर, कनउगा)	750

11	जीरावपेट	गंभीरावपेट	350	350	700	एवेन्यू	काकुलगुत्ता से कुर्दिलिंगम शिवारु (गुलमोहर, कनउगा)	200
12	जीरावपेट	मुस्तफानगर	300	300	466	एवेन्यू	पेद्दाम्मा मंदिर से मैकेरेड्डी (कनउगा, सीमथानगेदु)	450
13	जीरावपेट	नागमपेट	200	200	600	आंतरिक सड़क	बीसी कॉलोनी से वॉटर टैंक (टेकोमा, सीमथांगडी)	550
14	जीरावपेट	कोल्लामाडी	300	300	1200	एवेन्यू	पेडम्मा मंदिर से एन. राम कृष्ण हाउस (टेकोमा, रेनट्री)	100
15	जीरावपेट	कोथापल्ली	450	450	800	एवेन्यू	येल्लम्मा मंदिर से शिवाजीनगर (कनउगा, गुलमोहर)	200

मुस्तबाद मंडल - मंडल को ट्री गार्ड वितरित किए गए थे, लेकिन ये मंडल कार्यालय में संग्रहीत किए गए थे। इस वर्ष लगाए गए पेड़ों की सुरक्षा के लिए मंडल के गांवों में ट्री गार्ड तैनातकिए जाने बाकी हैं।

क्र.सं.	**गाँव का नाम**	**पौधया वृक्षों के संरक्षण के लिए ग्राम-वार आवश्यक ट्री गार्ड**
1	अउनूर	100
2	बंदनकल	150
3	चीकोडे	100
4	चिप्पालापाल्ले	100
5	गुडूर	200
6	गुडेम	150
7	कोंडापुर	100
8	रामरेड्डी पल्ली	100
9	रामलक्ष्मणापल्ली	50
10	मोरईपल्ली	50
11	माद्दीकुंटा	200
12	मोहिनीकुंटा	200
13	मुस्थाबाद	200
14	नामापुर	100
15	पोथगल	100
16	मोरीपल्ली	100
17	थेरलमड्डी	100
18	ठुर्कापल्ली	100
19	वेंक्टरावपल्ली	100
20	गोपालपल्ली	50
21	गन्नेवाणीपल्ली	50
22	सल्लाथंडा	100
	कुल	

अंतिम रिपोर्ट में टिप्पणियांऔरबातचीतजोड़ी जाएगी।

अन्य गतिविधियां:

परियोजना 1: कंचनबाग पीएस सीमा पर सीसीटीवी स्थापना

कार्यान्वयन भागीदार: हैदराबाद पुलिस विभाग

2017-18 के लिए

बजट आवंटन: 5 लाख रुपए

बजट व्यय: 4.93 लाखरुपए

2016-17 के लिए

बजट आवंटन: 20 लाखरुपए

बजट व्यय: 15 लाख रुपए

स्थिति: पूर्ण

टिप्पण: *यह परियोजना पहले से ही बीडीएल 2016-17 केप्रभाव मूल्यांकन अध्ययन में शामिल है। 2017-18 के दौरान कोई भी कार्य शुरू नहीं किया गया था।केवल सीसी टीवी इंस्टॉलेशन के लिए शेष भुगतान किया गया था।*

यह परियोजना हालांकि शहर की सीमा में लागू की गई थी। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कंचनबाग मेंरक्षा और अन्य संगठनों जैसे बीडीएल, डीआरडीओ, मिढानी आदिस्थित हैं। पिछले वर्षों में अन्य कंपनियों ने स्थानीय क्षेत्र की सतर्कता और सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया है, इसलिए बीडीएल ने यह पहल की है। बीडीएल ने कंचनबाग पुलिस स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस के साथ साझेदारी की है और कुल 24 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। यह पहल अपराध करने का प्रयास करने वाले अपराधियों के मन में भय पैदाकरके अपराधों को रोकने और नियंत्रित करने में मदद करेगी तथाअपराधियों को पकड़नेमें भी मदद करेगी।

अपराध का पता लगाने में सीसीटीवी कैमरों का महत्व:
सीसीटीवी कैमरा सिस्टम की मदद से, पुलिस स्थानों पर व्यक्तिगतरूप से मौजूद हुए बिनाआसानी से स्थानों की निगरानी कर सकती है और स्थानों को सुरक्षित कर सकती है।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से अपराधियों की पहचान कर सकती है जो कानूनी सबूत भी हैं और न्याय की सेवा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, निगरानी कैमरे संपत्ति की चोरी, और विध्वंससे रक्षा करते हैं। यदि क्षेत्र की कैमरे से निगरानी की जा रही है तो कुछ भीचोरी करना बहुत मुश्किल है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों को पकड़वाने में सीसीटीवी कैमरे बहुत कारगर साबित होते हैं। लोगों को अपराध के बारे में तब तक पता नहीं चलेगा जब तक कि वह किया न जाए। ऐसी स्थिति में पुलिस जांच के दौरान निगरानी फुटेज हमेशा एक महत्वपूर्ण सबूत होता है। निगरानी कैमरेकई अपराध पकड़वाते हैं और उनकी रोकथाम करते हैं।

त्योहारों के दौरान गणेश उत्सव और गणेश विसर्जन, श्री राम नवमी, हनुमान जयंती, रमजान, बकरीद आदि के दौरान सीसीटीवी कैमरे किसी भी अप्रिय घटना से बचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से पहले: वर्ष 2015 के दौरान 7 स्नैचिंग घटनाएं और 2016 में4 स्नैचिंग घटनाएं दर्ज की गई थीं।

सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के बाद: इस क्षेत्र में स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और सामान्य लोगों की हिफाजतऔर सुरक्षा में सुधार हुआ है। वर्ष 2017 और 2018 (31.3.2018 तक) के दौरान स्नैचिंग काकोई मामलादर्ज नहीं किया गया है।

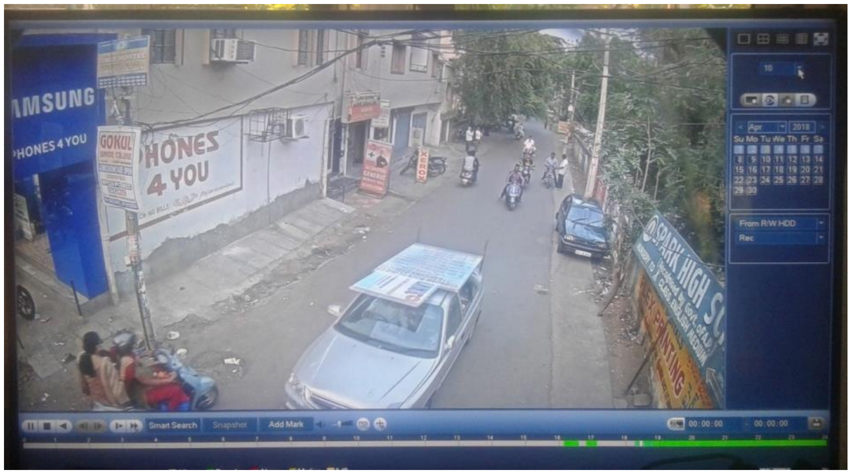

डी.बी नगर का सीसी कैमरा फुटेज

सीसीटीवी कैमरों की स्थापना का मुख्य लक्ष्यऔर उद्देश्य हैदराबाद के नागरिकों की सुरक्षा है। सीसीटीवी कैमरे अपराध पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग के लिए बहुत उपयोगी और सहायक हैं, विशेषकविनायक चवठी, बोनालू, रमजान, बकरीद, अंजनेयाजयंती आदि जैसे त्योहारों के समय।सीसीटीवी कैमरों के बारे में व्यापक प्रचार के कारण, अपराधी अपराध करने से डरते हैं। इनसीसीटीवी कैमरों में वीडियो फुटेज 30 दिन तक दर्ज रहती है।

बीडीएल - पुलिस विभाग ने निम्नलिखित स्थानों पर 24 सीसीटीवीकैमरे लगवाए:
1) बीडीएल मुख्य गेट-3 कैमरे, 2) डीआरडीओ टाउनशिप गेट-2 कैमरे, 3) मारुति नगर-साईंबाबा मंदिर के सामने - 1 कैमरा, 4) मारुतिनगर-चर्च लेन - 1 कैमरा, 5) पूर्वी मारुतिनगर कामन - 1 कैमरा, 6) एचपी पेट्रोल पंप -2 कैमरे, 7) गांधी प्रतिमा - 2 कैमरे; 8) डीबी नगर रोड नं.6-1 कैमरा, 9) वद्देरा बस्ती - 2 कैमरे, 10) सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी-3 कैमरे, 11) भाष्यमस्कूल - 1 कैमरा, 12) डीबी नगर -क्रिस्टल बार के सामने - 1 कैमरा, 13) डी-मार्ट के पास, राजेरेड्डी नगर - 2 कैमरे, 14) इंडो इंग्लिश स्कूल - 1 कैमरा

मामले:
सितंबर, 2017 के महीने में, दो अज्ञात लोगों ने बीडीएल मुख्य द्वार कंचनबाग में संतरी सीआईएसएफ पुलिस से हथियार छीनने की कोशिश की। तत्काल, 392 आईपीई की दफा 392 के तहत एक मामला सीआर सं.174/2017 दर्ज किया गया और सीसीटीवी कैमरा फुटेज की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बीडीएल गेट पर सीसीटीवी कैमरा

हितधारकों के साथ बातचीत:

संवाद-1
श्री शंकर, सर्किल इंस्पेक्टर
कंचनबाग पुलिस स्टेशन
कंचनबाग, हैदरबाद
दौरे की तारीख: 7.4.2018

श्री शंकर, पुलिस सर्किल इंस्पेक्टर ने कहा कि बीडीएल के सहयोगसे, हैदराबाद पुलिस विभाग ने कंचनबाग पुलिस स्टेशन के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर 24 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। सीसीटीवी कैमरे लगवाने का मुख्य उद्देश्य अपराध को नियंत्रित करना और इस क्षेत्र में स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और सामान्य लोगों की सुरक्षा में सुधार करना है।

उन्होंने यह भी कहाकि सीसीटीवी कैमरे लगवाने के बाद सेअपराध दर में काफी कमी आई है। सीसीटीवी कैमरे अपराध की दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए प्रत्येक घर कोखुद को बचाने के लिए साथ-साथ चोरी, गुंडागर्दीआदि जैसी किसी भी अवांछित घटना को रोकने के लिएसीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए। नेनु सेथम परियोजना के तहत, पुलिस स्टेशन के तहतआने वाले क्षेत्रों में 2651 कैमरे लगाए गए थे,जिसके कारण अपराध दर में काफी गिरावट आई है।

संवाद2:

श्री रघुमा रेड्डी, व्यवसाय
ईस्ट मारुथंगर, कंचनबाग पुलिस स्टेशन क्षेत्र
हैदराबाद
दौरे की तारीख: 7.4.2018

श्री रघुमा रेड्डी, व्यवसायिक,पूर्वीमारुतिनगर ने कहा कि बीडीएल और हैदराबाद पुलिस विभाग ने 1 वर्ष पहले मारुथनगर में दो सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। सुरक्षा कारणों से पुलिस विभाग के निर्देशों के अनुसार, पूर्वी मारुति नगर कॉलोनी के सदस्यों ने अपने स्वयं के कॉलोनी परिसर में भीसीसीटीवी कैमरे लगाए। उन्होंने यह भी बतायाकि सीसीटीवी कैमरे लगाने से पहले, स्नैचिंग की 4 घटनाएं हुई थीं जबकिसीसीटीवी कैमरे लगानेके बाद ऐसी घटना एक बार भी नहीं हुई है।

संवाद 3

श्री पी. जयपाल रेड्डी, व्यवसायऔर श्री रघुनंदन रेड्डी, व्यवसाय
मरूथीनगर
कंचनबाग पुलिस स्टेशन क्षेत्र, हैदराबाद
दौरे की तारीख: 7.4.2018

श्री पी.जयपाल रेड्डी और श्री रघुनंदन रेड्डी ने कहा कि बीडीएल और हैदराबाद पुलिस विभाग ने उनके क्षेत्र मारुतिनगर में सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और कॉलोनी के सदस्यों ने अपने परिसर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं। सीसीटीवी कैमरों के लगने के बाद, चोरों को कॉलोनी में दो मौकों पर सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया था। अब हर कोई इस बात से अवगत है कि कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिसके कारण चेन स्नेचिंग, डकैती और महिलाओं और बच्चों के उत्पीड़न की घटनाएं कम हुई हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने की पहल के बाद से कॉलोनी के सदस्य बीडीएल और कंचनबाग पुलिस की बहुत सराहना कर रहे हैं।

संतुष्टि

क्र.सं.	पैमाना	सिपाहीऔर अन्य अधिकारी	कॉलोनी एसोसिएशन के सदस्य	स्थानीय निवास
1	स्थानीय लोगों कीसुरक्षा और आने-जाने की स्वतंत्रता में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ
2	अपराध का पता लगाना और उसकी रोकथाम करना	हाँ	हाँ	हाँ
3	महिला और बाल सुरक्षा में वृद्धि	हाँ	हाँ	हाँ
4	गुंडागर्दीको कम किया	हाँ	हाँ	हाँ
	समंग्रसंतुष्टि स्तर	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**	**बहुत अधिक**

परियोजना 2:

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष

क्षेत्र: सशस्त्र बलों के लाभ के लिए उपाय

बजट आवंटन: 50 लाख रुपए

बजट व्यय: 50 लाख रुपए

बीडीएल ने सैनिकोंके कल्याण के लिए 31.3.2018 को केंद्रीय सैनिक बोर्ड सचिवालयको 50 लाख रुपए(सशस्त्र बल झंडा दिवस निधि) का अंशदान दिया है।

अध्याय IV
प्रभाव आकलन

प्रभाव को प्रासंगिकता, दक्षता, प्रभावशीलता, नवाचार, स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी के छह मानदंडों को ध्यान में रखते हुए मापा गया था।

1 = खराब, 2 = उचित, 3 = अच्छा, 4 = बहुत अच्छा और 5 = उत्कृष्ट

I शिक्षा क्षेत्र परियोजनाएँ

क्र.सं.	**मानदंड**	**क्र.सं.1 और 2**	**क्र.सं.15 और 26**	**क्र.सं.9**
		मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	**चंचलगुडा और चेरलापल्ली जेलों के माध्यम से तेलंगाना में सरकारी स्कूलों के लिए स्कूल फर्नीचर**	**भारत के ब्लाइंड संगठन को स्टेशनरी**
1	प्रासंगिकता	5	4	4
2	दक्षता	5	5	4
3	प्रभावशीलता	5	5	4
4	नवोन्मेष	4	5	4
5	स्थिरता	5	5	4
6	सामुदायिक भागीदारी	4	4	5
	कुल	5	5	4

II. स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र परियोजनाएँ

क्र.सं.	**मानदंड**	**क्र.सं. 3 और 4**	**क्र.सं. 8**	**क्र.सं. 25**
		मोबाइलमेडिकलनलगोंडाऔरविशाखापत्तनम	*कृत्रिम अंगों का वितरण - सिद्दीपेट, तेलंगाना राज्य*	*श्रवण विकलांगता वाले लोगों के लिए कोचलियन इंप्लांट परियोजना*
1	प्रासंगिकता	5	5	5
2	दक्षता	4	4	5

3	प्रभावशीलता	5	4	4
4	नवोन्मेष	4	4	5
5	स्थिरता	5	4	4
6	सामुदायिक भागीदारी	4	5	4
	कुल	5	4	4

III सुरक्षित पेयजल परियोजना

क्र.सं.	**मानदंड**	**सुरक्षित पेयजल परियोजना - नांदी फाउंडेशनक्र.सं. 5**
		5
1	प्रासंगिकता	**5**
2	दक्षता	**4**
3	प्रभावशीलता	**5**
4	नवोन्मेष	**4**
5	स्थिरता	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**4**
	कुल	4

IV कौशल विकास:

क्र.सं.	**मानदंड**	**क्र.सं. 3 और 4**	**क्र.सं. 6 और 27**	**क्र.सं. 10**
		सिपेटके माध्यम से बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण	*आईजीआईएटी**कौशल विकास***	*आईटीआई को अपनाना(सरकारी आईटीआई, पुराने शहर और सरकारी आईटीआई, अलवाल)*

1	प्रासंगिकता	**5**	**5**	**4**
2	दक्षता	**5**	**5**	**5**
3	प्रभावशीलता	**5**	**5**	**5**
4	नवोन्मेष	**4**	**4**	**4**
5	स्थिरता	**5**	**5**	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**4**	**4**	**4**
	कुल	**5**	**5**	**4**

V स्वच्छता क्षेत्र परियोजनाएँ

क्र.सं.	**मानदंड**	**क्र.सं. 11** *तेलंगाना राज्य के सरकारीस्कूलों में स्कूलशौचालयों का रखरखाव।*	**क्र.सं. 12** *आंध्र प्रदेश राज्य के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का रखरखाव।*	**क्र.सं. 16** *केबीसी सड़क विकास चरागाह पौधरोपण में आरसीआई, बीडीएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाएं*	**क्र.सं. 19** *हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के माध्यम से स्कूल शौचालयों का निर्माण*
1	प्रासंगिकता	**5**	**5**	**4**	**4**
2	दक्षता	**4**	**4**	**3**	**4**
3	प्रभावशीलता	**4**	**4**	**3**	**4**
4	नवोन्मेष	**4**	**4**	**4**	**4**
5	स्थिरता	**3**	**3**	**3**	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**3**	**3**	**4**	**4**
	कुल	**4**	**4**	**4**	**4**

VI ग्रामीण विकास क्षेत्र परियोजनाएँ:

क्र.सं.	मानदंड	क्र.सं. 13	क्र.सं. 14
		गांवगोद लेना - सैन्य माधवराम	*गांवगोद लेना - गोंडुपालम*
1	प्रासंगिकता	**5**	**4**
2	दक्षता	**5**	**4**
3	प्रभावशीलता	**5**	**5**
4	नवोन्मेष	**4**	**4**
5	स्थिरता	**4**	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**5**	**4**
	कुल	**5**	**4**

VII पर्यावरणीय स्थिरता क्षेत्र परियोजना:

क्र.सं.	मानदंड	क्र.सं. 26
		राजन्ना सिरसीला जिले में वृक्षों की सुरक्षा दीवार बनाना
		4
1	प्रासंगिकता	**4**
2	दक्षता	**3**
3	प्रभावशीलता	**4**
4	नवोन्मेष	**4**
5	स्थिरता	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**4**
	कुल	**4**

VIII कंचनबाग पीएस सीमा पर सीसीटीवी स्थापना

क्र.सं.	मानदंड	क्र.सं. 18
		कंचनबाग पीएस सीमा पर सीसीटीवी स्थापना

1	प्रासंगिकता	**4**
2	दक्षता	**4**
3	प्रभावशीलता	**4**
4	नवोन्मेष	**4**
5	स्थिरता	**4**
6	सामुदायिक भागीदारी	**4**
	कुल	**4**

क्र.सं.	**सीएसआर परियोजना का नाम**	**सीएसआर क्षेत्र**
17	**सिपेट** (520 **प्रतिभागियों) के माध्यम से बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास**	**कौशल विकास**
21	**स्वच्छ भारत कोष**	**स्वच्छता**
22	**हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के माध्यम से स्कूल शौचालयों का निर्माण**	**स्वच्छता**
23	**जीएचएमसीभूमिगत कूड़ादान**	**स्वच्छता**
24	**सैन्य माधवराम गांव गोद लेना**	**ग्रामीण विकास**
29	**सीएसआर प्रशासनिक और उपरि शीर्ष**	**अन्य**

अध्याय V

निष्कर्ष

सामाजिक जिम्मेदारी की शुरुआत के साथ बीडीएल ने अपनी अभिनव सीएसआर पहलोंके माध्यम से सामाजिक विकास में शीर्ष स्तर प्राप्त करने का मुकामहासिल किया है। अब जब दुनिया भर के देश धरती को एक बेहतर और हरा-भरा बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं, बीडीएल ने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता और वंचित लोगों के स्थायी जीवन यापन के क्षेत्र में अपनी ग्रामीण विकास पहलों के माध्यम से इस देशकी नींव को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।बीडीएल द्वारा भूख, कुपोषण, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य देखभाल, दूरदराज के क्षेत्रों में बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा के अधिकार के प्रमुख मुद्दों को लक्षित करके एक व्यापक विकासपरक कार्यनीतिक कार्यक्रम तैयार किया गया था।

माधवरामऔर गोंडुपालेमजैसे गांवों को बीडीएल सीएसआर कार्यक्रमऔर लोगों के समर्थन से गोद लिया गया था; बीडीएल ने शानदार परिणाम के साथ अपनी विभिन्न योजनाओं को सफलतापूर्वक पूराकिया। बीडीएल द्वारा रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास, आईटीआई कॉलेजों की आधारभूत संरचना, जल जनित रोगों का उन्मूलन करने के लिए पेयजल उपलब्धता के लिए जल उपचार संयंत्रों की स्थापना और पानी की कमी को दूर करना,स्कूलोंके शौचालयों का रखरखाव करना जैसे कार्यक्रम कुछेक अन्य महत्वपूर्ण पहलों में से हैं। गांववासी खुश हैं और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं क्योंकि वे बीडीएल की विशाल सीएसआर गतिविधियों के तहत अपने बच्चों काउज्ज्वल भविष्य देखते हैं और अपने परिवारों के लिए बेहतर जीवन जीने की उम्मीदकरते हैं।

बच्चों के लिए "शिक्षा का अधिकार" को अपनी योजनाओं में ठोस रूप से शामिल करते हुए, बीडीएल ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ मिलकर सांगारेड्डी जिले और विशाखापत्तनम के गांवों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम लागू किया,जिसके तहत गरीबी और भूख के कारण स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की समस्या का समाधान करने के लिए 15,000 से अधिक लोगों को भोजन परोसा जा रहा है। यह योजना न केवल ग्रामीणों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करती है, बल्कि यह कुपोषण से लड़कर वंचितबच्चों की स्वास्थ्य स्थितियों को निपटनेमें भी मदद करती है।

बीडीएल की एक अन्य उल्लेखनीय पहल तेलंगाना राज्य के लगभग सभी जेड.पी.एच.एस./ सरकारी स्कूलों में 5000 स्कूल फर्नीचर प्रदान करने के लिए चेरलापल्ली और चंचलगुडा कारागारके कैदियों के साथ बीडीएल की भागीदारी रही है जिससे 15000 से अधिक छात्रलाभान्वितहुए हैं। नलगोंडा केलगभग 5 गाँवों को चांचलगुडा करागारके कैदियों द्वारा निर्मित स्कूल फर्नीचर उपलब्ध कराने की योजनाशिक्षा के क्षेत्र में उनकाएक और अनुकरणीय प्रयास था। इससे कैदियों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हेंसामाजिक रूप से जिम्मेदार बनने में मदद करने तथाउनमें नागरिकता के मूल्यपैदाकरने के लिए प्रेरित करना था। इसके अलावा,इन सुविधाओं सेस्कूलों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मदद

मिलेगी। नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन, जो एक सरकारी उपक्रम है,इन कैदियों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यहां तक कि आधुनिक सुधार अवधारणाओं जैसे समूह चिकित्सा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, मूल्य शिक्षा, रखरखाव कार्य और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से इन कैदियों कोमनोवैज्ञानिक रूप से सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियाँ हमेशा सेबीडीएल की सीएसआर पहलों का हिस्सा रही हैं और अपने मूल्यों पर खरा उतरते हुए इसने हेल्पएज इंडिया के सहयोग से यदाद्री और विशाखापत्तनम जिलों के गांवों में रहने वाले बुजुर्ग नागरिकों काउचित उपचार करने के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और मुफ्त दवा और परामर्श जैसे अनेक उपयोगी कदम उठाए हैं।इसकी पहल को घर-घरपहुंचाने और अपनी मोबाइल मेडिकेयर यूनिटोंके माध्यम से अस्पताल को घरों तकलाने के लिए इस पहल की काफी सराहना हुईहै। वृद्धमृत्यु दर में कमी के साथ इस कार्यक्रम ने इन ग्रामीण क्षेत्रों के सामान्य सार्वजनिक स्वास्थ्य को बहालकरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तोतेलंगाना और विशाखापत्तनम जिलों के दूरदराज के गांवों में कई सरकारी स्कूलों में शौचालय और हाथ धोने के लिए पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। छात्रों को सर्व शिक्षा अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के तहत अच्छी तरह से हाथ धोने तथास्वास्थ्य एवंस्वच्छता बनाए रखने के लिए शौचालय का उपयोग करने की अच्छीआदतें अपनानेके लिए शिक्षित किया जा रहा है। पर्यावरणीय स्थिरता के तहत बीडीएल ने 40000 ट्री गार्ड प्रदान किए हैंऔर तेलंगाना सरकार के हरिथा हारामनामकप्रतिष्ठित कार्यक्रम के तहत पेड़ोंको बचाया गया है।

बीडीएल ने अपने एजेंडों में से एक के रूप में "जीवन के अधिकार" को अपनायाहै। इसने दूषित पानी की समस्याऔर पेयजलकी कमी, जिससे जलजनित रोग और खराब स्वास्थ्य स्थितियों पैदा होती हैं,सेप्रभावित गाँवों में स्वच्छ पेयजल के प्रावधान की अपनी पहल के माध्यम से नांदी फाउंडेशन के साथ मिलकर कई छोटे-छोटे कदम उठाए हैं। नवीनतम आरओ तकनीक से लैस वाटर उपचार संयंत्र विभिन्न गाँवों में लगाएगए हैं, जो परिवारों को न्यूनतम लागत पर स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराकर उनकी मदद कर रहे हैं। इन पहलों और उनके उत्कृष्ट परिणामों सेबीडीएल राष्ट्र के विकास में अग्रणी साबित हुआ है और यहइस बात का सच्चा उदाहरण है कि सीएसआर वास्तव में क्या है। हितधारकों और लाभार्थियों द्वारा व्यक्त गहरी कृतज्ञता की तुलना किसी संख्या से नहीं की जा सकती और ऐसा करना बीडीएल के साथ न्याय नहीं होगा जो वह राष्ट्रीय विकास की अपनी सच्ची भावना के रूप में संजोए हुए है।

अनुलग्नक

अनुलग्नक I हितधारकों की बातचीत

S.No	CSR Activity	Visit to	Stakeholders Details
8	Distribution of Artificial Limbs	Mandal Parishad Office, Cheriyal	i) Mr. M. Mallaiah, Agriculture, Age: 41, Rampur Village, Cheriyal Mandal
			ii) Kumari Swapna, Age: 30 No work (polio patient), Mushtyala Village, Cheriyala Mandal
			iii) Mr. Kadari Rajaiah, Retired, Age: 60, Akunur Village, Cheriyal Mandal
			iv) Smt. Kadari Balavva, Retired, Age: 80, Akunur Village, Cheriyal Mandal
			v) Mr. G. Kankaiah, Age: 61, Komuravelli Village, Cheriyal Mandal
			vi) Smt. Y Suguna, Age: 35, Agriculture, Marri Musthiala Village, Komuravelli Mandal
			vii) Mr. C. Karnakar, Age: 27, Mason Work, Cheriyal village and Mandal
			viii) Mr. C. Ashok, Age: 17, no work, Chityala Village and Cheriyal Mandal
			ix) P. Srikanth, VIII class, Veerannapet Village and Cheriyal Mandal
			x) N. Akash, Age: 15, Dhoolmitta village and Maddur Mandal
			xi) N. Pravallika, Age: 20, Dhoolmitta village and Maddur Mandal
			xii) D. Akhila, Age: 16, Akunur Village and Maddur Mandal
			xiii) Mr S Rajasekhar, Age: 20, Agriculture, Kootigal village
			xiv) Mr E Rajaiah, Age: 50, Agriculture, Vechareni village, Cheriyal Mandal
			xv) Mr. Ashok, Age: 26, Labor work, Duddeda village
			xvi) Mr. K Ramesh, Age: 30, Labor work, Duddeda village
			xvii) Mr D Ramesh, Age: 30, Self employment, Nagapuri, Siddipet
			xviii) Mr Y Chandraiah, Age: 32, work at temple, Komaravelli village, Siddipet district
			xix) Ms. Rajamani, Age: 35, no work, Bairanpally village, Siddipet
			xx) Mr B Nagaraju, Age: 31, Degree, no work, Chityala village

			xxi) Mr K Raju, Age: 25, Agriculture, Thoranala village
			xxii) Smt. M Satamma, Age: 60, Labor work, Maramulla village
			xxiii) Mr. Balaraju, Age:35, no work, Maramulla village
			xiv) Smt. P. Lalitha, Age: 32, Agirculture, Salakpoor village, Siddipet
			xxv) Mr P Ganesh, Age: 20, no work, Duddeda village
26	School Furniture for Govt.Schools in Telangana Through Chanchalguda and Cherlapally Prisons	Cherlapally, Hyderabad	i) Mr. R Bhaskar, Superintendent of Central Prison, Cherlapally ii) Mr. Srinivas, Administrative Officer, Central Prison, Cherlapally iii) Mr. Venkataramana, Senior Assitant, Central Prison, Cherlapally iv) Mr. Manja Nayak, Instructor, Steel & Furniture, Central Prison, Cherlapally
10	Adoption of ITI (Govt. ITI, Old City and Govt. ITI, Alwal, Hyderabad)	Alwal, Hyderabad	i) Mr D Venkataramana, Principal, ITI College, Alwal ii) Mr G Ashok, Training Officer iii) Mr Ch Damodar, Superintendent iv) Mr V Shekhar Reddy, Deputy Training Officer
		Old City, Hyderabad	i) Smt Renuka, Principal, ITI College, Alwal ii) Mr Srinivasa Reddy, Training Officer, Fitter & Diesel Mechanic, R&AC iii) Mr Prasanth, Deputy Training Officer, Turner & Machinist iv) Smt Farheen Begum, Assistant Training Officer, Draughtsman (Civil) v) Mr H Vasudevachari, AE, TSEWIDC vi) Mr Saikiranm AE, TSEWIDC **Draughtsman Trainees:** vii) Mr N Bhanu Prasad viii) Mr S Naveen Kumar ix) Mr Ch Chandu x) Mr Md. Irfan xi) Mr Md Imail xii) Mr V Abhishek xiii) Mr B Surender xiv) Mr B Saiteja **Turner & Machinist Trainees:** xv) Mr Venu xvi) Mr Prabhakar xvii) Mr Ahmedkhan xix) Mr Shankar
7 & 28	a) Skill Development training for Unemployed youth through CIPET and b) Skill	Cherlapally, Hyderabad	**Teaching Staff:** i) Mr A V R Krishna, Director & Head ii) Mr Vijaya Kumar, Senior Technical Officer (P/T) iii) Mr D. V. Sai Surendra, Senior Technical Assistant iii) Mr B Srikar, Technical Officer (CAD/CAM) iv) Mr Anji Naik, Librarian v) Mr Mallikarjuna Reddy, Faculty

	Development of Unemployed youth through CIPET (520 students)		**Trained Students (Interviewed Over phone):** i) Mr Md Sadik, MO-TR, Yaptla Village, Pedda Kothapally Mandal, Nagarkurnool district ii) Mr N Sarath Kumar, MO-CNC Milling, Visakhapatnam iii) Mr K Shiva Rama Krishna, MO-CNC Lathe, Mangalagiri, Guntur District iv) Mr M Chanti, MO-CNC Lathe, Kothavalasa, Visakhapatnam district v) Ms B Sruthi, MO-CNC Milling, ---------- vi) Mr B Nagesh, MO-PP, Gumpulagudem Village, Karepally Mandal, Khammam district vii) Ms. G Sunanda Sai, MO-CNC Lathe, Warangal viii) Mr Md Farroz, MO-PP, Nagaram, Keesara Mandal ix) Mr G Hemanth Kumar, MO-TR, Amudalavalasa, Srikakulam district x) Mr Deepak Mallik, MO-PP, Hyderabad
3	Healthcare at Nalgonda	Chotuppal	i) Dr Yuva Raj, MHU Doctor ii) Mr Kaladhar, Social Protection Officer iii) Mr Prasad, Pharmacist iv) Mr Vinoth, MHU Van Driver
		Samsthan Naryanpur	**Beneficiaries:** i) Smt Mangamma, Age 70 years, Card no. 72 ii) Mr J Venkat Reddy, Age: 78 years, Card No. 519-A iii) Smt J Sathemma, Age: 66 years, Card No. 519-B iv) Smt M Rangamma, Age: 68 years, Card No. 320 v) Smt Ippa Sandhamma, Age: 71 years, Card No. 538 vi) Smt Susheela, Age: 64 years, Card No 22 vii) Smt Balamma, Age: 74 years, Card No 55 viii) Mr L Narsimha, Age: 70 years, Card No 311 ix) Mr V Gopal, Age: 68 years, Card No 250 x) Mr G Venkatesham, Age: 57 years, Card No 67 xi) Mr Bixamaiah, Age: 56 years, Card No 493 xii) Mr M Galaiah, Age: 56 years, Card No 480 **and many more beneficiaries**
		Janagam	**Beneficiaries:** i) Mr Viswanath, Age: 64 years, Card No. 209 ii) Mr T Sataiah, Age: 60 years, Card No. 61 iii) Mr Pentaiah, Age: Age: 60 years, Card No. 103-A iv) Smt. G Nagamma, Age: 55 years, Card No. 103-B v) Smt G Muthamma, Age: 62, Card No. 3 vi) Smt G Aruna, Age: 55 years, Card No 292 vii) Smt S Janamma, Age: 66 years, Card No 46 viii) Smt V Susheela, Age: 60, Card No 140 **and many more beneficiaries**
5	Safe Drinking Water	Peepalpahad	i) Mr Venkat ii) Mr Mahender iii) Mr Nagesh iv) Mr Ravi, Plant Operator v) Mr Ramulu, Age: 75, Card No. 17, vi) Mr Narsimha, Age: 65 years, Card No. 160, vii) Mr G Pentaiah, Age: 68 years viii) Smt B Satemma, Age: 52 years, Card No. 246

			x) Mr Narsimha, Age: 55, Card No 178, **and many more beneficiaries and villagers**
		Samsthan Narayanpur	i) Mr Srinivas, Plant Operator ii) Smt Manjula, CoMHUnity Health Worker iii) Mr Palakura Venkatesham, Age: 48, Card No. NP-120 iv) Mr Raparthi Ramesh, Age: 42 v) Mr P Rajamouli, Age: 40, NP-212 vi) Mr S Bixapathi, Age: 45, NP-126 vii) Mr Chiluveru Satish, Age: 32, NP-13 viii) Mr Vidam Damodar, Age: 50, NP-51 ix) Mr S Raghu Nayak, Age: 35, NP-45 x) Mr Manchikanti Srinivasulu, Age: 60, NP-50 **many more beneficiaries and villagers**
		Janagam	i) Mr Narsimha, Plant Operator ii) Smt Radha, CoMHUnity Health Worker iii) Mr Avangani Lingaiah, Age:46, Card No. 23 iv) Mr Manchala Narsimha, Age: 45, Card No. 25 v) Mr Sangam Bixam, Age: 38, Card No. 123 vi) Mr Baikoni Srinu, Age: 37, Card No. 24 vii) Mr Gaddam Pakira, Age: 45, Card No. 124 viii) Mr Gondigalla Yadaiah, Age; 44, Card No. 461. **many more beneficiaries and villagers**
24	GHMC Underground Garbage Bins	Hyderabad	It is ongoing activity, works are yet to be initiated
16	RCI, BDL & Other DRDO Labs at KBC Roads Development, Arboriculture Plantation	Hyderabad	i) Mr S K Subhan, Contractor, Bharath Gardens ii) Mr Krishna, Contractor, Bhavani Nursery iii) Mr M Srinu, Private Employee iv) Mr Siddqui Saheb, Horticulturist v) Mr Jayamani Prasad, Retired employee vi) Mr Chakrapani, Retired employee
1	Midday Meal Programme – Patancheru	Primary School, Sultanpur	i) Mr Udaya Kumar, Headmaster ii) Smt Anasurya, Mid day meals –Helper iii) students group
		ZPHS High School, Sultanpur	i) Mr Muralidhar, Headmaster ii) Mr Dayanand Reddy, Maths Teacher and Mid day meals programme in charge iii) Smt Vanaja, Telugu Teacher iv) Smt Anasurya, Mid day meals – Helper **X standard students:** i) Pooja ii) Madhava Chari iii) Madhavi iv) Dastagiri v) Pravallika
		UPS School, Gandigudam	i) Smt Glory Hephzibah, Headmistres ii) Smt Padma – Mid day meals programme - Helper **VII standard students:** i) Kishore ii) Pinky

			iii) Nagaraj iv) Suraj v) Pentesh vi) Vani vii) Veena viii) Harika ix) Keerthana x) Mounika
		Primary School, Janakampet	i) Mr N Praveen Kumar, Headmaster ii) Smt Narayanamma, Teacher iii) Smt Manjula, Mid day meals programme - Helper iii) students group
		Primary School, Wadakpalle	i) Smt. D Sirisha, Headmistress and students group
		Primary School, Kistareddypet	i) Smt Victoria, Headmaster ii) Smt Kalavathi iii) Mr Purneswar iv) Smt Sangita Rani **V standard students** i) Neerikshana ii) Arvind iii) Mounika **IV standard students** i) Navaneetha ii) Avantika iii) Mounika
		ZPHS School, Kistareddypet	i) Mr Anja Goud, Headmaster ii) Mr V Harikishan, Social Teacher iii) Mr Dayanand, Mather Teacher **VI standard students:** i) Swathi ii) Swetha iii) Archana
		Primary School, Shanthinagar-Patancheru	i) Smt M Renuka, Headmistress ii) Smt M Rajini, Teacher iii) Mr Sayath Sahed, SMC Committee-Chairman **Students**: i) Meher begum ii) Sania iii) Afsin iv) Shilpa v) Sumaiah vi) Dilip
		Primary School, Gowthamnagar	i) Smt B. Sunanda, Headmaster ii) Smt Victoria Rani, School Teacher **V standard students** i) Sonam ii) Padma iii) Meena iv) Siva v) Jubair
		Primary School (Girls), Patancheru	i) Smt B Jansi, Headmistress ii) Smt Pratiba, Teacher

			iii) Smt Saraswathi, Teacher iv) Mr Jaipal, Teacher v) Smt Chandrakala, Mid day meals programme - Helper **V standard students:** i) Kaveri ii) Keerthana iii) Sriman iv) Mahima v) Anjali
11	Maintenance of School Toilets of Telangana State	ZPHS High School, Sultanpur	i) Mr Muralidhar, Headmaster ii) Mr Dayanand Reddy, Maths Teacher and Mid day meals programme in charge iii) Smt Vanaja, Telugu Teacher iv) Smt Pushpamma, Scavenger **X standard students:** i) Pooja ii) Madhava Chari iii) Madhavi iv) Dastagiri v) Pravallika
		UPS School, Gandigudam	i) Smt Glory Hephzibah ii) Smt Padma – Scavenger **VII standard students:** i) Kishore ii) Pinky iii) Nagaraj iv) Suraj v) Pentesh vi) Vani vii) Veena viii) Harika ix) Keerthana x) Mounika
		Primary School, Janakampet	i) Mr N Praveen Kumar, Headmaster ii) Smt Narayanamma, Teacher iii) Smt Manjula, Scavenger iii) students group
		Primary School, Wadakpalle	i) Smt. D Sirisha, Headmistress and students group
		Primary School, Shanthinagar-Patancheru	i) Smt M Renuka, Headmistress ii) Smt M Rajini, Teacher iii)Mr Sayath Sahed, SMC Committee-Chairman iv) Smt Vijayalaxmi - Scavenger **Students**: i) Meher begum ii) Sania iii) Afsin iv) Shilpa v) Sumaiah vi) Dilip

		Primary School, Gowthamnagar	i) Smt B. Sunanda, Headmaster ii) Smt Victoria Rani, School Teacher iii) Scavenger **V standard students** i) Sonam ii) Padma iii) Meena iv) Siva v) Jubair
		Primary School (Girls), Patancheru	i) Smt B Jansi, Headmistress ii) Smt Pratiba, Teacher iii) Smt Saraswathi, Teacher iv) Mr Jaipal, Teacher v) Smt Laxmi, Scavenger **V standard students:** i) Kaveri ii) Keerthana iii) Sriman iv) Mahima v) Anjali
13	Village Adoption	Military Madhavaram, West Godavari	**Village Elders** i) Mr Vamshi, Contractor ii) Mr Veeraiah, Village Elder iii) Mr P Raghavaiah, Villag Elder iv) Mr Pasala Krishna, Villag Elder v) Mr Pasala Kondaiah, Village Elder vi) Smt Pasala Venkata Rao, Ex-MPTC vii) Mr Veera Venkata Rao, Villag Elder viii) Mr D Srinivasa Rao, Villag Elder ix) Mr R Gopi Krishna, Villag Elder x) Mr Y Srinivasa Rao, Villag Elder **College – Lecturers and Students** i) Mr Neelakanteswara Rao, Principal, Govt College, Military Madhavaram ii) Mr YSS Chaitanya, Physics Lecturer iii) Smt K Vijaya Kumari, Commerce Lecturer iv) Mr K Potha Raju, Civics Lecturer v) Smt Rani, History Lecturer vi) Mr Amarnath, Mathamatics Lecturer vii) Mr K Udaya Bhaskar Reddy, Economics Lecturer viii) Mr PVVNSN Murthy, Telugu Lecturer **College Students:** i) Ramya, II year-CEC ii) Jyothika, II year – HEC iii) Sai Gani, II year – HEC iv) Krishna Kumar, II year – HEC v) Babu, II year – HEC vi) Mahalaxmi, II year - CEC **School – Teachers, Students: ZPHS** i) Mr Nageshwara Rao, Headmaster, ZPHS High School, Military Madhavaram ii) Mr Y Swarajya Srinivas, SA – Physics iii) Mr Ch Suresh Babu, SA-Physics iv) Mr Nagarjuna Rao, Physical Director **Students – X Standard:**

			i) Nagaraju ii) Ajay iii) Sri Ram iv) Srinivas v) Naresh **School – Teachers, Students: Primary School (Ananda Lahiri Abyasanam (ALA-2)** i) Mr G Subba Rao, Headmaster ii)Smt R S L Krishna Kumari, Teacher **Students – V Standard**: i) D Anisha ii) R Indu Kumar iii) Y Sampath iv) Y Keerthi v) A Laxmi Pravallika
2	Midday Meal Programme	GVMC High School, Burma Colony	**Teachers**: i) Smt D Shanthi Kumari, Headmistress ii) Mr J Kiran Kumar, SA-Maths iii) Smt K Padma, SA- Biological Sciences iv) Mr R S S Prasanthi, SA – Physics v) Mr Devudu, Telugu Teacher vi) Mr Srinivasa Reddy, Crafts Teachers and Mid day meals programme – In-charge **Parents:** i) Mr Someshwara Rao, Electrician ii) Mr Suryanarayan, Taxi Driver iii) Mr Venkataramana, Mason iv) Mr Apparao, Mason v) Mr Eshwara Rao, Driver **Students: (VIII and IX Standards)** i) Teja ii) Kalyani iii) pallavi iv) Pavani v) Vishnu
		GVMC Primary School, Burma Colony	**Teachers** i) Smt Aruna Kumari, Headmistress ii) Smt S Saraswathi, Teacher iii) Smt D Pavani, Teacher iv) Smt Madhavi, Teacher v) Mr Devudu, Teacher vi) Smt Mahalaxmi, Mid day meals programme – Helper **Parents:** i) Mr J Satyanarayana, Labor ii) Smt Shiva Parwathi, Daily Labor iii) Mr Raffee, Juice Stall iv) Mr Ramana, Lorry Driver v) Mr Ajay Kumar, Private Employee vi) Mr Srinivasa Rao, Private Employee vii) Mr Shivsankar, Painter viii) Mr Santosh, Electrician ix) Mr Avataram, Daily Labor x) Mr Appa Rao, Auto Driver

			Students – V Standard: i) J Swarup ii) Avinash iii) Akhil iv) Ghouse v) Durga Prasad vi) Linisha vii) Sri Ramani viii) Komali ix) Pranathi x) Charanya
		Port High School, Godavari	**Teachers:** i) Mr G Venkat Reddy, Headmaster ii) Smt Anupama Devi Ratnam, English Teacher iii) Mr Surya Narayana, Maths Teacher **Parents:** i) Mr Joji, Labor ii) Mr. Laxman, Labor iii) Mr Naidu, Labor iv) Mr Laxman Rao, Auto Drive v) Mr Srinu, Labor vi) Mr Trinath, Private Employee vii) Mr Ganapathi, Auto Driver viii) Mr Ramakrishna, Labor **Students – X Standad:** i) Poojitha ii) Nilima iii) Naga Devi iv) Leela v) Surya Laxmi vi) Kavya vii) Sravani viii) Ramakrishna
		GVMC High School, Madhavadara	**Teachers:** i) Mr G Brahmaji, Headmaster ii) Smt Hyma, Biology Teacher iii) Smt Sreedevi, Drill Teacher **Parents:** i) Mr Santoshi Rao, Cooker at Hotel ii) Mr Ramakrishna, Driver iii) Mr Rama Rao, Salesman iv) Mr Rama Rao, Lorry Driver v) Mr Anand, Painter vi) Mr Babu Rao, Mason vii) Mr Soraiah, Fruits Seller **Studnets – X Standard:** i) Mangeswari ii) Usha Rani iii) Jayanthi iv) Sai Kumar v) Saichand vi) Anuradha vii) Sridevi

6 & 27	6. Skill Development through Indo-German Institute of Advance Technology (IGIAT) and 27. Establishing BDL Digital Labs at IGIAT	Indo-German Institute of Advance Technology (IGIAT)	i) Mr V Ramulu, Chodavaram mandal, Visakhapatnam (Solar panel technician course trainee) ii) Mr December Rao, Salur mandal, Vizianagarm (Solar panel technician course trainee) iii) Mr S Dalibandu, Salur mandal, Vizianagarm (Solar panel technician course trainee) to be added more
4	Helathcare at Visakhapatnam	MHU, Narsipatnam	i) Dr. Srirama Murthy, MBBS doctor ii) Mr Kiran Babu, SPO ii) Mr Ramakrishna, Pharmacist iii) Mr Jeevan Kumar, Driver
		Sammagiri	i) Mr Kondalgiri, Age: 59, Card No. 48 ii) Smt S Seethamma, Age: 79, Card No. 10 iii) Mr S Pentaiah, Age: 60, Card No. 12 iv) Smt K Gangamma, Age: 58, Card No. 121 **and another 17 more beneficiaries**
		Lammasingi	i) Mr T Srinivas, Age; 58, Card No. 75 ii) Smt V Nellamma, Age:76, Card No. 24 iii) Mr Kanna Babu, Age: 62, Card No. 1 iv) Mr K Venkat Rao, Age: 67, Card No. 4 **and another 10 more beneficiaries**
		Yetigairampet	i) Mr RaMHUrthy, Age: 72, Card No. 68 ii) Smt Pentamma, Age: 61, Card No. 93 iii) Mr Achari Brahma, Age: 71, Card No. 33 iv) Smt Susheela, Age: 63, Card No. 40 **and another 9 more beneficiaries**

अनुलग्नकIIस्कूलोंमेंसहभागिता

(a) पाटनचेरूस्कूलोंमेंमिडडेमीलस्कूलोंकीसहभागिता

S.No	School Name	Date	Interacted with	Total Number of Students (Beneficiaries)
1	Primary School, Sulthanpur	15.6.2019	i) Mr Udaya Kumar, Headmaster ii) Smt Anasurya, Mid day meals –Helper iii) Students group iv) SMC committee members & Parents v) Mid day meals committee members	66
2	Z.P.H.S High School, Sultanpur	15.6.2019	i) Mr Muralidhar, Headmaster ii) Mr Dayanand Reddy, Maths Teacher and Mid day meals programme in charge iii) Smt Vanaja, Telugu Teacher iv) Smt Anasurya, Mid day meals – Helper v) SMC committee members & Parents	125

3	UPS School, Gandigudem	15.6.2019	i) Smt Glory Hephzibah, Headmistres ii) Smt Padma – Mid day meals programme – Helper iii) Teachers & Students iv) SMC committee members & Parents v) Mid day meals committee members	145
4	Primary School, Janakampet	15.6.2019	i) Mr N Praveen Kumar, Headmaster ii) Smt Narayanamma, Teacher iii) Smt Manjula, Mid day meals programme - Helper iii) students group iv) SMC committee members & parents	24
5	Primary School, Wadakpalle	15.6.2019	i) Smt. D Sirisha, Headmistress ii) Mid day meals helper iii) Students iv) SMC committee members & parents	20
6	Primary School, Kistareddypet	15.6.2019	i) Smt Victoria, Headmistress ii) Smt Kalavathi, Teacher iii) Mr Purneswar, Teacher iv) Smt Sangita Rani, Teacher v) Students vi) Mid day meals committee members vii) SMC committee members & Parents	122
7	Z.P.H.S High School, Kistareddypet	15.6.2019	i) Mr Anja Goud, Headmaster ii) Mr V Harikishan, Social Teacher iii) Mr Dayanand, Mathes Teacher iv) Students & Teachers v) SMC committee members & Parents vi) Mid day meals committee members	157
8	Primary School, Shanthinagar-Patancheru	15.6.2019	i) Smt M Renuka, Headmistress ii) Smt M Rajini, Teacher iii) Mr Sayath Sahed, SMC Committee-Chairman iv) Parents v) Students vi) Mid day meals committee members	50
9	Primary School, Gowthamnagar, Patancheru	15.6.2019	i) Smt B. Sunanda, Headmistress ii) Smt Victoria Rani, School Teacher iii) SMC committee members & Parents iv) Mid day meal programme - Helper	72
10	Primary School-Girls, Patancheru	15.6.2019	i) Smt B Jansi, Headmistress ii) Smt Pratiba, Teacher iii) Smt Saraswathi, Teacher iv) Mr Jaipal, Teacher v) Smt Chandrakala, Mid day meals programme – Helper v) Students vi) SMC committee members	130

(b) विशाखापत्तनम स्कूलोंमेंमिडडेमीलस्कूलोंकीसहभागिता

S.No	School Name	Date	Interacted with	Total Number of

				Students (Beneficiaries)
1	GVMC High School, Burma Colony	20.6.2019	**Teachers**: i) Smt D Shanthi Kumari, Headmistress ii) Mr J Kiran Kumar, SA-Maths iii) Smt K Padma, SA- Biological Sciences iv) Mr R S S Prasanthi, SA – Physics v) Mr Devudu, Telugu Teacher vi) Mr Srinivasa Reddy, Crafts Teachers and Mid day meals programme – In-charge **Parents:** i) Mr Someshwara Rao, Electrician ii) Mr Suryanarayan, Taxi Driver iii) Mr Venkataramana, Mason iv) Mr Apparao, Mason v) Mr Eshwara Rao, Driver **Students: (VIII and IX Standards)** i) Teja ii) Kalyani iii) pallavi iv) Pavani v) Vishnu and more students, Mid day meals programme committee members, SMC committee members	500
2	GVMC Primary School, Burma Colony	20.6.2019	**Teachers** i) Smt Aruna Kumari, Headmistress ii) Smt S Saraswathi, Teacher iii) Smt D Pavani, Teacher iv) Smt Madhavi, Teacher v) Mr Devudu, Teacher vi) Smt Mahalaxmi, Mid day meals programme – Helper **Parents:** i) Mr J Satyanarayana, Labor ii) Smt Shiva Parwathi, Daily Labor iii) Mr Raffee, Juice Stall iv) Mr Ramana, Lorry Driver v) Mr Ajay Kumar, Private Employee vi) Mr Srinivasa Rao, Private Employee vii) Mr Shivsankar, Painter viii) Mr Santosh, Electrician ix) Mr Avataram, Daily Labor x) Mr Appa Rao, Auto Driver **Students – V Standard:** i) J Swarup ii) Avinash iii) Akhil iv) Ghouse v) Durga Prasad vi) Linisha vii) Sri Ramani viii) Komali ix) Pranathi x) Charanya and more students, Mid day meals	360

			programme committee members, SMC committee members	
3	Port High School, Godavari	20.6.2019	**Teachers:** i) Mr G Venkat Reddy, Headmaster ii) Smt Anupama Devi Ratnam, English Teacher iii) Mr Surya Narayana, Maths Teacher **Parents:** i) Mr Joji, Labor ii) Mr. Laxman, Labor iii) Mr Naidu, Labor iv) Mr Laxman Rao, Auto Drive v) Mr Srinu, Labor vi) Mr Trinath, Private Employee vii) Mr Ganapathi, Auto Driver viii) Mr Ramakrishna, Labor **Students – X Standad:** i) Poojitha ii) Nilima iii) Naga Devi iv) Leela v) Surya Laxmi vi) Kavya vii) Sravani viii) Ramakrishna and more students, Mid day meals programme committee members, SMC committee members	418
4	GVMC High School, Madhavadara	20.6.2019	**Teachers:** i) Mr G Brahmaji, Headmaster ii) Smt Hyma, Biology Teacher iii) Smt Sreedevi, Drill Teacher **Parents:** i) Mr Santoshi Rao, Cooker at Hotel ii) Mr Ramakrishna, Driver iii) Mr Rama Rao, Salesman iv) Mr Rama Rao, Lorry Driver v) Mr Anand, Painter vi) Mr Babu Rao, Mason vii) Mr Soraiah, Fruits Seller **Studnets – X Standard:** i) Mangeswari ii) Usha Rani iii) Jayanthi iv) Sai Kumar v) Saichand vi) Anuradha vii) Sridevi and more students, Mid day meals programme committee members, SMC committee members	654

अनुलग्नक III -

इन्फ्रास्ट्रक्चर विवरण मशीनें / CIPET –हैदराबादकेउपकरण

S.No	Machines / Equipments in Processing Department	S.No	Machines / Equipments in Tool Rooms Department
1	Hand Injection Moulding Machine -3 number	1	CNC Lathe -1 number
2	Hand Blow Moulding Machine -1 number	2	CNC Milling -1 number
3	Semi- Hand Blow Moulding Machine – 1 number	3	CNC EDM -1 number
4	Semi- Auto Vertical Injection Moulding Machine – 1 number	4	Tool Craft EDM -1 number
5	Hand Compression Moulding Machine(25t) -1 number	5	B.F.W Milling -1 number
6	Automatic Injection Moulding Machine (Arbug)-50t – 1 number	6	H.M.T Milling—Mitr -1 number
7	Automatic Injection Moulding Machine (Sp-130) – 1 number	7	Vikram Lathe -1 number
8	Automatic Injection Moulding Machine (Epm-180) – 1 number	8	Surface Grinder (Praga) -1 number
9	Automatic Injection Mould Machine (Jsw-75) – 1 number	9	Single Lip Cutter -1 number
10	Automatic Injection Moulding Machine (Polo Smart 250 Ton) – 1 number	10	Drilling Machine - 2 number
11	Automatic Injection Moulding Machine (Magna M/C-275 Ton) – 1 number	11	Bench Grinder -1 number
12	Automatic Injection Mould Machine (Jit 80)-2 number	12	Pedestal Grinder - 1 number
13	Automatic Injection Mould Machine (Toshiba 80) – 1 number	13	Chilling Plant – 2 number
14	Automatic Injection Mould Machine (Std 90) – 1 number	14	Compressor - 1 number
15	Automatic Injection Mould Machine (Electron 155) – 1 number	15	Stabiliser (Milling) - 1 number
16	Automatic Injection Mould Machine (Toshiba 450) – 1 number	16	Stabiliser (Lathe) - 1 number
17	Automatic Compression Moulding Machine (Malic Sons-100t) – 1 number	17	Stabiliser (EDM) - 1 number
18	Film Plant (Konark) – 2 number	18	Tool & Cutter Grinder – 1 number
19	Film Plant (Smt) – 1 number	19	Fn2v Milling – 1 number
20	Twin Screw Extruder (Jsw) – 1 number	20	Pantograph – 1 number
21	Pipe Plant (Sai Machine Tools) – 2 number	21	EDM Stabiliser – 1 number
22	Blow Moulding (T.C Maschinen Pvt Ltd.)-1ltr – 1 number	22	CNC Wirecut – 1 number
23	High Speed Mixer (Arun Enterprises)-25kg – 1 number	23	Drilling Machine – 1 number
24	Colour Blender (Supreme)-25kg – 1 number	24	Bench Grinder – 1 number
25	Hot Air Oven (Artic Aircon)-25kg – 1 number	25	GD Weeler Lathe – 4 number
26	Weighing Machine (Avory) – 1 number	26	BFW Milling – 2 number

27	Vertical Injection Mould Machine (Lohar Mech. Engg. Works) – 1 number	27	Calman Drilling – 1 number
28	Mould Temperature Controller (Arun)-50ltr – 1 number	28	HMT Milling Batlyboy – 1 number
29	Colour Mixer (Pioneer Mfg.)-25kg – 1 number	29	Cylindrical Grinding M/C – 1 number
30	Pre Drying Oven – 1 number	30	Pantograph – 1 number
31	Hydraulic Trainer (Niyo Software) – 1 number	31	Tool & Cutter – 1 number
32	Thermoforming (Machine Tools) – 1 number	32	CNC-EDM/ELC – 2 number
33	Roto Moulding (Vinod Rai Engineers) -200ltr – 1number	33	CNC Milling M- tab – 1 number
34	Hot Air Oven (Uniforce)-50kg – 1 number	34	CNC Lathe – 1 number
35	Vaccum Forming Machine (Eewa Trade Engg. Works) – 1 number	35	CNC Lathe – 1 number
36	Compressor – 1 number	**S.No**	**Facilities**
37	Frp Cooling Tower (Star Cooling Tower) – 1 number	1	Class Rooms: 5
38	Chiller (Smani) – 1 number	2	Computer Labs: 2
39	Mould Temperature Controller (Smani)- 1 number		
40	Bench Grinder (Hi-Fine Machine Tools)		
41	Vertical Injection Mould Machine (Texair) - 1 number		
42	Thermoforming (Machine Tools) - 1 number		
43	Pulverizer (Vinod Rai Engineers) -1 number		
44	Stretch Blow Mould Machine (Technopet)0.5ltr: - 1 number		
45	Automatic Compression Moulding Machine (Hind)-40t -2 number		